पटाया में गोंफुसियोआर

निगेल टेलर

भ्रम
में
पटाया
द्वारा
निगेल टेलर

आइए इस पुस्तक की शुरुआत थाईलैंड आने के पाँच सबसे महत्वपूर्ण नियमों से करते हैं। ये वो पाँच जानकारी हैं जो आप जानना और पूछना चाहेंगे, और इन पाँच सरल नियमों का पालन करके आप अपना मानसिक संतुलन और पैसा दोनों बचा पाएंगे! ये नियम सरल तो लग सकते हैं, लेकिन जैसा कि आप जल्द ही जानेंगे, ये आसान नहीं हैं।

1. किसी थाई लड़की के प्यार में मत पड़ो!
2. किसी थाई लड़की के प्यार में मत पड़ो!
3. किसी थाई लड़की के प्यार में मत पड़ो!
4. किसी थाई लड़की के प्यार में मत पड़ो!
5. ओह! और एक बात और - किसी थाई लड़की से प्यार मत करना!

ठीक है, तो आप बात समझ गए होंगे, है ना? मौज-मस्ती के लिए यह एक बेहतरीन जगह है, लेकिन अगर आप प्यार की तलाश में आए हैं तो भूल जाइए! हालांकि, मुझे गलत मत समझिए, मुझे यकीन है कि आपमें से कुछ खुशनसीब लोगों को यहां सच्चा प्यार मिलेगा, यह वाकई मुमकिन है, लेकिन दुर्भाग्य से आपमें से ज़्यादातर लोग या तो दिल टूटे हुए या कंगाल होकर रह जाएंगे! ज़्यादातर संभावना यही है कि दोनों ही होंगे। आप जो पढ़ने वाले हैं वह मज़ेदार और दुखद दोनों है, लेकिन यह एक सच्ची कहानी है; आपको यकीन नहीं होगा, लेकिन यह सचमुच सच है, और इसे मोटे तौर पर यह भी कहा जा सकता है कि पर्यटकों को यह नहीं सिखाना चाहिए कि इसे सही तरीके से कैसे नहीं करना चाहिए, इसलिए सावधान रहें! ये लड़कियां आपका दिमाग बुरी तरह से खराब कर देंगी, और साथ ही आपके बैंक बैलेंस को भी!

परिचय

बैंकॉक, थाईलैंड के सुवर्णभूमि हवाई अड्डे पर विमान से उतरते ही, पासपोर्ट नियंत्रण की ओर लंबी पैदल यात्रा करते हुए, लंबी कतार में खड़े होकर पसीना बहाते हुए पासपोर्ट पर मुहर लगवाने का इंतज़ार करते ही,

आप खतरे में पड़ जाते हैं! एटीएम मशीन समझ लिए जाने का खतरा! अगर आपकी किस्मत अच्छी रही, तो शायद आपसे पहले कतार में कुछ सौ ही लोग हों; यहाँ अक्सर कई उड़ानें एक साथ उतरती हैं, ठीक उसी समय जब आप उतरते हैं!

जब आखिरकार आपकी बारी आती है, तो आपका सामना एक ऐसे सीमा शुल्क अधिकारी से होता है जो किसी खूंखार हत्यारे जैसा दिखता है और शायद जन्म से ही मुस्कुराया नहीं है! और आपने सोचा था कि यह मुस्कुराहटों का देश है? इस समय तो ऐसा बिल्कुल नहीं लगता। पासपोर्ट जाँचने वाला व्यक्ति आपको देखेगा, फिर आपकी पासपोर्ट फोटो को, फिर से आपको देखेगा, फिर आपकी पासपोर्ट फोटो को कई बार देखेगा, मानो उसे यकीन ही न हो कि फोटो में आप ही हैं। क्या उसे सच में लगता है कि यह फोटो कल ही खींची गई थी? सालों में लोगों का रूप-रंग थोड़ा बदल जाता है, इसमें आपकी कोई गलती नहीं है कि आप अब पांच साल पहले खींची गई इस फोटो की तुलना में ज़्यादा खाते हैं! आखिरकार, वह मान लेता है कि शायद आप ही हैं और आपको हरी झंडी दे देता है, "थाईलैंड में आपका स्वागत है।" आप देखते हैं कि वह व्यक्ति आपके पासपोर्ट पर मुहर लगाता है, लेकिन आप यह नहीं देखते कि वह आपके माथे पर एक अदृश्य 'ATM' की मुहर भी लगाता है जिसे केवल थाई लोग, खासकर थाई लड़कियाँ ही पढ़ सकती हैं! जैसे ही वह व्यक्ति आपको आपका मुहर लगा हुआ पासपोर्ट वापस देता है, आप राहत की सांस लेते हैं और अपना सामान लेने के लिए आगे बढ़ते हैं।

अब बारी है 'अंदाज़ा लगाओ कि मेरा सामान किस कन्वेयर बेल्ट पर होगा' का खेल खेलने की। आगमन दिखाने वाली विशाल स्क्रीन को घूरते हुए, यह इंतज़ार करते हुए कि आपका सामान कहाँ आएगा, आप देखते हैं कि आपकी ही फ़्लाइट के लोग छह अलग-अलग कन्वेयर बेल्ट पर इंतज़ार कर रहे हैं! यह हमेशा ही अफरा-तफरी जैसा लगता है। आख़िरकार आपको सही कन्वेयर बेल्ट मिल ही जाती है, आप सामान वाली कन्वेयर बेल्ट पर खड़े होकर धैर्यपूर्वक अपने सामान के आने का इंतज़ार करते हैं, कई मिनट बीत जाते हैं और कोई आहट नहीं होती। अब आप मन ही मन प्रार्थना कर रहे होते हैं कि आपका सामान वाकई उसी फ़्लाइट से समुद्र पार करके आया हो जिससे आप आए हैं, या कम से कम किसी भी फ़्लाइट से आया हो! कोई भी फ़्लाइट! आपकी राहत के लिए, आख़िरकार आपका सामान कन्वेयर बेल्ट पर आ जाता है और आप अपने सामान को ऐसे पकड़ लेते हैं जैसे वह आपका कोई बिछड़ा हुआ दोस्त हो जिससे अभी-अभी मुलाक़ात हुई हो, और ज़ाहिर है, यह विमान से उतरने वाला आख़िरी सामान होता है। अपना सामान लेने के बाद, आप कस्टम्स से गुज़रते हैं, जहाँ आम तौर पर सभी लोग टेबल पर सो रहे होते हैं, कितना थकाने वाला काम है!

सामान हाथ में लिए, टैक्सी स्टैंड की ओर बढ़ने का समय आ गया है। रास्ते में उन बच्चों की भीड़ से बचते हुए जो चिल्लाते हैं, "सस्ती टैक्सी चाहिए साहब।" कुछ पैसे बचाना लुभावना लगता है, लेकिन आपको अपनी मंज़िल तक ज़िंदा भी पहुँचना है! इसलिए आप सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं और आधिकारिक टैक्सी स्टैंड चुनते हैं। फिर पटाया जाने वाली टैक्सी के लिए एक बेहद आकर्षक थाई युवती से मोलभाव करते हैं, जो शायद आपसे फ़्लर्ट कर रही है या हो सकता है आप उससे फ़्लर्ट कर रहे हों? कौन परवाह करता है, आखिर

यह थाईलैंड है! किराया चुकाने के बाद, आप पहली बार बाहर निकलते हैं, और ऐसा लगता है जैसे आप किसी गर्म पानी के अड्डे में हैं! आप शायद टैक्सी के लिए सिर्फ़ एक मिनट ही इंतज़ार करते हैं, लेकिन उमस इतनी ज़्यादा होती है कि पसीना झरने की तरह बह रहा होता है। आप टैक्सी में बैठते हैं और ठंडी एयर कंडीशनिंग में आराम करते हैं। बस! आप पहुँच गए! अब आप पटाया जा रहे हैं, अपने सपनों की छुट्टी के लिए, जहाँ पैसे के भूखे गिद्ध आपका इंतज़ार कर रहे हैं। मज़ा शुरू होने दीजिए!

इस समय आपको शायद इसका एहसास न हो, लेकिन आप एक अनोखे क्लब का हिस्सा बन चुके हैं। आप आधिकारिक तौर पर एक चलती-फिरती, बोलती, सांस लेती, खाती, मल-मूत्र त्यागती, संभोग करती हुई पैसा कमाने वाली मशीन हैं! इस अनोखे क्लब में शामिल होने के लिए सिर्फ एक ही शर्त है, और आपने उसे पूरा कर लिया है थाईलैंड में अपने सपनों की छुट्टी मनाने के लिए। अगले दो हफ्तों तक आप जिनसे भी मिलेंगे, उन्हें आपके माथे पर बना यह अदृश्य टैटू दिखेगा जो यह बताता है कि आपके पास असीमित धन है, लेकिन आपको यह एहसास होने में कितना समय लगेगा? शायद आपको इसका एहसास ही न हो।

यह कहानी एक ऐसे व्यक्ति के बारे में है जिसने इसे कभी नहीं देखा, और आज तक नहीं देखा! यह रॉबर्ट की कहानी है...

शुक्रवार, 17 दिसंबर 2010 – रात 11:00 बजे

लगभग तीस घंटे की लंबी और थका देने वाली उड़ान के बाद हम अभी-अभी थाईलैंड में उतरे थे। मैं इससे पहले बारह बार थाईलैंड जा चुका था, लेकिन इस नए हवाई अड्डे पर कभी नहीं आया था। मुझे याद है कि पुराना हवाई अड्डा डॉन मुआंग इस तरह स्थित था कि बैंकॉक की हमेशा भीड़भाड़ वाली और गर्म सड़कों से होते हुए राजमार्ग तक पहुँचने में बहुत समय लगता था। नए हवाई अड्डे के ठीक बगल में राजमार्ग देखकर मुझे सुखद आश्चर्य हुआ, इसे कहते हैं बढ़िया योजना!

टैक्सी ड्राइवर ने हमें आराम से बैठने को कहा क्योंकि पटाया पहुँचने में सिर्फ़ एक घंटा लगेगा। उसने अपने मधुर स्वर में पूछा, "किसे बीयर चाहिए?" भला उस लंबी उड़ान के बाद भला हम इस प्रस्ताव को कैसे ठुकरा सकते थे? मैंने चिल्लाकर कहा, "हाँ, बीयर चाहिए!" पास के 7-Eleven पर थोड़ी देर रुकने के बाद हम पटाया की खूबसूरती की ओर चल पड़े। रॉबर्ट ने कहा, "अब से तीन हफ़्ते का स्वर्ग शुरू होता है।" सुनने में तो अच्छा लगता है, लेकिन अफ़सोस, रॉबर्ट के लिए ऐसा बिल्कुल नहीं हुआ।

रॉबर्ट फिशर

मेरी पहली मुलाकात रॉबर्ट से 2006 में हुई थी, जब वह एक दिन उस जिम में आया था जहाँ मैं काम कर रहा था, और वास्तव में वह उस व्यक्ति का ग्राहक था जो जिम का मालिक था, जाहिर तौर पर वह अपने बिस्तर के नीचे भरी हुई शॉटगन रखने और अनजाने में अपने घर में कानून से भाग रहे दो भगोड़ों को छिपाने के आरोप में दो साल की सजा काटने के बाद जेल से रिहा हुआ था।

खैर, ये तो उसकी कहानी है, लेकिन मुझे हमेशा लगता था कि पिछले दो साल जेल में रहने के बावजूद वो कुछ ज़्यादा ही तंदुरुस्त दिखता था! किसी भी तरह की कसरत के दौरान उसे बहुत पसीना आता था और उसका चेहरा बैंगनी पड़ जाता था; आप कह सकते हैं कि ये सेहत के लिए अच्छा नहीं था। वो हमेशा मेरे साथ ही जेल में रहता था, इसलिए हम एक-दूसरे को जानने लगे और आखिरकार वो मेरा क्लाइंट और दोस्त बन गया। क्लाइंट के तौर पर उसे ट्रेनिंग देना नामुमकिन था क्योंकि शराब हमेशा आड़े आती थी। पहले हमने अपने सेशन सुबह 9 बजे रखे, जो बहुत जल्दी था क्योंकि वो समय पर उठ भी नहीं पाता था। फिर हमने सेशन 11 बजे कर दिए, जो थोड़ा बेहतर था क्योंकि वो उठ तो जाता था लेकिन कसरत करने की हालत में नहीं होता था। फिर हमने सेशन 1 बजे कर दिए, जिस पर वो जिम पहुँच तो जाता था, लेकिन तब तक उसे लंच की ज़रूरत हो जाती थी, इसलिए हर दिन मैं उससे कहती, "क्यों न मैं तुम्हें लंच करा दूँ?" क्योंकि मुझे लगता था कि वो ट्रेनिंग सेशन के लिए पहले से ही पैसे दे रहा है और अब मुझे रोज़ लंच कराने की पेशकश करके लगता है कि उसे किसी के साथ की सख्त ज़रूरत है। अच्छा इंसान था, लेकिन उसकी बातों से साफ पता चल रहा था कि वह बहुत बुद्धिमान नहीं था, मानो उसने कभी किसी चीज़ के बारे में सोचा ही न हो। 50 साल की उम्र में भी वह बहुत भोला-भाला लग रहा था। रॉबर्ट के पास बेहिसाब पैसा था और वह एक शानदार स्पोर्ट्स कार में घूमता था। उसे अपनी दौलत का दिखावा करना अच्छा लगता था; मैं यह समझने की कोशिश कर रहा था कि यह पैसा आया कहाँ से, क्योंकि जाहिर तौर पर वह काम नहीं करता था और न ही उसका काम करने का कोई इरादा था। दरअसल, यह पैसा उसके पिता से आया था, जिनकी मृत्यु तब हो गई थी जब रॉबर्ट किशोर ही था। उन्होंने उनके लिए जीवन भर के लिए तेल कंपनी में बड़े शेयर छोड़े थे। उसकी माँ ने कभी काम नहीं किया था और वह लगभग पागल थी। उसकी एक बहन भी थी जो उससे दो साल छोटी थी और दूसरे राज्य में रहती थी। दोनों बहनें एक-दूसरे को बिल्कुल पसंद नहीं करती थीं।

रॉबर्ट को जाहिर तौर पर शराब पीने की गंभीर समस्या थी और वह हर रात तीन बोतल रेड वाइन पीता था। वह फूला हुआ और बहुत ही बेडौल था, और 5'6" की लंबाई और लगभग 300 पाउंड वजन के साथ उसे वजन कम करने की सख्त जरूरत थी। वह लंगड़ाकर चलता था और कहता था कि उसका एक पैर दूसरे से दो इंच छोटा है, जो उसके बचपन में जेट स्की दुर्घटना का नतीजा था, जिसमें उसकी कूल्हे की हड्डी टूट गई थी और बाद में कूल्हे की सर्जरी करानी पड़ी थी। उसके मुंह में हमेशा तंबाकू रहता था और वह उसे हर जगह थूकता रहता था, लड़कियों को आकर्षित करने का यह कोई अच्छा तरीका नहीं था! वह बहुत अकेला लगता था और रोज़ाना गर्लफ्रेंड की चाहत के बारे में बात करता था। वह अपनी बूढ़ी शराबी माँ के साथ रहता था, जिससे वह रोज़ाना झगड़ता था और कहता था कि उसकी देखभाल करना उसका काम है। उसकी शारीरिक बनावट को देखकर कोई भी सोच सकता है कि शायद उसका बाप कोई बौना और माँ कोई चूहा हो! अपनी लंबाई के हिसाब से वह अपने वजन को बिल्कुल भी अच्छी तरह से नहीं संभाल पाता था। वह बस अपनी माँ और कुत्तों के बारे में ही बात करता रहता था। वह गर्लफ्रेंड न होने के लिए अपनी माँ को दोषी ठहराता था और कहता था कि उसे उसकी देखभाल करनी पड़ती है, जिससे उसे डेटिंग का समय नहीं मिलता, लेकिन

वह घर छोड़ने की जल्दी में बिल्कुल नहीं था! उसने कहा कि जब वह बहुत छोटा था, तब उसकी माँ ने उसे गिरा दिया था। नशे में धुत होकर गिरने से उसके सिर में मामूली चोट आई। ज़्यादातर लोगों का मानना है कि उसने घर पर रहना इसलिए चुना क्योंकि पैसा वहीं था। ज़ाहिर है, उसे पैसे की कीमत का कोई अंदाज़ा नहीं था, क्योंकि वह ज़्यादातर रातें नशे में धुत होकर इंटरनेट से ऐसी चीज़ें खरीदता रहता था जिनकी उसे ज़रूरत भी नहीं थी, और फिर डाक से वही चीज़ें आने पर शिकायत करता था! इसके अलावा, वह इंटरनेट पर नाइजीरिया के कई ठगों के जाल में फंस गया था जिन्होंने उसका बैंक खाता खाली करने की कोशिश की, लेकिन शुक्र है कि उसके अपने बैंक ने समय रहते इसे पकड़ लिया और रोक दिया। उसके पास बेहिसाब पैसा था और वह उसे लेकर ज़िम्मेदार नहीं लगता था।

उसने दावा किया कि उसकी किस्मत हमेशा से ही खराब रही है और इसे साबित करने के लिए उसने मुझे एक छोटी सी कहानी सुनाई कि कैसे एक रात कुछ शराब पीने के बाद वह गाड़ी चलाकर घर जा रहा था। जैसे ही उसने अपनी गाड़ी को ड्राइववे में मोड़ा, उसने अपनी ही बिल्ली को कुचल दिया जो ड्राइववे में सो रही थी। उसने उसे पीछे के बगीचे में दफना दिया। अगले दिन काम पर ब्रेक के दौरान वह फोन पर अपने एक दोस्त को पिछली रात की भयानक घटना के बारे में बता रहा था। तभी एक सहकर्मी वहाँ से गुजर रहा था और उसने एक चौंकाने वाली बात सुन ली, "हाँ, मैंने उसे पिछली रात मार डाला और फिर पीछे के बगीचे में दफना दिया।" यह सुनकर वह सहकर्मी तुरंत पुलिस को सूचना देने के लिए चौंक गया। पुलिस रॉबर्ट के घर पहुँची और उसके पीछे के बगीचे को खोदकर किसी संदिग्ध लाश की तलाश करने लगी, लेकिन उन्हें वहाँ सिर्फ उसकी मरी हुई बिल्ली ही मिली!

वह एक ही समय में आकर्षक और चिड़चिड़ा दोनों लगता था; बिल्कुल बेखबर, रोज़ मुझे फ़ोन करता और हमेशा की तरह कहता, "यार, मैं बहुत बोर हो रहा हूँ।" मैं उससे कहता कि उसे कोई शौक या कोई ऐसी चीज़ ढूंढनी चाहिए जिससे उसका समय कट सके। चूंकि वह खुद को आलसी मानता था, इसलिए उसे कुछ करने का सुझाव देने की कोई उम्मीद नहीं थी। तभी मैंने उससे कहा, "क्यों न तुम यात्रा करो? तुम्हारे पास पैसे और समय है, जाओ और दुनिया देखो।" उसने कहा कि वह कई बार वेगास जा चुका है, लेकिन कैनकन से ज़्यादा दूर कहीं नहीं गया। "ठीक है, तुम्हें क्या लगता है मुझे कहाँ जाना चाहिए?" अब ऐसे व्यक्ति से बात करना मुश्किल हो रहा था जो साफ़ तौर पर खुद सोच नहीं सकता था। मैंने कहा, "अच्छा, मैं अब तक की सबसे अच्छी जगह थाईलैंड गया हूँ।" कुछ देर की अजीब चुप्पी के बाद उसने कहा, "ठीक है, अच्छा लगता है, हम कब जा रहे हैं?" मैं सोच रहा था कि हम कब जा रहे हैं? "दरअसल, मैं जाने के बारे में सोच नहीं रहा था, मैं तो बस तुम्हें एक उदाहरण के तौर पर बता रहा हूँ।" मैंने समझाया। फिर कुछ देर की असामान्य शांति छा गई, जिसके बाद उन्होंने कहा, "हाँ, लेकिन मुझे एक टूर गाइड चाहिए होगा, मैं आपकी फ्लाइट का किराया दे दूंगा।" मुझे मन ही मन लगा, यह बहुत दिलचस्प है, इस प्रस्ताव को ठुकराना मुश्किल है। पहले तो मैंने उनके प्रस्ताव या वहाँ वापस जाने के विचार को गंभीरता से नहीं लिया, लेकिन अगले कुछ दिनों तक हमारी बातचीत बस इसी बारे में रही। ठीक है, तो अब तय है, हम थाईलैंड जा रहे हैं!

रॉबर्ट बताते हैं कि उन्हें बस एक ही समस्या नज़र आ रही है कि तीन हफ़्तों के लिए जब हम बाहर रहेंगे तो उनकी माँ का क्या होगा। अब वह हर किसी को बता रहे हैं, "हम क्रिसमस पर तीन हफ़्तों के लिए थाईलैंड जा रहे हैं।" हमारी इस यात्रा की खबर हर तरफ फैल रही है। रेस्टोरेंट की एक वेट्रेस रॉबर्ट को बताती है कि वह असल में बुजुर्गों की देखभाल करने वाली पार्ट-टाइम केयरगिवर है और क्रिसमस पर उनकी माँ की देखभाल कर सकती है। तो यह छोटी सी समस्या तो हल हो गई। अब एक और बात जो इस यात्रा को रोक सकती है, वह यह है कि उनका पासपोर्ट पुराना हो चुका है और एक अपराधी होने के नाते उन्हें यकीन नहीं है कि उन्हें देश छोड़ने की अनुमति मिलेगी! मैं कहती हूँ, "ठीक है, एक-एक करके देखते हैं, सब ठीक हो जाएगा।" मैंने हाल ही में अपना पासपोर्ट रिन्यू करवाया था, इसलिए मुझे पता था कि इसके लिए कहाँ जाना है। रॉबर्ट वहाँ गए, 400 डॉलर का भुगतान किया और पाँच दिन बाद उन्हें अपना पासपोर्ट मिल गया। तो माँ का ख्याल रखा गया और पासपोर्ट की चिंता भी दूर हो गई, अब हमें कोई नहीं रोक सकता था! या रोक सकता था? हमें इस बात की उम्मीद नहीं थी कि हमारे रवाना होने से कुछ सप्ताह पहले रॉबर्ट को एक स्थानीय लड़की से प्यार हो जाएगा।

शुक्रवार, 23 अप्रैल 2010

कई महीनों तक, मैं हर दिन रॉबर्ट, उसकी माँ और उनके पड़ोसी से मिलती थी। हम दोपहर में अपने पसंदीदा रेस्टोरेंट में लंच के लिए मिलते थे। आज का दिन अलग था क्योंकि इसी दिन हमने क्रिसमस के लिए थाईलैंड की फ्लाइट बुक करने का फैसला किया था। हमने इस बारे में कुछ हफ्तों से बात की थी, लेकिन आज हम इसे आधिकारिक रूप से तय करके सच में करने वाले थे। लंच के बाद वह मेरे घर आया और हमने इंटरनेट पर 1,700 डॉलर की फ्लाइट ढूंढ ली, जो थाईलैंड की दूरी को देखते हुए ज़्यादा महंगी नहीं थी, और वैसे भी क्रिसमस के समय फ्लाइट्स आमतौर पर ज़्यादा महंगी होती हैं। हमारी यात्रा ऑस्टिन, ह्यूस्टन, टोक्यो और अंत में बैंकॉक तक जाएगी। उड़ान का समय और बीच में रुकने का समय मिलाकर, शुरू से अंत तक लगभग तीस घंटे लगेंगे! बहुत लंबा सफर है, लेकिन थाईलैंड पहुँचने पर यकीनन बहुत अच्छा लगेगा। हर समय मैं सोच रही हूँ कि ये तो उन लड़कों जैसा है जिनके बारे में कहानियाँ सुनी जाती हैं कि वे किसी थाई लड़की के प्यार में पड़ जाते हैं और सब कुछ खो देते हैं। मुझे उम्मीद है कि ऐसा नहीं होगा क्योंकि मैं कई लोगों को वहाँ ले जा चुकी हूँ और सभी ने बहुत अच्छा समय बिताया है। थोड़ी सी चिंता है, लेकिन मैंने सोचा, जाने दो! वो ठीक रहेगा। मेरे पास कुछ किताबें थीं जिनमें ज़्यादातर ऐसे लड़कों की कहानियाँ थीं जो थाई लड़कियों के प्यार में पड़ जाते हैं और सब कुछ खो देते हैं। मुझे लगा कि ये किताबें रॉबर्ट को चेतावनी देने का अच्छा तरीका होंगी, इसलिए मैंने उसे ये किताबें देकर भेज दिया। कुछ हफ़्ते बाद मैंने उससे इन किताबों के बारे में पूछा, तो उसने कहा कि उसे ये अच्छी लगीं और कहानियाँ बढ़िया थीं। ठीक है, मैंने सोचा कि उसने कुछ समझा ही नहीं! अब तो उसकी खैर नहीं!

प्रतीक्षा का खेल

उस समय तो ऐसा लग रहा था कि आठ महीने तो कभी खत्म ही नहीं होंगे। हम बस थाईलैंड के बारे में ही सोचते और बात करते रहते थे, मुझे यकीन है कि इससे हम सब परेशान हो गए होंगे, लेकिन कोई बात नहीं! हम क्रिसमस पर तीन हफ़्ते के लिए थाईलैंड जा रहे हैं! यह बहुत बड़ी बात है। उसकी माँ को हमारी जगह का चुनाव कुछ खास पसंद नहीं आया। उन्होंने कहा, "तुम तो बस वेश्याओं के साथ ही मजे करोगे! देखना, अगर तुम किसी वेश्या को वापस ले आओगे तो उसका पूरा परिवार यहाँ आ जाएगा!" अगले दिन तक तो उन्हें याद ही नहीं रहा कि हम कहाँ जा रहे हैं और वे हर दिन वही सवाल पूछती रहीं, फिर हर दिन वही नकारात्मक जवाब देती रहीं। वे कहतीं, "अगर कुछ भी बुरा हुआ तो रॉबर्ट को ही भुगतना पड़ेगा! हमेशा से ऐसा ही होता आया है और हमेशा ऐसा ही रहेगा।" मुझे लग रहा था कि शायद इस आदमी पर किसी की बुरी नज़र लगी है। अगले कुछ महीनों तक रॉबर्ट उस मनमोहक जगह के बारे में जो कुछ भी पढ़ सकता था, पढ़ता रहा। वह एक स्पंज की तरह हर छोटी से छोटी जानकारी सोख रहा था।

जहां तक मेरी बात है, दस साल में यह पहली बार होगा जब मैं थाईलैंड वापस आ रहा हूँ। मैं यह कल्पना करने की कोशिश कर रहा हूँ कि मुझे क्या बदलाव देखने को मिलेंगे, क्योंकि इतने लंबे समय के बाद कुछ न कुछ बदलाव तो ज़रूर होंगे, शायद ज़्यादा होटल, ज़्यादा बार और ज़्यादा लड़कियाँ।

अब, हमारी उड़ान से तीन हफ्ते पहले, रॉबर्ट ने मुझे बताया कि उसे एक बहुत अच्छी लड़की मिल गई है, जो संयोग से स्थानीय बिल्ली के डॉक्टर की बेटी है, और साथ ही आर्थिक रूप से भी बहुत खराब है! वह कहता है कि यही उसके सपनों की लड़की है और उसे लगता है कि यही उसका सच्चा प्यार है। वाह! थाईलैंड की यात्रा से तीन हफ्ते पहले कोई स्थानीय लड़की के साथ गंभीर होने का फैसला करता है! बिल्कुल भी अच्छी तैयारी नहीं है। मुझे पहले से ही कुछ गड़बड़ लग रही थी क्योंकि उसने काफी समय से थाईलैंड का जिक्र नहीं किया था, अब मुझे लग रहा है कि यह यात्रा सचमुच खतरे में है! मेरा मतलब है कि उसे अभी-अभी अपने जीवन का प्यार मिला है, तो वह उसे छोड़कर तीन हफ्तों के लिए दुनिया के दूसरे छोर पर कैसे जा सकता है?!

वो अब भी मुझे यकीन दिला रहा है कि वो थाईलैंड आ रहा है, पर मुझे पूरा शक है। एक हफ़्ते बाद तो ऐसा लग रहा है जैसे वो इस ट्रिप के बारे में बात ही नहीं करना चाहता! मेरे दोस्त और जिम के क्लाइंट्स तो शर्त लगा रहे हैं कि वो आखिरी मिनट में प्लान कैंसिल कर देगा। मुझे भी अब ऐसा ही लगने लगा है, क्योंकि जब भी मैं उसे देखती हूँ, वो या तो उस लड़की से बात कर रहा होता है या मैसेज कर रहा होता है, और तो और उसे बेहिसाब पैसे भी दे रहा है, उसके सारे कर्ज़ चुका रहा है और उसके अपार्टमेंट को उसकी हर मनचाही चीज़ से सजा रहा है। आखिर ये उसका पैसा है, तो क्यों न? शायद यही लड़की उसके लिए बनी है। अब तक तो मैंने उसे ट्रिप से लगभग बाहर ही मान लिया है। मैं सोचती हूँ कि उसे शुभकामनाएँ, लेकिन मैं उसके साथ जाऊँगी, चाहे वो जाए या न जाए!

फिर वह मुझे बताता है कि वह यात्रा रद्द करने के बारे में गंभीरता से सोच रहा है। मैं कहती हूँ, "ठीक है, तुम्हारा नुकसान है, उम्मीद है कि यह लड़की इस तरह की यात्रा को छोड़ने लायक होगी।" वह कहता है कि वह है! जब वह उस लड़की को क्रिसमस पर उसके साथ रहने के लिए अपनी यात्रा रद्द करने की योजना

बताता है, तो वह तुरंत उसे अपना फैसला बदलने के लिए मना लेती है। वह कहती है कि उसे तीन हफ्ते की छुट्टी है, इसलिए उसे अपने पैसे बर्बाद नहीं करने चाहिए, और वह उसके लौटने का इंतजार करेगी। इसके अलावा, वह क्रिसमस पर काम करेगी, इसलिए वैसे भी खाली नहीं होगी। तो अब सब कुछ फिर से तय हो गया है। मुझे थोड़ा अजीब लगता है कि जब वे दोनों पहले से ही डेटिंग कर रहे हैं, तब भी उसने उसे थाईलैंड जाने के लिए मना लिया। यह बात समझ में नहीं आती।

बुधवार 15 दिसंबर-

2010 पूर्वाह्न 3.30 बजे

आखिरकार वो बड़ा दिन आ ही गया; इसी का तो हम पूरे साल से इंतज़ार कर रहे थे, वैसे आठ महीने से, लेकिन ऐसा लग रहा था जैसे पूरा एक साल बीत गया हो। एयरपोर्ट जाते हुए मैं दोस्तों को मैसेज कर रही थी कि रॉबर्ट सच में टैक्सी में है, मन ही मन हंस रही थी कि कितने लोगों ने शर्त लगाई होगी कि रॉबर्ट टैक्सी में नहीं होगा! हम ऑस्टिन एयरपोर्ट बहुत जल्दी पहुंच गए; दरअसल, इतना जल्दी कि एयरपोर्ट की कोई भी दुकान अभी तक खुली ही नहीं थी। चेक-इन करने के बाद हम पहले एक्स-रे मशीन के पास गए, जहां रॉबर्ट को तुरंत एक तरफ ले जाकर अच्छी तरह से तलाशी ली गई। इतने से संतुष्ट न होकर वे रॉबर्ट को एक कमरे में ले गए और उसकी तलाशी ली!

बीस मिनट बाद वह लंगड़ाते हुए लौटा, पहले से ज़्यादा लंगड़ा रहा था और बहुत शर्मिंदा लग रहा था। यह देखकर मेरी हंसी रुक ही नहीं रही थी और मैंने कहा, "लगता है तुम्हारा रबर के दस्तानों वाला ट्रीटमेंट हो गया है।" हैरानी की बात नहीं, उसका जवाब था, "दफ़ा हो जाओ!" उसके सामान से कई चीज़ें निकाल ली गईं, जैसे टैनिंग लोशन और मच्छर भगाने वाली दवा; लगता है उसने मेरी सलाह नहीं मानी कि सिर्फ़ क्रीम ले जाओ, स्प्रे नहीं। इस समय मेरे दोस्त मुझे मैसेज कर रहे थे कि क्या वह अभी भी एयरपोर्ट पर है? उन्हें अब भी लग रहा था कि वह कभी भी निकल जाएगा। हम एक कॉफी बार के बाहर बैठे थे जो अभी खुला भी नहीं था! रॉबर्ट लगातार अपनी गर्लफ्रेंड, मेरी गर्लफ्रेंड, मेरी गर्लफ्रेंड, के बारे में बातें कर रहा था।

मुझे अब समझ नहीं आ रहा कि वो थाईलैंड की इस ट्रिप का मज़ा लेने के लिए आराम कैसे कर पाएगा, शायद समय ही बताएगा। एक स्मारिका दुकान खुलते ही वो तुरंत अंदर जाकर अपनी गर्लफ्रेंड के लिए शर्ट खरीद लेता है, अच्छा विचार है, लेकिन हम अभी ऑस्टिन से निकले भी नहीं हैं! फ्लाइट सुबह 6 बजे ह्यूस्टन के लिए रवाना होती है और अब पक्का हो गया है कि रॉबर्ट प्लेन में है!

एयरपोर्ट बार, ह्यूस्टन, टेक्सास

तो अब हम ह्यूस्टन में हैं, और हमारे पास तीन घंटे का समय है, जाने के लिए बस एक ही जगह है, है ना? सबसे नज़दीकी बार! बार जाते समय, हम एक यादगार चीज़ों की दुकान के पास से गुज़रे और रॉबर्ट एक बार फिर अपनी गर्लफ्रेंड के लिए शर्ट खरीद रहा था! मैंने कहा कि ह्यूस्टन उतना भी अनोखा नहीं है जितना कि हम जहाँ जा रहे हैं, लेकिन फिर भी उसे शर्ट खरीदने की ज़रूरत महसूस हुई। टोक्यो की हमारी अगली यात्रा

चौदह घंटे की होगी, इसलिए हमने ह्यूस्टन में तीन घंटे का पूरा फ़ायदा उठाने का फ़ैसला किया और पीना शुरू कर दिया, भले ही अभी सुबह के सिर्फ़ 8 बजे थे! असली मज़ा तो यहीं से शुरू हुआ, मैंने एक बियर मंगवाई और रॉबर्ट ने ब्लडी मैरी मंगवाई, "इसे खूब स्ट्रॉन्ग बनाओ और तुम्हें अच्छा इनाम मिलेगा।" उसने कहा, और वह मज़ाक भी नहीं कर रहा था, उसने लड़की को एयरपोर्ट पर मिलने वाले ज़्यादा दामों के ऊपर बीस डॉलर टिप के तौर पर दिए। लगभग तीस मिनट बाद रॉबर्ट ने अचानक एक क्रेडिट कार्ड निकाला और कहा, "यह हमारा बैकअप पैसा है, अगर हमारे पास पैसे कम पड़ जाएँ तो।" अपने पैसे का बखान करने में कभी न शर्माने वाला वो लड़का बड़े गर्व से ऐलान करता है कि इस कार्ड में एक लाख डॉलर हैं! वो कार्ड को इस तरह पकड़ता है कि उसका अंगूठा कार्ड पर लिखे नाम को बड़ी चालाकी से ढक लेता है, लेकिन मुझे साफ दिख रहा है कि ये उसकी माँ का कार्ड है। “लगता है अब तो हमारा काम हो गया।” मैंने कहा। “बिल्कुल, एक और ड्रिंक चाहिए?” वो पहले ही बार की तरफ एक और राउंड के लिए चल पड़ा, ड्रिंक्स सर्व करने वाली लड़की आज खूब पैसे कमा रही है!

यहीं पर रॉबर्ट ने माना कि उसका इस ट्रिप पर आने का कोई इरादा नहीं था, कुछ दिन पहले उसकी गर्लफ्रेंड ने उसका मन बदल दिया। उसने कहा कि वह आने से बचने के बहाने ढूंढ रहा था, और एक पल तो उसने जिम जाने के लिए सड़क पार करते हुए खुद को कार के नीचे फेंकने के बारे में भी सोचा। यहीं पर मैं ज़ोर-ज़ोर से हंसने लगा! बीयर के नशे में ये सब कुछ ज़्यादा ही मज़ेदार लग रहा था। ऑस्टिन में मेरे दोस्त अब मुझे मैसेज कर रहे हैं और शर्त लगा रहे हैं कि वो ट्रिप कैंसिल करके वापस ऑस्टिन के लिए फ्लाइट पकड़ लेगा! अभी भी उन्हें यकीन नहीं है कि वो जा रहा है। कुछ और ड्रिंक्स पीने के बाद रॉबर्ट कहता है कि वो नशे में है! वाह! नशे में धुत होकर प्लेन में चढ़ने वाला है! जब तक हम पी रहे थे, रॉबर्ट घर पर अपनी गर्लफ्रेंड को मैसेज कर रहा था।

हमारे गेट तक काफी लंबा रास्ता था, जब हम वहाँ पहुँचे तो हम बोर्डिंग करने वालों में सबसे आखिरी थे। चेक-इन करते समय एक एयर होस्टेस ने रॉबर्ट को गौर से देखा और पूछा, "क्या आपने शराब पी है सर?" उसका जवाब कुछ खास भरोसेमंद नहीं था, "नहीं, मैं ठीक हूँ, बस थका हुआ हूँ।" वह थोड़ा थका हुआ और लड़खड़ाता हुआ सा लग रहा था, फिर भी किसी तरह उसने झूठ बोलकर विमान में प्रवेश कर लिया! विमान में चढ़ते ही उसने अपना बैग टॉयलेट के पास फर्श पर छोड़ दिया। मैं आगे बैठा था, इसलिए मुझे पता ही नहीं चला। एयर होस्टेस ने कई बार कहा, "अगर कोई इस बैग को नहीं लेगा तो इसे उतार दिया जाएगा।" तभी अचानक मेरी नज़र उधर पड़ी और मैंने देखा कि यह रॉबर्ट का बैग है! तब तक वह आधी नींद में अपनी सीट पर बैठ चुका था। मैंने उसे कोहनी मारकर कहा, "अरे! क्या यह तुम्हारा बैग नहीं है?" उसका जवाब था, "हाँ, वे इसे रख देंगे, यही तो उनका काम है।" अंतिम बार आवाज लगाने के बाद उसे होश आता है, वह उठकर उस आपत्तिजनक बैग को ठीक समय पर उठा लेता है क्योंकि कुछ सेकंड की देरी से उसे विमान से बाहर फेंक दिया जाता!

तो, अब सब ठीक हो गया, हम टोक्यो के लिए चौदह घंटे की उड़ान के लिए तैयार विमान में हैं, अब पीछे मुड़ने का कोई रास्ता नहीं है रॉबर्ट! यही सोचकर मैंने तुरंत घर संदेश भेजा कि यह पक्का हो गया है, हम दोनों अब विमान में हैं, थाईलैंड, हम आ रहे हैं! फिर से सोच रहा हूँ कि इस पागलपन भरी शर्त में कितना पैसा जीता और हारा गया है। थोड़ी देर झपकी लेने के बाद रॉबर्ट फिर से पीने के लिए तैयार है! इस बार वह वोदका और संतरे का जूस पी रहा है, मुझे नहीं पता उसने वास्तव में कितने पिए, लेकिन मुझे यकीन है कि मैंने बीस के बाद गिनना बंद कर दिया! वह एयर होस्टेस के लिए सच में सिरदर्द बन रहा था, बार-बार कॉल बटन दबाकर एक और ड्रिंक मांग रहा था, अब वे साफ तौर पर परेशान दिखने लगीं और उसे रोकने के लिए उसके लिए डबल ड्रिंक लाने लगीं, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ, मुझे लगता है उसने कॉल बटन कुछ ज्यादा ही दबा दिया क्योंकि इस बार एक बहुत ही सख्त दिखने वाली एयर होस्टेस आई और पूछा कि उसे क्या चाहिए, "मुझे और ड्रिंक चाहिए।" उसका जवाब था, "ओह, तुम्हें चाहिए, तो अब बार तुम्हारे लिए बंद है!" उसने कहा और उसे बेहद नापसंदगी भरी नज़र से देखते हुए तेज़ी से चली गई। इस उड़ान में अब और शराब नहीं।

अब दिन हो या रात, रॉबर्ट को हमेशा मुंह में तंबाकू लिए हुए पाया जा सकता है, यहाँ तक कि वह सोते समय भी इसे मुंह में ही रखता है, वाकई एक बहुत ही गंदी आदत! प्रशांत महासागर के आधे रास्ते में, वह अचानक खांसते और घुटते हुए उठा, उसके मुंह में अभी भी तंबाकू भरा हुआ था, और फिर उसने अपने सामने वाली सीट पर तंबाकू की बौछार कर दी! शुक्र है कि उसके आगे बैठी बूढ़ी औरत गहरी नींद में सो रही थी और उसे बिल्कुल भी पता नहीं चला कि उसके सिर के पीछे का हिस्सा उस गंदी चीज से सना हुआ है! इस घिनौनी आदत का एक और उदाहरण इसी उड़ान में पहले भी देखने को मिला जब खाना परोसा गया; रॉबर्ट के बगल में बैठी बदकिस्मत महिला अपना सलाद खोल ही रही थी कि उसने उस गंदी चीज को एक छोटी पानी की बोतल में थूक दिया, जो वास्तव में बहुत छोटी थी क्योंकि वह भूरी चीज बोतल के किनारों से टपक कर सीटों और फर्श पर गिर रही थी। उस महिला के चेहरे पर घृणा और भय के भाव साफ दिख रहे थे। बाद में उड़ान में, जब वह रॉबर्ट के सोते समय शौचालय से वापस आई, तो वह रुकी और मुझसे शिकायत की, "आपका दोस्त एक घिनौना सूअर है!" ठीक है, जल्दी सोचो। मैं सोच रहा था, "माफ़ कीजिए, लेकिन ये तो बस एक ऐसे व्यक्ति हैं जिनसे मेरी बातचीत हो गई, मैंने इन्हें अपनी ज़िंदगी में पहले कभी नहीं देखा।" शर्मिंदा होकर वह महिला बोली, "ओह, मुझे बहुत अफ़सोस है, मैं एयरलाइन को शिकायत का एक आधिकारिक पत्र लिख दूंगी।" मैंने सिर हिलाते हुए कहा, "हाँ, मैं आपको दोष नहीं देता, आजकल तो ये किसी भी फालतू आदमी को हवाई जहाज़ में चढ़ने देते हैं!" जैसे ही वह अपनी सीट पर वापस लौटी, मैंने अपना सिर दूसरी तरफ़ घुमाया और ज़ोर-ज़ोर से हँसने लगा!

एयरपोर्ट बार, टोक्यो, जापान

पासपोर्ट कंट्रोल पर बहुत लंबे इंतजार के बाद आखिरकार हम टोक्यो पहुँच गए। एयरपोर्ट के अंदर जाते ही, आप समझ ही गए होंगे, हम पास के ही एक बार में चले गए! अब बारी थी जापानी बियर पीने की, 'सपोरो', ज़बरदस्त बियर! और दस डॉलर में तो कमाल ही है! टोक्यो में बस कुछ घंटे और इंतज़ार करना था, फिर थाईलैंड के लिए निकलना था, तो हमने सोचा कि बस दो-तीन बियर पी लेते हैं और आराम करते हैं। हम बार की खिड़की के पास बैठे थे, जहाँ से छोटे-छोटे जापानी लोग सामान के डिब्बे इधर-उधर फेंक रहे थे, जैसे कोई खेल खेल रहे हों। शायद वे बोर हो रहे थे या फिर लोगों के डिब्बों में जितना हो सके उतना सामान तोड़ने में मज़ा ले रहे थे; उन्हें ऐसा करते हुए वाकई मज़ा आ रहा था, क्योंकि उनके चेहरे पर वही शैतानी मुस्कान थी जो सभी जापानियों के चेहरे पर दिखती है। शायद इसीलिए मेरा सामान हमेशा टूट जाता है, मैं सोच रही थी! ज़्यादातर समय रॉबर्ट अपनी गर्लफ्रेंड को मैसेज कर रहा था। अपनी आखिरी उड़ान के लिए प्लेन में चढ़ने से पहले, वह एक बार फिर पास की ही एक यादगार चीज़ों की दुकान से शर्ट खरीद रहा था। टोक्यो से बैंकॉक की उड़ान लगभग सात घंटे की थी और काफी शांतिपूर्ण रही। विमान में सवार सभी लोग काफी थके हुए लग रहे थे, खासकर हम, हालांकि शराब पीने का इससे कोई लेना-देना नहीं था! अगला पड़ाव थाईलैंड है, आखिरकार हम अपनी यात्रा पर निकल पड़े!

शनिवार, 18 दिसंबर 2010 – सुबह 1:30 बजे

पटाया जा रही टैक्सी में बैठे हम अपनी बियर का आनंद ले रहे थे, तभी ड्राइवर ने अपने मधुर स्वर में कहा, "और बियर चाहिए यार?" उसे शब्दों का अच्छा ज्ञान था। हमने उसकी और बियर की पेशकश ठुकरा दी क्योंकि हम बिना किसी और रुकावट के वहाँ पहुँचना चाहते थे, लेकिन एक और बियर का ख्याल बहुत अच्छा लग रहा था! लंबी उड़ान की थकान अब रोमांच और घबराहट से भर गई थी। दुनिया के दूसरे छोर पर होने का एहसास हमेशा अजीब होता है।

हम पटाया से बस कुछ ही मील दूर हैं, जैसे-जैसे हम करीब आते हैं, उत्साह बढ़ता जाता है। हम बीच रोड पर बाईं ओर मुड़ते हैं, जहाँ रॉबर्ट को पहली बार बार के बाहर खड़ी थाई लड़कियाँ दिखाई देती हैं। पीछे से एक उत्साहित आवाज़ आती है, "यार, यहाँ हर जगह लड़कियाँ ही लड़कियाँ हैं!" मैं सोचता हूँ, "हाँ, हर जगह लड़कियाँ ही लड़कियाँ हैं!" मेरी नज़र तुरंत पहाड़ियों पर खाड़ी क्षेत्र के ऊपर बने बड़े-बड़े अक्षरों में लिखे पटाया शहर पर पड़ती है। मैं मन ही मन सोचता हूँ, "दस साल पहले तो यहाँ ऐसा कुछ नहीं था।" मैं अब ड्राइवर को अपने होटल का रास्ता बताने की कोशिश कर रहा हूँ, लेकिन यह आसान नहीं है क्योंकि वह इस इलाके से अनजान है और सच में! यह कितना बदल गया है! पहले से कहीं ज़्यादा बार हैं। रॉबर्ट लगातार खिड़की से बाहर झाँककर हमारे चारों ओर मौजूद स्थानीय लोगों को करीब से देखने की कोशिश कर रहा है। वह कहता है, "अरे बाप रे! उसे देखो, कितनी खूबसूरत है!" जैसे-जैसे हम बीच रोड पर आगे बढ़ते हैं, ट्रैफिक बढ़ता जाता है। अब उसका ध्यान दाईं ओर जाता है जहाँ सड़क किनारे फ्रीलांसर कतार में खड़ी हैं।

“यार, मैंने एक जगह पर इतनी सारी खूबसूरत औरतें कभी नहीं देखीं!” वो कहता है। मैं मज़ाक में कहती हूँ, “ज़्यादा उत्साहित मत हो, ये सब मर्द हैं!” वो चौंक जाता है और चिल्लाता है, “तुम मज़ाक कर रहे हो!”
हम बीच रोड से एक गली में मुड़े और पटाया सेकंड रोड पर बाईं ओर मुड़ गए। यह जगह बिल्कुल अलग लग रही थी और मुझे यकीन नहीं था कि इस समय हमारा होटल कहाँ है! मैंने ड्राइवर को समझाने की कोशिश की कि मैं आखिरी बार यहाँ दस साल पहले आया था, और यह बहुत अलग दिख रहा है और मुझे नहीं पता कि हमारे होटल के लिए हमें कौन सी गली चाहिए। ड्राइवर ने पास के 7-Eleven के बाहर गाड़ी रोकी और पूछा, "किसे बीयर चाहिए?" थोड़ी उलझन के बाद हमने उसे आगे बढ़ने के लिए मना लिया और सोई हनी इन पर दाईं ओर मुड़ गए और वहाँ हमें एक बड़ा सा साइनबोर्ड दिखा, 'सवास्दी मेंशन'! हमें मिल गया! अब एड्रेनालाईन तेज़ी से बढ़ रहा था क्योंकि हम टैक्सी से कूदे, अपना सामान उठाया, ड्राइवर को बीस डॉलर की टिप दी और अपने होटल की ओर चल पड़े। बड़ी टिप थी, लेकिन वह बहुत मनोरंजक था! हमें उमस भरी गर्मी का एहसास नहीं हुआ क्योंकि आसपास बहुत सारी कम कपड़ों वाली युवतियाँ घूम रही थीं जिन्होंने हमारा ध्यान अपनी ओर खींच लिया। होटल में प्रवेश करते ही, मैंने रिसेप्शनिस्ट को दस साल पहले वाली पहचान लिया, जिसने दावा किया कि वह भी मुझे याद करती है! हालाँकि, मुझे इस बात पर पूरा यकीन नहीं हुआ। हो सकता है वो करती हो या हो सकता है वो न करती हो, किसे परवाह है, वो बेहद हॉट है!
दस साल पहले जब मैं यहाँ आया था और उससे पहले भी कई बार आया था, तब से यही होटल मेरी पहली पसंद रहा है क्योंकि यह हर जगह के बीचोंबीच अच्छी जगह पर स्थित है, सस्ता और साफ़-सुथरा है, एकदम बढ़िया। अब इस होटल को दोबारा देखकर साफ़ लग रहा था कि इसके स्तर में थोड़ी गिरावट आ गई है, यह उतना अच्छा नहीं लग रहा जितना मुझे याद है, होटल अब थोड़ा गंदा सा दिखता है, लेकिन दस साल में कुछ भी हो सकता है, मुझे लगता है। कमरे ज़्यादा आकर्षक नहीं लग रहे, दीवारें गंदी हैं और चादरों पर सूखे हुए तरल पदार्थ के धब्बे हैं, हो सकता है मैं गलत हूँ, लेकिन ऐसा ही लग रहा है और दरवाज़ों के ताले भी ठीक से बंद नहीं होते, लेकिन ये बजट होटल है, तो पहली रात के लिए ठीक है, बाद में इसके बारे में सोच लेंगे क्योंकि हमें सामान खोलकर निकलना है, अब रॉबर्ट को जन्नत घुमाने का समय है! मैंने रॉबर्ट से कहा, "तीस मिनट में रिसेप्शन में मिलते हैं, ठीक है?" वह पहले से ही डरा हुआ लग रहा था। "ठीक है यार, तीस मिनट।" उसने थोड़ी घबराहट भरी आवाज़ में जवाब दिया। यहां तक पहुंचने में इतना समय लगने के बाद गर्म पानी से नहाना अच्छा लगा, अब हम तैयार हैं! तीस मिनट बाद हम रिसेप्शन पर मिले। "यार, मुझे इस होटल में सुरक्षित महसूस नहीं हो रहा, कहीं चोरी न हो जाए!" रॉबर्ट ने चिंतित स्वर में मुझसे कहा। "चिंता मत करो, आज रात हम कुछ नहीं कर सकते, अगर तुम सच में चाहते हो तो कल होटल बदल सकते हैं।" मैंने उससे कहा। रिसेप्शनिस्ट ने बताया कि उनके पास कमरे साफ करने का समय नहीं था और वे तुरंत साफ कर देंगे। मैंने रॉबर्ट से मज़ाक में कहा, "अच्छा, कम से कम वापस जाकर तुम्हें किसी और के यौन रस पर तो नहीं सोना पड़ेगा।" इससे उसकी चिंता और यहां रुकने की आशंका बिल्कुल भी कम नहीं हुई।

शनिवार, 18 दिसंबर 2010 – सुबह 2:30 बजे

जब यहाँ पहुँचने की खुशी में एड्रेनालाईन का स्तर बढ़ जाता है, तो आपको एहसास ही नहीं होता कि आप वास्तव में कितने थके हुए हैं, खैर, बाद में सो सकते हैं, है ना? पटाया को घूमना और पिछले दस सालों में हुए बदलावों को देखना तो बनता है। जैसे ही हम सोई हनी इन से पटाया की दूसरी सड़क पर आगे बढ़ते हैं, मुझे वहाँ बार दिखाई देने लगते हैं जहाँ पिछली बार मैंने सिर्फ़ बंजर ज़मीन देखी थी। जैसे ही हम मुख्य सड़क के पास पहुँचते हैं, ठीक सामने एक बार है, 'एवरीथिंग गुड बार'। हम ट्रैफ़िक कम होने का इंतज़ार करते हैं, इस समय भी इस सड़क को पार करना मुश्किल हो सकता है। जैसे ही मैं कहता हूँ, "ठीक है, चलो वहीं एक ड्रिंक लेते हैं," तभी अचानक हमारे पीछे एक बेहद आकर्षक थाई युवती प्रकट होती है और घोषणा करती है कि यह उसका बार है, "मेरे दोस्तों, मेरे बार में आओ और ड्रिंक लो।" वह कहती है और बड़ी कुशलता से हमारे बीच से निकलकर अपनी बाहों को हमारे बीच में फंसा लेती है और हमें अपने बार की ओर ले जाती है। दरअसल, वह अभी-अभी 7-इलेवन से बाहर आई थी, जिसके बाहर हम सड़क पार करने के लिए खड़े थे।
रॉबर्ट अभी भी हमारे होटल को लेकर अपनी चिंताएं ज़ाहिर कर रहा है। मुझे लगता है कि जब आप सिर्फ़ लास वेगास के बड़े और आलीशान होटलों में ही ठहरने के आदी हों, तो पटाया की तंग गलियों में स्थित एक सस्ते होटल से आपको चिंता होना स्वाभाविक है।
पटाया के कई बारों की तरह यह भी एक ओपन-एयर बार है। हमारी नई दोस्त हमें बार स्टूल तक ले जाती है। फिलहाल यहाँ कोई और नहीं है, लेकिन लगभग 3 बज रहे हैं, इसलिए यह कोई हैरानी की बात नहीं है क्योंकि यह पटाया के मशहूर नाइटलाइफ़ इलाकों में से एक नहीं है। हम सब एक-दूसरे से जान-पहचान करते हैं। "मेरा नाम नोक है," वह कहती है, "क्या आप कुछ पीना चाहेंगे?" रॉबर्ट ने कुछ नहीं कहा, जो उसके लिए असामान्य था, शायद वह होटल को लेकर ज़्यादा चिंतित था। "हमें दो सिंघा बियर दे दीजिए, प्लीज़," मैंने कहा। "अरे, आपको बियर सिंह पसंद है," वह कहती है। वे हमेशा उल्टे-सीधे तरीके से बात करते हैं; सिंघा बियर को बियर सिंह कहते हैं। तो अब हमारे पास पटाया की पहली बियर है, हम नोक के सामने बैठते हैं जो हमारे बारे में सब कुछ जानना चाहती है, हम कहाँ से हैं, कहाँ ठहरे हैं, कितने दिन रुकेंगे। रॉबर्ट पहले ही घर पर अपनी गर्लफ्रेंड को मैसेज कर रहा है, मैं सोच रही हूँ, हे भगवान! हम अभी-अभी तो यहाँ पहुँचे हैं! वह अपनी पहली बियर एक ही घूंट में पी गया। "चलें यार?" उसने घबराकर कहा। मैंने कहा, "अरे यार! ज़रा धीरे, आराम करो, एक और बियर पियो।" नोक ने उसे दूसरी बियर देते हुए महसूस किया कि वह बेचैन है और उसके साथ थोड़ा मज़ाक करने का फैसला किया, "रॉबर्ट, तुम्हें लड़की चाहिए?" वह टेक्स्ट मैसेज में इतना व्यस्त था कि नोक की तरफ ध्यान ही नहीं दे रहा था। तभी नोक ने वही घिसा-पिटा अंदाज़ अपनाया, "अरे, कोई बात नहीं, मुझे पता है। तुम्हें लड़का चाहिए? मेरे पास तुम्हारे लिए भाई है, मैं तुम्हें बुला सकती हूँ, ठीक है?" उसने कहा, "बिल्कुल नहीं!" और घर पर अपनी गर्लफ्रेंड के बारे में विस्तार से बताने लगा। अब वह उस थाई लड़की को अपनी गर्लफ्रेंड की तस्वीरें ऐसे दिखा रहा था जैसे वह यह साबित करने के मिशन पर हो कि उसकी सच में कोई गर्लफ्रेंड है। मैं अपनी बियर पीते हुए हंस रहा था क्योंकि रॉबर्ट को पानी से बाहर निकली

मछली की तरह व्यवहार करते देखना बहुत मज़ेदार था! वह पूरी तरह से अपने कम्फर्ट ज़ोन से बाहर था! ऐसा लग रहा था जैसे वह डर के मारे पेशाब कर देगा! दूसरी बियर पीने के बाद हम आगे बढ़ गए।
उस समय मुझे यह नहीं पता था कि रॉबर्ट ने घर पर कई लोगों को मैसेज करके बता दिया था कि यह जगह कितनी घटिया है और उसे इससे कितनी नफरत है! वह तो लोगों को यह भी कह रहा था कि वह जल्दी वापस आ जाएगा। जिस जन्नत का उसे वादा किया गया था, वह तो नरक निकली! यह एक अजीब निष्कर्ष है, क्योंकि सुबह के 3 बज रहे थे और जाहिर तौर पर अभी भी अंधेरा था, और उसने अभी तक सिर्फ एक होटल और एक बार देखा था, फिर भी वह घर वापस जाने को तैयार था! सच में? यह तो सरासर पागलपन है! लगता है रॉबर्ट की पहली छाप अच्छी नहीं रही।
हम पटाया की दूसरी सड़क पर आगे बढ़ते हैं, मैं यहाँ के सभी बदलावों को निहार रही हूँ और रॉबर्ट इस विश्व प्रसिद्ध वयस्कों के मनोरंजन स्थल की नई और आकर्षक चीज़ों का आनंद ले रहा है। हम एक गुमनाम से बार के पास से गुज़रते हैं जिसका कोई नाम नहीं है, वहाँ की एकमात्र खासियत यह है कि बार पर तीन बिल्लियाँ आराम से सो रही हैं। हम पटायालैंड गली नंबर 1 तक चलते हैं, जहाँ से हम दाहिने मुड़कर बीच रोड पर थोड़ी दूर चलते हैं। रास्ते में हम अपने पुराने पसंदीदा 'शुगर शेक' पर रुकते हैं। ऐसा लगता है कि इस इलाके के ज़्यादातर लोग आजकल यहीं हैं। मुझे आश्चर्य हुआ कि मुझे दस साल पहले की एक वेट्रेस याद आ गई, जो आज भी वैसी ही दिखती है जैसी मैंने उसे आखिरी बार देखा था। वह काफ़ी बूढ़ी हो गई है, लेकिन हम सब भी तो बूढ़े हो जाते हैं, है ना? हम जल्दी से एक ड्रिंक लेते हैं, फिर बीच रोड पर बाएँ मुड़कर मशहूर वॉकिंग स्ट्रीट की ओर चल पड़ते हैं। चलते-चलते रॉबर्ट घर पर अपनी गर्लफ्रेंड को मैसेज करता रहता है। अभी तक तो कुछ खास हलचल नहीं दिख रही थी, अब वही जानी-पहचानी सीटियां और आवाजें सुनाई दे रही हैं, जैसे 'सेक्सी मैन, कहां हो?' ये आवाजें चारों तरफ से आ रही हैं, मानो किसी स्टीरियो सिस्टम से आ रही हों। रॉबर्ट खोया-खोया सा लग रहा है और पूछ रहा है, "ये किसे बुला रहे हैं?" मैंने कहा, "अरे, चिंता मत करो, ये तो बस मुझे ही बुला रहे हैं।" अब रॉबर्ट का पहली बार किसी लेडी बॉय से सामना होने वाला है! एक खूबसूरत लेकिन अजीब सी दिखने वाली महिला हमारे पास आती है, जो साफ तौर पर महिला नहीं है; मुझे लग रहा है ये तो दिलचस्प होगा! "हेलो सेक्सी मैन, दो आदमी एक महिला, मैं दो आदमियों के साथ आसानी से कर सकती हूं।" मैंने कहा, "पक्का कर सकती हो! नहीं, धन्यवाद।" हम सीधे उसके पास से गुजर गए। रॉबर्ट बोला, "यार, ये क्या बकवास थी?" मैंने कहा, "शांत हो जाओ, तुम अभी-अभी अपने पहले लेडी बॉय से मिले हो, मुझे लगता है उसे तुम पसंद आए!" "भाड़ में जाए!" उसने कहा। हम लगभग दस मिनट तक चलते रहे, अब हम सचमुच पटाया की मशहूर या बदनाम नाइटलाइफ़ के केंद्र में थे, यह आपके नज़रिए पर निर्भर करता है। सुबह के इस समय भी यहाँ रौनक बरकरार थी। जिधर भी नज़र पड़ी, थाईलैंड की सबसे खूबसूरत लड़कियाँ सड़क के दोनों ओर कतार में खड़ी थीं, इस उम्मीद में कि दिन खत्म होने से पहले उन्हें एक आखिरी ग्राहक मिल जाए। "मैं तुम्हारे साथ चलूँगी, सेक्सी आदमी!" वे उम्मीद से कहती थीं, जब हम उनके पास से गुज़रते थे, मानो उनकी बेबसी से बेखबर। अगला पड़ाव फ्रॉग बार था, जो देखने में दिलचस्प जगह लग रही थी। वहाँ बहुत

सारी खूबसूरत लड़कियाँ थीं, जो इस बात से बहुत खुश थीं कि हमने अपनी अगली ड्रिंक के लिए उनका बार चुना। क्या वे सभी खुश नहीं होतीं?

इस समय तक, मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि रॉबर्ट का फोन लगभग बंद हो चुका था और उसे चार्ज करने की ज़रूरत थी, अब शायद वह आराम कर सकता है और इस जगह का आनंद ले सकता है। जिन लड़कियों से हम बात कर रहे थे, उनकी अंग्रेज़ी बहुत सीमित लग रही थी, लेकिन हैरानी की बात यह थी कि वे 'मैं तुम्हारे साथ चलती हूँ' शब्द बहुत स्पष्ट रूप से बोल सकती थीं। हमने उन्हें बताया कि हम अभी-अभी यहाँ आए हैं और बस आराम करना चाहते हैं और अगले तीन हफ्तों के लिए यहाँ हैं, इसलिए कोई जल्दी नहीं है। जवाब आया, "मैं समझ गई, मैं थोड़ी देर के लिए तुम्हारे साथ चलती हूँ, ठीक है?" फिर कनेक्ट-4 गेम शुरू हुआ, "तुम मेरे साथ खेलोगी?" कुछ बीयर पीने और कनेक्ट-4 के कई गेम खेलने के बाद हमें ज़ोरों की भूख लगी! हमने उन्हें अलविदा कहा और बताया कि हम खाने जा रहे हैं और एक घंटे में वापस आ जाएँगे, जिसका हमारा कोई इरादा नहीं था। "ठीक है, वादा करो, मैं तुम्हारा इंतज़ार करूँगी, मैं थोड़ी देर के लिए तुम्हारे साथ चलती हूँ, ठीक है?" मैंने कहा, "हाँ, हम वादा करते हैं कि हम एक घंटे में वापस आ रहे हैं।" जैसे ही हम जाने लगे, रॉबर्ट ने कहा, "क्या हम सच में एक घंटे में वापस जा रहे हैं?" मैं हंसते हुए कहता हूं, "बिल्कुल नहीं! चलो खाना खाते हैं।"

हम वॉकिंग स्ट्रीट पर थोड़ा और आगे बढ़ते हैं और उम्मीद करते हैं कि कोई खुली जगह मिल जाए जहाँ खाना मिल रहा हो। जब एक जगह खुली मिलती है, तो हम चिकन और चावल ऑर्डर करते हैं; हम बैठ जाते हैं और लगभग तीन दिनों में अपना पहला असली खाना खाते हैं। यह बैठने और लोगों को देखने के लिए एकदम सही जगह है, और यह हमारी आँखों के सामने एक अजीबोगरीब तमाशा जैसा है! सेक्सी अधनंगी औरतें सड़क पर इधर-उधर घूम रही हैं, खैर, मुझे लगता है कि वे औरतें ही हैं! इतनी दूरी से बताना मुश्किल है, और मैं और पास जाने का इरादा नहीं रखता! नशे में धुत लड़के लेडी बॉयज़ के साथ हाथ में हाथ डालकर घूम रहे हैं जो देखने में औरतें भी नहीं लगतीं। मुझे हमेशा यह सोचकर हैरानी होती है कि क्या उन्हें पता भी है कि वे किसके साथ हैं, कौन जाने? यहाँ कुछ भी हो सकता है, शायद उन्हें पता हो, या अगर नहीं, तो जब वे जागेंगे या होश में आएंगे तो उन्हें ज़बरदस्त झटका लगेगा! समलैंगिक घूम रहे हैं जो साफ़ तौर पर जानते हैं कि वे किसके साथ हैं, लड़के बेहद छोटे और टाइट कपड़ों में घूम रहे हैं, लगभग किसी फैंसी ड्रेस की तरह, वे शायद अपने देश में बैंक मैनेजर होंगे! बुजुर्ग लोग अपनी बेटियों की उम्र की खूबसूरत लड़कियों के साथ हाथ में हाथ डाले घूम रहे हैं, यह जानते हुए कि अपने घर पर इतनी कम उम्र और खूबसूरती वाली लड़की उन्हें शायद ही कोई देखता। यहाँ लोग कुछ हफ्तों के लिए अपनी मनमर्जी कर सकते हैं। यहाँ हर किसी के लिए कुछ न कुछ है और लोग पटाया आने के कई अलग-अलग कारण रखते हैं। रॉबर्ट और मेरी तरह सभी लोग यहाँ घूमने नहीं आए हैं... कोई बात नहीं!

अपना बेहद ज़रूरी खाना खाने के बाद, हमने आज का दिन यहीं खत्म करने का फैसला किया। सुबह के 5:30 बज रहे थे और मैं रॉबर्ट को समझाने की कोशिश कर रही थी कि भले ही उसे अभी थकान महसूस न

हो रही हो, इसका मतलब यह नहीं कि उसे थकान नहीं है। जेट लैग का असर धीरे-धीरे शुरू हो रहा था। हम होटल की ओर चल पड़े। बीच रोड से वापस आते समय हमें कई मसाज पार्लर दिखे। अभी मसाज करवाना शायद बहुत अच्छा रहेगा और रॉबर्ट को आराम मिलेगा और होटल की चिंता दूर हो जाएगी। "महोदय, क्या आप मसाज करवाना चाहते हैं? सिर्फ 150 बात में!" यह लगभग पाँच डॉलर है, भला कौन इस ऑफर को ठुकराएगा? "ठीक है, चलो मसाज करवाते हैं।" मैंने कहा। हम पेट के बल लेट गए जबकि दो छोटी थाई लड़कियाँ हमारी पीठ पर ऊपर-नीचे मालिश करने लगीं। रॉबर्ट गहरी नींद में सो चुका था और ज़ोर-ज़ोर से खर्राटे ले रहा था, और लड़की के हर कदम पर वो नींद में ही पाद और डकार ले रहा था! इस समय तक मैं और दोनों लड़कियाँ ज़ोर-ज़ोर से हंस रहे थे। रॉबर्ट को समझ नहीं आ रहा था कि सब किस बात पर हंस रहे हैं, तभी लड़की ने उसकी मालिश पूरी की और हम होटल वापस चल दिए। सुबह के 7 बज चुके थे और सोने का समय हो गया था।

दो घंटे बाद फोन की घंटी बजी और मेरी नींद खुल गई, रॉबर्ट का फोन था, लगता है उसने अपना फोन चार्ज कर लिया था! "यार, मुझे नींद नहीं आ रही।" खैर, अब हम दोनों की हालत एक जैसी हो गई है, मैं तो सो ही रहा था! "क्या होटल बदलने के लिए तैयार हो?" मुझे लगा कि जब तक हम ऐसा नहीं करेंगे, उसे चैन नहीं आएगा, इसलिए मैं मान गया, "ठीक है, तीस मिनट में रिसेप्शन पर मिलो।" मैंने कहा, हम मिले और रॉबर्ट के लिए एक बेहतर होटल ढूंढने के लिए पास ही चले गए। मैंने समझाया कि क्रिसमस जैसे-जैसे नजदीक आएगा, यहाँ पर्यटकों की भीड़ बढ़ जाएगी और कमरे मिलना मुश्किल हो जाएगा, इसलिए उसे तय करना होगा कि उसे कौन सा होटल चाहिए और उसी में ठहरना होगा, और हाँ, क्रिसमस से पहले हर हफ्ते किराया बढ़ता जाएगा। हम पटाया सेकंड रोड पर लेक होटल की ओर चल पड़े; मैं यहाँ पहले कभी नहीं रुका था, लेकिन इसके बारे में अच्छी बातें सुनी थीं। एक रात का किराया 600 बात था, बाप रे! यह तो उस होटल के किराए से दोगुना है! अगले हफ्ते किराया बढ़कर 900 बात प्रति रात हो जाएगा, और क्रिसमस वाले हफ्ते में यह 1400 बात प्रति रात हो जाएगा। उन्होंने हमें होटल और फिर कमरे दिखाए, और मुझे मानना पड़ेगा कि होटल बहुत अच्छा है और हर कमरे में एक सेफ बॉक्स भी है। रिसेप्शन पर बहुत ही आकर्षक लड़कियां काम कर रही थीं, जो वैसे तो कोई बुरी बात नहीं है, और ऐसा लग रहा था जैसे वे हमसे फ्लर्ट कर रही हों! या शायद हम उनसे फ्लर्ट कर रहे थे! कौन परवाह करता है, आखिर यह थाईलैंड है, है ना? तो हमने उन्हें अपना रिफंडेबल डिपॉजिट दिया और कहा कि हम कुछ घंटों में अपने सामान के साथ वापस आ जाएंगे। तो हम वापस पहले होटल गए, अपना सामान पैक किया और निकल पड़े। हम अपने सामान के साथ एक होटल से दूसरे होटल तक पैदल ही गए। हमने टैक्सी बुलाई थी, लेकिन वह आई ही नहीं। कोई बात नहीं। यह सिर्फ दस मिनट की पैदल दूरी है। जैसे ही हम सेकंड रोड पर आगे बढ़े, रॉबर्ट को पहली बार मशहूर 'ग्लिटरमैन' दिखाई दिया, जो हमेशा की तरह अपनी ही दुनिया में साइकिल चला रहा था, "यार, ये कौन है?" बेहद उलझन में दिख रहे रॉबर्ट ने कहा, "ये तो ग्लिटरमैन है।" मैं मन ही मन हंसते हुए समझाती हूं। इस अजीबोगरीब किरदार को पहली बार देखकर किसी की प्रतिक्रिया देखना हमेशा मजेदार होता है।

द ग्लिटरमैन

आपमें से जो लोग यहाँ नियमित रूप से आते हैं, वे ग्लिटरमैन को ज़रूर जानते होंगे, या कम से कम उसके बारे में तो जानते ही होंगे। जैसा कि नाम से पता चलता है, वह सिर से पैर तक सोने के गहनों से सजा हुआ एक अनोखा किरदार है, जिसकी साइकिल के पीछे रंग-बिरंगे चमकीले शुतुरमुर्ग के पंख लगे होते हैं। एक सनकी 'ब्रिटिश' जो सोने का चोला भी ओढ़े रहता है, पटाया की सड़कों पर साइकिल चलाते हुए हर किसी को हाथ हिलाता हुआ नज़र आता है, मानो कोई बिगड़ा हुआ सुपरहीरो हो! कभी-कभी उसे पैदल चलते हुए भी देखा जा सकता है। देखने में तो वह काफी हानिरहित लगता है, लेकिन कहीं न कहीं कुछ तो गड़बड़ ज़रूर है। मुझे ठीक से नहीं पता कि वह पटाया में कब से रह रहा है, लेकिन मैंने उसे हर बार यहाँ आने पर देखा है। उसे देखकर हर कोई हंसने लगता है, हालांकि मुझे नहीं पता कि कितने लोग उस पर हंस रहे हैं या उसके साथ हंस रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि ज़्यादातर लोग हंस रहे होंगे।

दिन के उजाले में दूसरी सड़क पार करने की यह हमारी पहली कोशिश थी और ट्रैफिक लाइटें देखकर मुझे राहत मिली; हमने लाइट के लाल होने का इंतज़ार किया और झटपट सड़क पर कदम रखा, लेकिन गाड़ियाँ आती ही रहीं, तो हम और भी तेज़ी से पीछे हट गए! लाइटें लाल थीं, पर किसी को कोई फ़र्क नहीं पड़ा! तो कुल मिलाकर, लाइटें लगाना समय की पूरी बर्बादी थी, थोड़ी देर बाद गाड़ियाँ इतनी जाम हो गईं कि कुछ भी हिल नहीं पा रहा था, जिसका मतलब है कि अब हम इस सड़क को बिना मरे पार कर सकते हैं! आखिरकार, भयानक ट्रैफिक का सामना करते हुए हम लेक होटल में ज़िंदा पहुँच गए। अब हम एक बेहतर होटल में ठहर चुके हैं। नाश्ते का समय हो गया है। होटल में फलों के साथ बुफे जैसा कुछ है, जो देखने में तो बढ़िया लग रहा है, लेकिन हमें पेट भरकर खाने की सख्त ज़रूरत है, इसलिए हम अपने पसंदीदा नाश्ते की जगह 'लेविंस्की' की ओर चल पड़े, जो सोई पट्टायलैंड 1 पर है। जैसे ही हम पटाया सेकंड रोड पर आगे बढ़े, सुबह-सुबह हमें जो भी लोग दिखे, उनमें से ज़्यादातर हैंगओवर से जूझ रहे थे। इस सड़क पर सुबह-सुबह हमेशा ही बदबू आती रहती है। हम एक बिना नाम के साधारण से बार के पास से गुज़रे, जहाँ आज भी सिर्फ़ सोती हुई बिल्लियाँ ही बैठी रहती हैं। शायद एक दिन वे बेहतर ड्रेनेज सिस्टम लगवा लेंगे, क्योंकि इससे हमारी भूख तो बिल्कुल नहीं बढ़ रही। मुझे हैरानी हुई कि वहाँ वही कर्मचारी हैं जो दस साल पहले थे! मैंने दो 'ईगल' ब्रेकफ़ास्ट ऑर्डर किए, जिनके बारे में मेन्यू में लिखा है कि ये सिर्फ़ बहुत ज़्यादा भूखे लोगों के लिए हैं। खैर, हम तो बस खाने के लिए तैयार हैं! मुझे लगता है कि बड़े नाश्ते के बारे में उनका विचार मेरे विचार से मेल नहीं खाता, लेकिन खाना अच्छा है, तो बहुत बढ़िया। लेविंस्की रेस्टोरेंट 90 के दशक के उत्तरार्ध से मौजूद है, जो पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और मोनिका लेविंस्की से जुड़े सभी घोटालों के सामने आने के तुरंत बाद खुला था। मुझे याद है, कई साल पहले मैं सामने वाले 'द शुगर शेक' बार में बैठा था और देख रहा था कि कैसे पटाया में मोनिका को समर्पित इस जगह पर साइनबोर्ड लगाया जा रहा था, जिसे देखकर वहां मौजूद सभी

लोग काफी खुश हो रहे थे। यह एक होटल भी है और गोल्फ खिलाड़ियों के लिए एक पसंदीदा मिलन स्थल है, जो स्थानीय गोल्फ कोर्स तक परिवहन की सुविधा भी प्रदान करता है।
नाश्ता करने के बाद रॉबर्ट ने कहा कि उसे अजीब सा लग रहा है, लगभग ज़ॉम्बी जैसा। मैंने उसे समझाने की कोशिश की कि वह तीन दिन से बहुत कम नींद लेकर दुनिया के दूसरे छोर तक की यात्रा करके आया है और उसे जेट लैग हो गया है। जब हम अपने नए होटल में वापस लौटे, तो मैंने उसे सुझाव दिया कि अब जब वह एक सुरक्षित होटल में है, तो जाकर सो जाए। मैंने कहा, "उठने के बाद मुझे कॉल करना।" "ठीक है यार, बाद में।" उसने कहा। लेकिन बाद में का मतलब सच में बहुत जल्दी था, क्योंकि उसने दो घंटे बाद ही दोबारा कॉल कर दिया।

जीवन बदल देने वाली पैरों की मालिश

अब दोपहर के करीब 1 बज रहा है और आज सोने की उम्मीद ही छोड़ दी है, लेकिन नींद की ज़रूरत किसे है? आखिर हम पटाया में हैं, है ना? मुझे लग रहा है कि रॉबर्ट को पहली बार दिन के उजाले में पटाया घुमाना चाहिए, शायद तब उसे समझ आ जाए कि यह वो घटिया जगह नहीं है जैसा उसने आज सुबह 3 बजे सोचा था! हमने बाहर निकलने का फैसला किया और अपने दिन की शुरुआत फुट मसाज से करने का सोचा; पटाया में आपको ज़्यादा दूर चलने की ज़रूरत नहीं है, हर जगह फुट मसाज की दुकानें मिल ही जाती हैं। हमारे होटल के सामने हमें 'लकी फिंगर' नाम की एक बहुत ही दिलचस्प सी मसाज की दुकान दिखी, जो देखने में बहुत साफ-सुथरी और अच्छी लग रही थी, इसलिए हमने सबसे पहले वहीं जाने का फैसला किया।
दरवाजे पर हमारा स्वागत कई खूबसूरत और कुछ कम खूबसूरत लड़कियों ने किया, जो हमें इन बेहद आकर्षक और आरामदायक रिक्लाइनर कुर्सियों की ओर ले गईं। मुझे लगता है कि लड़कियों का कोई पूर्वनिर्धारित सूची होगी कि अगला ग्राहक किसे मिलेगा; हमें एक स्टूल पर पैर रखकर लिटाया गया, जबकि एक लड़की हमारे पैरों की मालिश के लिए उन्हें धोकर साफ कर रही थी। मैंने रॉबर्ट के मोटे-मोटे पैरों पर नजर डाली, जिनके नाखून शायद एक महीने से नहीं काटे गए थे! मुझे लगा कि ये बिल्कुल भी आकर्षक नहीं हैं, जबकि वह युवती अविश्वास से उन्हें घूर रही थी। उसने थाई भाषा में कुछ कहा जिससे बाकी लड़कियां हंसने लगीं, फिर वह उठी और चली गई, उसकी जगह एक बड़ी और कम आकर्षक लड़की आ गई। तब तक रॉबर्ट नींद से जाग रहा था, "मेरा नाम पुक है, आप कैसे हैं?" लड़की ने पूछा। रॉबर्ट ने माना, "मैं बहुत थका हुआ हूँ।" लड़की ने कहा, "कोई बात नहीं, आप सो जाइए, मैं आपका ख्याल रखूँगी।" वह पहले ही गहरी नींद में सो चुका था और जोर-जोर से खर्राटे ले रहा था। रॉबर्ट अक्सर सुबह उठकर घर पर अपनी प्रेमिका को मैसेज करता है। अब वह पुक को अपनी प्रेमिका की तस्वीरें दिखा रहा है, जिस पर पुक हमेशा की तरह "बहुत खूबसूरत लड़की" कहती है। थाई लड़कियाँ कुछ आम वाक्य सीख चुकी हैं, जिनमें से एक यह भी है। हम दिन के उजाले में पटाया घूमने निकल पड़ते हैं। जब हम जाने लगते हैं, तो लड़कियाँ दरवाजे

पर खड़ी होकर हमें अलविदा कहती हैं। पुक कहती है, "अलविदा रॉबर्ट, फिर आना।" किसने सोचा होगा कि चार महीने से भी कम समय में वह रॉबर्ट की पत्नी बन जाएगी!

हमारी खोजबीन हमें दो ब्लॉक दूर एक घटिया से बार तक ही ले जाती है, जहाँ कुछ बियर पीने और तेज़ गर्मी के साथ-साथ जेट लैग का असर रॉबर्ट पर दिखने लगा है। वह कहता है, "यार, मैं तो बिल्कुल मरा हुआ महसूस कर रहा हूँ!" लगता है कि वह आराम से सो नहीं पाएगा और इस बेचैनी से लड़ना बंद नहीं करेगा। उसे एहसास होता है कि शराब पीने से वह पहले से भी ज़्यादा थका हुआ महसूस कर रहा है। वह घर पर उस लड़की को लगातार मैसेज कर रहा है और शायद उसे परेशान कर रहा है क्योंकि उनके बीच कहा-सुनी हो रही है। अब वह बार-बार माफी मांगते हुए मैसेज कर रहा है, "डार्लिंग, मुझे बहुत अफ़सोस है, प्लीज़ मुझे माफ़ कर दो, तुम मेरे लिए सब कुछ हो, मैं तुम्हें कभी दुख नहीं पहुँचाऊँगा।" उसे ये मैसेज बार में मुझे ज़ोर से पढ़कर सुनाने की ज़रूरत महसूस होती है, मुझे लगता है ये कुछ ज़्यादा ही हो रहा है। इसी समय पटाया के आसपास दिखने वाले कई स्ट्रीट वेंडर्स में से एक नकली घड़ियाँ बेचते हुए बार में आता है। वह रॉबर्ट से कहता है, "मिस्टर गुड वॉच, आप खरीदेंगे?" रॉबर्ट झट से जवाब देता है, "मुझे उस बकवास चीज़ की क्या ज़रूरत है? मेरे पास असली चीज़ है!" वह दुकानदार के सामने अपनी असली घड़ी दिखाने के लिए अपनी कलाई ऊपर उठाता है, दुकानदार बस मुस्कुराता है और चला जाता है। अब उसे हर बात से परेशानी हो रही है; शायद वह भ्रम में है, इसलिए मैंने उसे घुमाने ले जाने का फैसला किया क्योंकि उसे घर की उस लड़की के अलावा किसी और चीज़ में अपना ध्यान लगाने की सख्त ज़रूरत थी। पता चला कि यह पहली बार था जब उसने उसे जल्दी घर लौटने की अपनी योजना के बारे में बताया था, वह इससे ज़्यादा खुश नहीं थी क्योंकि क्रिसमस पर उसकी अपनी योजनाएँ थीं जिनमें रॉबर्ट से मिलना बिल्कुल भी शामिल नहीं था! इसी समय रॉबर्ट को उसकी माँ की देखभाल करने वाली वेट्रेस का फोन आया, पता चला कि पहली रात को बुढ़िया उस कमरे में घुस आई जहाँ वेट्रेस सो रही थी और उसे चोर समझकर अपनी छड़ी से उस पर हमला कर दिया! वह कहता है, "यार, ये तो अच्छा नहीं लग रहा है।"

हम पहाड़ी पर स्थित विशाल बुद्ध प्रतिमा तक टैक्सी लेते हैं। ड्राइवर ने स्टीरियो पर स्कॉर्पियन्स का गाना 'हॉलिडे' बजा रखा है, जो मुझे लगता है कि जब भी मैं यहाँ टैक्सी लेता हूँ, हमेशा बजता रहता है। यह ठीक है क्योंकि यह एक शानदार गाना है और पटाया में छुट्टियों के माहौल में पूरी तरह फिट बैठता है। पहाड़ी पर स्थित विशाल बुद्ध प्रतिमा हमेशा से मेरी पसंदीदा घूमने की जगहों में से एक रही है और यह कुछ ही मील दूर है। सैकड़ों सीढ़ियाँ चढ़कर वहाँ पहुँचने पर विशाल सुनहरे बुद्ध की प्रतिमा को देखकर प्रभावित हुए बिना रहना असंभव है। बुद्ध प्रतिमा पटाया के ठीक दक्षिण में, प्रताम्नाक पहाड़ी की चोटी पर स्थित है। पहाड़ी की चोटी तक जाने वाली सड़क से आपको पटाया के कुछ बहुत ही सुंदर दृश्य भी देखने को मिलेंगे। दो सुनहरे रंग के साँपों से घिरी एक लंबी सीढ़ी बुद्ध प्रतिमा तक जाती है, जिसका निर्माण 1977 में हुआ था। विशाल सुनहरे रंग की बुद्ध प्रतिमा लगभग 18 मीटर ऊँची है और इसका आधिकारिक नाम फ्रा बुद्ध सुखोथाई वलाई चोनलथन है और इसे लुंग फो याई के नाम से भी जाना जाता है। विशाल बुद्ध प्रतिमा के अलावा, मंदिर परिसर

में सात छोटी बुद्ध प्रतिमाएँ हैं, जो सप्ताह के प्रत्येक दिन का प्रतिनिधित्व करती हैं, साथ ही एक मंडप भी है। स्थानीय लोग यहाँ श्रद्धा अर्पित करने और स्वास्थ्य, सुख और धन आदि के लिए प्रार्थना करने आते हैं। इस पहाड़ी की चोटी से पटाया के कुछ बेहतरीन दृश्य देखे जा सकते हैं और रेडियो स्टेशन के ठीक सामने से पूरे पटाया का मनमोहक दृश्य दिखाई देता है। जैसे ही आप बुद्ध प्रतिमा तक जाने वाली सीढ़ियों के नीचे पहुँचते हैं, आपको छोटे बच्चे लकड़ी के छोटे पिंजरों में पक्षियों के साथ दिखाई देंगे, "पक्षी खरीदो साहब, यह आपके लिए सौभाग्य लाएगा!" रॉबर्ट को जितना हो सके उतना सौभाग्य चाहिए, इसलिए वह इन दुबले-पतले चहचहाते पक्षियों से भरे दो पिंजरे खरीद लेता है। हम सीढ़ियों के ऊपर तक चलते हैं, जो जिम में एक ज़ोरदार कार्डियो सेशन की तरह है! रॉबर्ट अपने पक्षियों को छोड़ देता है और उन्हें उड़ते हुए देखता है, "आज का मेरा नेक काम।" वह गर्व से कहता है। मैं उसे बताना भूल गया कि इन पक्षियों को इस तरह प्रशिक्षित किया गया है कि वे सीधे सीढ़ियों के नीचे खड़े उस बच्चे के पास वापस उड़कर जाएँ जिसने उन्हें पहली बार बेचा था, ताकि वे बार-बार बेचे जा सकें। फिर भी, यह कुछ ही डॉलर का खर्चा था और देखने में मज़ा आया। कुछ घंटे तस्वीरें खींचने और आम पर्यटकों की तरह घूमने के बाद, अंधेरा होने लगा, जिसका मतलब था कि अब पटाया वापस जाने का समय हो गया है, जहाँ हम अपनी पहली रात आराम से बिताएंगे।

वॉकिंग स्ट्रीट से वापस लौटते समय हमें सुनाई दिया, “सेक्सी मैन, तुम मेरे लिए वापस क्यों नहीं आए, तुम्हारा बहुत इंतज़ार कर रही हूँ।” ये फ्रॉग बार की लड़कियाँ थीं जिनसे हमने आज सुबह यहाँ आने पर वापस आने का वादा किया था। हमने हाथ हिलाया लेकिन रुके नहीं, हम पहले नहीं हैं और निश्चित रूप से आखिरी विदेशी भी नहीं होंगे जो किसी खास बार में वापस आने का वादा तोड़ते हैं। हम चलते रहे और उस जगह पहुँच गए जहाँ हमने लगभग बारह घंटे पहले चिकन खाया था। हम बैठ गए, आराम किया और लोगों को देखने लगे, और फिर से, यह एक अजीबोगरीब तमाशा जैसा था! रॉबर्ट लगातार घर पर अपनी गर्लफ्रेंड को मैसेज कर रहा था। जब हम चारों ओर घूमकर नज़ारे देख रहे थे, तभी कई आवाज़ें सुनाई दीं, “पिंग पोंग शो, पहली बियर मुफ़्त!” बढ़िया डील लग रही थी, और रॉबर्ट के लिए पटाया स्टाइल का स्टेज शो देखने का समय आ गया था!

हम उस आदमी का पीछा करते हुए एक गली से होते हुए एक बार तक पहुँचे, जहाँ एक बुजुर्ग महिला ने हमारा स्वागत किया और कहा, "मेरे साथ आओ, पहली बियर मुफ़्त!" मुझे लगा कि शायद यह मुफ़्त नहीं होगी, लेकिन कोई बात नहीं, अब शो देखने का समय है। हम उस बुजुर्ग महिला के पीछे-पीछे एक घुमावदार, चरमराती लकड़ी की सीढ़ी से ऊपर गए, जो हमें एक बड़े कमरे में ले गई जहाँ नग्न लड़कियाँ मंच पर अपने करतब दिखा रही थीं। हमें कुछ बहुत ही आरामदायक सोफ़ों पर बैठाया गया और हमारे लिए ड्रिंक्स लाए गए। रॉबर्ट तुरंत सो गया और बीच-बीच में जागकर घर पर अपनी प्रेमिका को मैसेज करता रहा। यह चौंकाने वाली बात थी कि उसे इस बात का ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि उससे सिर्फ़ दस फ़ीट दूर मंच पर क्या हो रहा है! अब इन स्टेज कलाकारों के लिए रॉबर्ट का ध्यान खींचने की होड़ मच गई थी और वे इसके लिए हर संभव कोशिश कर रही थीं। वे अपनी योनि से पिंग पोंग बॉल और कागज़ के डार्ट्स फेंक रही थीं! मैं कह रहा था,

"रॉबर्ट, यह सब देखो! यह कमाल है!" हर समय रॉबर्ट उन चीज़ों को भगा रहा है जिन्हें वह मच्छर समझ रहा है, लेकिन असल में वे कागज़ के तीर हैं जो स्टेज पर एक लड़की की योनि से निकलकर उसका ध्यान खींचने के लिए चलाए जा रहे हैं। फिर वे गुब्बारे लाते हैं जिन्हें हमें अपने सिर के ऊपर पकड़ना होता है। एक लड़की स्टेज पर पीठ के बल लेटी हुई है और अपनी योनि से कागज़ के तीर चलाकर हमारे सिर के ऊपर रखे गुब्बारों को फोड़ रही है! एक भी निशाना चूकने वाला तीर हमारी आंख फोड़ सकता है! लेकिन वह सबको फोड़ देती है, शायद वह कोई पूर्व स्नाइपर है या कुछ और, अगर नहीं तो उसे होना चाहिए, मुझे यकीन है कि थाई सेना उसके कौशल का भरपूर इस्तेमाल कर सकती है। लेकिन रॉबर्ट उस बूढ़ी औरत से अपनी प्रेमिका के बारे में गहरी बातचीत कर रहा है! अब वह उसे फिर से वो तस्वीरें दिखा रहा है, "आज रात तुम्हें कोई लड़की चाहिए?" बूढ़ी औरत पूछती है, वह उसे और तस्वीरें दिखाता है, "कोई लड़की नहीं।" वह कहता है, "ये मेरी प्रेमिका है।" "अरे, मैं समझ गई, तुम्हें लड़का चाहिए ना?" बूढ़ी औरत जवाब देती है, "मेरे पास तुम्हारे लिए एक अच्छा लड़का है।" वो ठान चुकी है कि आज रात उसे अपने बार से एक लड़की या लड़का ज़रूर दिलाएगी! ये सिलसिला करीब तीस मिनट तक चलता है और इस दौरान उसने स्टेज पर कई मज़ेदार चीज़ें देखीं, जैसे एक लड़की अपनी योनि में उबला अंडा फोड़ रही थी, दूसरी अपनी योनि से रेज़र ब्लेड निकाल रही थी और तीसरी अपनी योनि से मोमबत्तियाँ बुझा रही थी! आप जो भी सोच सकते हैं, स्टेज पर उन लड़कियों ने वो सब किया। रॉबर्ट ने ये सब कुछ मिस कर दिया! ये ज़रूर मज़ेदार लग रहा होगा कि मैं उछल-कूद कर उनकी हर हरकत पर तालियाँ बजा रही थी, जबकि रॉबर्ट कभी सो रहा था तो कभी जाग रहा था और घर पर अपनी गर्लफ्रेंड को मैसेज कर रहा था। स्टेज पर लड़कियाँ आखिरकार हार मान लेती हैं और स्टेज के दूसरी तरफ जाकर अपनी किस्मत आज़माने लगती हैं, ताकि ज़्यादा इच्छुक लोग उनकी कला को देख और सराह सकें। मैं भी उनके साथ चली जाती हूँ! खैर, रॉबर्ट सो रहा है और मैं ये शानदार शो मिस नहीं करना चाहती। दो घंटे बाद हम आगे बढ़ते हैं, और हाँ, पहला ड्रिंक मुफ़्त था!

हम होटल की तरफ वापस चल पड़े, रात अभी खत्म नहीं हुई थी। हम सोई पट्टायालैंड 2 से गुज़रे जहाँ मैंने रॉबर्ट को क्लासरूम ले जाने का फैसला किया। यह बार बहुत पुराना लगता है और मेरा पसंदीदा गो-गो बार है। जैसे ही हम दरवाज़े पर लगे पर्दे के पीछे से अंदर गए, वहाँ हर जगह नग्न लड़कियाँ थीं! बैठने के कुछ ही मिनटों में एक बेहद खूबसूरत लेकिन कुछ अजीब सी दिखने वाली तिरछी आँखों वाली लड़की आकर हमारे साथ बैठ गई और रॉबर्ट को घूरने लगी। खैर, मुझे लगता है कि वह उसे ही घूर रही थी, असल में वह किसे घूर रही थी, यह बताना थोड़ा मुश्किल था! फिर उसने उससे कहा, "मैं तुम्हारा लंड चूसूँगी, अच्छा आइडिया है ना?" रॉबर्ट ने जवाब में उसे घर पर अपनी गर्लफ्रेंड की तस्वीरें दिखाईं और कहा, "यह मेरी गर्लफ्रेंड है।" उलझन में दिख रही लड़की ने कंधे उचकाए और फिर दोहराया, "मैं तुम्हारा लंड चूसूँगी, अच्छा आइडिया है ना?" रॉबर्ट ने कहा, "यार, उससे कह दो कि मुझे उसमें कोई दिलचस्पी नहीं है।" मैंने उस लड़की को आवाज़ दी और उसके कान में फुसफुसाया, "मेरा दोस्त गे है!" यह सुनकर लड़की हंस पड़ी और मुझसे बोली, "मैं तुम्हारा लंड चूसूँगी, बढ़िया आइडिया है ना?" खैर, वो आज रात किसी का लंड चूसने के लिए बेताब थी, तो

क्यों न मेरा ही चूस लूँ, "ठीक है, चलो जल्दी करते हैं!" मैंने कहा। इसके साथ ही हम वहाँ से चले गए, रॉबर्ट घर पर सबको अपनी गर्लफ्रेंड की तस्वीरें दिखा रहा था। बीस मिनट बाद वापस आकर भी वो सबको अपनी गर्लफ्रेंड की तस्वीरें दिखा रहा था! ज़ाहिर है, उसे ये बढ़िया जगह उतनी पसंद नहीं आ रही जितनी मुझे, तो मैंने सोचा कि अब आगे बढ़ने का समय आ गया है।

अपनी यात्रा के दौरान हम एक बार फिर उस गुमनाम बार के पास से गुज़रे, जहाँ आज भी सिर्फ़ सोती हुई बिल्लियाँ ही आती हैं! फिर हम दोबारा लकी फिंगर मसाज पार्लर गए और सोचा कि अब थके हुए पैरों को आराम देने का समय आ गया है, इसलिए हमने एक और फुट मसाज करवाने का फ़ैसला किया। आख़िर पाँच डॉलर में एक मसाज, क्यों न करवाएँ? ऐसा लग रहा था कि वही लड़कियाँ यहाँ हैं जिन्हें हमने पहले देखा था, इस बार दो अलग-अलग लड़कियाँ हमारे पैरों की मसाज कर रही थीं। हमने फिर से पुक को देखा, वही लड़की जिसने पहले रॉबर्ट के पैरों की मसाज की थी। आज रात वो ज़्यादा कुछ नहीं बोली, बस हेलो कहा, और हमारे पास आई भी नहीं। इस बार वो बहुत धीमी आवाज़ में अलविदा कहकर चली गई, पहले जैसी तो नहीं थी, लेकिन शायद लड़कियाँ थक गई थीं, और शायद दिन भर गंदे-गंदे पैर देखना भी उन्हें ज़्यादा अच्छा नहीं लग रहा था।

अगला पड़ाव बीच रोड पर स्थित पुराने बेस्ट फ्रेंड्स बार कॉम्प्लेक्स में है, जिसका फिलहाल कोई नाम नहीं है, शायद पटाया के आसपास के बार जगत में चल रहे बदलावों की तरह इसमें भी कुछ बदलाव हो रहे हैं। थाई बॉक्सिंग मेरा पसंदीदा खेल है, इसलिए पिछले कई सालों से यह मेरी पसंदीदा जगह रही है। मुझे खुशी है कि बॉक्सिंग रिंग अभी भी यहीं है और जल्द ही मुकाबला शुरू होने वाला है, क्योंकि ऐसा लग रहा है कि कुछ युवा खिलाड़ी पहले मुकाबले के लिए वार्म-अप कर रहे हैं। रॉबर्ट तुरंत तस्वीरें खींचने लगता है और उन्हें अपनी गर्लफ्रेंड को भेज देता है। उसे इतने सारे मैसेज और तस्वीरें मिली हैं कि उसे लग रहा होगा कि वह सच में यहीं है, लेकिन शुक्र है! वह नहीं है। हम ऐसी जगह बैठ जाते हैं जहाँ से अच्छा नज़ारा दिखे और अपनी बीयर ऑर्डर करते हैं। "क्या आपको बीयर के साथ कोई सेक्सी लेडी चाहिए?" वही जाना-पहचाना सवाल आता है। "नहीं, धन्यवाद, हम यहाँ बॉक्सिंग देखने आए हैं।" मैं उससे कहता हूँ, "कोई बात नहीं, लेडी आपके साथ देख सकती है।" वे हार नहीं मानते और उनकी लगन की तारीफ करनी ही पड़ेगी, लेकिन बॉक्सिंग तो बॉक्सिंग है, और मुझे उसे देखने के लिए किसी महिला की ज़रूरत नहीं है। रॉबर्ट किसी तरह बच्चों के एक बॉक्सिंग कैंप में घुस गया था और अब उनके साथ कोने में बैठकर बढ़िया तस्वीरें खींच रहा था। जब पहला बच्चा जीत गया, तो वह तुरंत रॉबर्ट के पास आया, जिसे समझ नहीं आ रहा था कि जीतने वाला बच्चा क्या चाहता है। मैंने उसे बताया कि ये सारी तस्वीरें मुफ्त में नहीं मिलतीं और बच्चा टिप मांग रहा है। रॉबर्ट ने पूछा, "बच्चे को टिप चाहिए?" मैंने मज़ाक में कहा, "बिल्कुल, वरना वो तुम्हारा सिर फोड़ देगा!" अब घबराया हुआ रॉबर्ट अपनी जेबों में हाथ डालकर एक हज़ार बात का नोट निकालता है, जिसे बच्चा गलती से छीन लेता है और इतनी बड़ी रकम पाकर सदमे में आ जाता है जैसे किसी ने उसके चेहरे पर मुक्का मार दिया हो। जब बच्चा मेरे पास आता है, तो मैं उसे सौ बात का नोट देता हूँ, जिस पर मुझे वैसी ही नज़र आती है जैसे वह बच्चा कुत्ते की गंदगी

को देख रहा हो! इसमें कोई शक नहीं कि वह लड़का जल्दी से यह बात फैला देता है कि एक सनकी विदेशी है जो आज रात विजेताओं को बड़ी रकम दे रहा है। पहले मुकाबले के बाद हर विजेता तुरंत रॉबर्ट के पास जाता है, जो हर किसी को एक हजार बात का नोट देता है और बदले में मुझे कुछ और अप्रिय निगाहें मिलती हैं। पहले पांच मुकाबलों के बाद हम छठे मुकाबले के दो योद्धाओं की निराशा और हताशा की ओर बढ़ते हैं, जो आपस में भिड़े हुए हमारी ओर घूर रहे हैं, और हम जल्दी से उनकी नजरों से ओझल हो जाते हैं। इस मुकाबले के विजेताओं को कोई बड़ी रकम नहीं मिलेगी, कम से कम हमारी तरफ से तो नहीं!

हम पटाया की दूसरी सड़क पर स्थित मेरे पसंदीदा बार, 'द वंडरफुल बार' में बैठकर शराब पी रहे थे। हमने वहाँ की एक बार गर्ल से पिज़्ज़ा हट से पिज़्ज़ा मंगवाया था। रात करीब 11 बजे मुझे अपनी कमीज़ पर किसी के खिंचाव का एहसास हुआ। जब मैंने पीछे मुड़कर देखा तो एक छोटा, मैला-कुचैला सा दिखने वाला लड़का खड़ा था, जिसके हाथ में नारियल के खोल जैसी कोई चीज़ थी, जिसमें से एक लंबी सी बत्ती लटक रही थी। वह कह रहा था, "महोदय, क्या आप बम खरीदना चाहते हैं? सिर्फ़ सौ बात!" मैंने सोचा क्यों न, मैंने उस लड़के को पैसे दे दिए और मेरे पास मेरा अपना बम आ गया! वह लड़का अपने गंदे से छोटे चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान लिए जल्दी से बार से निकल गया और मुझे ऐसी नज़र से देखा जैसे उसे लग रहा हो कि वह शायद मुझसे इस विस्फोटक चीज़ से अपनी बांह उड़ाने की उम्मीद कर रहा था! मैं इसे जलाने ही वाला था कि तभी कई बार गर्ल्स चिल्लाईं, "इसे यहाँ से जल्दी हटाओ!" उन्होंने मुझे सड़क के कोने तक ले जाकर मेरा बम दिखाया। जैसे ही मैंने इसे जलाया, सब लोग भाग गए! हमने सोचा कि उनका पीछा करना शायद अच्छा विचार हो, हो सकता है उन्हें कुछ ऐसा पता हो जो हमें न पता हो, जैसे कि कहीं इससे पूरा बार ही न उड़ जाए! बम फटने से कुछ सेकंड पहले ही पिज़्ज़ा हट का डिलीवरी वाला अचानक अपनी बाइक पर आ गया। लोग उसे रुकने के लिए बेतहाशा हाथ हिला रहे थे; उसने इशारों को गलत समझा और पलटकर हाथ हिला दिया। जैसे ही वह कोने से मुड़ा, बम फट गया, और सचमुच बम जैसा धमाका हुआ! मैंने आज तक इतनी ज़ोरदार आवाज़ कभी नहीं सुनी! धमाका इतना ज़ोरदार था कि उसने उस आदमी को बाइक से उछालकर सड़क के बीचोंबीच फेंक दिया! बाइक के पीछे बंधे हुए पिज़्ज़ा के लगभग पाँच-छह डिब्बे सड़क पर बिखर गए। मेरा पहला ख्याल यही आया कि मैं अपनी जान बचाकर इस तबाही से भाग जाऊँ, लेकिन रॉबर्ट के कमज़ोर कूल्हे की वजह से वह ज़्यादा दूर नहीं जा पाता। अचानक हर जगह से आवारा कुत्ते पिज़्ज़ा साफ़ करने के लिए आ गए, और उन्होंने रिकॉर्ड समय में काम तमाम कर दिया! ज़मीन पर पिज़्ज़ा का एक भी टुकड़ा नहीं बचा था! असल में, ज़मीन पर सिर्फ़ राइडर और उसकी बाइक ही पड़ी थी। सड़क के बीचोंबीच पड़े उस बेचारे आदमी की किसी को परवाह नहीं थी, जो ज़ाहिर तौर पर अभी-अभी हुई घटना से बहुत घबराया हुआ था और ज़मीन पर गोल-गोल रेंग रहा था, उसे समझ नहीं आ रहा था कि उसके साथ क्या हुआ! रॉबर्ट ने उसकी तरफ इशारा करते हुए बार की एक लड़की से पूछा, "उसका क्या हुआ?" उसने अपने पतले कंधों को उचकाते हुए हँसते हुए कहा, "छोड़ो, मुझे लगता है उसने गोली चला दी!" हमें पिज़्ज़ा तो नहीं मिला, लेकिन हमें लगभग तीन डॉलर में अपना खुद का बम ज़रूर मिल गया! उस अनुभव के बाद एड्रेनालाईन बहुत तेज़ी से बढ़ रहा था,

अब सोने का कोई ख्याल नहीं था क्योंकि रॉबर्ट आखिरकार जाग गया था और आगे के लिए तैयार था। अब हम दोनों पटाया में आने वाली किसी भी चुनौती के लिए तैयार थे! कई और बीयर पीने के बाद जेट लैग का असर बहुत ज़्यादा महसूस हो रहा था! हमें होटल वापस ले जाते समय मैं गलती से उस गली से आगे निकल गया जहाँ से हमें जाना चाहिए था, दिशाहीन महसूस करते हुए हम बीच रोड के अंत तक चलते रहे और पटाया की दूसरी सड़क पर आ गए, कम से कम अब हमें पक्का पता था कि हमारा होटल इसी सड़क पर है, बस इसके इस खास हिस्से से काफी दूर है।

आस-पास की स्थिति का जायजा लेने के बाद मुझे एहसास हुआ कि हम जल्द ही मेरे पसंदीदा बार के पास पहुँचने वाले हैं, चलो अंदर जाकर हालचाल पूछ लेते हैं और एक बियर पी लेते हैं, क्योंकि अब हम दोनों में नई ऊर्जा आ गई है। डेव का जीबी बार, पिछली बार जब मैं यहाँ आया था तो वह पटाया सेकंड रोड पर सोई 8 से ठीक पहले स्थित था, लेकिन मेरी निराशा यह है कि अब वह वहाँ नहीं है, लेकिन यह दस साल पहले की बात है, इसलिए मुझे यकीन है कि वह कहीं और चला गया होगा, शायद किसी बेहतर जगह पर, क्योंकि बार खरीदने के मामले में उसके प्रभावशाली लोगों से संबंध थे। उससे पहले उसका बार पटायालैंड 1 पर था और मुझे याद है कि उसने मुझे अपने भारी लिवरपूल लहजे में बताया था कि वह नई जगह क्यों ढूंढ रहा है। वह आस-पास खुल रहे समलैंगिक बारों की बढ़ती संख्या से चिंतित था, उसके अपने शब्दों में, "ये कमीने समलैंगिक कब्जा कर रहे हैं! मैं जा रहा हूँ!" और उससे पहले वह बीच रोड पर था। आपमें से जो लोग इस शख्स को याद करते हैं, डेव एक छोटा, गठीला, लिवरपूल का रहने वाला और एवर्टन का बड़ा प्रशंसक था। वह मर्चेंट नेवी में काम करते हुए न्यूजीलैंड में जहाज से कूद गया था, कुछ समय जर्मनी के हैम्बर्ग में रहा और फिर पटाया को अपना स्थायी घर बना लिया। उसकी बार में कुछ खास नहीं था, लेकिन मेरी ज्यादातर यादें वहीं से जुड़ी हैं। इतना ही नहीं, मैंने उसकी बार से बाकी बार के मुकाबले ज्यादा लड़कियों को पटाया भी था। शनिवार की रात को उसका दोस्त जॉन हेडफोन लगाकर इंग्लैंड के फुटबॉल मैचों के ताजा स्कोर सुनता और उन्हें बार में लगे बोर्ड पर लिखता रहता था। खैर, कुछ दिनों बाद पूछताछ करने पर मुझे यह जानकर बहुत दुख हुआ कि डेव की कुछ साल पहले दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी और उसकी पत्नी लिंडा ने उसके बाद एक थाई आदमी से शादी कर ली थी।

अपने होटल की तरफ लौटते हुए हमारा मन हुआ कि सड़क पार करके टिम के बार में चले जाएँ। वह एक बहुत ही बढ़िया बार था, जिसमें कई मंजिलें थीं, बिल्कुल स्पोर्ट्स बार जैसा। टिम एक बूढ़ी थाई महिला थी, पुरुष नहीं। हम अपनी बीयर लेकर बैठ गए और कुछ खूबसूरत लड़कियों से बातें करने लगे। उनमें से एक के हाथ में पिंग पोंग गेंदों से भरी टोकरी थी। उसने पूछा, "सिर्फ 500 बात, ठीक है, आप खरीदेंगे?" मुझे लगा कि यह दिलचस्प है, "ठीक है, मैं खरीदता हूँ।" तो, मैं पिंग पोंग गेंदों से भरी टोकरी लेकर बैठा सोच रहा था कि अब इनका क्या करूँ? एक लड़की ने उन्हें हवा में उछालने का इशारा किया, मैंने भी वैसा ही किया और बैठकर उस गड़बड़ को देखने लगा जो मैंने अभी-अभी मचाई थी! लगभग तीस लड़कियाँ उन गेंदों के लिए टूट पड़ीं; जाहिर है, हर गेंद को वापस लाने पर उन्हें 20 बात अतिरिक्त मिलते थे, जो लगभग 60 सेंट के

बराबर है। थाईलैंड में इससे एक दिन का पेट आसानी से भरा जा सकता है। एक पल के लिए मेरे दिमाग में ये ख्याल आया कि ये लड़कियाँ खाने के लिए किस तरह हाथापाई कर रही हैं, लेकिन तभी अचानक मेरे हाथ में एक और बियर आ गई, और मैंने सोचा, "मुझे गेंदों से भरी एक और टोकरी दो!" मैं चिल्लाया! मैंने ऐसा बार-बार किया और अब मुझे लड़कियों को गेंदों के लिए लड़ते हुए देखकर मज़ा आ रहा था! तब तक रॉबर्ट भी जाग चुका था और वह भी अपनी पिंग पोंग गेंदों की टोकरी के साथ ऐसा ही कर रहा था। हम दोनों को लगा कि खूब मज़ा आ रहा है और जितनी गेंदें उन्होंने निकाली हैं, उससे तो यही लगता है कि बाकी हफ्ते में कोई भी लड़की भूखी नहीं रहेगी।

अब रॉबर्ट आखिरकार खुद का आनंद लेता हुआ दिख रहा है, इतना कि वह एक लड़की के साथ थोड़ी देर के लिए बाहर जाने को तैयार हो जाता है। जैसे ही वह अपनी नई दोस्त के साथ बार से बाहर निकलता है, सबकी निगाहें उस पर टिक जाती हैं और सारी लड़कियां तालियां बजाती हैं, क्योंकि वह उसके पीछे-पीछे एक छोटे पिल्ले की तरह लड़खड़ाते हुए बार से बाहर निकलता है! वाकई यह एक यादगार पल था। थोड़ी देर के लिए ही सही, चालीस मिनट बाद जब वे वापस आए तो रॉबर्ट ने कहा, "ये थाई लड़कियां थोड़ी रूखी हैं, है ना?" मैंने जवाब दिया, "वो तो पूरा मर्द था!" "दफा हो जाओ!" उसने जवाब दिया। कुछ और ड्रिंक्स पीने का समय था, फिर इस बार सच में होटल वापस जाने का समय था क्योंकि अब सुबह के 3 बज चुके थे और हम दोनों पूरी तरह से थक चुके थे।

अगली सुबह रॉबर्ट ने मुझे फोन किया, “यार, मैं कल घर जा रहा हूँ। इस ट्रिप को कामयाब बनाने की कोशिश करने के लिए शुक्रिया। तुमने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की, लेकिन किस्मत ने साथ नहीं दिया। मेरा समय अभी नहीं आया है।” इसका क्या मतलब है, मुझे समझ नहीं आया! लेकिन मुझे ज़रा भी हैरानी नहीं हुई। लगता है, उसकी माँ की देखभाल करने वाली महिला ने उसे फोन करके बताया था कि उसकी बहन भी आ रही है। भला इस बात पर वो दुनिया के दूसरे छोर से वापस क्यों आ रहा है? मुझे समझ नहीं आया! लेकिन मुझे उम्मीद थी कि वो जल्दी ही चला जाएगा। एक तो उसने जेट लैग से उबरने का समय ही नहीं दिया है और ये साफ है कि उसका मन थाईलैंड में बिल्कुल नहीं लग रहा है। मैंने कहा, “ठीक है, सिर्फ तुम ही जानते हो कि तुम्हें कैसा लग रहा है और तुम्हारे लिए क्या सही है।” जैसा कि वो कह रहा है कि वो इस घटिया जगह पर कभी वापस नहीं आएगा, तो क्यों न हम कुछ छोटी-मोटी ट्रिप पर चलें ताकि वो कह सके कि उसने बार के अलावा कुछ और भी देखा। मैंने कहा, “कोई बात नहीं, हम होटल से बात करके पता कर लेंगे कि उनके पास क्या है।” मैं बिस्तर पर वापस बैठ जाती हूँ और कुछ मिनटों तक इस स्थिति पर विचार करती हूँ। यह थोड़ा अजीब है क्योंकि इस छुट्टी को लेकर इतनी उत्सुकता थी और अब तीन दिन बाद ही यह उसके लिए खत्म होने वाली है! वह शायद थाईलैंड में बिताए समय से ज़्यादा समय हवाई यात्रा में ही बिताएगा।

तो, सोमवार की सुबह 7:00 बज रहे हैं और वह मंगलवार की सुबह 1:00 बजे एयरपोर्ट के लिए निकलेंगे, जिससे हमें उन्हें शानदार विदाई देने और उम्मीद है कि थाईलैंड के बारे में उनकी अच्छी राय बनाने के लिए काफी समय मिल जाएगा। मुझे यह जगह बहुत पसंद है और मैं बिल्कुल नहीं चाहती कि किसी की पहली

और आखिरी छाप इस जगह के बारे में एक घटिया जगह के रूप में पड़े! हम रिसेप्शन पर मिलते हैं और तय करते हैं कि कहाँ जाना है। रॉबर्ट आज सुबह काफी अलग लग रहे हैं, वे वास्तव में खुश हैं क्योंकि उन्हें पता है कि 24 घंटे से भी कम समय में वे जा रहे हैं! यह बात मुझे समझ में नहीं आती। हम हाथी गांव जाने का फैसला करते हैं, यह ज्यादा दूर नहीं है और दो घंटे की यात्रा है, जिससे हमारे पास काफी समय बचेगा। इस यात्रा का एक हिस्सा हाथी की सवारी करना है, मैंने पहले कभी ऐसा नहीं किया है और मुझे यकीन नहीं है कि मैं वास्तव में ऐसा करना चाहती भी हूँ! जब हम किसी के आने का इंतजार कर रहे थे, रॉबर्ट एक बूढ़ी डच महिला से बात करने लगे, जिसने उनसे पूछा कि उन्हें अब तक कैसा लगा, जब उन्होंने बताया कि वे कुछ भी करने के लिए बहुत थके हुए हैं, तो महिला ने उनसे कहा कि उन्हें जेट लैग है और उन्हें आराम करने की जरूरत है। “यार, उस औरत ने मुझसे कहा कि मुझे जेट लैग है, इसीलिए मैं इतना थका हुआ हूँ।” वो कहता है, जैसे मैंने उसे ये पहले से न बताया हो! “खैर, लगता है तुम घर वापस जाने वाली फ्लाइट में सो सकते हो।” मैं जवाब देती हूँ। थोड़ी देर बाद ही टूर वैन हमें लेने आती है और हम चल पड़ते हैं। जब तक आप किसी हाथी के सामने नहीं आ जाते, तब तक आपको अंदाज़ा नहीं होता कि ये कितने बड़े होते हैं। और हाँ, जब हमारी बारी आती है, तो हमें थाईलैंड का सबसे बड़ा हाथी मिलता है! हम एक पेड़ के चारों ओर बने कई सीढ़ियों से चढ़कर इन विशालकाय हाथियों पर चढ़ते हैं। लकड़ी की सीट एक ही रस्सी से बंधी है और ज़्यादा सुरक्षित नहीं लगती। जैसे ही हम बैठते हैं, हमारी सवारी शुरू हो जाती है, और तभी रॉबर्ट मुझे बताता है कि उसे ऊँचाई से डर लगता है! खैर, अब हम इसके बारे में कुछ नहीं कर सकते! सवारी बहुत आरामदायक नहीं होती क्योंकि हाथी बुरी तरह हिल रहा होता है और हम बुरी तरह इधर-उधर झूल रहे होते हैं और ऐसा लग रहा होता है कि हम अभी ज़मीन पर गिर जाएँगे! इस पूरे समय रॉबर्ट घर पर अपनी गर्लफ्रेंड को मैसेज कर रहा होता है। यह सफ़र करीब तीस मिनट का है, जिसमें हमें हाथी की पीठ पर बैठकर एक गहरी नदी पार करनी पड़ती है। बीच-बीच में हाथी अचानक दौड़ने लगता है, जो बेहद डरावना है! और वह लगातार शौच करता रहता है! रॉबर्ट कहता है, "यार, मुझे लगता है मैंने अपनी पैंट में ही शौच कर दिया!" मैं जवाब देता हूँ, "मुझे भी, इसके बाद एक बियर चाहिए!" इस टूर में दोपहर का खाना भी शामिल था, जहाँ ज़ाहिर है बियर भी थी, इसलिए हम तुरंत वहीं चले गए। कुछ बियर पीने के बाद हम वापस होटल की ओर चल दिए।

अब सुबह के 10 बज चुके हैं और रॉबर्ट को विदाई देने के साथ-साथ मुझे एक नया होटल भी ढूंढना है, इसलिए हम एलके मेट्रो की ओर चल पड़े, जहाँ मुझे याद है कि कई बार अच्छे दामों पर कमरे दे रहे थे। सबसे पहले हम बुलडॉग बार गए, जहाँ 'जिप' नाम की एक बेहद खूबसूरत लड़की मुझे कुछ कमरे दिखाने के लिए राजी हो गई। जैसे ही वह मुझे ऊपर ले गई, उसने तुरंत हमारे हाथों में दो बियर थमा दीं और मुझे कमरे दिखाने लगी। पहला कमरा जो हमने देखा, वह खाली लग रहा था क्योंकि जाहिर तौर पर कोई वहाँ रुका हुआ था। "यह मेरा कमरा है, इसमें बड़ा बिस्तर है, हम साथ सो सकते हैं, अच्छा विचार है ना?" मैं सोच रहा था, यह एक दिलचस्प सेल्स पिच है, लेकिन चूंकि मैं यहाँ तीन हफ्तों के लिए हूँ, इसलिए मुझे इस प्रस्ताव को स्वीकार करने की कोई जरूरत महसूस नहीं हुई। शायद बाद में, लेकिन अभी नहीं, क्योंकि फिलहाल मेरी मुख्य

प्राथमिकता एक कमरा ढूंढना है। इस बेहद आकर्षक प्रस्ताव को ठुकराने के बाद हमने कुछ और जगहों का जायजा लिया, लेकिन मैंने फैसला किया कि कल अकेले देखना ज्यादा आसान होगा। आज मैं यह सुनिश्चित करने जा रही हूं कि रॉबर्ट इस जगह की अच्छी छवि लेकर जाए, इसलिए हम अपने होटल वापस चले गए ताकि देखें कि घूमने-फिरने के लिए और क्या-क्या विकल्प उपलब्ध हैं।

लेक होटल के बाहर टैक्सी और ट्रैवल बूथ पर हम रुके, जहाँ वे घूमने-फिरने के लिए भी कई विकल्प दे रहे थे। कुछ मिनट सोचने के बाद हमने तय किया कि कौन सा विकल्प सबसे अच्छा रहेगा और फिर हमने शूटिंग रेंज के लिए टैक्सी ली। पटाया शूटिंग पार्क एक आउटडोर शूटिंग रेंज है जो 1999 से चल रहा है और यहाँ तीरंदाजी, रॉक क्लाइंबिंग, गो-कार्ट रेसिंग और घुड़सवारी जैसी कई गतिविधियाँ होती हैं। टैक्सी में बैठते ही हमें स्टीरियो पर स्कॉर्पियन्स का गाना 'हॉलिडे' फिर से सुनाई देने लगा। यह लगभग तीस मिनट का सफर था क्योंकि यह पटाया के पास वाले शहर जोमटियन बीच के रास्ते में पड़ता है। वहाँ पहुँचने पर रॉबर्ट थोड़ा असमंजस में था क्योंकि उसने बताया कि वह एक अपराधी है और बंदूकों के आसपास नहीं रह सकता! मैंने उसे तुरंत याद दिलाया, "हम थाईलैंड में हैं, याद है? यहाँ आप कुछ भी कर सकते हैं!" आप यहाँ नशे में धुत होकर भी आ सकते हैं और अगर आपके पास पैसे हैं तो वे आपको गोली चलाने देंगे। हमने लगभग एक घंटे तक मशीन गन से लेकर शॉटगन तक हर तरह की बंदूक चलाई, खूब मज़ा आया! पटाया में आप जहां भी जाएं, कोई न कोई आपकी तस्वीरें खींचता रहता है, इसलिए जब आप वहां से निकलते हैं, तो वे अचानक आपको आपकी यात्रा की एक फ्रेम की हुई यादगार भेंट कर देते हैं, बेशक थोड़ी सी फीस लेकर। रॉबर्ट तुरंत मना कर देता है, शायद इसलिए क्योंकि वह एक अपराधी है और बंदूकों के आसपास नहीं रह सकता! मैं उसे यह याद दिलाने की जहमत नहीं उठाता कि यह थाईलैंड है।

शूटिंग वाली जगह के ठीक बगल में एक बंदरों का चिड़ियाघर है, और उससे भी ज़रूरी बात, वहाँ एक बार भी है! एक घंटे तक बंदूक चलाने से प्यास तो लगती ही है। हमने बीयर के कुछ कैन लिए और एक छोटी सी मेज पर आराम से बैठ गए, जहाँ एक बेहद खूबसूरत थाई लड़की एक छोटा सा बंदर लेकर आई, और उसके पीछे कैमरों का पूरा झुंड भी था! रॉबर्ट बंदर के साथ खेल रहा था और कुछ तस्वीरें खिंचवा रहा था, और बंदर लगातार उसकी बीयर का कैन छीनने की कोशिश कर रहा था, जिस पर रॉबर्ट कैन को बंदर के चेहरे के सामने लहराकर उसे चिढ़ा रहा था! लड़की ने कहा, "बंदर को बीयर बहुत पसंद है।" उसने रॉबर्ट को चेतावनी देते हुए कहा, "कृपया बंदर को बीयर न दें, यह उसके लिए अच्छी नहीं है!" पाँच सेकंड बाद ही बंदर ने बड़ी कुशलता से उसकी बीयर छीन ली और पास के पेड़ पर चढ़कर लड़की की पहुँच से दूर अपनी बीयर का मज़ा लेने चला गया! रॉबर्ट उछल पड़ा और चिल्लाया, "उस कमीने ने मेरी बीयर चुरा ली!" हम जल्दी से वहाँ से निकल गए, एक बहुत गुस्से में दिख रही थाई लड़की और शायद एक बहुत नशे में धुत बंदर को छोड़कर!

जब तक हम अपने होटल वापस पहुँचे, दोपहर के 1 बज चुके थे और फुट मसाज का समय हो गया था। हम फिर से लकी फिंगर की ओर चल पड़े। हम लड़कियों के पास बैठ गए, तभी रॉबर्ट ने फैसला किया कि वह

पुक को अपने होटल ले जाएगा और 1,000 बात में एक घंटे की मसाज करवाएगा। एक घंटे बाद वह लौटा और बोला, "यार, उसने कहा कि वह पहली बार किसी लड़के के साथ होटल आई है!" मैंने जवाब दिया, "क्या, तुम्हारा मतलब आज?!" उसने कहा, "नहीं, वह वैसी नहीं है, वह अच्छी लड़की है।" मैंने सोचा, जो भी हो। जब रॉबर्ट वॉशरूम जाने के लिए उठा, तो पुक ने अपनी छोटी उंगली ऊपर उठाई और बोली, "तुम्हारे दोस्त का छोटा केला है!" उसने इतनी ज़ोर से कहा कि वहाँ मौजूद हर कोई ज़ोर-ज़ोर से हंसने लगा!

रॉबर्ट शौचालय से लौटकर पूछता है, "सब लोग किस बात पर हंस रहे हैं?" मैं कहती हूँ, "टीवी पर कुछ मज़ेदार चल रहा था, ठीक से याद नहीं।" जब हम निकलने लगते हैं, पुक कहती है, "रॉबर्ट, मुझे तुम्हारी बहुत याद आ रही है!" मुझे लगता है उसने उसे आज रात घर लौटने की अपनी योजना के बारे में बता दिया है। फिर वह कहता है, "क्या वह अब तक देखी गई सबसे खूबसूरत चीज़ नहीं है?" यह सुनकर मैं चौंक जाती हूँ; मैं बस सिर हिलाती हूँ और सोचती हूँ कि तुम मज़ाक कर रहे हो! शायद अच्छा ही है कि वह जल्दी जा रहा है, वरना शायद उसे उससे प्यार हो जाता, मैं सोचती हूँ। मुझे बिल्कुल अंदाज़ा नहीं था कि मेरा यह विचार कितना सच साबित होगा।

अब दोपहर के 3 बज रहे हैं। होटल लौटते समय हमने सोचा कि अब कुछ ट्रैवलर्स चेक बदलवा लें ताकि रॉबर्ट की जन्नत में आखिरी रात के लिए हम तैयार हो सकें, या शायद रॉबर्ट के अब तक के इस भयानक सफर के नज़रिए को देखते हुए 'नरक में आखिरी रात' कहना ज़्यादा सही होगा। पैसे बदलते हुए रॉबर्ट ने कहा, "लो, ये ले लो, मुझे पता है मेरी वजह से तुम्हें होटल का ज़्यादा किराया देना पड़ रहा है और मैं जा रहा हूँ, तो इससे तुम्हें मदद मिलेगी।" उसने जो कुछ भी कहा वो बिल्कुल सच था, और उसने मुझे 15,000 बात दिए, जो लगभग 500 डॉलर हैं, ताकि मैं इस होटल का बढ़ता हुआ किराया चुका सकूँ, सिर्फ़ उसे खुश करने के लिए। उसकी इस बात को समझने के लिए उसकी तारीफ़ करनी चाहिए और मैं उसकी इस उदार पेशकश को सहर्ष स्वीकार करता हूँ।

तो, पैसे हाथ में लेकर खाने का समय हो गया था, हम वापस सड़क पर चल पड़े और फिर से लकी फिंगर से गुज़रे जहाँ सारी लड़कियाँ हमें हाथ हिला रही थीं। रॉबर्ट जोश से पुक को हाथ हिलाते हुए चिल्ला रहा था, "फिर मिलेंगे!" मुझे लग रहा था कि वो बाद में फिर से फुट मसाज करवाने की सोच रहा है, जो शायद उसके लिए घर वापस जाने वाली उस लंबी उड़ान के लिए आराम पाने का अच्छा तरीका होगा। हमने पटाया की दूसरी सड़क पर माइक शॉपिंग मॉल के बगल में स्थित नोंगजाई रेस्टोरेंट में पिज़्ज़ा खाने का फैसला किया, जहाँ सस्ता लेकिन बढ़िया खाना मिलता है, थाई और यूरोपीय दोनों तरह का। यह एक अच्छा आउटडोर रेस्टोरेंट है जहाँ हम आराम से बैठकर अपनी अगली योजना बना सकते हैं। रॉबर्ट अब घर पर अपनी गर्लफ्रेंड से ज़्यादा पुक के बारे में बात कर रहा था, जिससे मैं बहुत हैरान थी। शायद उसकी सोच को समझने के लिए मुझसे कहीं ज़्यादा समझदार किसी की ज़रूरत है!

पिज्जा खाने के बाद हम माइक के शॉपिंग मॉल से होते हुए पहली बार बीच की ओर बढ़े। खैर, जाने से पहले उसे बीच देखना तो था ही, मशहूर पटाया बीच। यकीन मानिए, थाईलैंड में मिलने वाले सबसे साफ पानी में से

यह एक नहीं है! कुछ मील दूर पास के जोमटियन बीच का पानी कहीं ज्यादा अच्छा और साफ है, जो सालों से पटाया का ही एक हिस्सा बन चुका है। गंदे दिखने वाले समुद्र में हमेशा कचरा तैरता रहता है और गंदे पानी में उतरते समय कभी-कभार इस्तेमाल किए हुए कंडोम भी ऊपर-नीचे तैरते नजर आते हैं। अच्छा है कि लोग यहाँ सुरक्षा का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन समुद्र में मस्ती करते हुए इसे अपनी आँखों से देखने की कोई जरूरत नहीं है! अब शाम के 4:30 बज रहे हैं, इसलिए हमें दिन की आखिरी कुछ घंटों की रोशनी का आनंद लेने का मौका मिल सकता है और इस समय सूरज की तेज गर्मी कुछ घंटों पहले की तुलना में कम हो चुकी होती है। हम सब अपनी डेक कुर्सियों पर बैठकर चांग बियर की चुस्कियां ले रहे थे, तभी रॉबर्ट सोचने लगा कि इतनी जल्दी जाने की वजह क्या है। "यार, मुझे पहले से ही लग रहा था कि मेरी मां और बहन मेरा सारा प्लान खराब कर देंगी!" उसने बताया कि आज सुबह रेस्टोरेंट की वेट्रेस ने फोन करके बताया कि जब वह उसकी मां से मिलने गई तो वो किचन के फर्श पर बेहोश पड़ी थीं। लगता है उसकी मां ने घर में शराब छिपा रखी थी और रात भर में इतनी पी ली कि होश ही नहीं रहा। जब वेट्रेस ने उन्हें उठाने की कोशिश की तो बुढ़िया बेकाबू हो गईं और उस पर हमला कर दिया। उसकी मां ने अपने नकली दांत उसकी बांह में गड़ा दिए और पिट बुल टेरियर की तरह उसे छोड़ ही नहीं रही थीं, जिससे वहां बड़ा सा काटने का निशान बन गया! और तो और, रॉबर्ट की बहन ने फोन करके बताया कि वो मिलने आ रही है! अब पता नहीं क्यों, इससे रॉबर्ट के दिमाग में खतरे की घंटी बज उठी। अब तो बस होड़ मच गई है! रॉबर्ट को अपनी बहन के आने से पहले घर पहुंचना होगा, क्योंकि वह तो पड़ोसी राज्य से आ रही है जो यहाँ से सिर्फ 5 घंटे की ड्राइव पर है और रॉबर्ट दुनिया के दूसरे छोर से आ रहा है, जो यहाँ से 30 घंटे की ड्राइव पर है। मुझे ये सब कुछ बिल्कुल समझ नहीं आ रहा। लेकिन लगता है उसके पास कोई वजह होगी। मुझे अब भी यकीन नहीं हो रहा कि वो इसी वजह से जा रहा है, शायद वो अपनी गर्लफ्रेंड के पास वापस जाना चाहता है, हालांकि उसने पहले ही उससे कहा था कि वो क्रिसमस पर उससे मिल नहीं पाएगा क्योंकि वो वैसे भी काम पर रहेगी। अब सोचती हूँ तो मुझे ये बात भी सच नहीं लगती! लेकिन वजह जो भी हो, मुझे इतना पता है कि मैं पूरे तीन हफ्ते पटाया में ही रुकने वाली हूँ और खूब मजे करने का इरादा रखती हूँ! जब हम बीच से वापस आते हैं तो शाम के 7 बज चुके होते हैं, आज पहली बार होटल वापस जाने का समय हो जाता है, तैयार होने और रॉबर्ट को उसके घर वापस भेजने की तैयारी करने का।

होटल पहुँचने से पहले, मैंने सोचा कि रॉबर्ट को यह एहसास दिला दूँ कि वह क्या मिस करने वाला है। इसलिए मैंने सोई 6 पर थोड़ी देर टहलने का फैसला किया, जहाँ इस चहल-पहल भरी सड़क के दोनों किनारों पर कई बार हैं और वहाँ खूब रौनक है। हमने कहीं भी ड्रिंक के लिए नहीं रुके, क्योंकि यह रॉबर्ट के लिए एक सबक था, उसे यह जताने का एक अच्छा तरीका कि उसे इस सोई के असली मजे लेने का मौका नहीं मिलेगा। इस सड़क पर आते ही कुछ ही सेकंड में हम कामुक दिखने वाली खूबसूरत लड़कियों से घिर गए। "थोड़ा समय के लिए चलें, ठीक है?" यही आवाज़ हमें दर्जनों लड़कियों से सुनाई दी, जो सभी हमारे शरीर चाहती थीं, वैसे पैसे भी, लेकिन अलग सोचना अच्छा लगता है और यहाँ आप उस परीकथा को दिन भर जी सकते हैं। हमने

उन्हें वही घिसा-पिटा बहाना दिया, "हम खाना खाकर बाद में वापस आते हैं, ठीक है।" कोई बात नहीं। "अभी मेरी चूत चाटो, शाबाश!" एक लड़की ने कहा, जो अब हमारे बीच हाथ में हाथ डालकर चल रही थी। रॉबर्ट ने उससे कहा, "घर पर मेरी एक गर्लफ्रेंड है।" लड़की हंसती है और कहती है, "हाँ, और मेरा पति घर पर है, कोई दिक्कत नहीं। मुझे लगता है तुम्हारी गर्लफ्रेंड मेरे जैसी नहीं है!" तब तक हम गली 6 के अंत तक पहुँच चुके थे और मैं उस लड़की की आखिरी टिप्पणी पर पागलों की तरह हंस रहा था। शायद इस छोटी सी सैर ने रॉबर्ट को यह और पक्का कर दिया कि घर लौटना उसका सही फैसला है, क्योंकि वह कहता है, "यार, यह तो बिल्कुल पागलपन था!" वाकई था और मैं वापस लौटने के लिए बेताब हूँ।

लेक होटल से बाहर निकलकर दाईं ओर मुड़ते ही आपको 'द मीटिंग पॉइंट' नाम का एक बार दिखेगा। हमने रात 11 बजे यहीं मिलने का तय किया था। मैं वहाँ एक घंटा बिता चुका था कि रॉबर्ट अपनी विदाई की ड्रिंक के लिए आ गया। जब से हम यहाँ हैं, वह इतना शांत पहले कभी नहीं था। मुझे आज तक समझ नहीं आता कि कोई सिर्फ तीन दिन बाद इस जगह को छोड़कर जाने से खुश क्यों होगा। वह लगातार सड़क की ओर देख रहा था, मानो किसी के आने का इंतज़ार कर रहा हो। "मैं उस लड़की का इंतज़ार कर रहा हूँ, वह मेरे साथ एयरपोर्ट जा रही है," उसने कहा। मैं शायद बहुत हैरान दिख रहा था, इसलिए मैंने कहा, "कौन सी लड़की! तुम क्या कह रहे हो?" ज़ाहिर है, उसने पुक नाम की मसाज करने वाली लड़की को अपने साथ एयरपोर्ट जाने के लिए कहा था, जो थोड़ा अजीब लग रहा था क्योंकि उसका इस घटिया जगह पर कभी वापस आने का कोई इरादा नहीं था, जैसा कि उसने इसे कहा था! उसने मुझे पैसों का एक बंडल दिया और कहा, "पुक का ख्याल रखना यार, वह अच्छी लड़की है।" मैं अविश्वास से देख रहा था और जल्दी से पैसे गिन रहा था, 15,000 बात! उसने मुझे एक ऐसी लड़की का ख्याल रखने के लिए 500 डॉलर और दे दिए जिसे वह जानता भी नहीं! वह अभी भी वहीं खड़ा था और सड़क पर पुक को ढूंढ रहा था, जो पांच मिनट पहले उसके पास से सीधे गुज़री थी और अब उसके पीछे हाथ में ड्रिंक लिए हंस रही थी। माना कि वह अपने आम कपड़ों में अलग दिख रही थी, लेकिन उसे पहचान न पाना हास्यास्पद था। उनकी टैक्सी समय पर आ गई, जैसे ही मैंने उन्हें हाथ हिलाकर विदा किया, मैंने देखा कि उनकी टैक्सी दूर जाती हुई छोटी होती जा रही है और अंत में आंखों से ओझल हो गई। मैं सोच रहा था कि शायद पटाया में ऐसा पहली बार हो रहा है, कोई तीन दिन बाद वापस घर जा रहा है! अब मैं आखिरकार इस सब ड्रामे और बकवास के बिना अपनी छुट्टी का आनंद ले सकता हूँ। यही सोचकर मैंने अपना बिल चुकाया और अपने होटल लौट आया, यह जानते हुए कि मुझे यहां आने के बाद पहली बार चैन की नींद मिलने वाली है।

पटाया में अकेले?

अगर आप चाहें तो ही!

मैं सुबह 9 बजे उठी, जो मेरे लिए बहुत देर है, लेकिन अब मुझे अपनी पहली सुकून भरी नींद से तरोताज़ा महसूस हो रहा है, जिसकी मुझे बहुत ज़रूरत थी। मैं अपनी छुट्टियाँ शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हूँ,

यह जानते हुए कि अगले दो दिनों तक रॉबर्ट से शायद ही कोई खबर मिलेगी, जब तक कि वह वापस घर नहीं आ जाता। लेकिन मुझे पता है कि उसकी कभी न खत्म होने वाली नौटंकी के साथ उससे फिर से संपर्क होगा, यह तो हमेशा ही तय है! नाश्ता लेने के लिए सड़क पर चलते हुए, मुझे अपने आसपास की बदबू का एहसास नहीं हो रहा है, आमतौर पर नाक को इसकी आदत पड़ने में तीन से चार दिन लगते हैं। अब मुझे सिर्फ़ तेज़ गर्मी की गंध आ रही है, पटाया में बस गर्मी की ही गंध है! एक बार फिर, मैं उस गुमनाम बार के पास से गुज़री, जहाँ अब भी सिर्फ़ सोती हुई बिल्लियाँ ही ग्राहक हैं। यह देखकर हैरानी होती है कि कुछ बार बिना किसी ग्राहक के कैसे खुले रहते हैं। लेविंस्की में नाश्ता करते हुए मैंने रॉबर्ट के जल्दी जाने की खबर घर भेज दी, इस खबर पर सभी ने हैरानी और अविश्वास जताया।

वेट्रेस पूछती है, "आप अकेले क्यों खा रहे हैं? कोई महिला नहीं है क्या?" ऐसा लगता है जैसे वे आपसे यहाँ दिन-रात मौज-मस्ती करने की उम्मीद करते हैं और अगर आप ऐसा नहीं कर रहे हैं तो उन्हें आपका यहाँ आने का कारण समझ नहीं आता! "शायद बाद में मैं किसी महिला को ढूंढ लूँगा," मैं जवाब देता हूँ। जैसे ही वेट्रेस मेरी कॉफ़ी दोबारा भरती है, वह मुस्कुराती है और उसके खूबसूरत, चमकदार सफेद दाँत दिखाई देते हैं। वह शरारती अंदाज़ में मुझे याद दिलाती है, "अच्छा विचार है, मेरा काम शाम 6 बजे खत्म होता है।" ठीक है, मैं इशारा समझ गया, और मैं इसे ध्यान में रखूँगा, मैं मन ही मन मुस्कुराता हूँ। यह इस बात का एक और सबूत है कि यहाँ अकेले न रहना कितना आसान है।

रॉबर्ट घर पहुँचते ही थोड़ी देर में फोन करता है और बताता है कि उसकी अपनी बहन से बहुत बड़ी लड़ाई हुई, जिसके चलते उसने उसे घर से निकाल दिया और वह वापस घर चली गई। अब वह फिर से ऊब गया है क्योंकि वह अपनी गर्लफ्रेंड से मिल नहीं पा रहा है, क्योंकि वह काम पर गई है, ठीक वैसे ही जैसे उसने उसे बताया था। मैंने कहा, "क्यों न तुम वापस हवाई जहाज से यहाँ आ जाओ?" मुझे यह बात समझ में आई क्योंकि जब तक वह वापस आएगा, तब तक उसकी छुट्टियों के पूरे दो हफ्ते बचे होंगे। उसने अपनी माँ की देखभाल करने वाली वेट्रेस को तीन हफ्तों के लिए 4,000 डॉलर दे दिए हैं, इसलिए घर पर रहने का यह कोई कारण नहीं है। साथ ही, उसकी बहन भी वापस घर आ गई है, जो शायद उसके वापस आने का मुख्य कारण था। वह कहता है कि गर्लफ्रेंड से मिलने के बाद वह कुछ दिनों में वापस आने के बारे में सोचेगा, लेकिन उसकी बात मुझे ज्यादा भरोसेमंद नहीं लगी।

तो, अब मैं पटाया में अकेला हूँ, या नहीं? खैर, सच में नहीं, क्योंकि यहाँ आप तभी अकेले होते हैं जब आप खुद ऐसा चुनते हैं। यहाँ लड़की पटाना उतना ही आसान है जितना बीयर ऑर्डर करना। जब आप बीयर ऑर्डर करें, तो अगर आपसे पूछा जाए 'क्या आपको बीयर के साथ कोई महिला चाहिए?', तो हैरान मत होना, सच में, इतना आसान है। चूंकि मैं पूरे तीन हफ्ते यहाँ रुक रहा हूँ, इसलिए मुझे अभी किसी थाई वेश्या की ज़रूरत नहीं है, कम से कम अभी तो नहीं! हर मजबूत इरादे वाले इंसान की भी एक सीमा होती है और किसी न किसी मोड़ पर वह इन खूबसूरत मोहक महिलाओं के आकर्षण में फंस ही जाता है। फिलहाल मैं बीच पर आराम से समय बिताने और चिल करने में खुश हूँ। मेरा कोई तय कार्यक्रम नहीं है, इसलिए जो होगा सो होगा। मुझे अब

उस इंसान की देखभाल करने की ज़रूरत नहीं है जो यहाँ आना ही नहीं चाहता था, अब मुझे सिर्फ खुद को खुश करना है। मैं एक और बड़ी चांग बीयर ऑर्डर करता हूँ और अपने हाल ही में गुज़रे दोस्त को याद करते हुए रोज़ाना का टोस्ट लेता हूँ। "चीयर्स रॉबर्ट!" मैं मन ही मन सोचता हूँ। अचानक मुझे रेत पर एक परछाई दिखाई देती है जो बहुत तेज़ी से मेरी तरफ बढ़ रही है। जैसे ही मैं ऊपर देखता हूँ, मुझे एक आदमी पैरासेलिंग करते हुए अपने लक्ष्य से भटकता हुआ, सीधे समुद्र तट के ऊपर से सड़क की ओर जाता हुआ दिखाई देता है, जिसके पीछे आधा दर्जन थाई लोग उसका पीछा कर रहे हैं! लेकिन बहुत देर हो चुकी थी, क्योंकि ब्रेक लगने की ज़ोरदार आवाज़ और गाड़ियों के हॉर्न बजने की आवाज़ के साथ वह आदमी एक व्यस्त समुद्र तट की सड़क के ठीक बीच में आ गिरा और तुरंत एक पर्यटक बस ने उसे कुचल दिया और उसकी मौत हो गई! खैर, मैं समुद्र तट से जाने ही वाला था, लेकिन उस भयानक मंजर को देखने के बाद अब एक और बियर पीने का मन कर रहा है! पता नहीं इस जानलेवा दुर्घटना के लिए कौन ज़िम्मेदार था, लेकिन यह एक और विदेशी है जो उन लोगों की बढ़ती सूची में शामिल हो गया है जो अब कभी घर वापस नहीं जा पाएंगे।

बीच से निकलते ही मैंने सेंट्रल शॉपिंग मॉल से शॉर्टकट लिया, जिससे दोपहर की तेज़ गर्मी से थोड़ी राहत मिली। मैं सेकंड रोड पर आगे बढ़ा, तभी अचानक मुझे एक जानी-पहचानी आवाज़ सुनाई दी, "मेरे दोस्त, फिर से मेरे बार में आ जाओ।" ये नोक थी, जो एवरीथिंग गुड बार में थी। वही लड़की जिससे हमारी पहली मुलाकात लैंडिंग के तुरंत बाद हुई थी। वो काफी मिलनसार लग रही थी और मुझे भी एक ड्रिंक चाहिए थी। नोक ने पूछा, "तुम्हारा मोटा दोस्त कहाँ है?" मैंने बताया कि वो जल्दी घर लौट गया। अब, या तो मैं उसे पहली बार देखकर बहुत थका हुआ था, या मैंने ज़रूरत से ज़्यादा पी ली थी, जैसा कि मैंने पी भी थी! दोनों ही बातें सही हैं, आज दोपहर वो बेहद हॉट लग रही थी! और मैं उसे बहुत चाहता था, और ज़ाहिर है वो अवेलेबल थी, क्या सब नहीं होतीं? नोक ने बताया कि वो 19 साल की है और सट्टाहीप से है, जो एक नौसैनिक अड्डा है और पटाया से ज़्यादा दूर नहीं है। जैसे ही वह अपनी स्टूल मेरे पास खींचती है, वह लगातार मेरे गुप्तांगों को सहलाकर यह स्पष्ट कर देती है कि वह मुझसे क्या चाहती है। कुछ बियर पीने के बाद, मैं बार का बिल चुकाता हूँ, जिसमें नोक के लिए 200 बात का जुर्माना भी शामिल है, और उसे अपने होटल वापस ले जाता हूँ। जब मैं अपनी चाबी लेने जाता हूँ, तो रिसेप्शनिस्ट कहती है, "अच्छा हुआ, आपके पास महिला है, पटाया में अकेले रहना ठीक नहीं है।" मुझे यह सलाह अच्छी लगी। नहाने के बाद, मैं बिस्तर पर लेट जाता हूँ और नोक को धीरे-धीरे मेरे लिए तैयार होते हुए देखता हूँ। फिर वह मेरे ऊपर चढ़ जाती है और स्थिति को अपने नियंत्रण में ले लेती है। नोक रात भर रुकती है और अगली सुबह जल्दी चली जाती है। पटाया में अकेले रहने का मेरा सपना तो धराशायी हो गया, मैं मन ही मन हंसता हूँ।

अगले दिन मैं बीच पर वापस आ गया था, तभी रॉबर्ट ने फिर से फोन किया और भावुक होकर बोला, "सब खत्म! वो मुझे धोखा दे रही थी!" मैं बीच पर आराम कर रहा था और दिन के लिए कोई खास प्लान नहीं था, इसलिए मैंने एक बड़ी बियर मंगवाई और उसकी नई कहानी सुनने के लिए तैयार हो गया, क्योंकि मुझे लग रहा था कि कुछ दिलचस्प होने वाला है! उसने बताया कि उसने अपनी गर्लफ्रेंड को सरप्राइज देने के लिए

अचानक बिल्ली के डॉक्टर के पास जाने का फैसला किया, जो उसके घर से थोड़ी ही दूर था, लेकिन वो वहाँ नहीं थी। एक दूसरे कर्मचारी ने उसे बताया कि उसने सुबह तबीयत खराब होने की वजह से छुट्टी ले ली थी। इसलिए उसने उसकी अपार्टमेंट की तरफ गाड़ी चलाई और उसी चाबी से अंदर चला गया जो उसने उसे दी थी, यह सोचकर कि शायद उसे किसी दवा की ज़रूरत हो। लेकिन रॉबर्ट को झटका लगा क्योंकि वो किसी दूसरे आदमी के साथ बिस्तर पर थी! अब शायद उसे समझ आ गया होगा कि वो उसे जल्दी वापस क्यों नहीं आने देना चाहती थी। उसे बाद में पता चला कि ये सब उसके साथ डेटिंग शुरू करने से पहले से चल रहा था और वो उसका इस्तेमाल पैसों के लिए कर रही थी, जो वो उसे खुशी-खुशी देता रहा था। “यार, मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि उसने मेरे साथ ऐसा किया!” कांपती हुई आवाज़ में उसने कहा। मैंने कहा, “यह सुनकर दुख हुआ, जल्दी से विमान पकड़ो और वापस यहाँ आ जाओ!” लेकिन उसका कहना है कि वह नहीं आ सकता क्योंकि उसकी माँ अब उस वेट्रेस से कोई वास्ता नहीं रखना चाहती जिसे उसकी देखभाल के लिए पैसे दिए गए हैं, “मुझे पता था कि मेरी माँ मेरी इस यात्रा को बर्बाद कर देगी!” उसने कहा, और यह पहली बार नहीं था। पता चला कि वेट्रेस उस बुढ़िया को एक दुकान पर ले गई थी और उससे एक क्रेडिट कार्ड खुलवा लिया था, जिससे वेट्रेस ने अपने लिए 2000 डॉलर का एक बड़ा फ्लैट स्क्रीन टीवी खरीद लिया था! ज़ाहिर है, उसकी माँ को इस घटना की कोई याद नहीं थी, लेकिन उसने कागज़ात पर हस्ताक्षर कर दिए थे। मैं सोच रही हूँ, यह तो कमाल है; ऐसी कहानी कोई सोच भी नहीं सकता! मैं एक और बड़ी बियर ऑर्डर करती हूँ; बिना बियर के यह सब पचाना मुश्किल है। अब मैं धूप में आराम से बैठी हूँ, ग्रिल्ड झींगे की एक प्लेट खा रही हूँ और एक बड़ी चांग पी रही हूँ, यह सब सुनने के बाद मुझे लग रहा है कि मेरी ज़िंदगी कितनी सरल और तनावमुक्त है! वह मुझसे पूछता है कि अगली बार जब मैं लकी फिंगर मसाज के लिए जाऊँ तो उसे मैसेज कर दूँ, क्योंकि पुक वापस आ रही होगी और उसे उससे बात करनी है, "ज़रूर, मैं कल सुबह 11 बजे के आसपास वहाँ रहूँगी।" मैं कहती हूँ। मुझे लगता है कि उसे असल में किसी मनोचिकित्सक से बात करनी चाहिए।

जैसे ही मैं फुट मसाज के लिए आराम से बैठी, रॉबर्ट ने ठीक 11 बजे फोन किया और पुक से बात करने को कहा। मैंने उसे अपना फोन दिया और सुना कि वह कह रही है, "अभी तक पैसे नहीं आए, मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि तुमने भेज दिए!" मैं वहीं बैठी सोच रही थी कि क्या मज़ाक कर रहे हो! असल में, वह इस जगह से निकलने के लिए इतना बेताब था कि उसने एक ऐसी लड़की को पैसे भेज दिए जिसे वह जानता भी नहीं! यह हद से ज़्यादा था, इसलिए मैंने पैर की मसाज कर रही लड़की से कहा, "मुझे एक बियर चाहिए।" उसने दूसरी लड़की से कुछ कहा और एक मिनट के अंदर ही मुझे एक ठंडी बियर मिल गई जिससे मैं इस नए ड्रामे से निपट सकूं। "रॉबर्ट तुमसे बात करना चाहता है।" पुक ने मुझे बताया और मेरा फोन वापस कर दिया। "यार, क्या तुम पुक को बैंक ले जा सकते हो और पता कर सकते हो कि उसे पैसे क्यों नहीं मिले?" उसने कहा। अब मुझे दिलचस्पी हुई, "ठीक है, मैं उसे मसाज के बाद ले जाऊंगी।" मैंने उससे कहा। इस स्तर पर मैं यह भी नहीं पूछ रहा हूँ कि वह ऐसे व्यक्ति को पैसे क्यों भेज रहा है जो एक घटिया जगह में रहता है जहाँ वह कभी वापस नहीं आएगा, यह समझ में नहीं आता, लेकिन अब क्या समझ में आता है?

बैंक लकी फिंगर के बहुत पास था, इसलिए हम थोड़ी दूर पैदल चलकर वहाँ गए और यह जानने की कोशिश की कि पुक के खाते में पैसे क्यों नहीं आए। किसी के पास इस बात के अलावा कोई जवाब नहीं था कि पैसे नहीं आए। पुक ने कहा, "मुझे लगता है तुम्हारे दोस्त ने मुझसे मज़ाक किया है।" मैंने उसके आधिकारिक बैंक खाता नंबर की एक फोटो खींची और उसे रॉबर्ट को भेज दिया। रॉबर्ट ने नंबर को ध्यान से देखने के बाद कहा कि यह उस नंबर से बस थोड़ा सा अलग है जो उसने उसे कुछ दिन पहले एयरपोर्ट पर दिया था। खैर, थोड़ा सा अंतर ही काफी है यह बताने के लिए कि उसे पैसे क्यों नहीं मिले! हो सकता है कि पैसे पुक के खाते में न गए हों, लेकिन किसी न किसी के खाते में तो गए ही होंगे क्योंकि वे वापस नहीं आए, या शायद रॉबर्ट ने इसकी सूचना भी नहीं दी। किसी थाई परिवार ने रॉबर्ट नाम के इस सांता क्लॉज़ की मेहरबानी से क्रिसमस का खूब आनंद उठाया होगा! अगली बार जब उसने फोन किया तो मैंने कहा, "यह मेरा काम नहीं है, लेकिन तुम एक लड़की को यहाँ पैसे क्यों भेज रहे हो जब तुम्हारा वापस आने का कोई इरादा ही नहीं है?" उसके जवाब ने मुझे सचमुच चौंका दिया, “ओह, मैं जितनी जल्दी हो सके वापस आ रहा हूँ, बस अपनी माँ के साथ क्या करना है, यह तय करना है, मैं पुक के लिए वापस आ रहा हूँ।” उसने आगे बताया कि उन दोनों के बीच कितना गहरा रिश्ता बन गया है और अब वह आधिकारिक तौर पर उसकी प्रेमिका है! अब इस पर विश्वास करना वाकई मुश्किल हो रहा है क्योंकि उनके बीच कभी कोई रिश्ता था ही नहीं, अगर होता तो क्या वह इतनी जल्दी चला जाता? मुझे नहीं लगता। अगले तीन दिनों तक रॉबर्ट ने पुक को कई संदेश और वीडियो भेजे जिनमें वह एक प्यार में डूबे किशोर की तरह थाईलैंड में न होने की शिकायत कर रहा था।

तो चलिए बात साफ़ करते हैं, जब वो थाईलैंड में था, तो उसे वहाँ बिल्कुल अच्छा नहीं लग रहा था और वो घर वापस आने के लिए बेताब था, अब घर वापस आकर वो थाईलैंड में न होने की शिकायत कर रहा है! मुझे लगता है कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है। उनके इस तथाकथित रिश्ते के इस पड़ाव पर भी, वो रोज़ाना उस पैसे को लेकर झगड़ते नज़र आते हैं जो उसने कथित तौर पर भेजा है, "मुझे विश्वास नहीं होता कि तुमने पैसे भेजे हैं!" पुक कहती है। "हाँ, मैंने पैसे भेजे हैं डार्लिंग।" रॉबर्ट जवाब देता है। पुक की अंग्रेज़ी उतनी अच्छी नहीं है, इसलिए मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं उन दोनों के बीच एक अनिच्छुक मध्यस्थ की तरह काम कर रहा हूँ। वो मुझे लगातार फ़ोन थमाती रहती है ताकि मैं उसे संदेश पहुँचा सकूँ।

अगले दिन वह मुझसे पुक को दोबारा बैंक ले जाने को कहता है क्योंकि अब तो पैसे ज़रूर आ जाने चाहिए। अब मुझे लग रहा है जैसे मैं उन दोनों के बीच मध्यस्थ बन गई हूँ, लेकिन मैंने सोचा कि उसने मुझे पुक की देखभाल के लिए 500 डॉलर दिए थे, तो क्यों न कर लूँ। वाकई, पुक के बैंक खाते में 30,000 बात जमा हो गए थे, जो लगभग 1000 डॉलर के बराबर हैं। पुक पूछती है, "तुम्हारा दोस्त पागल है?" मैं भी यही सोच रही थी, और सहमति में सिर हिला देती हूँ। हम लकी फिंगर वापस जाते हैं, जहाँ मैं रॉबर्ट को पैसे आने की खुशखबरी देती हूँ। वह अब अपनी माँ की देखभाल के लिए किसी को ढूंढने को लेकर बहुत चिंतित है ताकि वह थाईलैंड लौट सके। मैं हैरान होकर कहती हूँ, "मुझे लगा था कि वेट्रेस उसकी देखभाल करने को तैयार थी?" उसने आगे बताया कि जब वेट्रेस को पता चला कि उसका भेद खुल गया है, तो उसने रेस्टोरेंट छोड़ दिया और फिर

कभी नहीं दिखी, न ही उसके पैसे! कुल मिलाकर, उसने खूब पैसा कमाया। उसे उसकी माँ की तीन हफ़्ते देखभाल करने के लिए 4000 डॉलर मिले, जबकि असल में यह देखभाल सिर्फ़ एक हफ़्ते की ही थी। उसने उन्हीं के खर्चे पर अपने लिए 2000 डॉलर का एक बड़ा फ्लैट स्क्रीन टीवी भी खरीद लिया! उसका क्रिसमस तो वाकई शानदार रहा होगा! हालाँकि यह बात मुझे गलत लग रही है, लेकिन मुझे लगता है कि उसने ऐसा उनकी माँ द्वारा उस पर किए गए हमले का बदला लेने के लिए किया होगा। लगता है अब हमें कभी पता नहीं चलेगा, क्योंकि वह वेट्रेस अब गायब ही हो गई है!

अगले हफ्ते भर में पुक को पैसे भेजना एक नियमित बात सी हो गई थी। पुक अब इसका पूरा फायदा उठा रहा था और उसे हर दिन तरह-तरह की दुख भरी कहानियां सुना रहा था, जैसे उसकी दादी बीमार हैं और दवाइयां खरीदनी हैं, उसके भाई का एक्सीडेंट हो गया है और उसे अस्पताल में भर्ती कराना है, उसके माता-पिता के घर की छत गिर गई है और उसे ठीक करवाना है, परिवार की कार खराब हो गई है और उसे ठीक करवाना है। एक ही हफ्ते में इतनी सारी मुसीबतें आना वाकई बहुत बुरी बात है! मुझे लगता है कि अगर उसने यहां आने से पहले मैंने जो किताबें उसे दी थीं, उन्हें ठीक से पढ़ा होता, तो अब तक उसके दिमाग में कुछ शंकाएं जरूर उठ जातीं, या शायद नहीं। एक बार जब उसे पता चल गया कि मेरी मदद के बिना पुक को पैसे कैसे भेजने हैं, तो उसे रोकना नामुमकिन था, और जाहिर है कि मुझे इस बारे में तब तक पता नहीं चला जब तक मैं घर वापस नहीं आ गई। मैंने अगले तीन दिन आराम से बिताए, दिन में बीच पर घूमती रही और रात में नए बार्स को एक्सप्लोर करती रही। मुझे खुशी हुई कि मुझे दो नए ब्रिटिश बार मिले, खैर, कम से कम मेरे लिए तो नए ही थे। बुखाओ गली पर स्थित बुचर्स आर्म्स और हनी इन गली पर स्थित क्वीन विक, जहाँ हमारा पहला होटल था, दोनों बार शानदार ब्रिटिश खाना परोसते हैं, साथ ही थाई खाना भी। दरअसल, मैंने क्वीन विक में अपने क्रिसमस डिनर के लिए बुकिंग की थी। डेव के ग्रेट ब्रिटिश बार के बंद होने के बाद, यह मेरी नई पसंदीदा जगह बन गई है। धूप में मस्ती करना तो बस कहने की बात है! यह जगह शानदार है। दस साल बाद लौटने को लेकर मैं थोड़ा आशंकित था, क्योंकि कभी-कभी चीजें बदल जाती हैं और हमेशा वैसी नहीं रहतीं जैसी याद रहती हैं। यह जगह बदली तो है, लेकिन पहले से कहीं बेहतर है। मैंने रॉबर्ट के लिए टोस्ट किया, 'काश तुम यहाँ होते' या शायद 'नहीं' कहना ज़्यादा सही होगा, जो भी हो, मैं यहाँ हूँ और वह नहीं है, और वह एक शानदार पल से चूक रहा है।

क्रिसमस की पूर्व संध्या

ज़्यादातर जगहों पर क्रिसमस एक ऐसा मौका होता है जब सब लोग एक साथ मिल सकते हैं, मौज-मस्ती कर सकते हैं, कुछ दिनों के लिए ही सही, अपने मतभेदों को भुला सकते हैं। पटाया भी इसका अपवाद नहीं है। यहाँ क्रिसमस सचमुच एक अद्भुत अनुभव होता है, जहाँ दुनिया भर से आए पर्यटक खुशी-खुशी एक साथ ड्रिंक करते हैं और खूब मस्ती करते हैं। बार गर्ल्स लाल चमड़े के कपड़ों में सांता क्लॉज़ के रूप में सजी होती हैं, यानी क्रिसमस थीम पर आधारित आम कपड़ों से भी ज़्यादा रिवीलिंग और सेक्सी कपड़े। मुझे यकीन है कि

किसी को भी इस तरह के सेक्सी सांता क्लॉज़ को अपनी चिमनियों से नीचे उतरते देखने में कोई आपत्ति नहीं होगी! सभी बार में क्रिसमस ट्री और सजावटें होती हैं, कुछ बार में कृत्रिम बर्फ होती है जो यहाँ असली बर्फ के सबसे करीब होती है, और ऐसा लगता है कि अब पहले से कहीं ज़्यादा लड़कियाँ बार में काम कर रही हैं। जिधर भी देखो, नियॉन लाइट्स का सागर सा दिखता है। कुल मिलाकर, यहाँ का मौसम बहुत ही शांत और सुकून भरा होता है, और हाँ, थाई लोगों के लिए तो ठंडा ही है, क्योंकि ज़्यादातर दिन तापमान 75°F ही रहता है। सबसे अच्छी बात यह है कि भयंकर उमस कम हो गई है।

इस हफ्ते दिन-ब-दिन यहाँ भीड़ बढ़ती जा रही है, और अब तो यहाँ ज़बरदस्त रौनक है! होटलों में पहले से ही 'कमरे खाली' के साइन लगे हुए हैं, इसलिए अगर आपने अभी तक कमरा बुक नहीं किया है, तो शायद अब आपको कमरा मिलना मुश्किल होगा। माहौल एकदम जोश से भरा है, पिछले हफ्ते के शांत बार भी अब भरे हुए हैं। ये पहला बड़ा मौका है जिसका मुझे बेसब्री से इंतज़ार था। बीच पर एक बड़ी पार्टी रखी है और मैं रात 11 बजे लकी फिंगर की पुक और बाकी मसाज करने वाली लड़कियों से मिलने वाली हूँ। पूरे हफ्ते मैंने हर रात बीच पर खूब मज़े किए हैं, लेकिन ये रात कुछ ज़्यादा ही खास होने वाली है। घर पर रॉबर्ट खुद पर तरस खा रहा है और हमेशा की तरह सहानुभूति पाने की कोशिश कर रहा है। वो सारा दिन उसी रेस्टोरेंट में शराब पीकर धुत रहता है जहाँ हम रोज़ जाते हैं। कम से कम उसके रोज़ आने से रेस्टोरेंट का मुनाफा तो रोज़ से ज़्यादा होगा! वो अब भी मुझे लगभग हर दिन फोन करके बताता है कि उसे थाईलैंड की कितनी याद आती है और अपनी माँ और बहन को अपनी यात्रा खराब करने का दोषी ठहराता है, लेकिन अब पुक के पास अपना मोबाइल फोन है, इसलिए मुझे अब उनके निजी मध्यस्थ या रेफरी बनने की ज़रूरत नहीं है। लेकिन मुझे लगता है कि मैं इतनी आसानी से बच नहीं पाऊँगा।

मैं सुबह करीब 9 बजे उठा और एक शानदार दिन बिताने के अलावा मेरा कोई और प्लान नहीं था। मैं अपने पसंदीदा रोज़ाना के नाश्ते के लिए लेविंस्की के यहाँ चल पड़ा। "हेलो सेक्सी मैन!" मुझे जल्दी उठने वालों की आवाज़ सुनाई दी। "हेलो!" मैं चिल्लाकर जवाब दे रहा था, हाँ, मैं ही हूँ! मैं एक ज़बरदस्त सेक्सी मैन हूँ, मैं अपने चेहरे पर एक बड़ी सी मुस्कान लिए सोच रहा था। आज सुबह मेरे कदमों में एक अलग ही फुर्ती थी और सेकंड रोड पर फैली गंदगी की तेज़ बदबू भी मेरे इस दिन को फीका नहीं कर सकती। आज का दिन तो पार्टी से भरा होने वाला है और मैं शुरू से आखिर तक इसमें पूरी तरह डूबा रहूँगा! मेरा मन कर रहा है कि मैं भिखारियों को पैसे बाँट दूँ - इतना अच्छा महसूस कर रहा हूँ - हालाँकि मैं ऐसा नहीं करूँगा। भाड़ में जाएँ वो लोग!

अपने बेहद ज़रूरी नाश्ते के बाद, मैंने कुछ घंटे बीच पर आराम करते हुए बिताए और कुछ ड्रिंक्स का मज़ा लिया, यह जानते हुए कि आज रात मुझे खुद को संभालना है। आज तो सारे विक्रेता पूरी तरह से तैयार हैं और बीच पर आप अपनी मनपसंद हर चीज़ खरीद सकते हैं, आइसक्रीम से लेकर शर्ट तक, गहनों से लेकर खिलौनों तक, लिस्ट बहुत लंबी है। असल में, बाज़ारों में आपने जो कुछ भी देखा है, वह सब बीच पर भी मिल जाता है। बड़े-बड़े झींगे बेचने वाला विक्रेता हमेशा मेरा ध्यान खींचता है और मैं उन्हें खरीदने से खुद को रोक

नहीं पाता, क्योंकि वे हमेशा ताज़े होते हैं और आपके सामने ही पकाए जाते हैं। थोड़ी सी तीखी चटनी और ढेर सारी बीयर के साथ, ये एक लाजवाब कॉम्बिनेशन बन जाता है।

अब होटल वापस जाने का समय हो गया है क्योंकि लगभग दोपहर हो चुकी है और थोड़ी देर झपकी लेने का समय है, फिर पटाया स्टाइल में क्रिसमस की पूर्व संध्या के लिए तैयार हो जाऊँगा! होटल वापस जाते समय, कई खूबसूरत महिलाओं ने मेरा ध्यान अपनी ओर खींचा, जो मुझे अपने बार में खींचना चाहती थीं। ज़ाहिर है, मैंने ज़्यादा विरोध नहीं किया, बल्कि बिल्कुल भी नहीं किया, क्योंकि मैं खुद को एक बार में बैठा पाया जहाँ कई सुंदर लड़कियाँ आज रात के लिए अपने बार को तैयार करने में व्यस्त थीं। पास ही एक लड़की सीढ़ी पर लड़खड़ाते हुए छत पर गुब्बारे लगा रही थी, मैंने उसका सहारा लिया और मेरी नज़र उसकी स्कर्ट के नीचे चली गई, जहाँ मुझे यह देखकर बहुत बड़ा झटका लगा और डर भी लगा कि सीढ़ी पर उसके हर छोटे से हिलने-डुलने के साथ एक लिंग हिल रहा है! हे भगवान! यह तो एक लेडीबॉय है! मेरी बात मानो, जब तक तुमने इसे अपनी आँखों से नहीं देखा होगा, तुम विश्वास नहीं करोगे। अब मुझे यहाँ से निकल जाना चाहिए, इससे पहले कि ये खूबसूरत लड़कियाँ अचानक मर्द बन जाएँ। उस छोटे से झटके के बाद अब होटल वापस जाने का समय है, ताकि आगे किसी भी संभावित अप्रत्याशित घटना से बचा जा सके। बार से निकलते समय मैं सोच रहा था कि आखिर उन खूबसूरत लड़कियों में से कितनी सचमुच खूबसूरत थीं।

शाम के 4 बज रहे हैं, और झपकी लेने के बाद अब जल्दी डिनर करने का समय है ताकि आज रात की बड़ी ड्रिंक पार्टी के लिए तैयार हो सकूँ। बुचर्स आर्म्स जाना सबसे अच्छा विकल्प लगता है, यह एक ऐसी जगह है जहाँ मैं बढ़िया खाने के साथ शांति से डिनर कर सकता हूँ और अपनी शाम की योजना बना सकता हूँ। भरपेट इंग्लिश खाना खाने के बाद, मैं तैयार हूँ। मेरा पहला पड़ाव बुलडॉग बार है जो एलके मेट्रो के ठीक बगल में है। यह मुख्य रूप से ब्रिटिश इलाका है, इसलिए मुझे यहाँ घर जैसा महसूस होता है। अभी काफी सुबह है, इसलिए यहाँ अभी ज्यादा रौनक नहीं है। सबसे पहले जो लड़की मेरे पास आती है, वह जिप है, वही लड़की जिसने मुझे तब दिखाया था जब मैं रॉबर्ट के जाने के बाद कमरा ढूंढ रहा था। वह कहती है, "क्या आप कुछ पीना चाहेंगे?" मैं हम दोनों के लिए एक-एक ड्रिंक ऑर्डर करता हूँ और जिप से आज रात की पार्टी के बारे में बातें करने लगता हूँ। जिप तुरंत विषय बदल देती है, "मुझे थोड़ी देर के लिए छोड़ दो, इससे पहले कि बार में भीड़ हो जाए, ठीक है? मेरे पास यहाँ कमरा है, याद है ना?" ओह, मुझे अच्छी तरह याद है, और ये लड़की आज रात बहुत ही हॉट लग रही है, "ठीक है, चलो थोड़ी देर के लिए चलते हैं।" मैंने उसकी खुशी देखकर जवाब दिया, "अच्छा विचार है, आज रात तुम जिप के लिए सांता क्लॉज़ बनोगी।" इतना कहकर हम उसके कमरे में चले गए ताकि मैं जिप को अपना क्रिसमस का तोहफा दे सकूँ, जिसने बिना देर किए मेरा दिया हुआ सब कुछ स्वीकार कर लिया। मस्ती के बाद हमने जल्दी से एक साथ नहाया और वापस बार में आ गए। ये एक शानदार घंटा था, और पहले खाए हुए खाने को पचाने में बहुत अच्छा लग रहा है। जाने से पहले हमने बार में एक और ड्रिंक ली, "फिर मुझसे मिलने आना, ठीक है?" मेरे जाते समय मुझे ये आवाज़ सुनाई दी, शायद मैं भी ऐसा ही करूँ। धत् तेरे की! ये लड़की कितनी हॉट है! अब शाम के 7 बज रहे हैं और सड़कों पर माहौल

एकदम ज़बरदस्त है, और अभी तो बस शुरुआत है! मैं अब बीच रोड पर स्थित पटाया के सबसे पुराने बार, ताहितियन क्वीन में हूँ और ये जगह तो पूरी तरह से गुलज़ार है! ये बाइकर्स का बार है जहाँ ज़ोरदार हेवी मेटल संगीत बजता है, सस्ती ठंडी बियर मिलती है और बहुत सारी मिलनसार खूबसूरत लड़कियाँ सांता हैट के अलावा बहुत कम कपड़ों में नज़र आती हैं, बढ़िया लग रहा है ना? बिलकुल बढ़िया!

बार के पीछे, स्टाफ के लोग कमर तक नकली बर्फ में डूबे हुए हैं, जो चिप्स पैक करने वाले स्टायरोफोम के टुकड़ों से बनी है। इतनी सारी खूबसूरत लड़कियाँ मेरा ध्यान अपनी ओर खींचना चाहती हैं, तो यकीनन यही वो जगह है जहाँ मुझे होना चाहिए। एक लड़की मेरे पीछे बैठी मेरे कंधों की मालिश कर रही है, एक मेरे दोनों तरफ बारी-बारी से मेरे लिंग की मालिश कर रही है, और एक मेरे ठीक सामने मुझे खाना और बीयर पिला रही है। इस सब के बीच मैं एक राजा की तरह बैठा हूँ और स्टेज पर नग्न लड़कियाँ ट्विस्टेड सिस्टर, ओज़ी ऑस्बोर्न, किस और वैन हेलन जैसे बैंड के गानों पर जोश से नाच रही हैं। यहाँ आने पर यह जगह ज़रूर देखने लायक है, खासकर क्रिसमस के समय। मुझे यहाँ बहुत मज़ा आ रहा है, लेकिन आज रात मुझे बहुत कुछ देखना है, इसलिए मैं एक जगह फंसे बिना जाने का फैसला करता हूँ।

रात करीब 9 बजे बीच रोड पर आगे बढ़ते हुए मैं सोई पट्टायालैंड 2 पर स्थित वाइकिंग बीचकॉम्बर बार में रुका, जहाँ एक लड़की की बर्थडे पार्टी भी चल रही थी, इसलिए आज रात दोहरी खुशियाँ थीं और कुल मिलाकर यह एक मजेदार जगह थी। वहाँ ढेर सारा मुफ्त खाना उपलब्ध था, और मैंने खुशी-खुशी सब कुछ खा लिया। कई आकर्षणों में से एक था एक छोटा बच्चा, जो जादू के ऐसे करतब दिखा रहा था जो मैंने पहले सिर्फ टीवी पर देखे थे और मुझे लगता था कि ये सब कैमरे की तरकीबें हैं। अब ये बच्चा मुझसे दस फीट दूर था और अचानक कहीं से खरगोश और कबूतर निकालने लगा! मैं नशे में भी नहीं था, फिर भी अपनी आँखों के सामने हो रही इस घटना को समझ नहीं पा रहा था। मैं अपनी नज़रें इस करतब से हटा ही नहीं पा रहा था, क्योंकि मैं यह पता लगाने के लिए बेताब था कि ये छोटा बदमाश मुझे कैसे बेवकूफ बना रहा है। मैंने उसे खरगोश वाला करतब दोबारा दिखाने के लिए 500 बात भी दिए, जिसे उसने मेरे सामने ही पूरी तरह से कर दिखाया! मुझे बिल्कुल भी समझ नहीं आ रहा था कि वो ये सब कैसे कर रहा है, "क्या मैं तुम्हें बताऊँ कि मैं ये कैसे करता हूँ?" छोटे थाई जादूगर ने कहा, मैंने सहमति में सिर हिलाया, "आसान है! यह जादू है!" उसने जवाब दिया, मैं बस मुस्कुराया और मन ही मन सोचा, भाड़ में जाओ! छोटे कमीने!

पुक और लकी फिंगर के क्रू तय समय के अनुसार रात 11 बजे बीच पर पहुँचते हैं, और यह पहले से ही साफ़ है कि यह लड़की बदल गई है, बेहतर के लिए या बदतर के लिए, यह तो मैं अभी तक नहीं जानता, लेकिन वह बदल गई है क्योंकि अब उसने शानदार डिज़ाइनर कपड़े पहने हैं और सोने से लदी हुई है! ढेर सारा सोना! उसके गले, कलाई, उंगलियों और जहाँ भी जगह है, वहाँ सोना है। अगर उसके स्तनों पर भी सोना लटका हो तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा! हालाँकि उनके आकार को देखकर शायद नहीं, लगता है कि वह इस मामले में ज़्यादा भाग्यशाली नहीं है; शायद वह अपने बॉयफ्रेंड से ब्रेस्ट सर्जरी करवाने के लिए पैसे दिलवा सकती है! शायद कुछ और बीयर पीने के बाद मैं उसे यही सुझाव दूँ। मैं मन ही मन हँस रहा हूँ यह सोचकर कि इतने

सोने के बोझ के साथ चलना कितना मुश्किल होगा; वह बैठ जाती है और राहत की साँस लेती है, निस्संदेह अपने पैरों से बोझ उतरने पर शुक्रगुजार है। अब वह 80 के दशक के सफल टीवी शो 'द ए टीम' के किरदार 'मिस्टर टी' के थाई संस्करण जैसी दिखती है। हमने जल्दी से मेज को खाने-पीने की चीजों से भर दिया। मेरी सबसे पसंदीदा चीज थी बिग टावर, जो लगभग तीन फुट ऊंचा बीयर का टावर था, चारों तरफ बर्फ से ढका हुआ और नीचे बीयर डालने के लिए एक नल लगा हुआ था। यह सब लगभग 5 डॉलर में मिल रहा था। आधी रात होने वाली थी, घर पर दोपहर हो रही थी, तभी रॉबर्ट का फोन आया, जो अपनी बेहिसाब शराब पीने की आदत शुरू कर रहा था। उसकी आवाज ठीक से सुनाई नहीं दे रही थी क्योंकि बीच पर हमारी पार्टी पूरे जोश में चल रही थी, तेज संगीत बज रहा था। फायर किड्स नाम के कुछ बच्चे बीच पर अपना करतब दिखा रहे थे और वे वाकई कमाल के और मनोरंजक थे। उन्होंने एक जहाज से बीच की तरफ हरी लेजर लाइट भी डाली हुई थी, जो देखने में बहुत ही शानदार लग रही थी। और हां, बैकग्राउंड में पटाया शहर का बड़ा सा साइनबोर्ड जगमगा रहा था, ताकि अगर आप भूल जाएं कि आप कहां हैं तो आपको याद रहे! "मुझे तुम्हारी आवाज सुनाई नहीं दे रही!" मैं फोन पर चिल्लाई और फोन काट दिया। मुझे इतना मजा आ रहा था कि उसकी बकवास सुनने की मुझे कोई जरूरत नहीं थी! फिर थोड़ी देर बाद मैंने देखा कि पुक फोन पर बात करने की कोशिश कर रही है और वह बहाना बनाकर समुद्र तट के एक शांत हिस्से में चली गई, शायद अपने नए प्रेमी से बात करने के लिए जो उसे सोने का इनाम दे रहा था। पाँच मिनट बाद वह लौटी और बोली, "वह रॉबर्ट, मुझे लगता है कि वह बहुत ज्यादा पीता है, मुझे समझ नहीं आता।" मैंने मन ही मन सोचा, यह बात सही है।

मुझे आश्चर्य हुआ जब पुक ने बिल चुकाने पर ज़ोर दिया, जो ज़्यादा नहीं था। शायद यह सिर्फ़ दिखावा करने का बहाना था कि अब उसके पास पैसा है और बाकी लड़कियों के पास नहीं। उसने 1000 बात के नोटों का एक बंडल निकाला और बिल चुका दिया। बाकी लड़कियां उसकी पैसों की मात्रा देखकर ईर्ष्या से उसे घूर रही थीं। मुझे ठीक से नहीं पता कि वे सब क्या सोच रही थीं, शायद ईर्ष्या से, लेकिन मुझे लगता है कि थोड़ी जलन भी थी। इन सभी लड़कियों का सपना था कि उन्हें कोई अमीर बूढ़ा आदमी मिल जाए जो उनकी और उनके परिवार की देखभाल करे, और पुक की तो मानो लॉटरी लग गई! उसकी आँखों में डॉलर के निशान साफ़ दिख रहे थे। जब उसने पुक को दोबारा फ़ोन किया, तो बड़ी खबर यह थी कि रॉबर्ट फ़रवरी में वापस आ रहा है! अभी तक कोई निश्चित तारीख़ तय नहीं हुई है, लेकिन उसकी बहन ने उसके जाने पर उसकी माँ की देखभाल करने के लिए सहमति दे दी है। शायद उसकी बुरी बहन उतनी भी बुरी नहीं है, "मैं बहुत खुश हूँ!" पुक ने कहा। मुझे आश्चर्य है कि वह वास्तव में कितनी खुश है? शायद वह इस बात से भी खुश है कि वह खुद शारीरिक रूप से मौजूद हुए बिना ही पैसे भेजता रहे, जो वह अभी भी लगातार भेज रहा है। मुझे पहले से ही पता चल गया है कि वह इस गलतफहमी में है कि जितना ज्यादा पैसा वह भेजेगा, उतना ही वह उसे प्यार करेगी। काश उसने उन घटिया किताबों को ठीक से पढ़ा होता।

मसाज करने वाली लड़कियाँ घर चली गईं, लेकिन मैं अभी भी जोश में था और और भी मजे के लिए तैयार था! सेकंड रोड पर किस फूड में थोड़ी देर रुका - जो लकी फिंगर के लगभग बगल में ही है - अपने सिस्टम को

फिर से एनर्जी देने के लिए, ताकि मैं अपने पसंदीदा चिकन और चावल के साथ और भी ड्रिंक कर सकूँ। अब समय आ गया था कि मैं कोई दूसरा बार ढूँढूँ। मैं खुद को थाईलैंड की जानी-पहचानी गली की ओर जाते हुए पाता हूँ, जहाँ मुझे पता है कि बहुत सारे बार हैं जिन्हें मैंने अभी तक नहीं खोजा है। पहला पड़ाव 69 बार, भला ऐसे नाम के साथ मैं कैसे नहीं रुकता? असल में, यह शायद सबसे खराब बार है जिसमें मैं कभी गया हूँ, क्योंकि यह बहुत छोटा है और फिर भी उन्होंने किसी तरह अंदर एक पूल टेबल फिट कर दी है। शॉट लेने के लिए कोई जगह नहीं दिख रही, यहाँ गेम शुरू करने का कोई मतलब ही नहीं लगता। लेकिन लड़कियाँ अच्छी थीं और अभी-अभी बार में ढेर सारा खाना लाई थीं और उन्होंने मुझे भी साथ बैठने के लिए प्यार से बुलाया। खैर, मुफ्त खाने का ऑफर ठुकराना तो गलत होता, इसलिए मैं उनका ऑफर मान गया और एक स्टूल पर बैठ गया। पेट भर खाने के बाद लड़कियाँ पटाखे बाँटने लगीं; मुझे लग रहा है, ये तो दिलचस्प होगा। मैं हाथ में रॉकेट लॉन्चर जैसा कुछ पकड़े खड़ा था—शायद होश में रहते हुए मैं ऐसा नहीं करता—और मैंने बिना देखे ही आसमान में गोलियां चलाना शुरू कर दिया। मेरी पहली ही गोली बार के साइनबोर्ड पर जा लगी, जिससे ज़ोरदार धमाका हुआ और लड़कियां घबरा गईं, "नहीं! नहीं! इसे बार से दूर रखो!" वे चिल्लाईं।

मेरी दूसरी गोली बार के साइनबोर्ड को तो नहीं लगी, लेकिन सीधे बिजली की तारों में जा लगी, जिससे और भी ज़ोरदार धमाका हुआ और पूरी गली में कुछ देर के लिए अंधेरा छा गया! मैं खुद को नशे में धुत रैम्बो की तरह महसूस कर रहा था, मुझे ज़रा भी परवाह नहीं थी! मैं इस समय हँसना बंद नहीं कर पा रहा था और जानबूझकर दूसरी बारों को निशाना बनाते हुए तब तक गोलियां चलाता रहा जब तक कि गोलियां खत्म नहीं हो गईं। बत्तियाँ बुझते ही ज़ोरदार तालियाँ बज उठीं और बत्तियाँ वापस आते ही फिर से ज़ोरदार तालियाँ बज उठीं। यह सब कुछ ही सेकंड के लिए हुआ था, लेकिन हर कोई यह दावा नहीं कर सकता कि उसने पूरी गली में अंधेरा कर दिया, पर मैं कर सकता था, और मैंने किया!

क्रिसमस का दिन थोड़ा धीमा शुरू हुआ, लगता है कल रात सब लोग खूब मस्ती कर रहे थे। मैं दोपहर करीब 3 बजे क्वीन विक रेस्टोरेंट की तरफ चल पड़ा, शुक्र है उन्होंने समझदारी दिखाते हुए डिनर देर से शुरू किया, क्योंकि उन्हें पता था कि सब लोग नशे में चूर होंगे। रॉबर्ट ने पहले ही फोन करके शिकायत की थी कि घर पर खाने के लिए कोई जगह खुली नहीं है, खैर, यहाँ तो खाने के लिए बहुत सारी जगहें खुली हैं, हर जगह की तरह। क्वीन विक में शानदार, पारंपरिक अंग्रेज़ी क्रिसमस डिनर मिलता है, बस बर्फ की कमी है। भगवान का शुक्र है! मैंने ज़रूरत से ज़्यादा खा लिया और वापस होटल जाकर सो गया। पता नहीं क्यों, वापस आते समय मैं एक लड़की को अपने साथ ले आया। अगर अभी भी किसी सबूत की ज़रूरत है तो यह इस बात का सबूत है कि यहाँ लड़कियों को पटाना कितना आसान है, क्योंकि मैं तो बस शर्ट देखने के लिए रुका था और एक बेहद आकर्षक लड़की से बात करने लगा, जो बहुत ही सेक्सी दिखने वाले सांता क्लॉज़ के रूप में सजी हुई थी। वो शर्ट्स भी देख रही थी, ऐसा उसने दावा किया, और बिना देर किए अपना परिचय 'टॉय' के रूप में दिया। लेकिन अभी इस टॉय से खेलने का कोई चांस नहीं था, क्योंकि नींद बहुत ज़रूरी थी। पर कुछ घंटों बाद, बात बिल्कुल अलग होगी। आखिर, क्रिसमस के समय हर बड़े बच्चे को खिलौने से खेलना पसंद होता है,

है ना? खैर, सांता ने मेरा टॉय पहुंचा दिया है, और इस खूबसूरत ओरिएंटल क्रिसमस गिफ्ट को देखकर लगता है कि मैं बहुत अच्छा बच्चा रहा हूँ! सांता, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

अगले दो दिन मैंने अपनी नई दोस्त टॉय के साथ आराम करते हुए बिताए, जो बिस्तर पर कमाल की है! लेकिन फिर वह अचानक गायब हो जाती है, जो मुझे ठीक ही लगता है, क्योंकि इससे इस लड़की से भावनात्मक रूप से जुड़ने का कोई मौका नहीं बचता। बाकी का हफ्ता मैं ज़्यादातर क्वीन विक में ही बिताता हूँ, जहाँ मैच की रातों में आने वाले सभी अंग्रेज़ों से मेरी दोस्ती हो गई है। वहाँ का माहौल हमेशा शानदार होता है और लड़कियों से थोड़ी राहत मिलती है, क्योंकि कभी-कभी आपको आराम की ज़रूरत होती है। यहाँ आने से पहले आप सोच भी नहीं सकते कि ऐसा होगा, लेकिन कभी-कभी आपको आराम के लिए कुछ ज़रूरी और अहम समय चाहिए होता है।

इसी दौरान, मैं रॉबर्ट को लगातार यह कहते हुए सुन रहा था कि वह थाईलैंड को कितना याद कर रहा है, और खासकर पुक को, जो पिछले चार दिनों से कहीं नज़र नहीं आ रही है। लगता है, अपनी नई दौलत के चलते उसने लकी फिंगर मसाज की नौकरी छोड़ दी और घर लौट आई, अपने सनकी बॉयफ्रेंड के और भी ज़्यादा पैसे लेकर लौटने का इंतज़ार कर रही है, मुझे यकीन है। अपनी यात्रा के दौरान, मुझे सोई बुखाओ पर टारगेट मसाज पार्लर मिला, जो अब तक मिले सभी पार्लरों से सस्ता था और यकीनन सबसे अच्छा भी। वहाँ बहुत खूबसूरत लड़कियाँ थीं जो पेशेवर तरीके से मसाज करती थीं और अगर आप चाहें तो एक्स्ट्रा सर्विस भी देती थीं! मैंने बस आरामदेह मसाज करवाया, हाथ में बीयर लिए और इस यात्रा में जो कुछ हुआ, उस पर सोचने लगा, यह वाकई काफी रोमांचक रहा। मैंने अपनी बाकी यात्रा के लिए इसे ही अपना नया मसाज पार्लर बनाने का फैसला किया, खासकर इसलिए क्योंकि लकी फिंगर की लड़कियाँ पिछले कुछ दिनों से आलसी हो गई थीं। सोई 8 पर एक और मसाज पार्लर था, जिसका नाम मुझे याद भी नहीं है क्योंकि वह बहुत बुरा था। लड़की खूबसूरत तो थी, लेकिन पता नहीं क्यों उसने जानबूझकर मेरी टांगें तोड़ने की कोशिश की! “तुम तो बड़े ताकतवर हो!” वो आँखों में शैतानी चमक लिए कहती है, “मैं भी ताकतवर हूँ!” मैं बस सहमति में सिर हिलाता हूँ और सोचता हूँ कि मुझे तुम्हारी बात पर यकीन है, तो मुझे ये साबित करने के लिए अपाहिज करने की क्या ज़रूरत है! मैंने ये वाला सिर्फ़ इसलिए आज़माया क्योंकि ये बीच के रास्ते में था, पहली और आख़िरी बार, क्योंकि यहाँ चुनने के लिए इतने सारे मसाज पार्लर हैं, किसी खराब पार्लर में वापस जाने का कोई मतलब नहीं। पटाया में एक चीज़ तो भरपूर है! आपको जो भी चाहिए, वो यहाँ प्रचुर मात्रा में है, इसलिए कभी भी घटिया चीज़ से समझौता मत करो।

एक और दिलचस्प चीज़ जो मैंने खोजी और आजमाई, वो है फिश स्पा। इसमें आपको पैरों को पानी से भरे टैंक में डुबोकर बैठना होता है और सैकड़ों छोटी-छोटी भूखी मछलियाँ आपके पैरों और पंजों की मृत त्वचा को खा जाती हैं। सुनने में थोड़ा अजीब लगता है, लेकिन सच में बहुत अच्छा है। पहली बार जब मैंने इसे आजमाया तो थोड़ा अजीब लगा, क्योंकि पहले कुछ मिनटों तक बहुत गुदगुदी हुई। मैं सोच रही थी कि कहीं ये छोटी मछलियाँ पिरान्हा तो नहीं हैं! शायद इसीलिए गुदगुदी अचानक बंद हो गई, इन्होंने मेरे पैरों की नसों

को खा लिया होगा! लेकिन यह सच में असरदार है, क्योंकि इसके बाद आपके पैर और पंजे ऐसे लगते हैं जैसे उन पर सैंडब्लास्टिंग हुई हो और एकदम चिकने हो जाते हैं। अगर आपने इसे अभी तक नहीं आजमाया है, तो इसे जरूर आजमाएं।

नव वर्ष की पूर्व संध्या

ठीक है, तो अब बारी है सबसे बड़े जश्न की! पटाया में नए साल की पूर्व संध्या! सुबह से ही जश्न शुरू हो जाता है और दिन-रात चलता रहता है, माहौल बेहद जोशीला होता है। सुबह घूमते हुए देखा तो बार्स इस रात के लिए तैयार हो रहे होते हैं और महसूस किया जा सकता है कि आज रात कुछ खास होने वाला है। लड़कियाँ गुब्बारे ऐसे फुला रही हैं जैसे फैशन से बाहर हो रहे हों! और ज़्यादा फुलाए तो ये बार्स उड़ जाएँगे! अब तक पूरा इलाका उत्साहित पर्यटकों से भर चुका होता है, किसी होटल में कमरा मिलना लगभग चमत्कार है, यही वो जगह है जहाँ हर कोई जाना चाहता है! अगर आप नए साल की पूर्व संध्या पर यहाँ नहीं आए हैं, तो आपको जीवन में कम से कम एक बार ज़रूर आना चाहिए, ये इतना शानदार होता है। मैं सुबह-सुबह माहौल को महसूस करने के लिए टहलने निकलता हूँ, चारों ओर उत्साह का माहौल है। हर बार के पास से गुज़रते हुए मुझे यही आवाज़ सुनाई देती है, "वाह, तुम कहाँ जा रहे हो?" भले ही आपको पता हो कि वे अपने बार के सामने से गुजरने वाले हर आदमी को देखकर यही कहते हैं, फिर भी जब आपकी बारी आती है तो यह सुनकर अच्छा लगता है। सच तो यह है कि चाहे आपके तीन पैर, तीन हाथ हों और आंखें न हों, आपको यहाँ से बुलावा तो आएगा ही! वे आपको अपने बार में लाने के लिए कुछ भी करेंगे क्योंकि आपके पास खर्च करने के लिए पैसे हैं, और वे सोचते हैं कि आप कहीं और खर्च करने के बजाय उनके बार में ही खर्च करें तो बेहतर है। इस दिन आपको इतनी पार्टियों के निमंत्रण मिलेंगे कि आप शायद ही कभी उनमें शामिल हो पाएंगे, सामान्य से भी ज़्यादा। मुझे यकीन है कि आप में से जो भी कभी यहाँ आया होगा, उसने जल्दी ही समझ लिया होगा कि पटाया में ज़्यादातर दिन मुफ्त में खाना खाना कितना आसान है। आपको बस यह पता लगाना है कि किस बार में किस समय हैप्पी आवर होता है और आपके स्वाद के अनुसार सबसे अच्छा खाना मिलता है। आप पूरे दिन एक हैप्पी आवर से दूसरे हैप्पी आवर में आसानी से जा सकते हैं। अगर आप उनके बार में पैसे खर्च करने को तैयार हैं, तो वे खुशी-खुशी आपको मुफ्त में खाना खिलाएंगे। आप कहीं न कहीं तो पैसे खर्च करेंगे ही, तो मुफ्त खाने के साथ क्यों न खर्च करें? है ना समझदारी की बात?

मैंने ठान लिया था कि दिन की शुरुआत में ही ज़्यादा शराब नहीं पीऊँगा, लेकिन मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं कोई ओलंपिक धावक हूँ जो बस दौड़ शुरू होने का इंतज़ार कर रहा है ताकि मैं रात भर बार्स में घूम सकूँ और शराब पीने का कोई विश्व रिकॉर्ड बना सकूँ! लेकिन मैंने सावधानी बरती और संयमित होकर थोड़ी-थोड़ी बीयर पी ली; मैं सेंट्रल शॉपिंग मॉल के ठीक सामने वाली छोटी-सी संकरी गली में चला गया, जो बार्स से भरी हुई थी। मैं गली के आखिर तक गया और मुझे स्माइल बार दिखाई दिया, जो देखने में दिलचस्प लग रहा था क्योंकि वहाँ एक पूल टेबल थी; एक छोटी, खूबसूरत लड़की मेरे पास आई और अपना परिचय देते हुए बोली,

"मैं पायम हूँ, क्या आप कुछ पीना चाहेंगे?" मैंने चांग ऑर्डर किया, पायम ने पूछा, "क्या आप पूल खेलना चाहेंगे?" मैंने जवाब दिया, "ज़रूर, क्यों नहीं।" पायम बैंकॉक की रहने वाली 23 साल की लड़की है, जिसने पटाया में तीन महीने काम किया है, या कम से कम वह ऐसा कहती है क्योंकि आमतौर पर सभी लोग यही जवाब देते हैं। उसकी बातें सुनकर ऐसा लगता है मानो उसकी खूबसूरत भूरी आँखें मुझे कपड़े उतारने पर मजबूर कर रही हों, और मेरी उभरी हुई भूरी आँखों ने तो मानो उसे कपड़े उतारने पर मजबूर कर दिया हो! वाकई देखने में बहुत आकर्षक है, मैं सोच रहा हूँ। और मुझे पहले से ही पता है कि आगे क्या होने वाला है। कुछ ड्रिंक्स के बाद मैंने बिल चुकाने को कहा, जिसमें उसने बड़ी चालाकी से खुद को भी शामिल कर लिया था, "सिर्फ 300 बात, बढ़िया डील है ना?" वाकई बढ़िया डील, मैं सोच रहा हूँ। "हाँ, मैं सहमत हूँ, चलो चलते हैं!" मैंने 5 फुट 2 इंच लंबी इस थाई युवती को अपने आकर्षण के बारे में बताया। चूंकि उसने पहले से ही जैकेट पहनी हुई थी और हाथ में बैग था, इसलिए इस समय अपना फैसला बदलना थोड़ा मुश्किल था, और वैसे भी कौन बदलना चाहेगा? अब मेरे पास कुछ घंटों तक शराब न पीने का एक अच्छा बहाना है। मेरा ओलंपिक शराब पीने का विश्व रिकॉर्ड बनाने का प्रयास अब दिन की गर्मी के बजाय आज रात उचित समय पर होगा।

मैं अपनी नई साथी के साथ लेक होटल लौट रहा था, तभी रास्ते में हम किस फूड पर रुके और मेरी पसंदीदा चिकन और फ्राइड राइस डिश खाई। इसे आप वर्कआउट से पहले का हल्का नाश्ता कह सकते हैं, क्योंकि मुझे लग रहा था कि होटल के कमरे में पहुँचते ही मुझे इसकी ज़रूरत पड़ेगी! पायम ने टेबल भर खाना ऑर्डर किया; ये लड़कियाँ सच में बहुत खाना खाती हैं! जब वे खा नहीं रही होतीं, तो सो रही होती हैं और जब सो नहीं रही होतीं, तो खा रही होती हैं। ऐसा लगता है कि सभी थाई लड़कियाँ लगभग किसी भी चीज़ में बिना किसी रुकावट के सो सकती हैं, कसम से, वे हाईवे के किनारे भी चैन से सो सकती हैं! मैंने बिल चुकाया जो 5 डॉलर से थोड़ा ज़्यादा था, जो हमारे खाने की मात्रा को देखते हुए आश्चर्यजनक था। "चलते हैं सेक्स करते हैं, अच्छा विचार है ना? पायम अपना ख्याल रखना, मैं बहुत ज़्यादा उत्तेजित हूँ!" अब पूरी तरह से संतुष्ट और खुश करने के लिए बेताब पायम ने कहा। जैसे ही हम काम शुरू करने वाले थे, रॉबर्ट का फोन आ गया, जो बिल्कुल भी सही समय नहीं था। मैं करवट बदलकर अपना फोन बंद कर देता हूँ, उसकी जो भी बात हो, कुछ घंटों के लिए टाल दी जाती है। मैं वापस करवट बदलकर पूरी तरह से पायम पर ध्यान देता हूँ, जिसने अपने वादे के मुताबिक मेरा बहुत अच्छे से ख्याल रखा। जल्दी से नहाने के बाद हम कपड़े पहनकर बाहर निकल जाते हैं, हालाँकि आज रात पायम को आराम नहीं मिलेगा क्योंकि हर बार साल की बाकी रातों से ज़्यादा भीड़भाड़ वाला होगा। विदा लेते हुए वह कहती है, "मुझे लगता है आज रात तुम बिल्कुल बेकाबू हो!" मैं बस कंधे उचकाकर मुस्कुराता हूँ और चला जाता हूँ।

मुझे उन लड़कों की बात समझ नहीं आती जो यहाँ आकर अपने पूरे प्रवास के दौरान एक ही लड़की के साथ रहते हैं, जबकि यहाँ हज़ारों खूबसूरत लड़कियाँ मौजूद हैं जो उन्हें खुश करने और उनकी हर इच्छा पूरी करने के लिए तैयार हैं; वे बस खुद को दिल का दर्द दे रहे होते हैं, क्योंकि जब उन्हें वापस घर जाना होता है, तभी

उनकी भावनात्मक परेशानियाँ शुरू होती हैं। किसी ऐसे व्यक्ति से प्यार करना आसान नहीं होता जो दुनिया के दूसरे छोर पर रहता हो। फिर वे उस लड़की को पैसे भेजने के जाल में फंस जाते हैं, रिश्ते और सपने को ज़िंदा रखने की बेताब कोशिश करते हैं और सोचते हैं कि इससे लड़की दूसरे लड़कों के साथ संबंध बनाना बंद कर देगी, जो आमतौर पर नहीं होता। फिर वे उम्मीद करते हैं कि छह महीने बाद लौटने पर भी लड़की को उनकी परवाह होगी। अकेले लड़कों के लिए इस जाल में फंसना बहुत आसान है।

आज रात खूब शराब पीने के लिए खुद को तैयार करने के लिए मुझे बुखाओ गली में स्थित बुचर्स आर्म्स की तरफ जाना पड़ा। शाम के 6 बज चुके थे और अब असली शराब पीने का समय हो गया था। मैं वॉकिंग स्ट्रीट की तरफ बढ़ा, जहाँ पूरी सड़क पर्यटकों की भीड़ से भरी हुई थी; इतनी भीड़ पहले कभी नहीं देखी थी। ऐसा लग रहा था जैसे मुझे धक्का दिया जा रहा हो और मेरे पैर ज़मीन पर न टिक रहे हों। मैंने किसी तरह नीचे झुककर अपना बटुआ कसकर पकड़ लिया, क्योंकि ये जेबकतरों के लिए आसान शिकार हो सकता था। मैं सोच रहा था कि बिल चुकाने के बाद पता चले कि मेरा बटुआ गायब हो गया है! मैंने अपना बटुआ और कसकर पकड़ लिया, सोचा मेरे साथ ऐसा नहीं होगा। भीड़ के साथ चलते हुए मैं एक बार में घुस गया, बस यही दुआ कर रहा था कि ये कोई गे बार न हो! मैंने ऊपर देखा तो गुडफेलस का स्वागत करने वाला नियॉन साइन देखकर मुझे राहत मिली। मैंने चैन की सांस ली और मुझे लगा कि मैं सुरक्षित हूं क्योंकि यह एक अच्छा बार है जहां खूबसूरत लड़कियां हैं। भीड़ भरे बार में बैठकर ठंडी सिंघा बियर पीते हुए, एक बेहद खूबसूरत लड़की ने फ्रिज में रखे गीले वाइप्स में से एक निकाला और मुझे पोंछने लगी। मेरी तपती त्वचा पर ठंडे कपड़े के स्पर्श से पहले तो मुझे झटका लगा, लेकिन फिर मुझे आराम महसूस होने लगा। बियर और कपड़े से मेरा शरीर अंदर और बाहर दोनों तरफ से ठंडा हो गया, वाकई बहुत अच्छा लगा। मैंने किसी तरह बार से बाहर निकलकर भीड़ में शामिल हो गया, जो अब लगभग किसी भयानक भीड़ जैसी लग रही थी। मैं वॉकिंग स्ट्रीट पर टहलते हुए बीच की ओर चल पड़ा। दुर्भाग्य से, बाकी सब लोग भी वहीं जा रहे थे और जब मैं आखिरकार बीच के पास पहुंचा, तो मुझे समझ आ गया कि और आगे जाने की कोशिश करना बेकार है। अगर बीच कोई होटल होता, तो घंटों पहले ही 'नो रूम्स' का साइन लग चुका होता और दरवाजे बंद हो चुके होते, इतनी भीड़ थी। अब प्लान बी का समय आ गया है। मैं पास की गली से होते हुए दूसरी सड़क पर जाता हूँ। मैं यामातो गली की ओर बढ़ता हूँ, जो पूरी तरह से गुलजार है! लड़कियाँ फ्लैटबेड ट्रकों के ऊपर नाच रही हैं, सड़कों पर नाच रही हैं और बारों में नाच रही हैं। उलटी गिनती शुरू हो चुकी है, लड़कियाँ 2010 के आखिरी पलों के लिए खुद को पूरी तरह से जोश में ला रही हैं।

जैसे ही आखिरकार आधी रात का बहुप्रतीक्षित समय आता है, यह शहर पूरी तरह से प्रज्वलित हो उठता है! पटाया एक ऐसे ज्वालामुखी की तरह है जो सैकड़ों वर्षों से निष्क्रिय पड़ा था और अब अपनी पूरी ताकत से अपना प्रकोप दिखा रहा है, बस फर्क इतना है कि यह शहर कभी निष्क्रिय नहीं रहता। सड़कों पर गाड़ियाँ रुक गई हैं क्योंकि आतिशबाजी से इतना धुआँ है कि किसी को भी यह दिखाई नहीं दे रहा कि गाड़ी कहाँ चलानी है! ऐसा लगता है मानो पटाया पर धुएँ का पर्दा छा गया हो और उसने पूरे शहर को अपनी चपेट में ले

लिया हो। हजारों पटाखों से निकलने वाली बारूद की तेज़ गंध गर्म रात की हवा में फैली हुई है और नाक को जला रही है। इस विश्व प्रसिद्ध बीच रिसॉर्ट के हर कोने से इतने रॉकेट दागे जा रहे हैं कि एक पल के लिए ऐसा लगता है जैसे दिन का उजाला हो गया हो, आसमान में विस्फोटों का रंग इतना विशाल है। शोर इतना तेज़ है कि कान सुन्न हो जाते हैं और होश उड़ जाते हैं। जिधर भी देखो, तेज़ रोशनी और ज़ोरदार धमाके होते हैं। आतिशबाजी ग्रेनेड की ताकत से फटती है, और ऐसा लगता है जैसे आप वियतनाम युद्ध पर बनी किसी फिल्म के सेट पर घूम रहे हों, बस खून-खराबा नहीं है। हालांकि, अगर आप कुछ आतिशबाजियों के बहुत करीब खड़े हो गए तो शायद बात कुछ और ही हो। ऐसा लगता है जैसे 4 जुलाई और अलाव की रात एक साथ मिलकर एक रोमांचक रात बन गई हो। सब नशे में हैं, लेकिन खुशमिजाज़ नशे में। आज रात कोई परेशानी नहीं, क्योंकि सब यहाँ एक ही मकसद से आए हैं - मौज-मस्ती करने और जितना हो सके उतना अच्छा समय बिताने के लिए। जश्न में कोई कमी नहीं है। यह घर जैसा नहीं है, जहाँ लोग आधी रात को कुछ मिनटों के लिए पागल हो जाते हैं और फिर वापस घर चले जाते हैं, यहाँ तो आधी रात से घंटों पहले और बाद तक जश्न चलता रहता है। आज रात कोई लड़की नहीं, मैं बहुत थका हुआ हूँ, मैं सोच रहा था, तभी मेरी नज़र एक बिना नाम वाले, साधारण से बार पर पड़ी, जहाँ अजीब तरह से कोई बिल्ली भी नहीं थी, लेकिन कुछ ग्राहक थे। मैंने सोचा कि यहीं रुककर एक बियर पी लूँ, कम से कम यह पूछने के लिए कि बार पर कोई साइनबोर्ड क्यों नहीं है। "यहाँ कोई साइनबोर्ड नहीं है, इस बार का कोई नाम नहीं है," एक बेहद खूबसूरत लड़की ने कहा जिसे मैंने पहले कभी नहीं देखा था। खैर, मुझे लगता है कि यह बात समझ में आती है, कुछ हद तक, वैसे भी कुछ अलग तो है ही। उस खूबसूरत लड़की ने बताया कि उसने आज ही यहाँ काम शुरू किया है और एक हफ्ते के लिए रुकी है, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि आज ग्राहक आएंगे। उसने आगे बताया कि वह मालिक की बेटी है और उसका नाम 'टिक' है, बैंकॉक की रहने वाली एक प्यारी 22 साल की लड़की। टिक से एक घंटे बात करने के बाद, जो भी ग्राहक थे, वे जा चुके थे और उनकी जगह फिर से सोती हुई बिल्लियाँ आ गई थीं! बार बंद करने की तैयारी करते हुए उसने कहा, "तुम अकेले क्यों हो? पटाया में अकेले रहना ठीक नहीं है।" ठीक है, मैं इशारा समझ गया और सोचा, क्यों नहीं? मैं टिक को वापस अपने होटल ले जाता हूँ और नए साल की शुरुआत शानदार तरीके से करता हूँ!

इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि नए साल का दिन काफी शांत रहता है, हर कोई भयानक हैंगओवर से जूझ रहा होता है, मैं भी! मैंने यहाँ पहले भी कई बार आने के अनुभव से सीखा है कि घर वापस जाने से पहले उस रात के बाद कुछ दिन आराम करने की ज़रूरत होती है ताकि आप होश में आ सकें; पटाया में नए साल की पूर्व संध्या का माहौल इतना ज़बरदस्त होता है। आखिरी दो दिन काफी शांत रहते हैं क्योंकि ज़्यादातर पर्यटक घर जा चुके होते हैं। मैं अपना समय अलग-अलग बार में जाकर सबको अलविदा कहने, बीच पर आराम करने और अपनी नई दोस्त टिक के साथ बिताने में लगाता हूँ, जो कुछ ही दिनों में बैंकॉक वापस जाने वाली है। मैं हमेशा की तरह कुछ यादगार चीज़ें खरीदता हूँ जिनकी मुझे सच में ज़रूरत नहीं होती, फिर मेरी ज़िंदगी के सबसे बेहतरीन तीन हफ़्तों को समेटने और घर वापस जाने का समय आ जाता है।

घर वापस जाने का समय हो गया है

पटाया में तीन हफ्ते की छुट्टी के बाद आप घर लौटने के लिए लगभग तैयार हैं, लेकिन पूरी तरह नहीं। यह सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन जो भी वहां जा चुका है, वह मेरी बात समझ जाएगा। एक तरफ तो आप उसी रफ्तार से आगे नहीं बढ़ सकते, क्योंकि आखिर में आप खा-पीकर और मौज-मस्ती करके खुद को थका देंगे, लेकिन क्या शानदार अंत होगा! वापसी की उड़ान विशेष रूप से थका देने वाली होती है, शायद इसलिए क्योंकि घर की असलियत आपका इंतजार कर रही होती है, जो पटाया के रोमांच के साथ यहां आने की उड़ान से बिल्कुल अलग होती है। अब घर लौटने और सामान्य जीवन में वापस आने का समय है, चाहे वह कुछ भी हो। फिर पटाया में अपनी अगली छुट्टी के लिए खुद को तैयार करें, क्योंकि आप जानते हैं कि आप बार-बार वहां जाएंगे। आप कहीं भी छुट्टी मनाने जाएं, चाहे वह कितनी भी अच्छी क्यों न हो, एक समय ऐसा आएगा जब आप उसकी तुलना पटाया से किए बिना नहीं रह पाएंगे।

मैं शाम करीब 5 बजे वापस लौटी, घर आकर कपड़े बदले और शाम 7 बजे तक मैं अपने पसंदीदा रेस्टोरेंट की ओर चल पड़ी, जहाँ रॉबर्ट नशे में धुत होकर बार में बैठा था! और सबने बताया कि वह आज सुबह 11 बजे से ही ऐसा कर रहा था, थाईलैंड से इतनी जल्दी निकलने के बाद से यही उसका नियमित कार्यक्रम बन गया है। तीस घंटे की उड़ान के बाद मैं इतनी सचेत नहीं थी कि उसकी बकवास सुन सकूँ, मैं बस एक घंटा वहाँ रुकी और फिर थकी-हारी घर जाकर सो गई।

कुछ दिनों बाद उसने मुझे फोन करके पुष्टि की कि वह 15 फरवरी को थाईलैंड वापस जा रहा है। उसे अब भी यकीन नहीं हो रहा था कि वह सचमुच उस जगह लौट रहा है जहाँ से वह पहले तो बेताब था। उसकी सबसे बड़ी चिंता अब यह थी कि क्या पुक सचमुच उसे लेने हवाई अड्डे पर मौजूद होगी? "ज़रूर होगी।" मैंने उसे आश्वस्त किया। आखिर वह होगी ही, क्योंकि यहाँ बहुत सारा पैसा दांव पर लगा है, उसे अपनी ज़िंदगी का सहारा मिल गया है और वह इसे इतनी जल्दी छोड़ने वाली नहीं है। "उम्मीद है तुम सही कह रहे हो यार।" फोन पर थोड़ी घबराहट भरी आवाज़ आई।

रॉबर्ट की शानदार वापसी

ताज़ा अटकलें यही हैं कि रॉबर्ट थाईलैंड से ज़िंदा वापस नहीं लौट पाएगा! चूंकि वह अकेला जा रहा है, मुझे लगता है कि ऐसा होना काफी मुमकिन है। मैंने तय समय के मुताबिक सुबह 3 बजे रॉबर्ट को फोन किया; मैं वैसे भी जाग रही थी, इसलिए उसे जगाने में कोई बड़ी बात नहीं थी। वह पहले से ही जागा हुआ था, उसने जानबूझकर पूरी रात जागकर अपनी पहली सोलो फ्लाइट के लिए तैयारी की थी। "ठीक है दोस्त, मैं तुम्हें टोक्यो से फोन करूंगा," उसने कहा, और फिर उसने मुझे बताया कि वह एक भयंकर तूफान के बीच में उतरा है! टोक्यो से अभी कोई फ्लाइट नहीं होने के कारण वह शायद तय समय से एक दिन बाद थाईलैंड पहुंचेगा। उसने पुक को फोन करके अपनी देरी के बारे में बताया, जो बिल्कुल भी खुश या समझदार नहीं थी। "तुमने कहा था कि तुम आज आओगे? लेकिन अब कह रहे हो कि आज नहीं आओगे!" पुक ने गुस्से में फोन

पर चिल्लाते हुए कहा। किसी थाई लड़की से बात करना वैसे भी आसान नहीं होता, लेकिन जो अंग्रेजी नहीं बोल सकती, उससे बात करना और भी मुश्किल हो जाता है, जैसा कि रॉबर्ट को अब अपनी बढ़ती हुई झुंझलाहट के साथ पता चल रहा है। “नहीं डार्लिंग, मौसम इतना खराब है कि मैं कल तक उड़ान नहीं भर सकता।” वह उसे समझाने की कोशिश करता है। अब वह बुरी तरह गुस्से में आ जाती है, “यहाँ मौसम अच्छा है, तुम झूठ बोल रहे हो, तुम मुझसे प्यार नहीं करते!” टोक्यो में मौसम खराब है, बैंकॉक में नहीं, यह समझाने की उसकी कोशिशें बेकार जाती हैं। वह मुझे ऐसे फोन करता है जैसे मैं कोई अंतरराष्ट्रीय समस्या निवारक हूँ जो जादू की छड़ी घुमाकर इस गड़बड़ को ठीक कर सकता है! मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं क्या करूँ, क्योंकि वह थाईलैंड में है, वह जापान में है और मैं संयुक्त राज्य अमेरिका में हूँ! तीन अलग-अलग देश और तीन अलग-अलग टाइम ज़ोन! मैं उसे सलाह देता हूँ, “निकटतम थाई एयरलाइन डेस्क पर जाओ और उनसे कहो कि वे तुम्हारी परेशानी उसे समझा दें।” “शुक्रिया दोस्त, बढ़िया सुझाव।” वह कहता है। जब उसे एक थाई लड़की मिल जाती है जो पुक को स्थिति समझाने को तैयार होती है, तो उसे लगता है कि अब वह समझ गई है, लेकिन फिर वह उससे दोबारा बात करती है, “तुम बहुत सेक्सी हो, मुझसे झूठ क्यों बोलते रहते हो, तुम मुझसे प्यार नहीं करते!” मैं उसे आखिरी बार सलाह देता हूँ, “फोन काट दो और जाकर बार में जाओ!” मैं सोचता हूँ, भाड़ में जाए ये सब! और रॉबर्ट के नए ड्रामे पर खूब हंसते-हंसते रात को सो गई। कल एक और दिन है और यकीन मानिए, इससे भी कहीं ज्यादा ड्रामा होगा। मुझे अभी से लग रहा है कि यह उन घटिया, बेहूदा टीवी सीरियलों जैसा होने वाला है जो इतने बुरे होते हैं कि किसी अजीब मायने में अच्छे लगने लगते हैं!

एयरपोर्ट के फर्श पर एक असहज और नींदहीन रात बिताने के बाद, रॉबर्ट को बताया जाता है कि मौसम धीरे-धीरे सुधर रहा है और उड़ान चार घंटे में उड़ान भरने वाली है, जिससे वह मूल योजना से लगभग चौबीस घंटे बाद बैंकॉक पहुँचता है। आखिरकार वह बैंकॉक पहुँचता है जहाँ पुक उसका इंतज़ार कर रही होती है और किसी कारण से पूरे एक दिन से इंतज़ार कर रही होती है। शायद उसे पता नहीं है कि टोक्यो थाईलैंड में नहीं है? ठंडे स्वागत के बाद उसे वही घिसा-पिटा जवाब मिलता है, "मुझे तुम्हारी बहुत याद आई!" इसके बाद वे टैक्सी लेकर पटाया के लिए रवाना होते हैं, जहाँ तीन सप्ताह का स्वर्गिक अनुभव शुरू होता है। शायद इस बार वह पिछली तीन दिन की यात्रा से ज़्यादा समय तक टिक पाएगा!

पटाया जाते समय रॉबर्ट ने मुझे फोन किया, मुझे बस एक बहुत गुस्से वाली महिला की ऊंची आवाज सुनाई दी, "तुम झूठ बोल रहे हो! तुम्हारी घर पर गर्लफ्रेंड है!" जाहिर है, पुक को उसका फोन देखने की जरूरत महसूस हुई और उसे यह देखकर बहुत बुरा लगा कि उसके घर पर मौजूद पिछली गर्लफ्रेंड के साथ उसके टेक्स्ट मैसेज थे। हालांकि फोन पर मैसेज छोड़ना समझदारी की बात नहीं थी, मैंने पूछा, "तुम उसे अपना फोन देखने ही क्यों दे रहे हो?" उसने जवाब दिया, "मैं उसे दिखाना चाहता हूं कि मेरे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है यार।" मन ही मन हंसते हुए मैंने कहा, "वाह! कम से कम पहले मैसेज डिलीट तो कर दो!" फिर से, मैंने रेफरी की भूमिका निभाते हुए उसे समझाने की कोशिश की कि अब उसकी घर पर कोई गर्लफ्रेंड नहीं है। वह ज्यादा आश्वस्त नहीं हुई, और कुछ मिनट बाद रॉबर्ट ने फिर फोन किया, "संपर्क में रहूंगा, सब

ठीक हो जाएगा, बाद में मिलते हैं यार।" कॉल ठीक वैसे ही खत्म हुई जैसे शुरू हुई थी, एक बहुत गुस्से वाली थाई लड़की चिल्ला रही थी, "तुम झूठ क्यों बोल रहे हो, तुम्हारी घर पर गर्लफ्रेंड है!" मैंने फोन काट दिया और सोचा, गुड लक रॉबर्ट; तुम्हें इसकी जरूरत पड़ेगी। मुझे यकीन नहीं है कि आप वास्तव में जानते हैं कि इस पागल लड़की के साथ आप खुद को किस मुसीबत में डाल रहे हैं।

इस बार रॉबर्ट ने लेक होटल या किसी और सस्ते होटल में ठहरने का विकल्प नहीं चुना। उन्होंने खर्च में कोई कसर नहीं छोड़ी और सेंट्रल फेस्टिवल शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के ऊपर स्थित 5-सितारा पटाया हिल्टन होटल को चुना, जो दक्षिण-पूर्व एशिया का सबसे बड़ा बीचफ्रंट शॉपिंग और एंटरटेनमेंट कॉम्प्लेक्स है, जिसमें 300 से अधिक दुकानें, रेस्टोरेंट और मनोरंजन के कई विकल्प मौजूद हैं। वाकई बहुत शानदार लगता है, और 200 डॉलर प्रति रात की कीमत पर तो यह वाकई शानदार होना ही चाहिए! उनका दावा है कि उन्होंने इसे इसलिए चुना क्योंकि यह सीधे समुद्र तट के सामने स्थित है, जो सच है, लेकिन सैकड़ों अन्य अच्छे होटल भी हैं जिनकी कीमत इससे बहुत कम है। मुझे लगता है कि जब आपके पास बेहिसाब पैसा होता है, तो ऐसे होटलों में ठहरना उस दिखावे का हिस्सा होता है जो किसी ऐसे व्यक्ति को प्रभावित करने की कोशिश से जुड़ा होता है जिसके पास बेहिसाब पैसा नहीं होता, खासकर एक थाई लड़की को, जिसके पास पैसे के मामले में सिर्फ ख्वाब ही होते हैं। यह विकल्प मैं शायद नहीं चुनता, लेकिन मेरे पास बेहिसाब पैसा नहीं है। शायद अगर होता, तो मैं भी ऐसा ही करता, मुझे नहीं लगता कि मैं करता, लेकिन कौन जानता है?

जब वह मुझे अपने आलीशान आवास और पुक के प्रति अपनी मुग्धता के बारे में बता रहा था, तो मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या उसने कभी यह सोचा है कि पुक के साथ शुरुआत करने से उसे कितना नुकसान हो सकता है। थाई लड़कियाँ हमें औसतन दो से तीन सप्ताह ही देख पाती हैं; वे हमें शराब और महिलाओं पर बेहिसाब पैसा उड़ाते हुए देखती हैं, मानो पैसा कभी खत्म न होने वाला हो। उन्हें यह एहसास नहीं होता कि हममें से अधिकांश को स्वर्ग जैसी इस छोटी सी यात्रा के लिए इस तरह बेफिक्र होकर रहने के लिए पर्याप्त पैसा बचाने में शायद छह महीने की कड़ी मेहनत लगी है। थाई लड़कियाँ पैसे को लगभग दूसरे भगवान की तरह पूजती हैं! यह उनके दिमाग में हर समय रहता है; उनके जागते हुए हर विचार में पैसा ही घूमता है, शायद उनके सपनों में भी। रॉबर्ट ने अपने ही कारणों से सोचा कि हवाई अड्डे पर पुक से मिलने के कुछ ही घंटों के भीतर इस यात्रा के लिए लाया गया सारा पैसा उसे दे देना एक अच्छा विचार होगा! इसमें कोई हैरानी नहीं कि वह प्रभावित है, लेकिन मुझे लगता है कि अब जब उसने एक मानक तय कर दिया है, तो उसे इस लड़की को खुश रखने के लिए शायद और भी ऊंचे मानक स्थापित करने पड़ेंगे, जो जल्द ही इस स्तर के ध्यान और विलासिता की अपेक्षा करने लगेगी और मांग करने लगेगी, साथ ही साथ नियमित रूप से पहले से कहीं अधिक धन प्राप्त करने की चाह भी रखेगी। पैसा लोगों को बदल सकता है, और ऐसा लगता है कि यह हमेशा अच्छे के लिए नहीं होता।

अगले कुछ दिन बिना किसी खास ड्रामे के बीत गए, जिससे मुझे हैरानी हुई, लेकिन अगली बार जब मैंने रॉबर्ट से बात की तो ड्रामा चरम पर था और बिल्कुल बेकाबू था! फोन पर एक बहुत खुश और कुछ नशे में धुत सी

आवाज आई, "वाह यार, लगता है मेरी शादी कल है।" मैं हंसते हुए बोला, "वाह, मजा आ रहा है।" अब असली झटका लगा, "नहीं यार, मैं सच कह रहा हूं। पुक ने तय किया है कि हम उसके होमटाउन जाएंगे और कल शादी करेंगे।" मुझे अभी तक यकीन नहीं हो रहा था कि वह सच में गंभीर है, "वह कितनी चालाक है यार, उसने तो मेरे आने से पहले ही सब कुछ प्लान कर लिया।" मैं अवाक रह गया! मैं बस इतना ही कह पाया, "वाह!" मैंने उससे पूछा, "शादी कहां है? वह कहां की है?" हैरानी की बात नहीं, उसे कोई अंदाजा नहीं था! "पक्का नहीं पता यार, बैंकॉक से आगे कहीं।" अब, इससे कुछ अंदाजा लग गया, मैंने सोचा। लेकिन नहीं!

रॉबर्ट इतने लंबे समय से पर्यटन क्षेत्रों के आराम और सभ्यता से दूर रहा है, इसलिए उसे यहाँ के स्थानीय भोजन के अनुकूल होने में काफी समय लग रहा है। यहाँ का खाना आमतौर पर वही होता है जो उस दिन मिलता है, फिर उसे पकाकर खा लिया जाता है। और आस-पास शौचालय के नाम पर सिर्फ ज़मीन में एक गड्ढा है। जब पेट खराब होने के लक्षण दिखने लगें और दस्त शुरू होने वाले हों, तो ऐसे में यह माहौल बिल्कुल भी अच्छा नहीं होता! रॉबर्ट मुझसे कहता है, "यार, मैंने अपने ऊपर ही शौच कर दिया और पुक ने आकर मेरी गांड साफ कर दी! क्या ये सच्चे प्यार की निशानी नहीं है!" वह यह बात सवाल के बजाय बयान के तौर पर कहता है। बदले में, अपने सच्चे प्यार की भावना दिखाने के लिए, वह उस शाम बाद में कुछ पल के लिए अंतरंगता के दौरान कंडोम का पैकेट निकालने से मना कर देता है। किसी की गांड साफ करना और बिना कंडोम के यहाँ सेक्स करना, मेरी नज़र में सच्चे प्यार की निशानी बिल्कुल नहीं है, बल्कि ये तो सरासर पागलपन की निशानी है!

इस पूरी कहानी की सबसे अजीब बात यह है कि इसी समय के आसपास वह अपनी होने वाली पत्नी को एनी, एनी, एनी, एनी कहकर पुकारने लगता है! "ये एनी कौन है?" मैं बहुत हैरान होकर पूछता हूँ। वह मुझसे भी ज़्यादा हैरान होकर जवाब देता है, "ये लंबी कहानी है यार, लेकिन पुक तो सिर्फ़ उसका निकनेम है, उसका असली नाम एनी है, इसलिए बेहतर होगा कि मैं उसके असली नाम की आदत डाल लूँ।" अब मुझे पहले से ही पता है कि पुक उसका असली नाम नहीं है, लेकिन मुझे पूरा शक है कि एनी भी उसका असली नाम नहीं है! मेरा मतलब है, कितनी थाई लड़कियाँ अपना नाम एनी रखेंगी? सभी थाई लड़कियों के असली नाम बहुत लंबे और मुश्किल से बोले जाने वाले होते हैं, इसीलिए वे छोटे नाम चुनती हैं जिन्हें हम आसानी से याद रख सकें, जैसे पुक और एनी। मैं उससे पूछता हूँ, "क्या तुम इस बारे में पक्का हो?" वह कहता है, "हाँ, मैंने उसका आईडी कार्ड देखा है, पक्का एनी ही है।" यह मेरे लिए और शायद रॉबर्ट के लिए भी एक रहस्य है कि उसने उसे एनी क्यों कहना शुरू किया, क्योंकि अगले दिन शादी में फिर से उसे पुक ही कहा गया। कुछ समय बाद पता चला कि पुक उस समय अपनी बहन का पहचान पत्र अपने साथ लिए घूम रही थी, और हाँ, आपने सही अनुमान लगाया, उसका नाम एनी था - उपनाम, जो वैसे भी पहचान पत्र पर नहीं लिखा होता। और इसके अलावा, पहचान पत्र पर उसके बदसूरत चेहरे की तस्वीर भी है! क्या आप यह सब पढ़कर उलझन में हैं? मेरे दोस्त, आप भी इस क्लब में शामिल हो जाओ। इसीलिए इस किताब का नाम 'पटाया में उलझन' है।

तो, वो एक ऐसी लड़की से शादी करने जा रहा है जिसे वो जानता तक नहीं, यहाँ तक कि उसका नाम भी नहीं जानता, और हद तो ये है कि उसे ये भी नहीं पता कि वो कहाँ से है या शादी कहाँ होगी, और ये सब चौबीस घंटे से भी कम समय में होने वाला है! ये तो बिलकुल अविश्वसनीय है! ज़ाहिर है वो नशे में है, शायद उस लड़की से शादी करने की सोचकर खुश हो रहा है जिससे उसे लगता है कि उसका गहरा रिश्ता है, इसलिए उसे समझाने की कोशिश करना बेकार है, तो मैं बस विनम्रता से कहती हूँ, "बधाई हो!" और मन ही मन सोचती हूँ, "अरे यार, शुक्रिया! मुझे पता था कि हमारे बीच एक गहरा रिश्ता है, और इससे ये साबित हो गया, मतलब वो इतनी जल्दी मुझसे शादी क्यों करना चाहेगी?" मैं सोचती हूँ, ऐसा तो नहीं हो सकता कि उसने पहले दिन से ही उस लड़की पर पैसों की बारिश कर दी हो? नहीं, बिलकुल नहीं, ये तो असली बात है, वो कितना खुशनसीब है... खैर छोड़ो! शादी में अब बस चौबीस घंटे से भी कम समय बचा है और मैं अपने दोस्तों को इस शादी की खबर भेजने लगा हूँ। मैं सोच रहा हूँ कि ये आदमी इस उम्र तक कैसे पहुँच गया? सच में ये दुनिया के सबसे बड़े रहस्यों में से एक है! हैरानी की बात नहीं कि मेरे दोस्तों की प्रतिक्रिया अविश्वास और हैरानी भरी थी; किसी को भी यकीन नहीं हो रहा था कि ये सच में हो रहा है, मुझे तो बिलकुल भी नहीं! दो महीने पहले यहाँ तीन दिन की मामूली सी यात्रा से ये सब कैसे हो गया? वाकई ज़िंदगी के रहस्यों में से एक है।

दो अजनबियों की शादी

पता चला कि पुक वास्तव में कंचनाबुरी के ठीक बाहर एक छोटे से गाँव से है, जो थाईलैंड के पश्चिम में स्थित एक शहर और कंचनाबुरी प्रांत की राजधानी है। 19 वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में, राजा राम प्रथम ने संभावित बर्मी हमलों से बचाव के लिए एक रक्षात्मक चौकी के रूप में कंचनाबुरी की स्थापना की थी। 1833 में, राजा राम तृतीय के शासनकाल के दौरान, शहर को नदी के किनारे दक्षिण-पूर्व की ओर लगभग 10 मील दूर उसके वर्तमान स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया। 1942 में यह जापानी नियंत्रण में था। यहीं पर एशियाई जबरन मजदूरों और मित्र देशों के युद्धबंदियों ने कुख्यात बर्मा रेलवे का निर्माण किया, जिसे डेथ रेलवे के नाम से भी जाना जाता है। इस घटना को क्लासिक फिल्म 'द ब्रिज ऑन द रिवर क्वाई' में अमर कर दिया गया है, जिसमें परियोजना पर काम करने वाले लगभग आधे कैदी भयानक बीमारियों, दुर्घटनाओं और अपने क्रूर जापानी कैदियों द्वारा किए गए भयानक दुर्व्यवहार के कारण मर गए थे।

पुक की बात करें तो, वह असल में एक थकी-हारी 40 साल की वेश्या है, जिसने कई सालों तक बैंकॉक और पटाया के बार में अपना धंधा चलाया है। उसकी तरह कई उम्रदराज औरतें, जब अपनी खूबसूरती खो देती हैं या खोने लगती हैं, तो बार छोड़कर मसाज पार्लरों में काम करने लगती हैं। यह एक तरह से एक ही काम का दूसरा रूप है - बार खूबसूरत जवान लड़कियों के लिए होते हैं और मसाज पार्लर उम्रदराज, कम खूबसूरत लड़कियों के लिए। उम्रदराज लड़कियां ऐसे आदमी की तलाश में रहती हैं जो यह मानने को भी तैयार न हो कि वे कभी बार में काम करती थीं। अगर आप किसी मसाज पार्लर में किसी उम्रदराज थाई लड़की के प्यार में पड़ जाते हैं, तो आप कभी यह नहीं मानेंगे कि वह कभी वेश्या थी, भले ही वह अभी भी वही काम करती हो, बस अब यह उतना साफ नहीं दिखता। आप खुद को यकीन दिला लेंगे कि वह बार में वेश्यावृत्ति करने के

बजाय यह काम करती है, बेशक यह सिर्फ एक ख्वाब है, लेकिन आपकी नई उम्रदराज प्रेमिका को आपसे मिलने से पहले भी कई साल पेट भरना पड़ा था। कुछ अपवाद तो हो सकते हैं, लेकिन आमतौर पर ऐसा ही होता है। पुक बारह बच्चों वाले एक साधारण धान की खेती करने वाले परिवार में जन्मी है, जिनके पास नाममात्र की शिक्षा है और स्कूल जाने का समय भी नहीं है, क्योंकि धान के खेतों में दिन-रात काम करना पड़ता है। यह एक बेहद कठिन जीवन है जिसमें बहुत कम कमाई होती है, लेकिन यही उनका जीवन है, जब तक कि एक दिन वे बैंकॉक और पटाया की चकाचौंध भरी रोशनी की ओर आकर्षित नहीं हो जाते, जहाँ हजारों मोटे और बूढ़े विदेशी जवान लड़कियों की तलाश में गश्त लगा रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि उनके लिए उनके घर पर ऐसी लड़कियां मौजूद ही नहीं हैं। पुक को इस रोमांचक और आर्थिक रूप से फायदेमंद जीवनशैली के बारे में पहली बार अपनी एक दोस्त की बड़ी बहन से पता चलता है, जो खूब पैसा कमा रही है और वह जीवन जी रही है जिसका वे सभी सपना देखते हैं। खेतों में काम करते हुए पुक आकाश की ओर देखती है और चुपचाप बुद्ध से प्रार्थना करती है, यह जानते हुए कि एक दिन जल्द ही उसे भी इस जीवन में आने का मौका मिलेगा और जब आएगा, तो वह कोई गलती नहीं करेगी और फिर से धान के खेतों में वापस नहीं जाएगी। उसने कई ऐसी लड़कियों की सलाह सुनने के बाद सब कुछ सोच-समझकर तय किया है, जिन्होंने खेतों में कठिन परिश्रम करने के जीवन से निकलकर बार में काम करके धनवान जीवन की ओर सफलतापूर्वक कदम बढ़ाया है। तो सावधान! जब यह लड़की किसी ऐसे व्यक्ति को ढूंढ लेती है जो उसे आसानी से बेवकूफ बन जाता है, तो वह बिना किसी पछतावे के उसकी सारी दौलत हड़प लेती है!

मुझे लगता है कि डेथ रेलवे के पास शादी करना इस जोड़े के लिए शायद अच्छी शुरुआत नहीं होगी, जो इतना गहरा संबंध होने का दावा करते हैं। यह रोमांस और सौभाग्य का माहौल तो बिलकुल नहीं है। मैं यहाँ आ चुका हूँ और कह सकता हूँ कि यह जगह थोड़ी डरावनी और कुछ हद तक बेचैन करने वाली है। रात में ऐसा लगता है मानो सालों पहले की चीखें और दर्द आज भी हवा में गूंज रहे हों। यह सोचना भी मुश्किल है कि यहाँ एक पर्यटक के रूप में आना ही शरीर के लिए काफी थकाने वाला होता है, फिर भी ऐसी क्रूर परिस्थितियों में काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता होगा। फिर से, इस शादी में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है, यहाँ एक लाइव बैंड के लिए स्टेज भी बनाया गया है। मुझे लगता है कि यहाँ वो आम कराओके/डिस्को वाला नहीं होगा जो हर बार के बाहर तब खड़ा रहता है जब किसी बार गर्ल का जन्मदिन होता है, जो एक ही टेबल पर लैपटॉप से सब कुछ चला सकता है और पूरे सामान को मोपेड पर ले जा सकता है। बिलकुल नहीं! पुक इसे अपनी नई दौलत का भरपूर प्रदर्शन करने का एक बेहतरीन मौका समझती है। वह एक पूरा रॉक बैंड, एक पारंपरिक थाई बैंड, जादूगर, कलाबाज, नर्तक, फोटोग्राफर, एक विशाल टीवी, इस तमाशे को वीडियो में कैद करने के लिए एक फिल्म क्रू और न जाने किसे-किसे बुलाती है! यह इस इलाके में अब तक का सबसे बड़ा आयोजन होने वाला है, जैसा पहले कभी नहीं हुआ और न ही शायद कभी दोबारा होगा। यह अब सिर्फ एक साधारण शादी नहीं है, बल्कि किसी संगीत समारोह और सर्कस का मिलाजुला रूप है, जिसमें शादी करने वाले दो मसखरे ही शो के सितारे हैं। और वह इतना खर्च क्यों कर रही है? सीधा सा जवाब है,

क्योंकि वह कर सकती है! उसे जल्दी ही एहसास हो गया है कि रॉबर्ट उसे प्यार करने वाली पत्नी का नाटक जारी रखने के लिए असीमित पैसा देगा और वह इसका पूरा फायदा उठा रही है। यह लड़की इतनी अच्छी अभिनेत्री है कि हॉलीवुड की स्टार बन सकती है! उसे सिर्फ नाम की पत्नी मिली है और उसे असीमित दौलत। शादी में नौ भिक्षुओं को भी आमंत्रित किया गया है, जिसे बौद्ध विवाह में सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। भिक्षु दो सप्ताह तक रहेंगे और निश्चित रूप से उन्हें भोजन की आवश्यकता होगी, जो कि लगातार बढ़ते वेतनमान में एक और बढ़ोतरी है।

इस छोटे से गाँव में अब तक की सबसे बड़ी शादी की तैयारी चल रही है! अजीब बात यह है कि तीन सौ से ज़्यादा लोग आए हैं और सभी को 500 बात (लगभग 16 डॉलर) का एक लिफाफा मिला है। कहा जाता है कि रॉबर्ट के लिए ऐसा करना शुभ माना जाता है। मुझे लगता है कि उन लोगों को तो शुभ भाग्य मिला है जिन्हें ये पैसे मिले हैं! तो उसे सिर्फ़ यह कहने के लिए लगभग पाँच हज़ार डॉलर खर्च करने पड़े कि अब उसके पास बड़ी शक्ति है और वह अब भाग्यशाली होगा। मुझे आश्चर्य है कि क्या घर पर बैठा उसका वित्तीय सलाहकार उसकी पत्नी की इस बात से सहमत होगा कि इतने सारे पैसे सिर्फ़ यह कहने के लिए बाँट देना कि वह अब भाग्यशाली है? मुझे तो इस पर बहुत संदेह है। खाने-पीने को लेकर सभी की इच्छाओं को पूरा करने में पाँच हज़ार डॉलर और खर्च किए गए। अफवाह है कि इस शादी में खाना सप्लाई करने वाली कैटरर ने इसके बाद रिटायरमेंट ले लिया क्योंकि उसने पिछले पाँच सालों में शादियों, पार्टियों और अंत्येष्टि में कमाए गए पैसों से ज़्यादा इस शादी में कमा लिया! थाईलैंड में स्थानीय लोगों के लिए आराम से रहने के लिए ज़्यादा पैसों की ज़रूरत नहीं होती, क्योंकि यहाँ कीमतें महंगे पर्यटक रिसॉर्ट्स जितनी नहीं हैं, जो वैसे भी अपेक्षाकृत सस्ते ही होते हैं। थाईलैंड में हर चीज़ की दो कीमतें होती हैं, एक सस्ती जो गरीब स्थानीय लोगों के लिए होती है, और दूसरी महंगी जो अमीर पर्यटकों के लिए होती है।

समारोह कई घंटों तक चलता है, और रॉबर्ट भीषण गर्मी में बेहोश न होने की कोशिश करता रहता है। मज़े की बात यह है कि जब उन्हें शादी की आधिकारिक तस्वीरें मिलती हैं, तो पुक के कहने पर उन्हें बुरी तरह से फोटोशॉप किया गया होता है! रॉबर्ट के चेहरे को इतना बदल दिया गया है कि अब उसे पहचानना मुश्किल है। वह अब लगभग एशियाई जैसा दिखता है, और उसका मेकअप किसी लेडी बॉय जैसा है। बाद में उसने दावा किया कि उसने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वह मोटा और बदसूरत था! अगर किसी सबूत की ज़रूरत है, तो यह इस बात का और सबूत है कि यह सारा नाटक प्यार पर नहीं, बल्कि पैसे पर आधारित है। मुझे नहीं लगता कि अगर मैं होता तो किसी को ये तस्वीरें दिखाता, बल्कि सच कहूँ तो अगर मैं होता तो इस लालची औरत से कभी शादी ही नहीं करता। उनकी शादी की रात उनके माता-पिता के घर में कंक्रीट के फर्श पर बिना किसी निजता के गुज़रती है क्योंकि किसी भी कमरे में दरवाज़े नहीं हैं। रॉबर्ट का फोन आता है और वह कहता है, "यार, मैंने अपनी शादी की रात के बारे में ऐसा नहीं सोचा था। पुक मेरे साथ नहीं सो रही क्योंकि उसे बहुत गर्मी लग रही है और मेरे खर्राटों से उसकी नींद उड़ रही है!" मुझे लगा कि उसने कभी सोचा भी नहीं होगा कि उसकी नीयत नेक नहीं है, तभी तो वह शादी की रात उसके साथ सोने से इनकार करने पर

हैरान था। मैंने उसे सलाह दी, "मुझे लगता है कि जब तुम उस देहाती इलाके को छोड़कर पटाया में कुछ बुनियादी सुख-सुविधाओं के पास वापस जाओगे तो सब कुछ बेहतर हो जाएगा।" यह मेरी उम्मीद ही थी, पर मुझे सच में इतना बेहतर होने की उम्मीद नहीं थी। "हाँ, तुम सही कह रही हो, खैर हम कल जा रहे हैं तो अच्छा रहेगा, मुझे पता है पुक बहुत थकी हुई है।" वह कहता है, ऐसा लगता है जैसे वह उसके व्यवहार के लिए पहले से ही बहाने बना रहा है। रॉबर्ट अपनी शादी की रात अकेले बगीचे में एक टूटी हुई बेंच पर बैठकर बिताता है। मुझे यकीन नहीं है कि उसके दिमाग में यह ख्याल भी आता होगा कि उसने कोई गलती की हो सकती है।

एक अनोखा हनीमून

हनीमून के अगले दिन सुबह रॉबर्ट एक खाली बिस्तर पाकर उठता है। वह धीरे-धीरे अंगड़ाई लेता है और भारी हैंगओवर से जूझते हुए बिस्तर से बाहर निकलता है। सुबह उसका सिर और शरीर दोनों बहुत दर्द कर रहे थे। वह देखता है कि पुक बगल वाले कमरे में पहले से ही उठ चुकी है और बालकनी में बैठकर अपनी सुबह की कॉफी का आनंद ले रही है। "डार्लिंग, मैंने कल रात क्या खाया था?" रॉबर्ट बहुत उलझन में है, उसे पिछली रात की कोई बात याद नहीं है। पुक कंधे उचकाती है, "ज़रूर कुछ बहुत ही तीखा खाना खाया होगा, क्योंकि मेरी कमर जल रही है!" वह अभी भी कुछ नहीं कहती, "मेरा गला भी दुख रहा है, जो भी खाया, उससे मुंह का स्वाद अजीब सा हो गया है।" अभी भी कुछ न कहते हुए पुक लापरवाही से मेज पर कुछ तस्वीरें रख देती है और फिर बोल पड़ती है, "तुम मुझसे बहुत झूठ बोलते हो, मुझे पता है कि घर पर तुम्हारी एक सेक्सी गर्लफ्रेंड है!" रॉबर्ट को यह देखकर बहुत डर लगता है कि उसकी सुबह की परेशानी का असली कारण क्या है और इसका तीखे थाई खाने से कोई लेना-देना नहीं था। "यही होता है जब तुम अपनी पत्नी से झूठ बोलते हो!" बेहद गुस्से में भरी पुक अब भी इस बात से आश्वस्त है कि वह अपने पति को घर पर किसी दूसरी महिला के साथ साझा कर रही है। वह गुस्से में आकर अपनी शादी की अंगूठी तस्वीरों पर पटक देती है, "मैं अब तुमसे शादी नहीं करना चाहती!" अब तो लगता है ये अब तक की सबसे छोटी शादी बन जाएगी!

आगे जो लिखा है, वो बिल्कुल वैसा ही है जैसा रॉबर्ट ने मुझे पिछली रात की घटनाओं के बारे में बताया था। मुझे समझ नहीं आता कि उसे ये सब बताने की क्या ज़रूरत थी! पटाया में जो होता है, वो पटाया में ही रहता है, खैर, ज़्यादातर लोगों का यही मानना है, खासकर जब बात किसी बुरी चीज़ की हो, और ये बहुत बुरी है, बेहद बुरी! ये उन सभी के लिए एक चेतावनी है जो किसी थाई लड़की से, जिसे वे जानते भी नहीं, बहुत गहरा रिश्ता महसूस करते हैं! जिस लड़की से आपको बेइंतहा प्यार हो गया है और जिस पर आप अपनी सारी जमा पूंजी खर्च कर रहे हैं, हो सकता है वो वैसी न हो जैसा आप सोचते हैं। इसकी प्रबल संभावना है और शायद आप इतने अंधे हो गए हैं कि अपनी आँखों के सामने उठ रहे अनगिनत खतरे के संकेतों को भी नहीं देख पा रहे हैं। बेशक, आपकी नई थाई लड़की आपके साथ ऐसा बर्ताव नहीं करेगी... करेगी क्या?

अपने आधिकारिक हनीमून के लिए वे पटाया वापस गए, जहाँ उन्होंने पटाया हिल्टन होटल में हनीमून सुइट बुक किया। एक बेहद महंगे सी-फूड रेस्टोरेंट में शानदार तरीके से जश्न मनाने के बाद, उन्होंने बहुत महंगी शैम्पेन पीनी शुरू कर दी, ढेर सारी महंगी शैम्पेन! रॉबर्ट बुरी तरह नशे में धुत हो गया और पुक, अपने ही जाने कारणों से, उसे स्थानीय गे बार में ले गई, जहाँ उसने चुपके से दो सबसे आकर्षक लेडी बॉयज़ को बुलाया। उसने उनसे एक छोटी बोतल में कोई पेय खरीदा, जिसे उसने जल्दी से अपने पर्स में रख लिया और फिर शाम को उन्हें फोन करने का इंतजाम किया। अचानक रोमांटिक होने का नाटक करते हुए उसने कहा, "ठीक है, चलो होटल चलते हैं, प्यार करते हैं।" होटल वापस आने के बाद, उसने रॉबर्ट को बिस्तर पर आराम से लेटने के लिए कहा, जबकि वह नहाने गई। इसी दौरान उसने अपने छोटे, बेढंगे स्तनों पर वही नॉकआउट ड्रग लगाया जो उसने पहले लेडी बॉयज़ से खरीदा था। ऐसा करते समय उसके दिमाग में आया कि भविष्य में उसे एक बहुत ज़रूरी ब्रेस्ट सर्जरी करवानी होगी। वह बिस्तर पर अपने पति के पास लौट आती है, और जैसे ही रॉबर्ट उसके अविकसित स्तनों पर काम करना शुरू करता है, वह जल्द ही बिस्तर पर बेहोश हो जाता है। वह अब अगले कमरे में कार्टून देख रही है। ज़्यादातर थाई लड़कियों में हास्य की भावना लगभग अपरिपक्व होती है और वे खुशी-खुशी सारा दिन उन घटिया चैनलों को देखते हुए बिता सकती हैं जिन्हें वे बेहतरीन कॉमेडी मानती हैं। जैसे ही उसे उसके ज़ोर से खर्राटे लेने की आवाज़ सुनाई देती है, यह दो लेडी बॉयज़ को बुलाने का संकेत होता है जो कुछ मिनटों बाद आते हैं और दोनों ही उसे खुश करने के लिए तैयार होते हैं। "ये लो पाँच हज़ार बात, एक घंटे के लिए उसे ज़ोर से चोदो, ठीक है? उसका लिंग छोटा है और वह नहीं कर सकता!" एक बेहद क्रूर दिखने वाला पुक कहता है। जैसे ही लेडी बॉयज़ की आँखें इतने सारे पैसे देखकर चमक उठती हैं, वे जल्दी से बिस्तर पर बेहोश, नशे में धुत और शराबी पति का दोनों तरफ से एक साथ बलात्कार करना शुरू कर देते हैं, जो इस पूरे कष्ट के दौरान खर्राटे लेता और कराहता रहता है। वे लगातार अपनी स्थिति बदलते रहते हैं और अपनी पूरी ताकत लगा देते हैं। जब भी पुक को कोई कराहने की आवाज़ सुनाई देती है, वह मन ही मन शरारती मुस्कान के साथ हंसती है, यह जानते हुए कि जहाँ वह आराम से टीवी देख रही है, वहाँ से कुछ ही दूरी पर क्या हो रहा है। जब वह लेडी बॉयज़ को अपना अपमानजनक काम खत्म करते हुए खुशी से कराहते और हांफते हुए सुनती है, तो कार्टून देखकर वह ज़ोर-ज़ोर से हंसने लगती है। अपने चेहरे पर और भी बड़ी मुस्कान लिए, वह कुछ तस्वीरें खींचने लगती है, शायद इस खास मौके की याद दिलाने के लिए जो उसने खुद शुरू किया है। वह लेडी बॉयज़ को ठीक उसी जगह पर खड़ा करती है जहाँ उसे पता है कि सबसे अच्छी तस्वीरें आएंगी, कुछ में उनका छोटा सा लिंग उनके मुंह में है, कुछ में वे उसके छोटे से लिंग से खेल रहे हैं और कुछ में वे सचमुच उसे चोद रहे हैं! शायद ये तस्वीरें किसी तरह के वैकल्पिक पारिवारिक फोटो एल्बम में आ जाएँगी! मैं कल्पना कर सकती हूँ कि आने वाले वर्षों में वे इन तस्वीरों को देखकर कहेंगे, "याद है हमारा हनीमून जब दो लेडी बॉयज़ ने तुम्हें पीछे से चोदा था?" "हाँ, क्या यादगार रात नहीं थी, कितना मज़ा आया!" लगभग साठ मिनट तक अपनी इच्छाएं पूरी करने के बाद, जिसके लिए दोनों भाड़े के बलात्कारियों को अच्छी खासी रकम दी गई थी, उन्हें एक-एक गिलास शैम्पेन दिया जाता है और

कार्टून देखने और रात का खाना खाने के लिए आमंत्रित किया जाता है। पुक तीनों के लिए रूम सर्विस से खाना मंगवाती है, यह जानते हुए कि उसका पति अभी कई घंटों तक गहरी नींद में सोएगा। पेट भरकर खाने के बाद, वे हंसते हुए बाहर निकल जाते हैं, यह जानते हुए कि उन्होंने इतने कम समय में इतना पैसा कमा लिया है। जाने से पहले, वे फिर से अपनी सेवाएं देने की पेशकश करते हैं, अगर उसे ज़रूरत हो। "हम फिर से वही कीमत पर कर सकते हैं!" पुक सिर हिलाती है और कहती है, "शायद, मैं आपको फोन करूँगी।" फिर वह कार्टून देखने के लिए वापस बैठ जाती है, यह जानते हुए कि दोनों आदमियों ने उसे गर्व महसूस कराया है, और उसके विकृत दिमाग में, यह पैसा सही जगह खर्च हुआ था, कितनी प्यारी पत्नी है!

जब रॉबर्ट मुझे ये सब बता रहा था, तभी उसने लापरवाही से कहा, “ठीक है यार, जो हुआ सो हुआ, पर कम से कम वो औरतें तो दिख रही थीं, और मैं तो वैसे भी पूरी तरह होश में नहीं था, और ऐसा भी नहीं है कि मैंने इसके लिए हाँ कहा हो।” मानो इससे सब जायज़ हो जाए! ये सुनकर मैं एकदम अवाक रह गया, कुछ बोल नहीं पाया, “बाद में मिलते हैं यार, आज हम घर देखने जा रहे हैं।” अब तो मैं सदमे से इतना सुन्न हो गया कि फोन पर कुछ भी चिल्लाने के लिए मुँह भी नहीं खोल पा रहा था! फोन रखने के बाद, मैं बस फोन हाथ में लिए एक ज़ॉम्बी की तरह बैठा रहा। उसने उसके साथ जो किया उसके बाद भी वो उसे घर खरीदकर दे रहा है! जब मेरा सदमा शांत हुआ, तो मेरे मन में सबसे पहला ख्याल आया कि ये सब बातें एक दिन किसी किताब का विषय बन सकती हैं, वैसे भी कोई इस पर एक शब्द भी यकीन नहीं करेगा! तुम भी नहीं करते ना? मैं भी यकीन नहीं करता, पर मुझे पता है कि ये सच है।

खुशहाल जोड़ा घर खरीदने जाने से पहले ही पुक को घर वापस बुला लिया जाता है क्योंकि एक ट्रक से मोटरसाइकिल दुर्घटना में उसके एक चचेरे भाई की मौत हो गई है। हनीमून से लौटने के बाद वे एक अंतिम संस्कार के लिए वापस जाते हैं, जिसका खर्च रॉबर्ट ही उठाएगा! जब वे वापस गांव पहुंचते हैं, तो ऐसा लगता है जैसे वहां फिर से उनकी शादी होने वाली है, लेकिन इस बार बहुत छोटे पैमाने पर, शुक्र है कि रॉबर्ट के पैसों से, लेकिन फिर भी लोगों को खाना खिलाना पड़ेगा। शादी के लिए खाना बनाने वाली कैटरर को आखिरी बार काम पर बुलाया जाएगा, इससे पहले कि वह हमेशा के लिए खाना बनाना छोड़ दे। पुक को ठीक से पता नहीं है कि किसकी मौत हुई है, लेकिन यह पूरे गांव के लिए रॉबर्ट के खर्चे पर फिर से जश्न मनाने का समय है। उस रहस्यमय चचेरे भाई का शव, जिसे संरक्षित नहीं किया गया है, दो दिनों से एक गत्ते के बक्से में ताबूत के रूप में रखा हुआ है और सभी के देखने के लिए प्रदर्शित किया जा रहा है। यह दो सप्ताह तक चलने वाला कार्यक्रम होगा, जिसमें वही भिक्षु फिर से लौटेंगे, जिन्हें वहां रहने के दौरान भोजन की आवश्यकता होगी। शादियों और अंत्येष्टि में हाज़िर होने के बदले उन्हें खाने के रूप में भुगतान मिलता है, इसलिए यह उनके लिए बुरा काम नहीं है! ताबूत में आधे कटे सिर वाले शव को देखकर रॉबर्ट को अचानक पेट में अजीब सी बेचैनी होने लगती है; ट्रक की टक्कर से जब युवक की मौत हुई, तब उसके चेहरे पर वही पीड़ादायक भाव थे, जैसे इस दुनिया में उसके आखिरी पलों में थे। अंत्येष्टि दो दिन बाद है। इस बीच का समय वे अपने दिवंगत ग्रामीण के शोक का बहाना बनाकर मौज-मस्ती में बिताएंगे।

अंतिम संस्कार का दिन आ गया है और पूरा गाँव आधा मील चलकर अंतिम संस्कार भवन तक जाता है। ज़्यादातर लोग पिछली रात की शराब के नशे में चूर हैं, जो उस मृत व्यक्ति के सम्मान में पी गई थी जिसका शव अब एक पुराने खेत के ट्रक के पीछे रखा है और गाँव से होते हुए उसकी आखिरी ऊबड़-खाबड़ यात्रा पर है। भिक्षुओं ने इतनी अगरबत्ती जलाई है कि अंतिम संस्कार कक्ष में साँस लेना मुश्किल है, लेकिन कम से कम इससे सड़ते हुए शव की बदबू तो दब गई है, जिसे पाँच दिनों से छुआ नहीं गया है! लगता है यहाँ शव को संरक्षित नहीं किया गया है। अंतिम संस्कार के बीच में ही उपस्थित लोगों में से तीन-चौथाई अचानक उठकर चले जाते हैं। पुक अपने बेहद उलझन में दिख रहे पति को बाहर ले जाता है जहाँ सब लोग उस आइसक्रीम वैन के सामने लाइन में लगे हैं जो अंतिम संस्कार के बीच में ही आ गई है। "प्यारे, लोगों को आइसक्रीम चाहिए, आपके लिए बड़ी बात है कि आप खरीद लें।" जिस पर वह कोई सवाल नहीं करता और फिर से अपना बटुआ निकाल लेता है। कितने आइसक्रीम ड्राइवर कह सकते हैं कि उन्होंने एक अंतिम संस्कार में दो सौ डॉलर कमाए? जैसे ही सब लोग आइसक्रीम का मज़ा ले लेते हैं, रॉबर्ट को कुछ गड़बड़ सी लगती है। वे वापस अंतिम संस्कार स्थल की ओर जा रहे थे, जहाँ उसने देखा कि एक आदमी अंतिम संस्कार भवन के प्रवेश द्वार पर लॉटरी टिकट बेच रहा है! "प्यारे, लोग आज बहुत परेशान हैं, उन्हें लॉटरी टिकट खरीद दो, उन्हें खुश कर दो।" अंतिम संस्कार फिर से शुरू होते ही, हमारे प्रिय दिवंगत ग्रामीण को भट्टी में डाल दिया जाता है, जहाँ जलता हुआ मांस अगरबत्ती की सुगंध से प्रतिस्पर्धा करते हुए पेट खराब कर देने वाली दुर्गंध पैदा करता है और पहले से ही दूषित हवा को और प्रदूषित कर देता है। रॉबर्ट खुद को उल्टी करने से रोक रहा था, जबकि बाकी शोक मनाने वाले अपनी आइसक्रीम का आनंद ले रहे थे और प्रार्थना कर रहे थे कि वे लॉटरी जीत जाएँ!

आखिरकार, अंतिम संस्कार समाप्त होता है। रॉबर्ट बाहर निकलता है और सोचता है कि उसने ये सब कैसे कर लिया - एक अंतिम संस्कार में, वो भी दो हफ़्तों तक सबके खाने-पीने का इंतज़ाम करके, आइसक्रीम और लॉटरी टिकटों पर चार सौ डॉलर खर्च कर दिए। खैर, वो सोचता है, अब थोड़ा खर्च कम करना चाहिए। लेकिन उसे ये नहीं पता था कि असली खर्च तो अभी शुरू होने वाला है। अंतिम संस्कार की वजह से जो थोड़ी देर का इंतज़ार था, वो तो बीत चुका है, और रॉबर्ट ने अजनबियों को आइसक्रीम और लॉटरी टिकट खरीदकर और पूरे गाँव को दो हफ़्तों तक खाने-पीने का इंतज़ाम करके अपने लिए इतनी अच्छी किस्मत ला दी है, या यूँ कहें कि खरीद ली है, कि अब काम पर वापस लौटने का समय आ गया है।

पुक को घर चाहिए और भगवान की कसम, उसे घर मिलेगा ही! वे हाईवे के किनारे एक मोबाइल होम की दुकान पर रुकते हैं, जहाँ बड़े-बड़े शेड जैसे दिखने वाले घर बिकते हैं। स्वाभाविक रूप से, वह तय करती है कि उसे सबसे बड़ा और सबसे महंगा घर चाहिए, जिसकी कीमत 12,000 डॉलर है! पुक इस बात से नाराज़ है कि वह तुरंत पैसे नहीं दे सकता, ऐसा तो है नहीं कि पास के एटीएम से इतनी बड़ी रकम निकाली जा सके, पहले उसे अपने वित्तीय सलाहकार से रकम जारी करवानी होगी और समय के अंतर के कारण उसे एक और दिन इंतजार करना पड़ेगा। "तुम झूठ बोल रहे हो! कहते हो कि तुम्हारे पास पैसे हैं लेकिन घर नहीं खरीद

सकते!" गुस्से में भरी और बिल्कुल ही बेतुकी पुक चिल्लाती है। "एक दिन और रुक जाओ, डार्लिंग, फिर हम कल घर खरीद लेंगे।" रॉबर्ट गिड़गिड़ाता है। इस वजह से पुक बाकी दिन उसे नज़रअंदाज़ करती रहती है। शायद यह एक संकेत होना चाहिए था कि यह लड़की वैसी नहीं है जैसा उसने सोचा था, हालाँकि अगर उसके निर्देश और मार्गदर्शन में बलात्कार होना भी उसे यह एहसास दिलाने के लिए काफी नहीं था, तो शायद कुछ भी नहीं होगा। अपने वादे के मुताबिक अगले दिन ही उसके पास पैसे आ जाते हैं और पुक फिर से खुश हो जाता है, लेकिन पता नहीं कब तक? वह पहले ही पैसे के मामले में उसकी हर मांग मानने के इस पागलपन भरे जाल में फंस चुका है, कहीं यह खेल न बन जाए कि वह उससे कितना पैसा वसूल सकती है, अगर ऐसा हुआ तो वह इस नियति का शिकार होने वाला पहला और आखिरी व्यक्ति नहीं होगा। वह दो हफ्तों में घर की डिलीवरी का इंतजाम करती है, तब तक रॉबर्ट घर वापस आ चुका होगा। घर खरीदना एक बात है, लेकिन खाली घर किसी के काम का नहीं होता, तो अब समय है अपने नए घर को सजाने का, या यूं कहूं कि पुक के नए घर को? जहां वह नए घर का आनंद ले रही है, वहीं रॉबर्ट अनुबंध अपने पास रखता है जिसे वह घर पर सबको गर्व से दिखाता है, "देखो, थाईलैंड में मेरा अपना घर है!" बहुत प्रभावशाली है, लेकिन वह अनुबंध थाई भाषा में लिखा है और उसे उसका एक शब्द भी समझ नहीं आता, उसके लिए तो वह कोई खरीदारी की सूची भी हो सकती है! उसमें कुछ भी लिखा हो सकता है।

तो, अब तक तो हनीमून नाम की कोई चीज़ नहीं रही, उसकी प्यारी पत्नी ने ही उसका बलात्कार कर दिया! उसे अंतिम संस्कार में जाना पड़ा और सारे खर्चे उठाने पड़े, एक ऐसा घर खरीद लिया जिसमें वो रह भी नहीं पाएगा, और इन सबके ऊपर उनकी हद से ज़्यादा खर्चीली शादी भी! अब आगे क्या होगा? खैर, पुक के पास आगे क्या होगा इसकी एक अंतहीन सूची है! बस यही!

अब जब वे अपने हनीमून को पूरा करने के लिए पटाया लौट आए हैं, जो असल में कभी शुरू ही नहीं हुआ, तो पुक सोचती है कि उसके लिए यहाँ अपना एक अपार्टमेंट लेना अच्छा रहेगा, ताकि अगर उसे अपने नए घर से दूर जाना पड़े, जो उसके माता-पिता के जर्जर घर के बगल में स्थित होगा, तो वह वहाँ रह सके। इस बार उन्होंने जोमटियन बीच के पास एक अलग होटल में कमरा बुक कराया है। बीच पर आराम करते हुए बातचीत एक बार फिर पैसों पर आ जाती है, "डार्लिंग, अभी-अभी तुम्हारे लिए घर खरीदा है, तो क्या तुम्हें यहाँ भी एक घर चाहिए?" रॉबर्ट चिंतित होकर पूछता है। पुक एक बार फिर भड़क उठती है, "तुम नहीं चाहते कि मेरे पास हो! तुम झूठ बोल रहे हो, तुम मुझसे प्यार नहीं करते!" इतना कहकर वह उठती है और अपने पति को बीच पर अकेला छोड़कर चली जाती है। यहीं पर वह मुझे फोन करता है, "यार, वह मुझे बीच पर अकेला छोड़कर चली गई।" मैं चिंता जताने की कोशिश करता हूँ, "ठीक है, चलो देखते हैं, मुझे बताओ तुम कहाँ रुके हो, मैं तुम्हें तुम्हारे होटल का रास्ता बता दूँगा।" उसका जवाब शायद मुझे आश्चर्यचकित नहीं करना चाहिए था, "मुझे उसका नाम नहीं पता।" रॉबर्ट दावा करता है। "क्या चाबी पर होटल का नाम लिखा है?" मैं पूछता हूँ। वह कहता है, "पुक चाबी अपने साथ ले गई।" खैर, फिर तो यह एक बड़ी समस्या है, उसे पता ही नहीं कि वह कहाँ ठहर रहा है और उसके पास अंदर जाने के लिए चाबी भी नहीं है! दो घंटे बाद पुक उसके पैसों से स्टेक

और लॉबस्टर का डिनर करके बीच पर लौटती है, "ठीक है, चलो चलते हैं!" पुक आदेश देती है। "हम डिनर कहाँ करेंगे?" अब बहुत भूखे रॉबर्ट पूछता है, "मैं तो खा चुका हूँ, तुम कल खा लेना! तुम बहुत मोटी हो गई हो, आज नहीं खाओगी!" मुझे लगता है कि ज़्यादा लोग इस तरह की बकवास बर्दाश्त नहीं करेंगे! लगातार इस व्यक्ति पर पैसे लुटाते हुए भी, किसी के द्वारा आदेश दिए जाना और अनादर किया जाना, लेकिन जब किसी का आत्मसम्मान इतना कम हो, जैसा कि रॉबर्ट का है, तो दुर्भाग्य से उसके दिमाग में यह व्यवहार स्वीकार्य है, अगर वह अपनी पत्नी को अपने पास रखना चाहता है, जो कि अजीब बात है कि वह अभी भी चाहता है।

अगले दिन पुक कहती है कि उन्हें अपने नए घर की तैयारी के लिए फिर से गाँव लौटना होगा। अब तक रॉबर्ट हनीमून या छुट्टी मनाने की सारी उम्मीदें छोड़ चुका है! उसकी तैयारी में रॉबर्ट से अपने माता-पिता के जर्जर घर की मरम्मत करवाना भी शामिल है। आखिर, उसके परिवार के इन टूटे-फूटे घरों के बगल में एक नया घर अच्छा नहीं लगेगा। इसलिए, सबसे पहले, उसे उन मज़दूरों को भुगतान करना होगा जो उनके नए घर के लिए कंक्रीट की नींव रखेंगे। ये मज़दूर पुक के बढ़ते परिवार का ही हिस्सा हैं। खबर फैली है कि गाँव में अचानक खूब पैसा आ रहा है और हर कोई उसमें हिस्सा चाहता है। अब यही वो जगह है जहाँ रहकर लोग अपना हिस्सा पा सकते हैं। किसी न किसी तरह, यह पूरा गाँव धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से इस बढ़ते हुए वेतन का हिस्सा बन रहा है। कोई भी काम शुरू होने से पहले, गाँव के नवीनीकरण का जश्न मनाने के लिए एक और पार्टी का खर्च उठाना होगा। अगले सप्ताह नींव रखी जाती है और उसके माता-पिता के घर की पूरी लकड़ी की दीवारों और छत को नई ईंट की दीवारों और टाइल वाली छत से बदल दिया जाता है।

क्योंकि अंतिम संस्कार से भिक्षु अभी भी वहीं थे, पुक ने उन दोनों के लिए भिक्षुओं द्वारा बनाए गए पारंपरिक सौभाग्य टैटू की व्यवस्था की, और मुझे लगता है कि उसे जितनी भी अच्छी किस्मत मिल सकती है, उसकी ज़रूरत है! भिक्षु शैली के टैटू में एक नुकीली बांस की छड़ी को स्याही में डुबोकर त्वचा में चुभोया जाता है जिससे टैटू बनता है। रॉबर्ट का फोन आता है और वह कहता है, "यार, मेरी पीठ में बहुत दर्द हो रहा है!" टैटू बनाने के तरीके को देखते हुए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है। "बाद में मिलते हैं यार, हम अब नदी में तैरने जा रहे हैं।" ठीक है, तो नारंगी रंग के कपड़े पहने उन टैटू कलाकारों की कम साफ-सफाई वाली जगह पर खून में ज़हर फैलने का खतरा मोल लेने के बाद, अब वह एक गंदी नदी में तैरने जा रहा है! मुझे नहीं लगता कि जाने से पहले उसने जो इंजेक्शन लगवाए थे, वे इस स्थिति में उसकी ज़्यादा मदद करेंगे। "यार, मुझे बहुत बुरा लग रहा है!" अगले दिन फोन आया। मुझे आश्चर्य है कि क्यों? शायद उसे कोई ऐसा संक्रमण हो गया है जिसके बारे में हमें सभ्य दुनिया में पता भी नहीं है। कहते हैं ना, यात्रा करने से दिमाग खुलता है, जो बिल्कुल सही है, लेकिन कोई अपनी छुट्टियां स्थानीय लोगों की तरह तंगहाली में क्यों बिताना चाहेगा? खासकर तब जब उस व्यक्ति के पास खर्च करने के लिए बहुत पैसा हो, यह बात मेरी समझ से परे है।

अगली बार जब रॉबर्ट से मेरी बात हुई, तो दो दिन बाद उसने घबराकर फोन किया, “यार, मैं एयरपोर्ट वापस जा रहा हूँ! पुक पागल हो गई है और पुलिस को बुलाने की धमकी दे रही है!” ठीक है, किसी थाई लड़की और एक विदेशी के बीच घरेलू झगड़े में थाई पुलिस के आने का ख्याल तो बस एक ही तरफ जाएगा और दुनिया में

आखिरी जगह जहाँ आप पहुँचना चाहेंगे, वह है थाई जेल। “वहाँ से तुरंत निकल जाओ!” मैंने उस पर चिल्लाया। “मुझे अपना सारा सामान पैक करने का समय नहीं मिला।” कम से कम उसमें इतनी समझ तो थी कि वह तुरंत वहाँ से निकल गया। “भाड़ में जाए वो सब! जो कुछ भी तुम पीछे छोड़ जाओगे, उसकी जगह दूसरा ले आओगे!” पहली बार उसे एहसास हुआ कि उसने इस पागल औरत से शादी करके गलती की है। “लेकिन ये सारा पैसा मैंने बेकार में खर्च कर दिया!” एक बहुत दुखी आवाज़ में उसने कहा, “छोड़ो ये सब! अपना नुकसान कम करो और वहाँ से निकल जाओ!” तभी अचानक एक अजीब सी गड़गड़ाहट की आवाज़ आई। “यार, टैक्सी खराब हो गई है!” मुझे लगता है जब किस्मत खराब होती है, तो सच में खराब ही होती है। गर्म टैक्सी में बैठे-बैठे ही वह मुझे समझाने लगा कि उसे इतनी जल्दी देश छोड़कर भागने की क्या वजह थी। "यार, ये तो मज़ेदार होगा, उसका दूसरा भाई भी यहीं है!" रॉबर्ट ने कहा। इससे पहले कि मैं कुछ कह पाता, मुझे गुस्से भरी तेज़ आवाज़ें सुनाई दीं, फिर सन्नाटा छा गया क्योंकि उसका फ़ोन कट गया। मैंने सचमुच चिंतित होकर उसे वापस कॉल करने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। मुझे लगा जैसे उसकी हत्या हो गई हो!

सब कुछ ठीक चल रहा था, या कम से कम वह ऐसा कह रहा था, लेकिन इसका मतलब कुछ भी हो सकता है। असल में, वे उससे उस बंजर ज़मीन को साफ़ करने में मदद करवा रहे थे जिस पर अगले हफ़्ते बनने वाला घर बनेगा। कुछ तो गड़बड़ है, क्योंकि वह मज़दूरों को इसके लिए पैसे दे रहा है, और वही मज़दूर उसे काम पर लगा रहे हैं जबकि वे खुद उसकी खरीदी हुई बीयर पी रहे हैं! खैर, पूरे दिन की मेहनत के बाद रॉबर्ट ने सोचा कि अब आराम करने के लिए एक ठंडी बीयर पीने का समय है, क्योंकि उसकी दिन की शिफ्ट अभी-अभी खत्म हुई थी। इसमें कुछ भी गलत नहीं लगता, मुझे यकीन है कि आप भी सहमत होंगे। समस्या बस इतनी थी कि पुक ने उसे अपनी मेहनत से कमाई हुई यह बीयर पीने की इजाज़त नहीं दी! उसने दावा किया कि ऐसा करके उसने उसका और उसके परिवार का बहुत अपमान किया है, इस बात को तो छोड़ ही दीजिए कि उसने पूरे दिन भीषण गर्मी में जी तोड़ मेहनत की थी! तभी उसने धमकी दी कि अगर वह पाँच मिनट के अंदर नहीं गया तो वह पुलिस को बुला लेगी। उसके पास उस बीयर को खत्म करने का भी समय नहीं था, सामान पैक करने की तो बात ही छोड़िए, इसलिए उसने जल्दी से अपना पासपोर्ट और जो कुछ भी उसके हाथ लगा, उठा लिया। पुक के लिए एयरपोर्ट तक जाने का इंतजाम उसके भाई ने कर रखा है, जिसका किराया रॉबर्ट को इस स्टेज पर भी देना होगा। थाईलैंड में कोई भी व्यक्ति चाहे जैसी भी परिस्थितियां हों, पैसे कमाने का मौका नहीं छोड़ता।

पुक अचानक अपने परिवार के साथ बड़ी मुसीबत में फंस गई है। वे इस बात से बिल्कुल भी खुश नहीं हैं कि उसने उनके जीवनभर के कमाने वाले सहारे को घर से निकाल दिया है। वे तुरंत अपने दूसरे भाई को एकमात्र उपलब्ध वाहन, यानी एक खेत के ट्रक में, अपने उस चलते-फिरते कमाई के यंत्र को वापस लाने के लिए भेजते हैं। टैक्सी के खराब होने से भाई को कुछ मील दूर उनसे मिलने का समय मिल जाता है, जहाँ वह रॉबर्ट को जल्दी से उस ट्रक के पीछे ऐसे ठूंस देता है जैसे किसी सूअर को बाजार ले जाया जा रहा हो, या शायद इस

बार कसाईखाने। रॉबर्ट अब उसी घर की ओर वापस जा रहा है जहाँ से उसे तीस मिनट पहले ही निकाला गया था। वहाँ पहुँचकर पुक और उसके परिवार दोनों उसका किसी हीरो की तरह स्वागत करते हैं। ये गिद्ध अपने जीवनभर के कमाने वाले सहारे का बहुत ख्याल रखते होंगे। पुक उसका स्वागत बीयर से करती है! शायद, क्योंकि वह उसे यह बीयर पीने दे रही है, इसलिए यह स्वीकार्य है, उस बीयर के विपरीत जो उसने एक घंटे पहले उसकी सहमति के बिना पी थी और जिसके कारण यह सारा बवाल हुआ था। हैरानी की बात यह है कि पुक की तरफ से कोई माफी नहीं मांगी गई, और ऐसा लगता है जैसे यह घटना कभी हुई ही नहीं, क्योंकि इसका जिक्र फिर कभी नहीं हुआ।

हर दो-तीन घंटे में मैं उसे कॉल करने की कोशिश करती हूँ, लेकिन कोई जवाब नहीं मिलता क्योंकि उसका फोन बंद है और शायद वो खुद भी। दो दिन और बीत गए, रॉबर्ट की तरफ से कोई खबर नहीं आई। मैं कॉल करने की कोशिश करती रही, लेकिन कॉल नहीं लग रहा। ये बहुत मुश्किल है, क्योंकि वो दुनिया के दूसरे कोने में किसी पागल टार्ज़न की तरह जंगल में भाग रहा है! अब मुझे पूरा यकीन हो गया है कि उसकी हत्या हो चुकी है। हत्या के लिए एकदम सही जगह है, भला कोई उसे सुनसान जगह पर कैसे ढूंढ सकता है। इस समय उसे बचाने की बस एक ही उम्मीद है कि ये पूरा परिवार और गाँव रॉबर्ट के बैंक खाते में जमा धन से मालामाल है, तो यकीनन वो उसकी हत्या नहीं करेंगे, है ना? बात समझ में नहीं आती, लेकिन फिर भी इस पूरे मामले में पहले दिन से ही कुछ समझ में नहीं आया, जब पुक ने उसे पैरों की वो जादुई मालिश दी थी और वो सोता ही रह गया था। कितना गहरा रिश्ता था!

जैसे ही उसके तीन हफ्ते पूरे होने वाले थे, उसने अचानक बैंकॉक एयरपोर्ट से मुझे फोन किया, “यार, ये मेरी ज़िंदगी के सबसे बेहतरीन तीन हफ्ते रहे!” उसने जोश में कहा। खैर, मैं सोचना भी नहीं चाहता कि उसके लिए बुरे तीन हफ्ते क्या होते। “जब मुझे जाना पड़ा तो पुक बहुत परेशान थी, रोना बंद ही नहीं कर रही थी।” खैर, मुझे यकीन है कि पैसों की इस कभी न खत्म होने वाली सप्लाई से उसका मूड थोड़ा ठीक हो जाएगा। “तो दो दिन पहले क्या हुआ था जब मैंने तुमसे आखिरी बार बात की थी?” मैंने उससे पूछा। “माफ़ करना यार, मेरा फोन बंद हो गया था, और मैंने चार्जर पटाया में पुक के घर पर छोड़ दिया था। हम वहीं से एयरपोर्ट आए हैं।” मैंने उससे पूछा कि थाई पुलिस को बुलाए जाने और देर रात एयरपोर्ट जाने के बारे में क्या हुआ था? “अरे, ये तो बस एक गलतफहमी थी, सब ठीक था।” उसने कहा। मुझे अब भी पूरा यकीन नहीं है कि सब ठीक है या कभी ठीक होगा भी। उन्होंने मुझे यह भी बताया कि पटाया छोड़ने से पहले उन्होंने उसके आलीशान अपार्टमेंट का एक महीने का किराया चुका दिया था। यह बात अजीब है क्योंकि वह नए घर के तैयार होने की तैयारी में देश में ही रहेगी और निस्संदेह उसे सजाने-संवारने में व्यस्त रहेगी, तो फिर वह पटाया में अपना अपार्टमेंट क्यों मांगेगी? जवाब आसान है, क्योंकि वह ऐसा कर सकती है! और वह मना नहीं कर सकता और न ही करेगा।

जैसे ही विमान रनवे पर उड़ान भरता है, रॉबर्ट के लिए पिछले तीन हफ्तों पर विचार करने का समय होता है। यह एक बेहद उतार-चढ़ाव भरा सफर रहा है, शुरू से अंत तक ड्रामा से भरपूर। सबसे पहले तो उसे सिर्फ

चौबीस घंटे पहले शादी की सूचना मिली, फिर पत्नी द्वारा आयोजित हनीमून पर दो लेडी बॉयज़ ने उसका बलात्कार किया, उसने एक खाली घर खरीदा जिसे अब सजाने की ज़रूरत है, उसने उसके माता-पिता के घर की मरम्मत करवाई, एक ऐसे व्यक्ति के अंतिम संस्कार में शामिल हुआ जिसे वह जानता भी नहीं था और उसका खर्च भी उठाया, जिन लोगों को वह काम के लिए पैसे दे रहा था उन्हीं के यहाँ उसे मज़दूर के तौर पर काम पर लगा दिया गया, उसके माता-पिता के घर से निकाल दिया गया और पुलिस कार्रवाई की धमकी दी गई, और साथ ही पटाया में उसके लिए एक आलीशान अपार्टमेंट भी दिलवाया। कुल मिलाकर, उसने तीन हफ्तों में लगभग 50,000 डॉलर खर्च कर दिए! जैसे ही विमान बैंकॉक के रात के आसमान में ऊपर चढ़ रहा था, उसने खुद से पूछा, क्या यह सब इसके लायक था? इस सवाल का जवाब सोचने की भी ज़रूरत नहीं थी, बिल्कुल, यह सब इसके लायक था!

वह अपने समय और धन का और क्या करता? अब उसके पास एक प्यारी पत्नी है, जिसके साथ वह दिखावा कर सकता है कि वह उससे प्यार करती है, न कि उसके धन से। इसी सोच के साथ वह जीवन से बेहद संतुष्ट होकर अपनी आँखें बंद कर लेता है और कुछ ही पलों में गहरी नींद में सो जाता है, और फिर से सामान्य जीवन की ओर लौट जाता है, अगर रॉबर्ट के लिए ऐसा कुछ कभी था या कभी होगा।

घर वापस

एयरपोर्ट पर रॉबर्ट से उसका वित्तीय सलाहकार मिला, जिसके पास हाल ही में हुए उसके बेहिसाब खर्च के बारे में कुछ सवाल थे। घर वापस आने से पहले ही पुक ने उसके फोन पर कई वॉइस मैसेज छोड़ दिए थे, जिसमें पैसे मांगे जा रहे थे, बल्कि सीधे-सीधे पैसे मांगे जा रहे थे! वह इस बात से नाराज़ थी कि उसने जवाब नहीं दिया, ज़ाहिर है हवाई यात्रा के दौरान जवाब देना थोड़ा मुश्किल था, लेकिन यह कोई बहाना नहीं था क्योंकि उसे पैसे चाहिए थे और अगर वह अपनी प्यारी पत्नी को अपने पास रखना चाहता था तो उसे पैसे देने ही पड़े!

उसे बहुत जल्दी एहसास हो गया कि वह कुछ भी मांग सकती है और वह बिना कोई सवाल पूछे उसे पूरा कर देगा। चूंकि वह शाम 6 बजे वापस आता है, इसलिए उसे कल तक इंतजार करना पड़ेगा। "डार्लिंग, बैंक अब बंद हैं, लेकिन मैं सुबह बैंक जाकर तुम्हें पैसे भेज दूँगा, ठीक है?" थका हुआ और जेट लैग से परेशान रॉबर्ट कहता है। "तुम्हारे पास बहुत पैसा है, फिर भी मुझे नहीं देना चाहते!" एक बहुत ही गुस्सैल पुक चिल्लाती है, "तुम मुझसे झूठ बोल रहे हो! अगर पैसे नहीं भेजे तो कल तुम्हारी पत्नी तुम्हारे पास नहीं होगी!" वह फोन काट देती है और पटक देती है, जिससे रॉबर्ट समझ जाता है कि उसे सुबह सबसे पहले बैंक जाना होगा, वरना उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी, और ज़ाहिर है, वह अपनी प्यारी पत्नी को खोने का जोखिम नहीं उठा सकता! यह एक तरह की ब्लैकमेल की धमकी है जिसका वह बार-बार इस्तेमाल करेगी, यह जानते हुए कि वह इस जाल में बुरी तरह फंस गया है और मकड़ी के जाले में फंसी मक्खी की तरह, अब उसके पास निकलने का कोई रास्ता नहीं है! वैसे, ज़ाहिर है, वह निकलने का रास्ता नहीं ढूंढ रहा है। फर्क सिर्फ इतना है कि यह एक खुद का बनाया जाल है जिसमें वह फंस गया है और इससे कभी भी आसानी से निकल सकता है, लेकिन वह ऐसा

नहीं करेगा क्योंकि यह विचार उसके मन में कभी आएगा ही नहीं। उसे पहले कभी किसी ने प्यार का इज़हार नहीं किया, इसलिए वह किसी भी ऐसे व्यक्ति को स्वीकार कर लेगा जो उसका पैसा ले ले और उसे नज़रअंदाज़ कर दे, और वह तो सीधे उसकी तरफ देख रही है और सीधे बैंक जा रही है!

जब हम दोपहर के भोजन के लिए दोबारा मिले, तो रॉबर्ट ने मुझसे कहा कि मैं उसकी शादी के बारे में कुछ भी न कहूँ क्योंकि उसने अभी तक अपनी माँ को नहीं बताया है! उसकी माँ उसे रोज़ चेतावनी देती है कि अगर उसने उस लड़की से शादी करने के बारे में सोचा भी, तो वह उसे अपनी वसीयत से बेदखल कर देगी और घर से निकाल देगी। मुझे रोज़ यह सब सुनना थोड़ा अजीब लगता है, जबकि वह पहले ही उस लड़की से शादी कर चुका है। वह कहता है कि जब वह पूरी तरह तैयार हो जाएगा, तब उसे बता देगा, लेकिन चूंकि वह उसे अपनी पत्नी के रूप में यहाँ लाकर अपने साथ रखना चाहता है, इसलिए इस राज़ को ज़्यादा समय तक छुपाना मुश्किल होगा।

अगले कुछ दिनों में एक बेहद दिलचस्प बात सामने आई। पुक के दो बच्चे थे जिनके बारे में रॉबर्ट को कुछ पता नहीं था। उनमें से एक सोलह साल की लड़की थी जो बैंकॉक के पटपोंग इलाके के किसी घटिया बार में वेश्यावृत्ति करती थी। दूसरा छह साल का लड़का था जो समलैंगिक था और धीरे-धीरे लेडी बॉय बनने की राह पर था। ज़ाहिर है, इन बच्चों में कुछ भी सामान्य नहीं हो सकता था, सब कुछ बहुत आसान और ड्रामा-मुक्त होता। और ज़ाहिर है, अब रॉबर्ट की बदौलत ये दोनों भी लगातार बढ़ते हुए आमदनी के धंधे में शामिल हो गए हैं। खैर, आधे से ज़्यादा गाँव पहले से ही इस आमदनी के धंधे में है, तो दो और बच्चों से क्या फर्क पड़ेगा? इन दोनों बच्चों की अपनी-अपनी खास ज़रूरतें हैं, यही मायने रखता है।

सबसे पहले, लड़की को शिक्षा की ज़रूरत है ताकि वह एक सम्मानजनक करियर बना सके, लेकिन उनके पास उसे स्कूल और कॉलेज भेजने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं हैं। वहीं, लड़के को हर महीने खून चढ़ाने की ज़रूरत है क्योंकि उसे खून की गंभीर बीमारी है और एक भी बार खून चढ़ाना छूटने से उसकी जान जा सकती है। लेकिन वे हर महीने इतना खर्च नहीं उठा सकते। इसलिए, जब पुक फोन पर ऑस्कर जीतने लायक भावुक अभिनय करती है, तो रॉबर्ट उन दोनों का ख्याल रखने के लिए तैयार हो जाता है। ज़ाहिर है, लड़की को स्कूल जाने के लिए परिवहन की ज़रूरत है, क्योंकि कोई स्कूल बस तो रोज़ सुबह इन बच्चों को लेने के लिए जंगल में नहीं जाती। उसे रोज़ स्कूल आने-जाने के लिए एक मोपेड चाहिए, इसलिए रॉबर्ट बैंक से एक और बार पैसे लेकर मोपेड खरीदता है। उसी पैसे से, छोटे लड़के के खून की जाँच के लिए बैंकॉक के सबसे अच्छे अस्पताल में हर महीने जाने का इंतज़ाम किया जाता है। पुक कहती है, "वाह, अब तो आपके पास बड़ी ताकत है!" मैं सोच रही हूँ कि इस तथाकथित बड़ी ताकत के साथ, वह यकीनन दुनिया का सबसे खुशनसीब इंसान होगा! पुक के अनुसार तो सिद्धांत में यही सच है, लेकिन वास्तविकता में शायद वह दुनिया का सबसे बदकिस्मत आदमी है, जिस पर सुदूर पूर्व में रहने वाले अपने लगातार बढ़ते परिवार की सभी वित्तीय जरूरतों का बोझ है।

अगले हफ्ते घर बनकर तैयार हो जाता है और उसे सीमेंट की नींव पर रख दिया जाता है। हैरानी की बात है कि इस खास मौके के लिए नींव तैयार करने का ज़्यादातर काम रॉबर्ट ने खुद ही किया था। देखने में यह भले ही एक बड़ी सी झोपड़ी जैसा लगे, लेकिन यह नया है और इस गरीबी से जूझ रहे गांव के बाकी जर्जर और ढहते घरों के मुकाबले यह बहुत बड़ी खबर है। गांव वाले खूब बातें कर रहे हैं और अब तो चर्चा चरम पर है। मानो शादी में पहले ही दौलत का सबूत न दिखाया गया हो, यह छोटा सा लकड़ी का घर इस बात की पुष्टि करता है कि गांव वालों की तरक्की होने वाली है और रॉबर्ट की तरक्की होने वाली है। अब घर अपनी जगह पर है और उसे सजाने के लिए तैयार है, लेकिन सबसे पहले एक पार्टी होनी है, जिसमें उन्हीं साधुओं को वापस बुलाया जाएगा जिन्होंने पहले शादी और अंत्येष्टि में दावत दी थी। इस बार उन्हें घर को आशीर्वाद देने के लिए बुलाया जाएगा। खानपान वाली को एक बार फिर रिटायरमेंट से वापस बुलाया गया है और अब उसे लगने लगा है कि वह कभी आधिकारिक तौर पर रिटायर नहीं हो पाएगी, लेकिन कोई बात नहीं! इनमें से हर पार्टी से उसे साल भर की तनख्वाह के बराबर पैसे मिलते हैं, इसलिए वह खुशी-खुशी काम पर लग जाती है, यह जानते हुए कि देर-सवेर भोला-भाला पति अपनी गलती मानकर पैसे देना बंद कर देगा, लेकिन तब तक तो रॉबर्ट के खर्चे पर पूरे गांव का आधुनिकीकरण हो चुका होगा, इसलिए जब तक यह चल रहा है इसका आनंद उठा लो, क्योंकि यह तो देर-सवेर खत्म हो ही जाएगा... या शायद नहीं?

“बड़ी पार्टी, प्यारी, तुम्हें बहुत शक्ति मिलेगी, घर होना चाहिए, सौभाग्य आएगा, खुशहाल जीवन जिओ!” पुक कहती है, जो जानती है कि उसे बस मांगना है और उसे मिल जाएगा। यह बहुत स्पष्ट लगता है कि इस बहुप्रतीक्षित शक्ति को पाने वाली एकमात्र व्यक्ति पुक खुद है, क्योंकि ग्रामीणों के बीच उसका रुतबा उस ऊंचाई तक पहुंच गया है जो पहले यहां किसी ने नहीं देखा था। उसने वह हासिल कर लिया है जो सभी बहुत कम उम्र से चाहते थे, उसे एक बहुत अमीर पति मिल गया है और वह जितना अधिक धन गांव के साथ बांटती है, उसका रुतबा उतना ही सुपरस्टार जैसा होता जाता है, और वह इसका हर पल आनंद ले रही है। उसे अक्सर गांव में घूमते हुए देखा जा सकता है, जो भी अपने छोटे-छोटे हाथों से पैसे मांगता है, वह उन्हें पानी की तरह पैसे बांटती है, और रॉबर्ट की लगातार घटती दौलत और भाग्य को कम करने में मदद करने के लिए बहुत सारे छोटे-छोटे हाथ मौजूद हैं। तो जब पार्टी खत्म हो जाती है और पूरा गांव एक बार फिर खूब खा-पी कर पागल हो जाता है, और भिक्षुओं द्वारा घर को आशीर्वाद दे दिया जाता है, तो जंगल में बने इस लकड़ी के छोटे से महल को सजाने का समय आ जाता है। भिक्षु एक और सप्ताह के लिए घर में रुकते हैं ताकि बुरी आत्माओं को घर से दूर रखा जा सके और ज़ाहिर है, पहरेदारी करते समय उन्हें भोजन की भी आवश्यकता होती है। पुक को अब अपने नए घर को सजाने के लिए और अधिक पैसों की ज़रूरत है, "प्यारे, मुझे तुम्हारे घर को सुंदर बनाने के लिए पैसे चाहिए, मैं तुम्हें खुश देखना चाहती हूँ!" वह इस खेल में माहिर है और जानती है कि रॉबर्ट से किस तरह पैसे माँगे ताकि वह खुशी-खुशी मान जाए। अगर नहीं, तो वह हमेशा की तरह उसे ब्लैकमेल करने के अपने पसंदीदा तरीके का इस्तेमाल कर सकती है, "अगर तुमने पैसे नहीं भेजे तो तुम्हारी पत्नी तुमसे छिन जाएगी!" जिससे रॉबर्ट तुरंत बैंक की ओर भागेगा। लेकिन ज़्यादातर वह समझती है कि अगर

वह प्यार से बात करे तो बेहतर है, यह जानते हुए कि देर-सवेर वह अपनी गलती मान लेगा और पैसे भेजना बंद कर देगा... या नहीं?

नए घर के लिए अपने पैसों से क्या-क्या खरीदा जा रहा है, यह देखने के लिए बेचैन और अपनी प्यारी पत्नी से दोबारा मिलने की चाह में रॉबर्ट दो हफ्ते बाद थाईलैंड के लिए अपनी अगली फ्लाइट बुक कर लेता है। पुक खुश दिखने की पूरी कोशिश करती है, लेकिन साथ ही उसे मना करने की भी कोशिश करती है। "क्यों न इंतज़ार करो, प्यारे? घर अभी तैयार नहीं है, मैं चाहती हूँ कि तुम घर देखो, कितना अच्छा लग रहा है!" वह समझाता है कि ठीक है और वह घर सजाने में अपना समय ले सकती है, लेकिन वह सुझाव देता है कि वह फिर भी वापस आए और वे पिछली बार की तरह नाकामयाब हनीमून मनाएँ। "ठीक है, प्यारे, मैं तुम्हारा इंतज़ार करूँगी," अनिच्छुक पुक कहती है, जो पहली बार रॉबर्ट के इस अचानक व्यवहार से हैरान हो गई है। अलविदा कहते हुए वह फोन रखती है और थाई भाषा में कुछ बड़बड़ाती है, फिर अपने पर्स में हाथ डालती है और लेडी बॉय का फोन नंबर लिखा हुआ कागज का टुकड़ा निकालकर कसकर पकड़ लेती है, ताकि अगर उसे कभी उनकी सेवाओं की ज़रूरत पड़े तो काम आ सके। यह सोचकर उसके चेहरे पर मुस्कान आ जाती है और उसे आत्मसंतुष्टि का एहसास होता है।

एक अजीब घटना घटी जब एक स्थानीय रेस्टोरेंट, जो अगले कुछ महीनों तक खुलने वाला नहीं था, ने पार्किंग में मुफ़्त खाने-पीने का इंतज़ाम किया ताकि लोगों को पता चले कि खुलने पर उन्हें क्या मिलेगा। मुफ़्त बीयर तो बढ़िया लग रही थी, लेकिन रॉबर्ट ने कहा, "मैं अपनी पत्नी को फ़ोन करके देख लेता हूँ कि क्या मैं पी सकता हूँ।" ध्यान रहे कि वह अभी भी थाईलैंड में रहती है, और समय के अंतर के कारण वहाँ सुबह के 4:30 बजे हैं। तो, जब हम सब मुफ़्त बीयर का मज़ा ले रहे थे, वह पानी पीते हुए इधर-उधर घूम रहा था और इंतज़ार कर रहा था कि कब फ़ोन करना सुरक्षित होगा, क्योंकि वह जानता था कि फ़ोन करके उसे जगाना नहीं चाहिए। उस दिन शायद उसकी किस्मत अच्छी थी, क्योंकि पुक रोज़ से एक घंटा पहले उठ गई और सबसे पहले उसे फ़ोन किया, ज़ाहिर है, इस बार अपने बूढ़े बीमार पिता के लिए और पैसे माँगने के लिए। तो जब उसने बीयर पीने की इजाज़त माँगी, तो उसकी गुज़ारिश तुरंत नामंज़ूर कर दी गई। जब उसने मुझे यह बताया, तो मैंने कहा, "उसे कैसे पता चलेगा कि तुमने कुछ ड्रिंक्स पी ली हैं?" वह जवाब देता है, "यार, वह लड़की सब कुछ जानती है, वह मेरे जीवन में अब तक मिली सबसे बुद्धिमान व्यक्ति है!"

मैं सोच रहा था कि इससे हम जैसे बाकी लोगों के बारे में कुछ पता ही नहीं चलता कि थाईलैंड का एक अनपढ़ गंवार हमसे ज्यादा बुद्धिमान समझा जाता है! यह तो हद ही हो गई, इसलिए मैंने उसे एक बियर पकड़ाते हुए कहा, "लो, इसे पी लो!" उसने झट से बियर पकड़ी और एक पेड़ के पीछे जाकर जल्दी से गटक गया। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि उसे बियर पीने के लिए किसी की नजरों से दूर जाने की क्या जरूरत थी, लेकिन उस दिन वही उसकी आखिरी बियर थी। किसी की इच्छा का सम्मान करना एक बात है, लेकिन यह हद से ज्यादा है, खासकर तब जब वे दोनों अलग-अलग देशों में हों और उनके बीच बारह घंटे का समय अंतर हो।

वह स्पष्ट रूप से खुद को हावी होने दे रहा है, अपनी पत्नी को दिखाई जा रही कमजोरी के संकेतों को न समझते हुए, जो जानती है कि इस आदमी पर उसका पूरा नियंत्रण है। इस रफ्तार से तो शायद जल्द ही उसे शौच करने के लिए भी अपनी पत्नी से अनुमति लेनी पड़ेगी! दुख की बात है कि यह सब अब मजाक से परे होता जा रहा है।

थाईलैंड की अगली यात्रा

रॉबर्ट बड़ी उत्सुकता से थाईलैंड के लिए अपनी अगली लंबी उड़ान भर रहा है, और उसे सख्त हिदायत दी गई है कि बैंकॉक जाने वाली तीनों उड़ानों में उसे बिल्कुल भी शराब नहीं पीनी है। एक घूंट भी पीना और अपनी पत्नी के आदेशों का उल्लंघन करना उसके लिए नामुमकिन है। हवाई अड्डे पर पुक उसका स्वागत करती है, जो अपने पति की उम्मीद से पहले वापसी पर खुश दिखने की पूरी कोशिश करती है, "मुझे तुम्हारी बहुत याद आई!" वह कहती है, जबकि वह सिर्फ तीन हफ्ते पहले ही यहाँ से गया था, मुझे तो इस बात पर बहुत शक है कि उसे उसकी ज़रा भी याद आई हो। वे तुरंत देश के लिए निकल पड़ते हैं, जो रॉबर्ट की योजना के मुताबिक बिल्कुल नहीं है, लेकिन चूंकि उसकी किसी भी बात में कोई राय नहीं चलती, इसलिए वह स्वाभाविक रूप से कोई आपत्ति नहीं करता।

जब वे गाँव पहुँचे तो घर देखने के लिए बहुत अंधेरा था और वैसे भी देखने लायक कुछ खास नहीं था, इसलिए रॉबर्ट ने अभी घर देखने की इच्छा नहीं जताई। पुक उसे अपने माता-पिता के घर के अंदर एक ऐसे हिस्से में ले गई जिसे उसने पहले कभी नहीं देखा था। दरअसल, वही एक कमरा था जिसमें दरवाजा था। उन्होंने धीरे से दरवाजा खोला और चुपचाप अंदर गए, जहाँ एक अपाहिज व्यक्ति गर्म कंक्रीट के फर्श पर लेटा हुआ था, उसके पास आराम के लिए सिर्फ एक चादर और एक तकिया था और वह साँस लेने के लिए संघर्ष कर रहा था। "यह मेरे पिता हैं," पुक ने रोते हुए कहा। जैसे ही वे करीब पहुँचे, बूढ़े व्यक्ति ने - जिसकी आँखें धँसी हुई थीं - अपने कमरे में किसी के होने का आभास देने के लिए अपनी दर्द से पतली बांह को थोड़ा सा आगे बढ़ाने की कोशिश की। उसने आगे बताया कि बूढ़ा व्यक्ति पिछले पाँच वर्षों से इसी हालत में है, उसकी हालत लगातार बिगड़ती जा रही है और उसने पिछले तीन वर्षों से बोलना बंद कर दिया है। जाहिर है, वह बहुत धीमी और दर्दनाक मौत मर रहा है। धान और गन्ने के खेतों में जीवन भर काम करने का उन पर बहुत बुरा असर पड़ा है।

अब, वैसे तो रॉबर्ट अपना पैसा किस चीज़ पर खर्च करता है या बर्बाद करता है, इससे मुझे कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन जब से यह सब शुरू हुआ है, तब से यह सबसे नेक काम है जिसके लिए उसे अपना पैसा खर्च करना पड़ा है। अगले दिन वे बूढ़े आदमी के बचे हुए समय को थोड़ा और आरामदायक बनाने के लिए कुछ पूछताछ करते हैं। कुछ दिनों बाद अस्पताल का बिस्तर आता है, और पिता को नरम तकियों वाले आरामदायक बिस्तर पर आराम से लिटाया जाता है, कमरे में दो बड़े पंखे लगाए जाते हैं ताकि थोड़ी राहत मिल सके। साथ ही, उन्हें हफ्ते में दो बार नर्स देखने आएगी। कम से कम अब रॉबर्ट की वजह से बूढ़ा आदमी गरिमापूर्ण मृत्यु मर सकेगा। क्या इसे पढ़ते हुए किसी की आँखों में आंसू आ रहे हैं? मैंने सोचा कि पाठकों से

पूछ लूँ। अगले कुछ दिन पिता की देखभाल में बीतते हैं, जो गर्म कंक्रीट के फर्श से आरामदायक अस्पताल के बिस्तर पर आने के बाद अच्छी तरह से आराम महसूस कर रहे थे। अब सारा ध्यान घर पर है, जिसे सजाने की ज़रूरत है और इसका मतलब है बैंकॉक की खरीदारी यात्रा, जिसमें पूरा परिवार साथ जाता है, ताकि अगर पुक को सबसे महंगी चीज़ों के बारे में सलाह की ज़रूरत हो तो मदद मिल सके। तो, रॉबर्ट के लिए अभी भी हनीमून का कोई प्लान नहीं है, लेकिन अभी दो हफ्ते बाकी हैं, इसलिए उसे अभी भी उम्मीद है। खरीदारी के एक लंबे दिन के बाद, जिसमें पुक ने रॉबर्ट के 20,000 डॉलर अपनी हर मनचाही चीज़ पर खर्च कर दिए, रॉबर्ट ने कहा, "डार्लिंग, क्यों न हम अभी हनीमून पर चलें?" इतने सारे पैसे खर्च करने के बाद भला वह कैसे मना कर सकती थी? "ठीक है, हम अगले हफ्ते चलते हैं।" खैर, इससे बेहतर और क्या हो सकता है, इसलिए वह मान गया।

एक हफ़्ते बाद भी वे नए घर के सामान की डिलीवरी का इंतज़ार करते हुए गाँव में ही हैं। जब आखिरकार सारा सामान आ जाता है, तो पुक आखिरकार लंबे समय से प्रतीक्षित हनीमून के लिए राज़ी हो जाती है, लेकिन तभी जब रॉबर्ट उसके परिवार के सदस्यों को, जो उनके जाने के दौरान सारा सामान लगाने का काम कर रहे हैं, भुगतान करने के लिए तैयार हो जाता है। एक पल के लिए रॉबर्ट सोचता है कि उन्हें भुगतान की क्या ज़रूरत है? परिवार के सदस्य होने के नाते, क्या उन्हें यह काम मुफ़्त में नहीं करना चाहिए? लेकिन कम से कम अगर वह यहाँ नहीं है, तो वे उसे पिछली बार की तरह काम पर नहीं लगाएंगे, इसलिए वह बिना कोई सवाल किए उनकी मज़दूरी दे देता है। और ज़ाहिर है, अब उसे एक बार फिर नाराज़ पत्नी की ज़रूरत नहीं है। वह फिर से उसकी नज़रों में अच्छा बन गया है और इस बार वह इसे बनाए रखना चाहता है। अगली सुबह, वे पटाया के लिए रवाना होते हैं और बिना किसी रुकावट के हनीमून अच्छा होना चाहिए। रॉबर्ट फ़ोन करके कहता है, "यार, मैं बस यही दुआ कर रहा हूँ कि मेरे घर लौटने तक कोई और न मर जाए, मेरी किस्मत को देखते हुए, उसके बूढ़े का नंबर अगला होगा! मैं आखिरकार आराम करने के लिए तैयार हूँ!" पुक को हर तीस मिनट में खाना खाने के लिए रुकना पड़ता है, इसलिए वह बहुत गुस्से में है। "इस रफ्तार से तो हम पटाया कभी नहीं पहुँच पाएँगे!" वह झुंझलाहट भरे स्वर में कहता है। मैं उससे कहती हूँ, "बस थोड़ा आराम करो, कम से कम अब तुम उस देहाती झंझट से दूर हो।" वह तुरंत बताता है कि पुक वापस आ रहा है और अगले कुछ दिनों में मुझसे संपर्क करेगा। मैं सोच रही हूँ कि इस कभी न खत्म होने वाले ड्रामे में आगे क्या हो सकता है? शायद लेडी बॉयज़ से एक और ज़बरदस्त सेक्स होने वाला है? मुमकिन है। कुछ भी हो सकता है।

मुझे आश्चर्य हुआ कि बाकी का सप्ताह बिना किसी घटना के बीत गया, शायद पुक के पास अब सब कुछ है और वह संतुष्ट है, अगर ऐसा संभव है तो। रॉबर्ट ने मुझे दो दिन शेष रहते फोन किया, "यार, बहुत अच्छा रहा, उसे उस घटिया जगह से दूर लाने के बाद, वह बिल्कुल बदल गई है, मेरी पत्नी कमाल की है!" मैंने सोचा, यह एक सुखद बदलाव है। "हम आखिरी दो दिन बैंकॉक में रुक रहे हैं, इसलिए मैं हवाई अड्डे के पास रहूंगा," उसने मुझे बताया। यह योजना अच्छी लग रही थी, सिवाय उस असली कारण के जिसके लिए वे बैंकॉक में रुक रहे थे, जो कि पुक के आव्रजन कागजात शुरू करवाने के लिए दूतावास जाना था। मुझे समझ नहीं आ

रहा कि उन्होंने इसके लिए बिल्कुल आखिरी दिन क्यों चुना, ऐसा तो नहीं है कि इससे उन्हें कोई और ज़रूरी कागजात जुटाने का समय मिल जाएगा।

वे दूतावास जाते हैं, लेकिन वह बंद मिलता है, उस दिन सार्वजनिक अवकाश है। शायद उसे यह पता होना चाहिए था, लेकिन वह रॉबर्ट को न जानने का दोष देती है! पर उसे कैसे पता होगा? और चूंकि वह अगली सुबह जल्दी उड़ान भर रहा है, इसलिए दूतावास का दौरा अब उसकी अगली यात्रा तक टल जाएगा। दूतावास के बाहर खड़ी पुक अचानक अपना आपा खो बैठती है और चिल्लाती है, "तुम बेवकूफ! तुम्हें क्यों नहीं पता कि दूतावास आज बंद है? अगर तुम मुझसे प्यार करते हो तो तुम्हें पता होना चाहिए था और मुझे बताना चाहिए था!" उसे उसकी जगह दिखाने के बजाय, वह तुरंत मान जाता है, "डार्लिंग, मुझे बहुत खेद है, मुझे पहले जाँच कर लेनी चाहिए थी, कृपया मुझे माफ कर दो।" लेकिन वह गुस्से में है और माफ करने के मूड में नहीं है। बैंकॉक में आखिरी दिन की बात छोड़ो, अब देश से आखिरी बार निकलने का समय है। इस पागल लड़की से अब कोई तर्क-वितर्क नहीं किया जा सकता, बाकी का दिन उसकी इस बात को सुनने में बीतता है कि आखिरी दिन सब कुछ गलत होने के लिए वह उसे ही दोषी ठहरा रहा है।

अब रॉबर्ट को फिर से उसका दिल जीतना होगा, और इसका एक ही पक्का तरीका है - पैसा! उसने हवाई अड्डे पर बचे हुए 2000 डॉलर उसे दे दिए, जिसे उसने ले लिया, लेकिन उसने ज़रा भी धन्यवाद नहीं कहा क्योंकि अब वह अपने पति से यही उम्मीद करती थी। दोनों ने एक-दूसरे को अलविदा कहा और रॉबर्ट ने वादा किया कि वह किसी तरह दूतावास की समस्या सुलझाएगा और उसके कागज़ात तैयार करवाएगा। यहीं पर उसने मुझे फोन किया, "यार, आखिरी दिन तक सब कुछ बढ़िया था, लेकिन गलती मेरी ही थी, मुझे पता होना चाहिए था कि दूतावास बंद था।" मैंने तुरंत उससे कहा, “अच्छा, मुझे लगता है कि चूंकि तुम थाई नहीं हो और वह है, शायद उसे यह बात पता होनी चाहिए थी?” उसके पास इसका कोई जवाब नहीं था। फिर उसने मुझे बताया कि पिछले हफ्ते उसकी खर्राटे लेने की वजह से वह उसके साथ बिल्कुल नहीं सोई, उन्हें अलग-अलग कमरे लेने पड़े, इसलिए यह सिर्फ नाम का हनीमून जैसा लग रहा था और एक बार फिर उसने उसका बचाव करते हुए कहा कि खर्राटे लेना उसकी गलती है। यह पहले से ही स्पष्ट है कि वह हर बात का दोष अपने ऊपर लेने को तैयार है, भले ही वह उसकी गलती न हो। शायद उसका कम आत्मविश्वास ही इसका कारण है। एक बहुत ही दिलचस्प बात जो उसने मेरे ध्यान में लाई, वह यह है कि पुक ने कभी किसी बात के लिए धन्यवाद नहीं कहा। उसने जितना पैसा खर्च किया है, उसे देखते हुए कम से कम वह इतना तो कर ही सकती थी। वैसे, वित्तीय सलाहकार रॉबर्ट को लेने के लिए हवाई अड्डे पर इंतजार कर रहा है और उसके खाते से पैसे गायब होने की रफ्तार को लेकर काफी चिंतित है।

एक बार फिर घर वापसी

अगले दिन रॉबर्ट एक इमिग्रेशन वकील से अपॉइंटमेंट लेता है जो 5000 डॉलर की मामूली फीस में सभी ज़रूरी कागज़ात का काम निपटा देगा। रॉबर्ट के लिए यह पैसा सही जगह खर्च हुआ क्योंकि इससे सारा काम उसके हाथ से निकल गया और वह हमेशा की तरह बिल्कुल खाली हो गया। उसका रोज़ का दिन देर से

उठने और पिछली रात की शराबखोरी से उबरने में बीतता है, फिर वह अगले दिन के कामों की सूची बनाता है, जिन्हें वह कभी करता ही नहीं। उसी रात वह जिम पहुँचता है जहाँ स्वाभाविक रूप से लोग यह जानने के लिए उत्सुक होते हैं कि उसने हनीमून पर क्या किया। एक चीज़ जिसका उसने कभी ज़िक्र नहीं किया, वह है सेक्स। जब कोई कहता है कि थाई लड़की से शादी करने के बाद वह खूब सेक्स करता होगा, तो वह सबको चौंकाते हुए कहता है कि उसके लिए उसका शरीर बड़ा होने के कारण सेक्स हुआ ही नहीं! मेरे एक क्लाइंट ने कहा, "वह तो कमाल की है! पहले ही उससे सोने से बचने और उसे अच्छा महसूस कराने का तरीका ढूंढ लिया!" हम रॉबर्ट से पूछते हैं, "इस बारे में आपका क्या ख्याल है?" वह कहता है, “खैर, मैं अपनी पत्नी को दुख नहीं पहुँचाना चाहता, इसलिए कोई बात नहीं, और वैसे भी हमारी शादी सिर्फ़ सेक्स के बारे में नहीं है।” वह जिम में मौजूद हैरान लोगों के सामने शांत भाव से यह ऐलान करता है। ज़ाहिर है, उसने उसे यकीन दिला दिया है कि वह उसके लिए बहुत बड़ा है, लेकिन हनीमून पर उसने लड़कों से ऐसा नहीं कहा था। वह इसे तारीफ़ समझ रहा है और अपनी सेक्स-विहीन शादी को लेकर चिंतित नहीं है। भला कोई ऐसी पत्नी के लिए थाईलैंड तक क्यों जाएगा जो उसके साथ सोती तक नहीं, सेक्स करना तो दूर की बात है? यह बात किसी को समझ नहीं आती, आखिर हम थाईलैंड की बात कर रहे हैं, है ना? वहाँ सब कुछ चलता है, लेकिन रॉबर्ट के लिए शायद ऐसा नहीं है।

रॉबर्ट के आव्रजन वकील की धीमी प्रगति से पुक का धैर्य और गुस्सा लगातार बढ़ता जा रहा था, इसलिए उसने रॉबर्ट के पैसे से अपना खुद का एक वकील नियुक्त करने का फैसला किया, जो 'बिग बॉस मैन सर्विसेज' के नाम से काम करता है। मैंने उससे पूछा, "क्या आपको यकीन है कि यह एक वैध आव्रजन सेवा है? यह तो किसी हत्यारे का काम लग रहा है!" उसने कहा, "मुझे पता है यार, काश वह इसे मुझ पर छोड़ देती, लेकिन वह हमेशा इतनी अधीर और मांग करने वाली होती है!" जाहिर है, उसे यह समझ नहीं है कि इन मामलों को सुलझाने में काफी समय लगता है और इन्हें जल्दबाजी में निपटाया नहीं जा सकता। अब रॉबर्ट को दोनों पक्षों से विरोधाभासी सलाह और जानकारी मिल रही है, जिससे वह बहुत निराश और हताश महसूस कर रहा है, खासकर तब जब पुक उसे खुद बिग बॉस मैन से बात करने का आदेश देती है, जिससे मामला और भी पेचीदा और उलझन भरा हो जाता है, क्योंकि उसे बताया जाता है कि कुछ पैसों के बदले में कुछ जुगाड़ करके काम को जल्दी निपटाया जा सकता है। मैंने उसे समझाया कि ऐसा करने के बारे में सोचना भी मत, क्योंकि यह शायद एक घोटाला है, और अगर किसी भी तरह से यह घोटाला नहीं है और दूतावास को पता चल जाता है कि काम सही तरीके से नहीं हुआ है, तो वे पुक के अनुरोध को वैसे भी अस्वीकार कर देंगे। वह मेरी बात से सहमत हो गया, लेकिन पुक को मनाना बिल्कुल अलग बात थी। पुक ने लगभग अनुमान के मुताबिक कहा, "तुम बेवकूफ! बड़े बॉस को सब पता है, तुम्हें नहीं पता, तुम बेवकूफ हो!" "अगर तुम मुझसे प्यार करते हो तो बड़े बॉस को पैसे दो, उसे पता है कैसे देना है, तुम बेवकूफ हो, तुम्हें कुछ नहीं पता!" इसलिए अपनी क्रोधित पत्नी को खुश रखने के लिए उसने अज्ञात राशि भेज दी। चूंकि यह एकमात्र ऐसा समय था जब उसने यह नहीं बताया कि इसमें कितनी रकम शामिल है, मैं सोच रहा था कि यह वाकई बहुत अच्छी

रकम होगी, जिससे बेशक कुछ भी हल नहीं हुआ और बड़े बॉस के निजी बैंक खाते को बढ़ाने के अलावा इसका कोई उद्देश्य नहीं था।

कुछ हफ़्ते बाद मैं अपनी बड़ी वापसी की बुकिंग के लिए तैयार हूँ, और यह मेरी चौदहवीं यात्रा है। जून का महीना जिम में मेरे लिए काफ़ी शांत रहता है, इसलिए यह मेरे लिए बिना ज़्यादा पैसे खर्च किए छुट्टी मनाने का सबसे अच्छा समय है। हमने इस फ़्लाइट की बुकिंग भी पहली फ़्लाइट की तरह ही की है, बस फ़र्क़ इतना है कि यह पिछली बार से कहीं बेहतर फ़्लाइट है, जिसका रूट ऑस्टिन-सैन फ़्रांसिस्को-टोक्यो-बैंकॉक है। बेहतर इसलिए क्योंकि इस बार यात्रा का सबसे लंबा हिस्सा सात घंटे का है, जबकि पिछली बार ह्यूस्टन से टोक्यो तक चौदह घंटे की लंबी यात्रा थी। रॉबर्ट और पुक के बीच हुए सारे ड्रामे के बाद, मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूँ कि पति-पत्नी के रूप में वे दोनों कैसे हैं। एक जोड़े के रूप में वे कैसे हैं। मुझे लगता है कि यह काफ़ी रोमांचक होगा।

रॉबर्ट ने इस ट्रिप की तैयारी में अपने किंडल पर पचास किताबें डाउनलोड की हैं; उसका कहना है कि देहात में, जहाँ बहुत कम या बिल्कुल भी अंग्रेज़ी नहीं बोली जाती, वहाँ थोड़ा बोरिंग हो जाता है। तो असल में, वो जंगल में अकेला बैठकर किताबें पढ़ रहा है, जो थोड़ा अजीब है क्योंकि वो घर पर पढ़ता ही नहीं, कहता है कि पढ़ना बोरिंग है। ज़रा सोचो तो सही। वो कुछ असली किताबें भी साथ ले गया है, ताकि अगर किंडल चालू न हो पाए तो काम आ सकें। वाह, बढ़िया सोच है! ऐसे बहुत कम लोग होंगे जो थाईलैंड घूमने जाते हैं और सोचते हैं कि उनकी ट्रिप का सबसे मज़ेदार हिस्सा जंगल के बीचोंबीच किताबें पढ़ना होगा! खैर, जो सबको अच्छा लगे। ये मेरे लिए तो कोई अनोखी छुट्टी नहीं है, और शायद बहुत से लोगों के लिए भी नहीं, क्योंकि ये सब तो दुनिया के दूसरे कोने में जाए बिना कहीं भी किया जा सकता है। तो असल में, जब मैं पटाया के बार में शराब पी रहा हूँ और लड़कियों के पीछे भाग रहा हूँ, तब वो जंगल में अकेला बैठकर पढ़ रहा होगा। मुझे लगता है कि मुझे पहले से ही पता है कि इस ट्रिप में कौन ज़्यादा मज़े करेगा, और वो रॉबर्ट तो बिल्कुल नहीं होगा! उन्हें शुभकामनाएं, उन्हें इसकी जरूरत पड़ेगी।

थाईलैंड की पुनः यात्रा -

शुक्रवार, 17 जून 2011 – रात 11:00 बजे

बैंकॉक में उतरते ही हमें पता चला कि थाईलैंड में पिछले पचास सालों की सबसे भीषण बाढ़ आई हुई है। पुक ने हमारा स्वागत M150 की एक-एक बोतल से किया, जो एक बेहद शक्तिशाली एनर्जी ड्रिंक है। उस बोतल के साथ-साथ यहाँ दोबारा आने की पहले से ही जोश से भरी हुई खुशी ने यह पक्का कर दिया कि अगले दिन नींद की कोई ज़रूरत नहीं पड़ेगी। बाढ़ या नींद की परवाह कौन करता है? आखिर ये थाईलैंड है, है ना? थोड़ा सा पानी मुझे बार में जाने से नहीं रोक सकता। लेकिन जैसा कि बाद में पता चला, ये सिर्फ थोड़े से पानी से कहीं ज़्यादा बुरा था। रॉबर्ट और पुक बैंकॉक में रात बिता रहे हैं ताकि वे सुबह सबसे पहले दूतावास जा सकें और फिर देश के बाकी हिस्सों में जा सकें। जहाँ तक मेरी बात है, मैं तो सीधे स्वर्ग कहे जाने वाले पटाया जा

रहा हूँ। खुशहाल जोड़े का कहना है कि वे तीन दिन में पटाया पहुँच जाएँगे, कितना बढ़िया! मैं इंतज़ार नहीं कर सकता!

मैंने पटाया में लेक होटल में कमरा बुक किया, जो अब मेरा दूसरा घर बन गया है। वहाँ पहुँचकर मुझे बहुत राहत मिली कि कमरे छह महीने पहले क्रिसमस पर आने की तुलना में काफी सस्ते हैं। चेक-इन करते समय एक बेहद खूबसूरत रिसेप्शनिस्ट ने कहा, "आप मेरे लिए वापस आए हैं, है ना? मुझे याद है आप पिछले साल आए थे।" उसके इस कथन से मैं थोड़ा चौंक गया। "हाँ, मैं तुम्हारे लिए वापस आया हूँ।" मैंने मज़ाक में जवाब दिया क्योंकि मुझे वह बिल्कुल याद नहीं थी, लेकिन वह इतनी आकर्षक थी कि कोई बात नहीं। "आपको मैं याद नहीं हूँ, मैं लेक हूँ, होटल का नाम भी यही है।" उसने मेरी याददाश्त ताज़ा करने की कोशिश करते हुए कहा। खैर, उसका नाम याद रखना आसान होगा - लेक और लेक होटल, मैं कितना अनोखा हूँ! मैं मन ही मन हँस पड़ा। खैर, अब बहुत हो गई फ्लर्टिंग, क्योंकि मुझे ड्रिंक करना है और पाँचवीं मंज़िल पर अपने कमरे में जाना है। "जल्द मिलते हैं!" लेक ने चिल्लाकर कहा जैसे ही मैं लिफ्ट में ऊपर चला गया और नज़रों से ओझल हो गया। मैंने उसे अलविदा कहा और उसके बारे में सोचना बंद कर दिया।

जैसे ही मैंने जल्दी से नहाया और कपड़े बदले, दरवाजे पर दस्तक हुई। मुझे 'रूम सर्विस' की आवाज़ सुनाई दी। ज़ाहिर है, वे गलत कमरे में आ गए हैं, मैंने सोचा। इसलिए मैंने इसे नज़रअंदाज़ कर दिया और अपने पहले ड्रिंक सेशन की तैयारी में जुट गया। फिर से मुझे 'रूम सर्विस' की आवाज़ सुनाई दी। इस बार मैंने दरवाजा खोला और आश्चर्य से देखा कि रिसेप्शनिस्ट लेक खड़ी थी। वह सीधे मेरे पास से गुज़रते हुए कमरे में चली गई और फिर बोली, "रूम सर्विस।" मैं उलझन में दिख रहा था और बोला, "मैंने कुछ ऑर्डर नहीं किया।" लेक ने जवाब दिया, "हाँ, तुमने मुझे ऑर्डर किया है, याद है?" तब तक वह कपड़े उतारकर बिस्तर पर लेट चुकी थी। बिना कुछ कहे मैं मुस्कुराया, लाइट बंद की और उसके साथ लेट गया। ड्रिंकिंग बाद में भी हो सकती है।

अगली सुबह, मैं लगभग 9 बजे उठा। लेक पहले ही जा चुकी थी, एक नोट छोड़कर जिसमें लिखा था कि उसे बॉस के आने से पहले जल्दी निकलना पड़ा। यह बात समझ में आती है क्योंकि अगर वह सुबह-सुबह किसी मेहमान के कमरे से बाहर निकलते हुए पकड़ी जाती, तो उसे ज़रूर कुछ गंभीर सफाई देनी पड़ती। मैंने सोचा, पहली रात अच्छी गुज़री, अब नाश्ते के लिए लेविंस्की चलते हैं। जैसे ही मैं दूसरी सड़क पर आगे बढ़ा, जानी-पहचानी बदबू मेरे चेहरे पर ईंट की तरह लगी, लेकिन पिछले कुछ दिनों से मैंने सिर्फ़ हवाई जहाज़ में ही खाना खाया था, इसलिए आज सुबह यह बदबू भी मेरी भूख नहीं मिटा सकी। जैसे ही मैं लेविंस्की के पास पहुँचा, आसमान खुल गया, इतनी ज़ोरदार बारिश हो रही थी जितनी मैंने पहले कभी नहीं देखी थी। मैंने अपना रोज़ का नाश्ता ऑर्डर किया, यह सोचकर कि यह बस एक हल्की बारिश है और स्वर्ग में अपने पहले दिन की योजना बनाने लगा। बारिश की बूँदें अब सड़क पर उछल रही थीं, जो अब एक तेज़ बहती नदी जैसी लग रही थी। वेट्रेस ने कहा, "अब आप यहीं फँस गए हैं, क्या आप कुछ पीना चाहेंगे?" खैर, सुबह 10 बजे मैं पीने के मूड में नहीं था, लेकिन लगता है बीच पर जाना तो नामुमकिन है! "एक पिंट गिनीज, धन्यवाद!" मैंने

मुस्कुराती हुई वेट्रेस को आवाज़ दी, "अच्छा सुझाव है।" उसने जवाब दिया। तो यहाँ मैं पटाया में अपने पहले दिन सुबह 10 बजे एक रेस्टोरेंट में फंसा हुआ हूँ, बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है क्योंकि उफनती नदी अब उस जगह पर बह रही है जहाँ तीस मिनट पहले तक सड़क हुआ करती थी। बार के पीछे लगे कई बीयर पंपों को देखकर मैं सोचता हूँ कि इससे बुरा भी हो सकता था। शुक्र है कि यह सड़क ढलान पर है, इसलिए जैसे ही बारिश रुकेगी (अगर रुके तो), पहाड़ी पर चढ़कर दूसरी सड़क पर जाना आसान होगा। लेकिन बारिश तो बेतहाशा बरस रही है, रुकने का नाम ही नहीं ले रही, एक और गिनीज पीने का समय आ गया है। इस रफ्तार से तो मैं दोपहर तक बुरी तरह नशे में धुत हो जाऊँगा! लेकिन कोई प्लान नहीं है और यहाँ तीन हफ्ते के लिए ही हूँ, तो कौन परवाह करता है? गिनीज पीते रहो। कुछ देर बाद बीयर का असर दिखने लगता है, और बारिश थोड़ी कम हो जाती है, ज़्यादा नहीं, लेकिन इतनी कि मैं बाहर निकलकर होटल वापस जा सकूँ, तो मैं निकलने का फैसला करता हूँ। होटल पहुँचते ही मैं कुछ ही मिनटों में गहरी नींद में सो जाता हूँ, लेकिन कुछ घंटों बाद एक ज़ोरदार धमाके की आवाज़ से मेरी नींद खुल जाती है, ऐसी आवाज़ मैंने पहले कभी नहीं सुनी थी। बिजली मेरे कमरे के ठीक बाहर बिजली के तार पर गिरी थी! वाह, अब तो मेरी नींद पूरी तरह खुल गई! तभी रॉबर्ट का फोन आता है और वह कहता है कि वे सुबह पटाया वापस पहुँच जाएँगे, यानी तय समय से एक दिन पहले। कितना बढ़िया!

अगले दिन हम सुबह करीब 10 बजे लेविंस्की में नाश्ते के लिए मिले, जहाँ खुशहाल जोड़ा इस बात का जश्न मना रहा था कि इस बार इमिग्रेशन की प्रक्रिया बिना किसी रुकावट के पूरी हो गई। रॉबर्ट हर किसी को बता रहा था कि उसकी एक बहुत अच्छी पत्नी है जो एक साल से भी कम समय में उसके साथ घर वापस जाएगी। मज़े की बात यह थी कि बगल की मेज पर बैठा एक आदमी अपना परिचय देता है और दूतावास में अपने पिछले वर्षों के अनुभव के बारे में विस्तार से बताता है। रॉबर्ट हर बात को स्पंज की तरह सोख रहा था; इस समय किसी भी आधिकारिक स्रोत से मिली जानकारी उसके लिए बहुत सुखद थी। जाने से ठीक पहले उस आदमी ने रॉबर्ट को सोचने के लिए कुछ कहा और फिर यह कहकर चला गया कि थाई लड़कियाँ आमतौर पर यात्रा के दौरान खुश नहीं रहतीं और हमेशा वापस घर लौट आती हैं। उस आदमी के जाने के बाद मैंने कहा, "तो इस बारे में आपका क्या विचार है?" रॉबर्ट ने जवाब दिया, "कोई बात नहीं, मेरी पत्नी खुश रहेगी और मेरे साथ रहना चाहेगी, लेकिन अगर वह छुट्टी मनाना चाहे तो कुछ हफ्तों के लिए वापस जा सकती है।" मैंने सोचा, वाह! उसने तो उस आदमी की बात पर ध्यान ही नहीं दिया। उनका मतलब यह नहीं था कि उन्हें कुछ दिनों की छुट्टी मनाने के लिए वापस लौटना चाहिए, बल्कि यह कि वे विदेश में आसानी से नहीं बस पाते और उन्हें हमेशा के लिए थाईलैंड वापस लौटना चाहिए। मुझे लग रहा है कि यह दिलचस्प होगा।

फिलहाल धूप खिली हुई है, इसलिए हमने बीच पर जाकर आराम करने का फैसला किया, क्योंकि बाद में बारिश होने की संभावना थी। सब कुछ ठीक चल रहा था, तभी रॉबर्ट को उसकी पिछली गर्लफ्रेंड का घर से एक मैसेज मिला। उसने बस पूछा था कि ट्रिप कैसी चल रही है, और कुछ नहीं। लेकिन ज़ाहिर है, मैसेज का समय इससे बुरा नहीं हो सकता था। पुक ने तुरंत फोन छीन लिया और मैसेज की जंग शुरू कर दी! दोनों

तरफ से दस मिनट तक अपमानजनक मैसेज आने के बाद, पुक समझ गई कि उसकी कमज़ोर अंग्रेज़ी की वजह से वह हार गई है और अमेरिका की इस पढ़ी-लिखी दुश्मन से मुकाबला नहीं कर सकती। उसने फोन रॉबर्ट पर फेंकते हुए चिल्लाकर कहा, "तू मुझसे झूठ बोल रहा है! तेरे पास घर पर औरत है, तू मुझसे प्यार नहीं करता, बेवकूफ! तू अमेरिकी औरत से प्यार करता है, मैं तुझसे नफरत करती हूँ!" इतना कहकर उसने अपनी शादी की अंगूठी और होटल की चाबी भी उस पर फेंक दी और पहली बार नहीं, गुस्से में वहाँ से चली गई, अपने पति को बीच पर अकेला छोड़कर। कम से कम इस बार उसे पता है कि वह कहाँ रुका है और उसके पास वापस जाने की चाबी भी है, बस उसकी पत्नी उसके पास नहीं है। मैंने यूं ही कहा, “क्या तुम्हें लगता है कि उसे गुस्सा कंट्रोल करने की ज़रूरत है? वो सब बिना बात के हुआ।” उसने कहा, “यार, ये तो हमेशा होता है, बस ज़रा सी नज़र डाल लो और ये पागल हो जाती है!” क्योंकि आसमान में बादल छाने लगे थे, मैंने सुझाव दिया कि बारिश शुरू होने से पहले हम कोई बार ढूंढ लें, “मुझे वापस जाकर देखना चाहिए कि मेरी पत्नी क्या कर रही है, बाद में मिलते हैं यार।” मैं कुछ ड्रिंक्स के लिए शुगर शेक चला गया। एक घंटे बाद, बहुत परेशान रॉबर्ट ने मुझे फोन किया और कहा, “यार, मेरी पत्नी यहाँ नहीं है, क्या तुमने उसे देखा है?” मुझे समझ नहीं आ रहा था कि उसे ऐसा क्यों लग रहा है कि मैंने उसे देखा होगा, जबकि हम दोनों एक घंटे पहले ही बीच से यहाँ आए थे, जहाँ उसने हमें आखिरी बार देखा था। “नहीं, उसका कोई अता-पता नहीं, शायद वो शॉपिंग करने गई हो।” मैंने उसे बताया। “पता नहीं यार, लेकिन मेरी पत्नी बहुत गुस्से में थी!” तभी मुझे अचानक एहसास हुआ कि वो उसे नाम से नहीं, बल्कि अपनी पत्नी कहकर बुला रहा है, क्या उसे उसका नाम याद ही नहीं आ रहा? मुझे लगता है कि इसकी वजह शायद यह है कि उसे लोगों को यह बताना अच्छा लगता है कि उसकी पत्नी है और वह उसे एक नामी व्यक्ति के बजाय एक उपाधि के रूप में देखता है। यह सिर्फ मेरी राय है।

पांच घंटे बाद उसने फिर फोन किया, “यार, मेरी पत्नी अभी तक वापस नहीं आई, मैं क्या करूँ?” इस तरह उससे कोई खबर मिले लगभग सात घंटे हो गए, मुझे लगा कुछ ज्यादा ही हो गया। चूंकि उसने मुझे पहले ही बता दिया था कि वह फोन नहीं उठा रही है, इसलिए मुझे समझ नहीं आया कि उसे क्या कहूँ, तो मैंने कहा, “बस उसे फोन और मैसेज करते रहो, वह देर-सवेर जवाब दे ही देगी।” हमने अगली सुबह तय समय पर नाश्ते के लिए मिलने का इंतजाम किया। अब जब मैं अपने होटल वापस आ गया था, तो मैं अपनी चाबी लेने गया, जहाँ एक जाना-पहचाना चेहरा मुझे चाबी थमा रहा था। यह लेक थी, जिसने कहा, “शुभ रात्रि सर, क्या आपने आज रात रूम सर्विस मंगवाई है?” मैंने कहा, “यह तो मेनू पर निर्भर करता है?” उसके चेहरे पर शरारती मुस्कान थी और उसने कहा, “आज का स्पेशल है लेक आपके बिस्तर पर! बहुत ही स्वादिष्ट व्यंजन है सर!” वाकई, यह एक स्वादिष्ट व्यंजन था और मुझे और चाहिए था। “जी हाँ, मुझे दो बार चाहिए!” मैंने अपनी निजी रूम सर्विस रिसेप्शनिस्ट से कहा। “ठीक है, मैं एक घंटे में आपके लिए लाती हूँ, भूखे रहो!” एक बेहद शरारती रिसेप्शनिस्ट कहती है, "मुझे ये लड़की बहुत पसंद है, बहुत मज़ेदार है, बिस्तर पर कमाल की है और

पैसे भी नहीं मांगती! मेरी तो लॉटरी लग गई, अब मुझे पता है पुक को कैसा लग रहा होगा। वैसे, पता नहीं वो कहाँ चली गई?"

रॉबर्ट ने मुझे फोन करके बताया कि पुक सच में बस से घर वापस आ गई है। वह ज़रूर बहुत नाराज़ होगी क्योंकि अभी वापस आने का उसका कोई इरादा नहीं है। अगर रॉबर्ट वादा करे कि वह अच्छा बर्ताव करेगा, तो शायद अगले हफ्ते वापस आ जाए। वाह! मैं फिर से इन ड्रामा क्वीन की देखभाल नहीं करना चाहता; आखिर मैं भी छुट्टी पर हूँ और मज़े करना चाहता हूँ। अब इसके बारे में सोचने का समय नहीं है, ये बाद में भी हो सकता है। तभी दरवाजे पर दस्तक हुई और 'रूम सर्विस' की जानी-पहचानी आवाज़ आई। मैंने दरवाजा खोला और लेक अंदर आई। उसने ज़रा भी देर नहीं की और मेरे कमरे में चलते-चलते अपने कपड़े उतारने लगी। उसकी वर्क यूनिफॉर्म लापरवाही से ज़मीन पर गिर गई और दरवाजे से बिस्तर तक छोटे साइज़ के कपड़ों का एक बिखरा हुआ निशान बन गया। मैं उसके लगभग परफेक्ट नग्न शरीर को निहार रहा था, तभी वह मुड़ी और मुझे दिखाया कि आज रात का स्पेशल क्या है। फिर जल्दी से बिस्तर पर कूद गई और मुझे भी अपने साथ आने का इशारा करते हुए बोली, "भूखे आदमी, आओ और खाओ!" और मैंने भी बिना देर किए वही किया।

अगली सुबह जल्दी उठने पर मैंने देखा कि लेक जा चुकी थी और पहले की तरह ही एक नोट छोड़कर चली गई थी जिसमें उसके जल्दी जाने का कारण लिखा था। मुझे बात समझ आ गई और मुझे यह मुफ्त रूम सर्विस बहुत पसंद आई। मुझे इसकी आदत पड़ सकती थी। दुर्भाग्य से, या सौभाग्य से, जो भी हो, मुझे इसकी आदत डालने का मौका ही नहीं मिला क्योंकि मैं उस प्यारी युवा होटल रिसेप्शनिस्ट को फिर कभी नहीं देख पाया। कुछ दिनों बाद मुझे पता चला कि पटाया और उसके आसपास अक्सर होने वाली कई मोटरबाइक दुर्घटनाओं में से एक में उसकी मौत हो गई। तो, मुझे उस लड़की से भावनात्मक रूप से जुड़ने का मौका ही नहीं मिला, जो शायद अच्छी बात ही है, लेकिन मुझे अपनी मुफ्त रूम सर्विस की बहुत याद आती है।

नाश्ते पर मेरी मुलाकात रॉबर्ट से हुई। वह अपनी दूर रहने वाली पत्नी के बारे में क्या करे, इस बारे में पूरी तरह से असमंजस में लग रहा था। "मुझे पता है कि वह मुझसे प्यार करती है यार, बस उसका गुस्सा बेकाबू है।" अगर वह सच में यही सोचता है तो उसे शुभकामनाएँ, लेकिन मुझे लगता है कि यह उसकी कोरी कल्पना है। शायद यही होता है जब आप किसी अनजान व्यक्ति से शादी करते हैं, पाठकों को इससे सबक लेना चाहिए! लगता है कि मुझे फिर से किसी ऐसे व्यक्ति की देखभाल करनी पड़ रही है जो सहानुभूति चाहता है, यह तो मैंने सोचा भी नहीं था। लेकिन तभी मानो किसी चमत्कार से पुक का फोन आया और उसने बताया कि वह कल दोपहर पटाया वापस आ रही है, भगवान का शुक्रिया! मेरा मन कर रहा था कि मैं जोर से चिल्लाऊँ। रॉबर्ट का मूड अचानक ठीक हो गया, "मुझे पता था कि मेरी पत्नी ज्यादा देर तक दूर नहीं रहेगी, वह मुझे याद कर रही है!" खैर, मुझे लगता है कि उसके अचानक वापस आने के पीछे शायद ज्यादा पैसे की जरूरत ही असली वजह है। दिलचस्प बात यह है कि उसने अपने अचानक गायब होने के लिए उससे कोई माफी नहीं मांगी और न ही कोई स्पष्टीकरण दिया।

रॉबर्ट अब ज़िंदगी को लेकर फिर से खुश है और उसने आज़ादी का एक आखिरी दिन मनाने का फैसला किया है, जिसका मतलब है कि वह बिना इजाज़त मांगे शराब पी सकता है। मुझे ये सब कभी समझ नहीं आया, लेकिन उसका दावा है कि वो अपनी ज़िंदगी में इतना खुश कभी नहीं रहा, जो मुझे और भी कम समझ आता है, खासकर उसकी पत्नी के बर्ताव को देखते हुए। खैर, मुझे लगता है कि मुझे इसे समझने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि उसे ही अपनी पत्नी से निपटना है, और शुक्र है कि मुझे नहीं। हमने जोमटियन बीच जाने के लिए टैक्सी ली, जहाँ सबसे पहले हमें आराम करने के लिए एक शांत और बढ़िया बार ढूंढना था, क्योंकि मौसम आज हमारे लिए क्या लेकर आएगा, ये तय नहीं कर पा रहा था। हमें बीच के सामने एक बढ़िया जगह मिल गई, जहाँ हमारी बार के मालिक थाई दंपत्ति से बातचीत शुरू हो गई। वे भी हमारे साथ ड्रिंक्स के लिए बैठ गए, क्योंकि हम ही उनके इकलौते ग्राहक थे। करीब तीस मिनट बाद एक मोटरसाइकिल वाला पुलिसवाला भी वहाँ आया और हमारे साथ बैठ गया। वो बार के मालिकों का दोस्त था और अपनी ड्यूटी शुरू करने ही वाला था। मैं सोच रहा था कि अगर काम पर जाते समय बार में रुककर ड्रिंक्स ले सकते हो, तो ये तो बढ़िया नौकरी होगी! दो घंटे तक व्हिस्की पीने के बाद, पुलिसवाला सबको अलविदा कहता है और घोड़े पर सवार होकर चला जाता है।

अचानक हमें एहसास हुआ कि उसने अपनी भरी हुई बंदूक मेज पर ही छोड़ दी है! मैंने तुरंत बार मालिक को इस ओर इशारा किया, जिसने शांति से कहा, "हाँ, वह जल्दी वापस आ जाएगा।" और वह वापस आ गया। बंदूक लेने के चक्कर में वह फिर से बैठ गया और अपने लिए और व्हिस्की मंगवा ली। दो घंटे और बीत गए, पुलिसवाला व्हिस्की पीता रहा। फिर उसने तय किया कि अब काम पर जाने का समय हो गया है, जो इस समय बेकार लग रहा था क्योंकि उसकी आधी ड्यूटी पहले ही कट चुकी थी। एक बार फिर, वह घोड़े पर सवार होकर चला गया - इस बार थोड़ा लड़खड़ाते हुए - अपनी भरी हुई बंदूक मेज पर ही छोड़कर! बार मालिक कुछ कहने ही वाला था कि मैंने कहा, "मुझे पता है, वह जल्दी वापस आ जाएगा।" बार मालिक हँसते हुए बोला, "हाँ, वह हमेशा जल्दी वापस आता है।" और वह आ भी गया। इस बार वह बैठ गया और बोला, "लगता है आज मेरी छुट्टी है!" क्योंकि उसने पूरी दोपहर बार में शराब पीते हुए बिताई थी, तो शायद यह अच्छा ही हुआ। फिर पुलिसवाला अपनी निशानेबाजी का हुनर दिखाने के लिए अचानक एक चूहे पर गोली चला देता है, जिसके बारे में उसका दावा है कि उसने उसे बार के पास से भागते हुए देखा था। किसी और ने उसे नहीं देखा था और शायद देखने वाला कोई था भी नहीं, लेकिन गोली की आवाज से वहां से गुजर रहे पर्यटक और स्थानीय थाई लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। बार का मालिक दीवार में बने कई छेदों की ओर इशारा करते हुए कहता है, "इसे चूहे बहुत ज्यादा दिखते हैं!" यह देखकर हमें लगा कि यहाँ से निकल जाना ही बेहतर होगा, इससे पहले कि वह हमें किसी काल्पनिक चूहे समझ ले।

हम पहले से ही जोमतेन में हैं, इसलिए मैंने सोचा कि पेशेवर थाई बॉक्सिंग देखने का यह अच्छा मौका होगा - बार में होने वाली नकली बॉक्सिंग नहीं - पास के फेयरटेक्स थेपरासिट स्टेडियम में, जो आज रात 8 बजे शुरू हो रही है। हम एक टैक्सी में बैठ गए और वहाँ के लिए निकल पड़े। वहाँ पहुँचते ही हमारा स्वागत एक बड़ी

भीड़ ने किया। आज रात थाईलैंड बनाम यूरोप का मुकाबला है, इसलिए मुझे लगा कि यह और भी रोमांचक होगा। 1000 बात के टिकट खरीदने के बाद, हम स्टैंड में बैठ गए, जहाँ ढेर सारी बीयर थी। स्टैंड अब वाकई बहुत ऊँचा और ढलान वाला लग रहा था, और मुझे यकीन है कि यह हमारे देश के सुरक्षा मानकों के हिसाब से बिल्कुल भी ठीक नहीं था। पहला मुकाबला एक फ्रांसीसी मुक्केबाज के लिए आसान जीत जैसा लग रहा था, जिसने अपने थाई प्रतिद्वंद्वी पर पूरी तरह से हावी होकर खेला था, लेकिन जैसे-जैसे मुकाबला आगे बढ़ा, थाई मुक्केबाज को विजेता घोषित कर दिया गया। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं थी, क्योंकि यहाँ आने वाले किसी भी मुक्केबाज को जीतने के लिए अपने थाई प्रतिद्वंद्वी को नॉकआउट करना ही पड़ता है, क्योंकि किसी भी हालत में वे अपने ही खिलाड़ी के खिलाफ अंकों के आधार पर फैसला नहीं सुनाएंगे। यूरोप के ज्यादातर लड़ाकू विमानों को भीषण उमस के कारण सांस लेने में तकलीफ हो रही है, मुझे उन पर तरस आ रहा है क्योंकि मुझे भी सांस लेने में दिक्कत हो रही है और मैं तो बस बैठकर उन्हें देख रहा हूँ!

लगभग दो घंटे बाद हमें और बीयर की ज़रूरत महसूस हुई, लेकिन हममें से किसी में भी इतनी ऊँचाई से नीचे उतरने की हिम्मत नहीं थी। पूरी लड़ाई के दौरान स्थानीय बच्चे छोटे बंदरों की तरह मचान पर चढ़ते रहे, जिससे हमें और भी असुरक्षित महसूस हुआ क्योंकि वे हमारे बैठने की जगह के नीचे शोर मचाते रहे। हर थोड़ी देर में कोई न कोई अपना गंदा सा सिर बाहर निकालकर चिल्लाता, "हेलो फरांग!" इससे मुझे एक विचार आया और मैंने 500 बात का नोट देते हुए कहा, "ज़्यादा बीयर चाहिए।" जैसे ही मेरा पैसा मेरे हाथ से झट से छीन लिया गया, मैं सोचने लगा कि शायद मैंने अपनी ज़िंदगी का सबसे बेवकूफी भरा काम नहीं किया। दस मिनट बाद एक बैग मेरी गोद में थमा दिया गया जिसमें बीयर के आठ कैन थे! बच्चे ने न सिर्फ बीयर लाकर दी, बल्कि उसे बीयर पिलाई भी! खुशी से मैंने उस छोटे बच्चे को दो सौ बात टिप के रूप में दिए, जो शायद उसने अपनी छोटी सी ज़िंदगी में कभी नहीं देखे होंगे। उसने खुशी-खुशी पैसे लिए और झट से गायब हो गया। तो अब हम आखिरी दो लड़ाइयों के लिए पूरी तरह तैयार हैं, हमारे पास भरपूर बीयर है, एकदम बढ़िया! कुछ ही देर बाद, भारी हंगामा मच जाता है क्योंकि सैनिक मशीनगनों से लैस होकर बॉक्सिंग रिंग को चारों ओर से घेर लेते हैं! हर कोई तुरंत घुटनों के बल बैठकर अंदर आ रहे एक शख्स के सामने झुकने लगता है। एक पल के लिए मुझे लगा कि वे उस अपराधी को गिरफ्तार करने आए हैं जिसने एक छोटे बच्चे को बीयर के लिए पैसे दिए थे, और तभी रॉबर्ट कहता है, "भाड़ में जाए ये सब!" और वह जल्दी से खाली बोतलों का थैला और नई बोतलों का थैला तीस फीट नीचे ज़मीन पर फेंक देता है और खुद भी झुकने लगता है! मेरी राहत के लिए, थाईलैंड के राजकुमार आज रात कुछ मुक्केबाजों को ट्रॉफी देने आए हैं। नई बीयर का थैला वही लड़का हमें लौटा देता है जो लगभग एक घंटे पहले लाया था। अब हम इस घटना पर हँसना बंद नहीं कर पा रहे हैं और आखिरी लड़ाई के दौरान बची हुई बीयर भी गटक जाते हैं। अब लड़ाई खत्म हो चुकी है और नीचे जाने का समय है, जो हम बहुत धीरे-धीरे करते हैं, बीयर का नशा हमारे दिमाग में घूम रहा है और इस असुरक्षित ढांचे से गिरने का डर सता रहा है। लेकिन आखिरकार हम कामयाब हो गए और एक बार फिर से मजबूत जमीन पर पैर जमा लिया।

स्टेडियम के बाहर हम टैक्सी लेकर पटाया वापस आ गए, जहाँ फिलहाल बारिश रुकी हुई थी। लेकिन मौसम कितनी जल्दी बदल सकता है, यह पहले ही देख चुके थे और दोबारा फंसना नहीं चाहते थे, इसलिए बाकी रात होटल के पास के बार में ही बिताई, जहाँ हम पहले हुई लड़ाई की घटना पर हँसते रहे। यह पहली रात थी जब मैंने होटल के रिसेप्शन पर अपनी दोस्त लेक को नहीं देखा। उस समय मुझे पता नहीं था कि वह मर चुकी थी।

अगले दिन, तय योजना के मुताबिक, वो अजीबोगरीब जोड़ा फिर से मिल जाता है। पुक ऐसे बर्ताव करती है जैसे कुछ हुआ ही न हो और न ही कोई सफाई या माफी मांगती है। जब मैं उन्हें अगले दिन देखता हूँ, तो वो ढेर सारे नए सोने के गहनों से लदी हुई है और बेहद खुश दिखती है। "मेरे पति ने मेरे लिए खरीदे हैं," वो कहती है और मुझे अपने इस नए खर्चे का हर एक गहना दिखाती है। "हम सोने की खरीदारी करने गए थे," रॉबर्ट कहता है। अरे वाह! मैंने तो कभी सोचा भी नहीं था! लगता है ये पुक का नया शौक है, जिसकी आँखें सोने का नाम सुनते ही चमक उठती हैं। उनके लिए किसी सोने की दुकान के पास से बिना रुके निकलना नामुमकिन सा लगता है, जहाँ वो महंगी अंगूठियाँ और हार पहनकर देखती है। अब तो उसने इसमें महारत हासिल कर ली है। "डार्लिंग, ये खूबसूरत तो है, लेकिन बहुत महंगा है, खरीद नहीं सकती।" और ज़ाहिर है, उसे हमेशा खुश रखने के लिए जवाब हमेशा की तरह होता है, "डार्लिंग, मैं तुम्हारे लिए खरीदता हूँ, अपनी पत्नी के लिए कुछ भी!" और फिर से वही पुराना क्रेडिट कार्ड निकल आता है। पहली बार तो वो सच में एक असली जोड़े की तरह लग रहे हैं, हाथ में हाथ डाले अगली सोने की दुकान की ओर जा रहे हैं! मैंने रॉबर्ट से मज़ाक में कहा, "शायद वो पहली थाई लड़की होगी जिसके घुटने उसके बढ़ते वज़न की वजह से टूट जाएंगे।" वो मुस्कुराते हुए बोला, "मेरी पत्नी के लिए तो बस सबसे अच्छी चीज़!" कहावत है कि पैसा प्यार नहीं खरीद सकता, हालांकि मुझे नहीं लगता कि रॉबर्ट इस बात से सहमत होंगे, कम से कम अभी तो नहीं। लेकिन मुझे यकीन है कि समय आने पर वो मान जाएंगे। हो सकता है इस साल, अगले साल या पाँच साल बाद, लेकिन आखिरकार उन्हें समझ आ ही जाएगा। उम्मीद है कि जब उन्हें सच्चाई का एहसास होगा तब वो दिवालिया नहीं होंगे।

पुक के शरीर पर लटके इस सारे सोने के अतिरिक्त भार से वह थक रही होगी, क्योंकि उसने सुझाव दिया कि हम पैरों की मालिश के लिए रुकें। मुझे यह अच्छा विचार लगा और मैं कभी भी अच्छी मालिश को मना नहीं करता, इसलिए मैं खुशी-खुशी मान गया। हम संयोग से सोई बुखाओ से गुजर रहे थे, इसलिए मैंने उन्हें टारगेट मसाज के बारे में बताया, जिसे मैंने अपनी पिछली यात्रा में खोजा था। कुछ ही मिनटों में हम मालिश के लिए पहुँच गए। बैठते ही हमारे हाथों में सिंघा बियर थमा दी गई। मालिश, बियर और खूबसूरत लड़की के साथ इससे ज्यादा सुकून और क्या हो सकता है? मैं उस खुशहाल जोड़े के सामने बैठा था और रॉबर्ट और मैं दोनों जागते रहने के लिए संघर्ष कर रहे थे। यह मुश्किल था क्योंकि पुक अपना सारा सोना दिखा रही थी और ऐसे बकबक कर रही थी जैसे बोलने का कोई विश्व रिकॉर्ड बनाने की कोशिश कर रही हो। मेरा मन कर रहा था कि कह दूं, ठीक है, तुम जीत गई, ये लो स्वर्ण पदक, कृपया चुप हो जाओ! बीस मिनट तक लगातार बकबक

चलती रही, अब आता है दिलचस्प हिस्सा। मैंने अपने पैरों की मालिश को पूरे शरीर की मालिश में बदलने का फैसला किया, जिसका मतलब था दूसरे कमरे में जाना। वहाँ एक युवती ने उत्सुकता से पूछा, "क्या आपके दोस्त ने सच में उस थाई महिला से शादी कर ली है?" मैंने कहा, "हाँ, उन्होंने शादी कर ली है, क्यों?" मालिश करने वाली युवती ने सिर हिलाते हुए कहा, "यह मेरा काम नहीं है, कोई बात नहीं।" इससे मुझे लगा कि उसने पुक की कही कोई बात सुन ली होगी। मैंने कहा, "अगर तुम मुझे बताओगी तो मैं तुम्हें बड़ी टिप दूँगा!" क्योंकि ज़्यादा पैसे मिलने की उम्मीद से यहाँ तो सबसे चुप रहने वाली ज़बान भी खुल जाती है, इसलिए उसने झट से कहा, "ठीक है, आप वादा करें कि आप किसी को नहीं बताएँगे कि मैंने क्या कहा? मैं उस थाई महिला से कोई झगड़ा नहीं चाहता।"

जब मैं उसकी बात मान लेता हूँ, तो वह आगे बताती है कि असल में पुक रॉबर्ट के साथ सिर्फ पैसों के लिए है। पैसों के अलावा उनका कोई रिश्ता नहीं है, यहाँ तक कि वह यह भी कहती है कि वह उसे बिल्कुल पसंद नहीं करती और हर किसी को उसके बारे में बुरी-बुरी बातें ही बताती है। मुझे लगता है इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है, लेकिन हालाँकि मुझे लड़की की बातों पर ज़रा भी शक नहीं है, पर यह कोई पक्का सबूत नहीं है क्योंकि मैं थाई भाषा नहीं जानता, इसलिए मुझे ठीक से पता नहीं कि क्या कहा गया था और हो सकता है कि यह उस लड़की की ईर्ष्या की वजह से हो। मसाज के बाद, जैसा वादा किया था, मैंने उस लड़की को जानकारी देने के लिए पाँच सौ बात अतिरिक्त दिए, जिससे वह बहुत खुश हुई। जानकारी सच थी या झूठ, यह तो मुझे कभी पता नहीं चलेगा, लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि वह सच थी या झूठ।

मसाज के बाद पुक को सोई बुखाओ के दूसरी तरफ़ वाले बाज़ार से और कपड़े खरीदने थे, वैसे तो उसे ज़रूरत नहीं थी, लेकिन उसे पैसे खर्च करने की आदत पड़ रही थी और वो इसमें माहिर भी हो रही थी। सामने कुछ अच्छे बार थे, तो मैंने भी उनके साथ चलने का फ़ैसला किया। मेरा कोई और इरादा नहीं था, तो मैंने सोचा क्यों न चलें? और उस मसाज करने वाली लड़की ने जो बताया, उसके बाद तो आज मैं चीज़ों को थोड़ा और ध्यान से देखना चाहता था। मैंने टैक्सी लेने का सुझाव दिया, ताकि रॉबर्ट का क्रेडिट कार्ड—या उसकी माँ का क्रेडिट कार्ड—फिर से इस्तेमाल होने की परेशानी से बच जाए। इस सड़क पर इतनी सारी सोने की दुकानें हैं, मुझे यकीन है कि पुक के लिए उनमें से किसी एक में जाए बिना उनके पास से गुज़रना आसान नहीं होगा। हम बाज़ार के बाहर टैक्सी से उतरे—ज़्यादा से ज़्यादा 5 मिनट की छोटी सी सवारी के बाद—जहाँ पुक ने रॉबर्ट को दो बियर के लिए पैसे दिए। कितनी अच्छी बात है! कितना मज़ाक है!

वो और कपड़े खरीदने चली जाती है और हम पास के एक बार में चले जाते हैं जिसका नाम बट्सीज़ बार है - अजीब नाम है, पता नहीं क्यों रखा है, पर क्या फर्क पड़ता है, वहाँ तो बीयर मिलती है और हमें बीयर की बहुत ज़रूरत है! रॉबर्ट सोचता है कि पुक के शॉपिंग ट्रिप से वापस आने से पहले उसके पास एक घंटे का समय है, इसलिए वो तुरंत बीयर गटकने लगता है। हर बार जब नई बीयर आती है, तो वो ज़िद करता है कि जितनी पीता जाए उतनी ही पैसे दे, ताकि पता न चले कि उसने कितनी पी ली हैं। मुझे लगता है थोड़ा ज़्यादा ही है, पर अगर यही करना पड़े तो ठीक है।

बार में हमारी बातचीत एक और आदमी से होती है, जो संयोग से एक थाई लड़की से शादीशुदा है और पटाया में रहता है। वह रॉबर्ट को पैसों के मामले में कुछ बहुत ही कीमती सलाह देता है। वह कहता है कि सबको पैसे देने के चक्कर में मत पड़ो, क्योंकि एक बार शुरू कर दो तो लोग हमेशा पैसे मांगते रहेंगे। वह आगे कहता है कि उसने शुरू से ही साफ कर दिया था कि उसकी पत्नी और उसके माता-पिता को ही पैसे मिलेंगे, किसी और को नहीं। वह कहता है कि उसने अपनी पूरी जिंदगी मेहनत से पैसे कमाए हैं, इसलिए वह हर उस परिवार के सदस्य को पैसे नहीं दे सकता जो भीख मांगता है। रॉबर्ट उसकी हर बात से सहमत हो जाता है, जो थोड़ा अजीब है क्योंकि वह पहले से ही ठीक वही कर रहा है जिसके लिए वह उसे चेतावनी दे रहा है। रॉबर्ट अब उसे बताता है कि वह एक रिटायर्ड बिजनेसमैन है - यह सुनकर मेरी बीयर गले में अटक गई - और उसने पहले दिन से ही पैसों के मामले में सख्त नियम बना रखे हैं। यह उसकी तरफ से कोरी कल्पना है, लेकिन उसकी कहानी जल्द ही झूठी साबित हो जाती है क्योंकि पुक अचानक कपड़ों से भरे थैलों से लदी बांहें लिए हुए आती है और कहती है कि उसे और कपड़े खरीदने के लिए और पैसे चाहिए। “जी जान, तुम्हें कितने पैसे चाहिए? जितने चाहो उतने खरीद लो, ठीक है?” रॉबर्ट कहता है। मैं उस आदमी को मन ही मन मुस्कुराते हुए देखती हूँ, उसे शायद पता था कि रॉबर्ट ने जो कहा वो सब झूठ था। अपनी इज्जत बचाने की कोशिश में रॉबर्ट झट से कहता है, “आज उसका जन्मदिन है, तो मैं छूट दे रहा हूँ।” वह आदमी बस मुस्कुराता है और सिर हिलाता है। अचानक सबकी निगाहें मुझ पर टिक जाती हैं क्योंकि मैं अपनी दबी हुई हंसी को रोक नहीं पा रही थी और जोर से हंसने लगती हूँ। मैं बहाना बनाती हूँ कि मुझे घर से एक दोस्त का एक मजेदार मैसेज आया था, जो रॉबर्ट की कहानी जितना ही बेतुका था। एक घंटा बीत जाता है, फिर पुक और कपड़े लेकर लौटती है और कहती है कि अब वह थक गई है और उसे सोना है, जो कि सही समय था क्योंकि फिर से तेज बारिश होने वाली थी। हम सब अपने-अपने रास्ते चले जाते हैं और अपने-अपने होटलों की ओर बढ़ जाते हैं।

होटल लौटते समय, मैंने पास की एक गली से शॉर्टकट लिया, जहाँ दो बार वाली लड़कियाँ सड़क के बीचोंबीच ज़बरदस्त बहस कर रही थीं। उनके गुस्से भरे शब्दों से लग रहा था कि कुछ ही सेकंड में बड़ा हंगामा मच जाएगा! भीड़ बढ़ती जा रही थी, इसलिए मैं रुककर देखने लगा। तभी अचानक एक बीयर मेरे हाथ में थमा दी गई, “पी लो! तुम्हारे लिए एक बड़ी लड़ाई है, मज़े करो!” एक बेहद उत्साहित, प्यारी सी छोटी लड़की ने अपने बार की ओर इशारा करते हुए कहा, “लड़ाई देखो, फिर पैसे देना, ठीक है?” इन लोगों को सड़क पर होने वाली लड़ाई बहुत पसंद है, और यह भी वैसी ही लग रही थी, क्योंकि दोनों लड़कियाँ एक-दूसरे के चेहरे पर कोहनी, घुटने और लातों से हर तरफ से ज़ोरदार वार कर रही थीं। यह थाई बॉक्सिंग स्टाइल की लड़ाई थी, जिसमें न तो बाल खींचे जा रहे थे, न थप्पड़ मारे जा रहे थे, बस दोनों तरफ से ज़ोरदार और दमदार मुक्के पड़ रहे थे। दोनों लड़कियाँ बेहद खूबसूरत थीं, लेकिन इस भयंकर लड़ाई के बाद शायद उतनी खूबसूरत न रहें। बारिश तेज होने के कारण उनके लिए लड़ाई जारी रखना असंभव हो जाता है। वे दोनों बारिश रुकने के बाद फिर से लड़ने के लिए सहमत हो जाती हैं और अपने-अपने बार में लौट जाती हैं, जिनमें

से एक वही बार होता है जहाँ मैं अपनी ड्रिंक का भुगतान कर रहा होता हूँ। लड़ाई के दोबारा शुरू होने का इंतज़ार करने के लिए वहीं रुकना लुभावना लगता है, लेकिन बारिश रुकने का नाम नहीं ले रही है, इसलिए शायद घंटों लग जाएँगे। लड़ने वाली लड़कियों में से एक मेरे पास आती है और कहती है, "मैं तुम्हारे साथ चलूँ, ठीक है?" इस लड़की को लड़ते हुए देखने के बाद, मैं विनम्रता से प्रस्ताव को अस्वीकार कर देता हूँ - यह सोचकर कि अगर मैंने उसे संतुष्ट नहीं किया तो वह मेरी बुरी तरह पिटाई कर सकती है - और उससे कहता हूँ, "तुम अच्छी लड़ती हो।" उसका जवाब होता है, "हाँ, बहुत-बहुत धन्यवाद, मुझे लड़ना पसंद है, बाद में मैं उस कमीनी को मार डालूँगी, देखना चाहते हो, ठीक है?" उस डरावनी टिप्पणी के साथ, मैं तुरंत वहाँ से निकलने का फैसला करता हूँ और अपने होटल वापस चला जाता हूँ, मेरे मन में यह ख्याल आता है कि बाद में इसी गली में ब्रूस ली की बहन के हाथों किसी की मौत हो जाएगी।

अगले दिन हमेशा की तरह, मैं अपने पसंदीदा नाश्ते की जगह लेविंस्की में उस खुशहाल जोड़े से मिला। उसके बाद हम समुद्र तट की ओर चल पड़े, जहाँ उत्सुक दर्शकों की एक बड़ी भीड़ जमा थी। मुझे नहीं पता था कि इतनी दिलचस्पी किस बात की है, लेकिन जानने की स्वाभाविक इच्छा होना स्वाभाविक है, इसलिए हम उस दिशा में चल पड़े। पता चला कि स्थानीय बंदर प्रशिक्षण स्कूल में किसी तरह का दीक्षांत समारोह चल रहा था, जिसमें छात्रों - बंदर छात्रों - की परीक्षा ली जा रही थी कि उनके प्रशिक्षण कौशल कितने विकसित हुए हैं और अब उन्हें अभ्यास में लाने का समय आ गया था। सभी लोग उत्सुकता से देख रहे थे जब पहले बंदर को नारियल लाने के लिए पास के पेड़ पर भेजा गया। बंदर बिजली की तेज़ी से पेड़ पर चढ़ गया, लेकिन वहीं नहीं रुका। आज़ादी का बड़ा मौका भांपते हुए, वह एक भागे हुए कैदी की तरह सीधे पेड़ पर चढ़ गया और बिजली की तारों को पार करते हुए सड़क के उस पार जेल की सलाखों में गायब हो गया, फिर कभी दिखाई नहीं दिया! समुद्र तट पर मौजूद बंदर प्रशिक्षक ने झुंझलाहट में हाथ हिलाते हुए कहा, "उस बंदर को छोड़ो! मुझे लगता है कि वह अभी तैयार नहीं है।" और तो और, वह बड़े आराम से अगले छात्र को तैयार कर रहा था, जो मेरे ख्याल से उससे भी बेहतर कर सकता था। उस शरारती बंदर को आज़ादी के लिए भागते देख मैं और बाकी सब लोग ज़ोर-ज़ोर से हंसने लगे। यह थाईलैंड में मेरे अब तक के सबसे मज़ेदार अनुभवों में से एक है और शायद ही कोई इसे पीछे छोड़ पाए। मुझे नहीं पता कि भागे हुए बंदर को कभी पकड़ा गया या नहीं, लेकिन चूंकि किसी को ज़्यादा परवाह नहीं थी, तो शायद नहीं। हो सकता है कि वह किसी बार में पालतू जानवर बन गया हो या किसी रेस्टोरेंट के मेनू में शामिल हो गया हो। दोनों ही बातें बराबर मुमकिन हैं।

दोपहर बाद बीच पर फिर से हंगामा मच गया, तेज चीख-पुकार से हमारी शांति अचानक भंग हो गई। इस बार किसी बदकिस्मत जापानी पर्यटक का जेट स्कीइंग करते समय पैर टूट गया था। वह बीच पर पड़ा चीख रहा था, उसका टूटा हुआ पैर हवा में पंख की तरह फड़फड़ा रहा था। ज्यादातर थाई लोग उसके आसपास खड़े होकर यह तमाशा देख रहे थे - ऐसा लग रहा था जैसे उन्हें दुर्घटना पीड़ितों में एक अजीब सी दिलचस्पी हो - और जाहिर तौर पर कोई भी एम्बुलेंस को बुलाने के लिए नहीं बुला रहा था। वे उसके पैर की ओर इशारा करते हुए हंस रहे थे, मजाक कर रहे थे और बातें कर रहे थे जैसे यह कोई बड़ी बात नहीं है, कुछ लोग तो इस

दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना पीड़ित की तस्वीरें भी ले रहे थे। आखिरकार तीस मिनट बाद एक एम्बुलेंस आई, तब तक बेचारा आदमी बेहोश हो चुका था, निस्संदेह असहनीय दर्द से। खैर, अच्छा हुआ कि उसके साथ ऐसा हुआ, मैंने सोचा और उसे सबक मिल गया कि वह इन चीजों पर मेरी नींद खराब करने की कोशिश न करे! और अब जब हंगामा शांत हो गया था, मैं दुनिया की सारी चिंताओं को भूलकर फिर से सो गया।

अगले कुछ दिनों में मौसम बेहद खराब हो जाता है और भारी बारिश होती है। खुशहाल जोड़ा एक बार फिर गांव लौट जाता है क्योंकि घर के लिए और भी सामान खरीदना होता है। इस बार उन्हें बाहर एक बाथरूम बनवाना है जिसमें सही प्लंबिंग की व्यवस्था हो। रॉबर्ट ने बताया कि उसने उसके लिए सरप्राइज के तौर पर एक टॉयलेट खरीदा था, लेकिन जब उसने उस नए टॉयलेट में पहली बार शौच किया, तब उसे एहसास हुआ कि वह किसी चीज से जुड़ा ही नहीं है, इसलिए उसका कोई खास उपयोग नहीं है सिवाय उस पर बैठकर किताबें पढ़ने के, और हां, पहले अपनी गंदगी साफ करने के बाद। अब ऐसा लगता है कि घर की खरीदारी सूची में कई और चीजें जुड़ती जा रही हैं, जिनमें बाहर का बाथरूम और एक बगीचा शामिल है, जिसमें एक बड़ा बुद्ध मंदिर मुख्य आकर्षण का केंद्र है। जाहिर है, पुक को अब चिंता है कि उनका घर इतना अच्छा दिखेगा कि आस-पड़ोस के लोग उसकी कीमत कम कर देंगे, जिसका मतलब है कि आस-पास की हर चीज को अपग्रेड करना होगा। अब हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। रॉबर्ट ने पैसे खर्च करने के मामले में एक ऐसा राक्षस खड़ा कर दिया है जिसे रोकना नामुमकिन है। अब यह उसके लिए एक व्यक्तिगत चुनौती बन गई है कि वह अपने लिए, अपने परिवार और अपने गांव के लिए कितना पैसा जुटा सकती है, और अगली बार जब मुझे रॉबर्ट से बात करने का मौका मिलता है तो यह बात और भी पुख्ता हो जाती है।

अगले दिन उसने मुझे फोन करके बताया कि पुक ने अब नई कार लेने का फैसला कर लिया है। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि उसे गाड़ी चलाना बिल्कुल नहीं आता! लेकिन चूंकि उन्होंने घर के पास कार पार्किंग बना ली है, तो उसमें कार खड़ी रखना ठीक ही है! किसी और को शायद समझ आ जाए, लेकिन मुझे तो बिलकुल नहीं, पर ये मेरा पैसा तो खर्च नहीं हो रहा। बेशक, वो उसकी हर छोटी-मोटी योजना में उसका साथ देता है, "वो सही कह रही है यार, नई कार से तो हमारे घर की कीमत ही बढ़ेगी।" वो पागलों की तरह मान जाता है। वो अब एक बहुत ही चालाक लेकिन धूर्त औरत के बहकावे में आ गया है। मैंने उससे कहा, "अगर वो तुम्हारे साथ रहने आ रही है तो उसे यहाँ इन सब चीजों की क्या ज़रूरत है? अगर तुम यहाँ इतना आरामदेह माहौल बना दोगे, तो शायद वो ये सब छोड़कर जाना ही न चाहे।" उसने कहा कि गाँव वाला घर थाईलैंड जाने पर उनका ठिकाना होगा, और उसे थाईलैंड में संपत्ति का मालिक होने का विचार अच्छा लग रहा है, हालांकि उसे पक्का नहीं पता कि कानूनी तौर पर इस घर पर उसका कितना मालिकाना हक है। बेशक, होटल में रहना सस्ता होता, लेकिन उसे लगता है कि दूतावास को यह देखकर अच्छा लगेगा कि उसने उसके लिए घर खरीदा है। यह सच हो सकता है, लेकिन अब खर्चा सचमुच बढ़ता जा रहा है। वह कहता है, "यार, तुम्हें आकर हमारा घर देखना चाहिए, पुक चाहती है कि तुम इसे देखो।" मैंने विनम्रता से निमंत्रण ठुकरा दिया। सिर्फ तीन दिन बचे हैं और मैं आधुनिक युग की सुख-सुविधाओं के साथ जहाँ हूँ, वहीं खुश हूँ।

मुझे सुनसान जगह पर किसी गुफावासी की तरह रहने की कोई ज़रूरत नहीं है! यह मेरे लिए बिल्कुल भी मज़ेदार नहीं है। धन्यवाद, लेकिन नहीं!

पटाया की भीषण बाढ़, वर्ष 2011

मौसम दिन-ब-दिन खराब होता जा रहा है, अगले हफ्ते मूसलाधार बारिश का पूर्वानुमान है। मैं अपने होटल के कमरे में हूँ और स्थानीय समाचारों में बाढ़ग्रस्त सड़कों के वीडियो दिखाए जा रहे हैं। थाईलैंड की गलियों में इतना पानी भर गया है कि लोग कमर तक पानी में डूबे हुए दिखाई दे रहे हैं! कारों की जगह घर की बनी नावें दिखाई दे रही हैं; ऐसा लगता है कि इन लोगों को आने-जाने से कोई नहीं रोक सकता। मुझे लगता है कि अगर वे आ-जा सकते हैं तो मैं भी आ सकता हूँ, और सिर्फ तीन दिन बचे हैं, इसलिए मैं इन्हें अपने इस घटिया होटल में फँसे रहकर बिताना नहीं चाहता। वैसे, मुझे ठीक से पता नहीं है कि मैं कहाँ जाऊँ, क्योंकि ऐसा लगता है कि पूरा पटाया बुरी तरह से बाढ़ की चपेट में है और ज़्यादातर बार बंद हैं। खैर, होटल में एक बार है और बगल में एक 7-Eleven है, तो मुझे लगता है कि अगर मुझे फँसना ही है तो कम से कम मुझे सिंगहा या चांग बियर के रूप में कुछ पीने को तो मिल ही जाएगा। मजबूरी के समय में भी आपको अपनी प्राथमिकताओं का ध्यान रखना चाहिए।

अगले दिन, जूते हाथ में लिए, मैंने होटल से निकलने की कोशिश की। शुक्र है पानी सिर्फ मेरे घुटनों तक था, लेकिन कल रात की खबरों में दिखाए गए औसत थाई व्यक्ति से मैं काफी लंबा था, इसलिए शायद आज सुबह हालात बेहतर नहीं होंगे। मैं सामने से गुज़र रही पहली टैक्सी में बैठ गया और घूमने निकल पड़ा, मुझे खुद अपनी आँखों से देखना था कि क्या होने वाला है। खैर, कम से कम इससे मैं कुछ देर के लिए होटल से बाहर तो निकल गया। सेकंड रोड पर जाते हुए मुझे सिर्फ बंद बार ही दिखाई दिए, जहाँ कभी सैकड़ों पर्यटक घूमते-फिरते और शराब पीते नज़र आते थे, अब बस कुछ ही लोग ठंड का सामना करते हुए दिख रहे थे। घबराहट को काबू करने की कोशिश करते हुए, जो अब मेरी समझदारी छीनने की धमकी दे रही थी, मैं टैक्सी से कूद गया और लगभग पानी में डूब ही गया, लेकिन मुझे एक खुला बार मिल गया। लीसा का बार 'बिग सी' शॉपिंग सेंटर के सामने है और ऐसा लग रहा था कि वे अभी-अभी खुले हैं। लेकिन उनके पास बीयर का अच्छा स्टॉक था, बिल्कुल वही जिसकी मुझे ज़रूरत थी। मैं बच गया!

मैं सिर से पैर तक पूरी तरह भीग चुका था, इसलिए बार की लड़कियों ने जल्दी से मेरे कपड़े उतारकर मुझे सिर्फ अंडरपैंट में छोड़ दिया और पंखों के सामने सुखा रही थीं। राहगीरों के लिए यह नज़ारा अच्छा नहीं था, लेकिन ये पटाया है, है ना? किसे परवाह है! और वैसे भी, यहाँ कोई राहगीर नहीं है, सिर्फ मैं और तीन बार गर्ल्स हैं, तीन खूबसूरत बार गर्ल्स, जिनमें से एक बेहद खूबसूरत है, तो मैं सोच रहा था कि इससे बुरा भी हो सकता था। उनके पास बीयर है और मेरे पास पैसे! ज़रूरत पड़ने पर मैं पूरे दिन यहीं रहूँगा। और मैं लगभग यही कर रहा था, सबसे खूबसूरत लड़की का नाम 'कैट' है, वह मज़ेदार है और बाकी दोनों से ज़्यादा दिलचस्प लगती है और ऐसा लगता है कि उसने मेरे कपड़े सूखने तक मेरी देखभाल करने की ज़िम्मेदारी ले ली है। खुशकिस्मती से मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार अगले कुछ दिनों तक इस मूसलाधार बारिश की दिशा

अचानक बदल जाएगी और बैंकॉक सबसे ज़्यादा प्रभावित होगा। चूंकि मेरे आखिरी दो दिन ठीक-ठाक बीतेंगे, इसलिए मैंने कल कैट से मिलने का इंतज़ाम किया है, जो मेरी तीन बार लड़कियों में सबसे पसंदीदा है। उसे बार के अंदर और आसपास बहुत सफाई करनी है, इसलिए आज रात वह होटल में नहीं रुकेगी। मैंने अपने सूखे कपड़े पहने और फिर से बारिश में निकल पड़ा। "कल मिलते हैं, मुझे भूलना मत, ठीक है?" मेरी नई दोस्त चिल्लाई। "मैं यहीं रहूंगा, चिंता मत करो।" मैंने उसे भरोसा दिलाया। बिलकुल, मैं यहीं रहूंगा, वह इतनी हॉट है कि उसके लिए वापस आना तो बनता ही है!

सत्य का अभयारण्य एक ऐसा मंदिर है जो पूरी तरह से सागौन की लकड़ी से बना है। अभयारण्य में पारंपरिक बौद्ध और हिंदू रूपांकनों पर आधारित हस्तनिर्मित मूर्तियां हैं। यह इमारत लगभग 350 फीट ऊंची है और 30 एकड़ से अधिक भूमि में फैली हुई है, जो उत्तरी पटाया के समुद्र तट पर स्थित है। इसमें पारंपरिक धार्मिक विषयों पर आधारित कलाकृतियां हैं। इस परियोजना की शुरुआत 1981 में सनकी थाई अरबपति व्यवसायी लेक विरियाफंत के विचार से हुई थी, जो स्थानीय लोगों को कुछ वापस देना चाहते थे। ऐसा माना जाता है कि यह मंदिर एक सतत परियोजना है जो इसकी जटिलता के कारण कभी पूरी नहीं होगी। अभयारण्य की शैली खमेर वास्तुकला की याद दिलाती है, जिसमें अंगकोर के शाही परिवेश को दर्शाने वाली हस्तनिर्मित लकड़ी की मूर्तियां प्रदर्शित हैं। इसके चार पंख हैं जो क्रमशः बौद्ध और हिंदू धर्मों और कंबोडिया, चीन, भारत और थाईलैंड की पौराणिक कथाओं के प्रतीकों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसका आधिकारिक उद्देश्य पृथ्वी पर स्वर्ग का प्रतिनिधित्व करना है और यह बेहद खूबसूरत है। मंदिर के पास ही एक पारंपरिक थाई शो और पैरों की मालिश करने वाली लड़कियां भी मौजूद हैं जो आपके थके हुए पैरों को आराम देने के लिए तैयार हैं। कभी-कभी बार से बाहर निकलकर कुछ देखने का मन करता है, और यह एक सतत परियोजना होने के कारण हर बार जब मैं यहाँ आता हूँ तो यह बिल्कुल अलग दिखता है। अपनी छुट्टियों के 2-3 घंटे यहाँ बिताना वाकई सार्थक है।

अगले दिन मौसम थोड़ा सुधरता है, लेकिन इतना नहीं कि घूमने-फिरने के लिए निकल सकें, क्योंकि अभी भी ज़ोरदार बारिश हो रही है। पर कम से कम बाढ़ का पानी उतर चुका है और सड़कें फिर से दिखाई देने लगी हैं। इसलिए जब मैं अपनी नई दोस्त कैट को लेने जाता हूँ, तो हम दिन के लिए अपनी योजना बदल देते हैं और सीधे अपने होटल वापस चले जाते हैं। पहले भी कई बार 'सत्य का मंदिर' देख चुका होने के कारण मैं ज़्यादा निराश नहीं होता, बल्कि बिल्कुल भी निराश नहीं होता, क्योंकि अब मुझे कैट का मंदिर देखने को मिलता है। कैट जल्दी से अपने कपड़े उतार देती है और अपने सारे सौंदर्य को प्रकट कर देती है - उसका शरीर किसी भी लकड़ी के मंदिर से कहीं ज़्यादा आकर्षक और सुंदर है। वह कहती है, "कोई बात नहीं, आज कैट को देख लो, कल मंदिर देख लो।" मैं इससे बेहतर शब्द खुद नहीं कह सकता था। जैसे ही मैं इस लड़की के खूबसूरत शरीर को धीरे-धीरे निहारता हूँ, मैं इस मूसलाधार बारिश के लिए लगभग शुक्रगुजार होता हूँ जिसने मुझे किसी खुले बार की तलाश में इधर-उधर भटकने पर मजबूर कर दिया था, और उससे भी ज़्यादा शुक्रगुजार होता हूँ कि मैं उस खुशहाल जोड़े के साथ जंगल में कहीं बीचोंबीच फंसा नहीं हूँ। मुझे लगता है कि अपने

होटल के कमरे में अकेले फंसे रहना इससे कहीं ज़्यादा मज़ेदार होता! लेकिन फिलहाल, मैं न तो फंसा हुआ हूं और न ही अपने होटल के कमरे में अकेला हूं और मुझे लगता है कि यह खूबसूरत लड़की, जिस पर अब मेरा पूरा ध्यान है, पटाया में मेरे आखिरी दो दिनों के लिए बिल्कुल ठीक रहेगी।

दोपहर के आस-पास मुझे रॉबर्ट का एक बहुत परेशान करने वाला फोन आया, उसने कहा, “यार, सब खत्म हो गया! पुक तलाक चाहती है, ये रिश्ता अब नहीं चल रहा!” बैकग्राउंड में उसकी चीख-पुकार सुनाई दे रही थी और ऐसा लग रहा था कि उसने गालियां देने में महारत हासिल कर ली है क्योंकि वो बहुत ही गंदी गालियां दे रही थी! उसने आगे बताया कि वह पूरी तरह से आपा खो बैठी है और उसने उन चीजों की एक लंबी लिस्ट गिना दी है जो उसने नहीं की हैं, जो कि उसके द्वारा किए गए कामों को देखते हुए वाकई हैरान करने वाली बात है। मैंने उससे कहा, “तुम खुद ही उन चीजों की लिस्ट क्यों नहीं गिनाते जो तुमने उसके लिए खरीदी हैं?” बात बिगड़ती जा रही थी और उसकी बात सुनना मुश्किल होता जा रहा था, बस इतना ही सुनाई दिया, “बाद में मिलते हैं यार!” पाठकों, इससे एक सबक मिलता है, आप अपनी थाई गर्लफ्रेंड या पत्नी को सब कुछ दे सकते हैं, फिर भी वो और ज़्यादा चाहती है, और आखिर में बिना किसी परवाह के आपको छोड़ देती है। हालांकि रॉबर्ट के पास जो पैसा है, उसे देखते हुए मुझे पक्का शक है कि ये रिश्ता अभी खत्म हुआ है। अगर खत्म हो गया है तो अच्छा ही होगा, लेकिन मुझे इस पर बहुत शक है। कैट अनजाने में रॉबर्ट पर हो रहे मौखिक हमले को सुन लेती है और पूछती है कि उसने इतनी पागल औरत से शादी क्यों की? मैं उसे संक्षेप में पूरी कहानी सुनाती हूँ और सुनने के बाद वह कहती है, "मुझे लगता है तुम्हारे दोस्त की पत्नी अच्छी नहीं है!" मुझे लगता है कि यह इस स्थिति का सटीक आकलन है।

दोपहर बाद रॉबर्ट का फोन आता है और वह बताता है कि पुक आखिरकार शांत हो गई है और उसे लगता है कि अब सब ठीक हो जाएगा। वह मुझे उसके पहले के गुस्से का कारण बताता है, जो कि तेज़ बारिश थी, जिसके लिए पुक उसे दोषी ठहरा रही है! ज़ाहिर है, इस तरह की बारिश के लिए और कौन ज़िम्मेदार हो सकता है? वह इसलिए नाराज़ है क्योंकि मौसम की वजह से घर के जो भी सामान आने बाकी थे, उन्हें अगली सूचना तक रद्द कर दिया गया है। कोई भी समझदार व्यक्ति इस स्थिति को समझ सकता है, लेकिन वह न तो समझदार है और न ही कुछ समझती है! वह एक बार फिर पूरी ज़िम्मेदारी लेते हुए कहता है, "यार, वह सही कह रही है, अगर मैंने ये सब सामान पहले ही मंगवा लिया होता, तो हम बाढ़ से बच जाते।" इस रवैये के साथ उसने खुद को इस लड़की के सामने एक ऐसी स्थिति में डाल दिया है जहाँ से जीतना नामुमकिन है। लेकिन फिर वह मुझे बताता है कि उसने उसके लिए एक बिल्कुल नई कार खरीद ली है जो बाढ़ शुरू होने से पहले ही डिलीवर हो गई थी! कार पहले से ही उनके छोटे से घर के बाहर शान से खड़ी है। लेकिन यह भी इस एहसानफरामोश औरत को संतुष्ट करने के लिए काफी नहीं है!

एक बार फिर, मुझे बहुत राहत मिली कि मैंने वहाँ न जाने का फैसला किया, भयानक मौसम और पुक के बुरे रवैये को देखते हुए, यह बहुत ही भयानक होता। मैंने उससे कहा, "वह सच में पागल लग रही थी! क्या तुम सच में इस औरत के साथ सुरक्षित महसूस करते हो?" तब उसने मुझे बताया, "यार, उसने मुझे बुरी तरह

पीटा!" मुझे अपनी बात पर विश्वास करना मुश्किल हो रहा था, इसलिए मैंने कहा, "यह क्या बकवास है?" उसने आगे बताया कि पुक हिंसक हो गई और उसने उसे एक पंचिंग बैग की तरह इस्तेमाल किया, जिससे उसकी छाती पर दो बड़े-बड़े निशान पड़ गए। "मेरी पत्नी सच में बहुत अच्छी तरह लड़ सकती है! लेकिन वह सही कह रही है, मैं इसके लायक था!" वह दावा कर रहा था जैसे यह कोई गर्व की बात हो। अब मैं पूरी तरह से अवाक रह गया, उसकी हर छोटी-मोटी बात मानने के बाद, अब वह उसे पीटने को सही ठहराने की कोशिश कर रहा है! ऐसा लगता है कि उस जंगल में अब पागलपन का एक नया ही स्तर पहुँच रहा है।

मौसम अभी भी काफी खराब था, इसलिए आखिरी दिन हमने कैट के साथ आराम से बिताया। बारिश में इधर-उधर घूमकर फालतू की चीजें खरीदने का कोई मतलब नहीं था, जैसा कि मैं अक्सर करता हूँ और मुझे यकीन है कि ज्यादातर लोग भी ऐसा ही करते हैं। दोपहर में बारिश थोड़ी कम हुई, जिससे हम कैट के बार में जा सके, जहाँ हमें मुफ्त में खाना मिला। बिग सी शॉपिंग सेंटर के ठीक सामने एक स्टॉल लगा था, जहाँ डार्ट और गुब्बारे का खेल चल रहा था। अगर आप लगातार तीन गुब्बारे फोड़ देते हैं, तो आपको इनाम के तौर पर एक रोएंदार जानवर का खिलौना मिलता है। थाई लड़कियों को रोएंदार जानवरों के खिलौने बहुत पसंद होते हैं और मैं हमेशा से डार्ट खेलने में अच्छा रहा हूँ, तो शायद कैट की किस्मत चमक जाए! और ऐसा ही हुआ, मैंने डार्ट फेंकने में लगभग दस डॉलर खर्च किए और रोएंदार खिलौनों से भरे चार बैग जीत लिए! हम सड़क के दूसरी तरफ उसके बार में वापस गए, जहाँ रोएंदार जानवरों के खिलौनों से भरी बाहों के कारण उसका हीरो जैसा स्वागत हुआ। उसने उनमें से कुछ अपने दोस्तों को तोहफे में दे दिए। अब वह बहुत खुश थी। “हम होटल वापस चलते हैं और कैट आज रात तुम्हें खूब चोदेगी, अच्छा विचार है ना?” वह धीरे-धीरे अपना हाथ मेरी पैंट के नीचे ले जाते हुए मेरे पहले से ही कड़े लिंग को सहलाते हुए कहती है। मुझे कोई शिकायत नहीं, “अच्छा विचार है, चलो चलते हैं!” मैं कहता हूँ। जैसे ही हम उसके बार से निकलते हैं, मैं देखता हूँ कि एक और लड़की हमारे साथ चल रही है। “हम आज रात तुम्हें बहुत खुश करेंगे, ठीक है?” कैट कहती है। वह मुझे अपनी दोस्त से मिलवाती है। “यह टुप अंग्रेजी नहीं बोलती, लेकिन आज रात वह बिना बोले ही चोदेगी, अच्छा विचार है ना?” मुझे इन लड़कियों के अच्छे विचार पसंद आ रहे हैं और मेरी टैक्सी आने में अभी छह घंटे बाकी हैं, तो यह एक ज़बरदस्त आखिरी रात होने वाली है। “टुप आज रात अच्छी अंग्रेजी सीखेगी, तुम आज रात उसके शिक्षक हो।” कैट कहती है। खैर, मैं अपने छात्रों को कभी निराश नहीं करता, मुझे लगता है कि मुझे उसे वह सब कुछ सिखाना होगा जो मुझे आता है। होटल वापस आने पर दोनों लड़कियाँ कमान संभाल लेती हैं—वे शिक्षक हैं और मैं एक बहुत इच्छुक छात्र—और मुझे उन प्यारे जानवरों के खिलौनों के लिए अपनी सराहना दिखाती हैं। जब मैं आराम से लेटकर उनके कौशल का आनंद ले रहा था, तो मैं सोच रहा था कि शुक्र है कि मैं अभी भी एक-दो डार्ट फेंक सकता हूँ।

इस बार मौसम बेहद खराब रहा, और पहली बार मुझे घर लौटने पर ज़रा भी निराशा नहीं हो रही है। सच कहूँ तो, मैं यहाँ दोबारा आने के बारे में सोच भी नहीं रहा हूँ, जो मेरे लिए बहुत अजीब बात है। क्या थाईलैंड की मेरी यात्रा यहीं खत्म हो रही है? अगर मैं जुआ खेलने वाला होता - जो मैं नहीं हूँ - तो शायद मैं वापस आने के

खिलाफ ही शर्त लगाता। मेरी टैक्सी समय पर पहुँचती है और मैं कैट और टुप को अलविदा कहता हूँ, जो दोनों अपने हाथों में ढेर सारे प्यारे खिलौने हवा में लहरा रही हैं। अगर यह मेरी आखिरी यात्रा है, तो निश्चित रूप से इसका अंत बहुत ही शानदार रहा, क्योंकि उन दोनों ने मुझे खूब हंसाया। बारिश में उछलते-कूदते हुए उन खिलौनों को लहराना मेरे लिए सबसे मजेदार पलों में से एक था और हमेशा याद रहेगा। एयरपोर्ट वापस जाने का सफर आमतौर पर इतना सुखद नहीं होता, क्योंकि आप जानते हैं कि आप क्या पीछे छोड़ रहे हैं, लेकिन इस बार, किसी भी कारण से, मुझे कोई परेशानी नहीं है।

बैंकॉक एयरपोर्ट पर मेरी मुलाकात रॉबर्ट और पुक से हुई, जहाँ पुक ने हमेशा की तरह हॉलीवुड स्टाइल में अपने पति के जाने पर नाराज़गी जताने का नाटक किया। चेक-इन करने के बाद हम पासपोर्ट कंट्रोल से होते हुए एयरपोर्ट के अंदर गए, जहाँ हमें पास का एक बार मिला और हमने अपनी यात्रा के किस्से सुनाए। मेरा किस्सा था बार ढूंढने के लिए भीड़ से बचना, और रॉबर्ट का अपनी प्यारी पत्नी के मुक्कों और लातों से बचना। मुझे लगता है कि हम दोनों के लिए यह एक अजीब यात्रा रही है। मज़े की बात यह है कि कुछ ही मिनटों में पुक ने और पैसे मांगने के लिए मैसेज करना शुरू कर दिया। "देखो, मेरी पत्नी मुझसे कितना प्यार करती है, हम अभी निकले भी नहीं हैं और वो मुझे मैसेज कर रही है!" रॉबर्ट ने कहा। इस पर कोई जवाब देने की ज़रूरत नहीं थी, लेकिन मैं ये सोचे बिना नहीं रह सका कि वो उससे ज़्यादा उसके पैसे से प्यार करती है। शायद समय ही बताएगा।

विमान के उड़ान भरने के बाद, हम बैंकॉक के सुबह के आसमान में ऊँचाई पर चढ़ते हैं, जहाँ मैं अपने प्रिय स्थान की धुंधली होती रोशनी को आखिरी बार देखता हूँ - तब तक देखता रहता हूँ जब तक मेरी नज़रें अंधेरे में न डूब जाएँ - और मन ही मन थाईलैंड को अलविदा कहता हूँ। रॉबर्ट की यात्रा के किस्से सुनने के बाद, यहाँ वापस आने की मेरी संभावनाएँ बहुत कम हो गई हैं। मेरे लिए, इस छुट्टी में थाईलैंड के साथ जुड़े जादू और प्यार का कुछ अंश खो गया है। आखिरी बार मुझे ऐसा कुछ महसूस 2000 में हुआ था, जब मुझे बहुत हैरानी और निराशा हुई थी कि पटाया रूसी लड़कियों से भर गया था, हज़ारों-हज़ारों रूसी लड़कियाँ! वे अचानक थाई लड़कियों के साथ बार में काम करने लगी थीं। मुझे उनसे कोई शिकायत नहीं है, लेकिन आखिर यह थाईलैंड है, मैं थाई लड़कियों के लिए आया था, रूस के लिए नहीं! और उस समय वे हर बार में थीं। उस यात्रा के बाद मुझे वापस आने में दस साल लग गए, तो कौन जानता है कि शायद फिर से वापस आने में दस साल और लग जाएँ। बेशक, यह भी संभव है कि मैं छह महीने में या अगले साल फिर वापस आ जाऊँ। कौन जाने? कहावत है ना, कभी भी हार मत मानो!

घर वापस आकर बहुत खुशी हुई।

घर वापसी और फिर से सामान्य जीवन। खैर, कम से कम मेरे लिए तो यही स्थिति है। रॉबर्ट की थाईलैंड यात्रा तो अभी बस शुरू ही हुई है, क्योंकि अब उन्हें अपनी प्यारी पत्नी के थाईलैंड से अमेरिका आकर उनके साथ रहने की तैयारी में सभी आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करनी है, जिसका मतलब है कि उन्हें और भी पैसे भेजने होंगे, बहुत सारे पैसे।

रॉबर्ट वहां जाने के लिए अपनी अगली फ्लाइट बुक करने को लेकर बहुत बेचैन है, लेकिन उसकी प्यारी पत्नी इतनी जल्दी उससे मिलने को लेकर उतनी उत्सुक नहीं है। वह उसे पैसे बचाने और तब तक इंतजार करने के लिए कहती है जब तक वह वापस जाकर उसे अपने साथ न ले आए, जिसमें शायद अभी चार-पांच महीने और लगेंगे। इसी वजह से वह अक्सर कहता है, "मेरी पत्नी पैसों के मामले में बहुत अच्छी है।" मैं उससे सहमत हूँ, वह उसके पैसे उड़ाने में वाकई बहुत माहिर है! पैसों की मांग कभी खत्म नहीं होती और वह लगातार पैसे भेजता रहता है, इतना ज्यादा कि अब वह वेस्टर्न यूनियन का इस्तेमाल भी नहीं कर सकता! मुझे पता नहीं था कि सालाना पैसे भेजने की कोई सीमा होती है, लेकिन लगता है होती है और उसने उस सीमा को पार कर दिया है। कोई बात नहीं, उसके पास अभी भी कई बैंक खाते हैं जिनसे वह अपनी पैसे की भूखी पत्नी, परिवार, गांव वालों और जो भी मांगे उसे पैसे देता रहता है। रॉबर्ट की वजह से अब यह मजाक आम हो गया है कि थाईलैंड अब तीसरी दुनिया का देश नहीं रहा! बेशक यह थोड़ा बढ़ा-चढ़ाकर कहा गया है, लेकिन हाल ही में हुए कई सुधारों के बाद गांव अब उतना गरीब नहीं रहा जितना पहले था।

रॉबर्ट ने मुझे बताया कि बाढ़ का पानी उतर गया है और सब कुछ पहले जैसा ही चल रहा है, घर के लिए सारी डिलीवरी हो चुकी है। मैंने कहा, "वाह, अच्छी बात है, अब उसे और कुछ चाहिए होगा क्या?" मुझे लगता है कि उसके जवाब से मुझे आश्चर्य नहीं होना चाहिए था। "अरे यार, मेरी पत्नी अब कह रही है कि हमें घर के बाहर बगीचे में एक बड़ा सा मंदिर चाहिए।" बिल्कुल चाहिए! बगीचे में एक मंदिर के बिना कोई घर पूरा नहीं होता। उसने मुझे उसके नए विचारों की लागत नहीं बताई, लेकिन जो वह बता रहा है उससे मुझे पता है कि यह काफी महंगा होगा। साथ ही, उसने उसे बताया कि उन्हें गांव के पास एक मसाज पार्लर खरीदना है, जो अजीब बात है क्योंकि वहां कोई पर्यटक नहीं हैं, केवल स्थानीय लोग हैं जो वैसे भी इस तरह की विलासिता का खर्च नहीं उठा सकते। असल में, वह अपनी बहनों के लिए नौकरियां गढ़ रही है ताकि वे सब गांव में आकर रह सकें, यह जानते हुए कि पैसा खूब आ रहा है, और वे सब किसी न किसी रूप में अपना हिस्सा पाने की कोशिश कर रही हैं। फिर भी, वह इस पर कोई सवाल नहीं उठाता और अगली सुबह फिर से बैंक चला जाता है। मसाज की दुकान बहुत कम समय तक ही चली, इस बेतुके विचार को साकार करने में दस हजार डॉलर खर्च करने के बाद, एकमात्र ग्राहक पुक का परिवार ही था, जिन्हें वैसे भी मुफ्त में मसाज मिलती थी! इस तरह, रॉबर्ट के निवेश पर शून्य लाभ के साथ मसाज की दुकान एक महीने बाद आधिकारिक तौर पर बंद हो गई। चूंकि इस व्यवसाय के अस्तित्व को साबित करने के लिए कोई फोटो या अन्य कोई सबूत नहीं है, इसलिए मुझे आश्चर्य होता है कि क्या यह वास्तव में कभी अस्तित्व में था? यदि नहीं, तो यह उसकी प्यारी पत्नी द्वारा कमाए गए दस हजार डॉलर का सबसे आसान और तेज़ तरीका था।

दूतावास के लिए सभी आवश्यक दस्तावेज़ जमा करने के बाद, पुक को आखिरकार इस साल दिसंबर में अपने महत्वपूर्ण साक्षात्कार की तारीख मिल जाती है, जिससे उन्हें इसके लिए पूरी तैयारी करने के लिए लगभग चार महीने का समय मिल जाता है, क्योंकि वे दोनों जानते हैं कि एक भी गलत या संदिग्ध जवाब पूरी प्रक्रिया को खतरे में डाल सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए, वे अपनी मुलाकात की एक मनगढ़ंत कहानी

बनाते हैं। यह जानते हुए कि मसाज पार्लर वाली असली कहानी का कोई सवाल ही नहीं उठता, वे यह कहने पर सहमत होते हैं कि पुक सेंट्रल शॉपिंग सेंटर में नाइकी स्टोर में काम कर रही थी, जब रॉबर्ट जूते खरीदने आया था, और जब उसने उसे सामान दिया तो पहली नज़र में ही प्यार हो गया! जब उसने मुझे पहली बार यह बताया तो मैं हँसे बिना नहीं रह सका, यह थोड़ा अतिरंजित ज़रूर था। लेकिन पुक ने नाइकी स्टोर मैनेजर से एक पत्र लिखवा लिया जिसमें उसके उस समय वहाँ काम करने की इस झूठी कहानी की पुष्टि थी, और इसके लिए उसने अपने पति के बैंक खाते से भी कुछ पैसे लिए थे। कहते हैं ना, पैसा बोलता है, और थाईलैंड में तो यह बात और भी सच है।

पिछले कुछ महीनों से रॉबर्ट उसके लिए निजी अंग्रेजी पाठों का भुगतान कर रहा था, इस उम्मीद में कि वह साक्षात्कार पास कर लेगी, लेकिन उसकी अंग्रेजी में कोई सुधार नहीं देखकर उसे अब उसके जाने पर संदेह होने लगा है। बड़े साक्षात्कार से पहले वह बहुत घबराया हुआ है। उसने वास्तव में साक्षात्कार के समय वहां मौजूद रहने के लिए यात्रा की योजना बनाई थी, फिर वह कुछ दिनों के लिए वहां जाने की सोच रहा था, लेकिन पुक ने उसे दोनों योजनाओं से रोक दिया, यह कहते हुए कि उन्हें पैसे बचाने की जरूरत है, जो उसके मुंह से सुनकर हास्यास्पद लगता है, क्योंकि वह जिस तरह से पैसे उड़ाती है, उससे उसकी यह गलतफहमी और पुख्ता हो जाती है। वह हमेशा जरूरत से ज्यादा सोचता है, सबसे बुरा सोचता है, "यार, क्या होगा अगर वे यह मांग लें या कुछ ऐसा मांग लें जो हमारे पास न हो, या वह ऐसा जवाब दे दे जो उन्हें पसंद न आए!" बड़े दिन के करीब आते ही कई दिनों से यही हाल है। वैसे तो उसे चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं थी, क्योंकि वह वहाँ ज़्यादा से ज़्यादा 20 मिनट ही रही और उन्हें बस यही जानने में दिलचस्पी थी कि उसके पास कितना पैसा है और वह उसे कितना पैसा भेज रहा है। उसने अपनी पत्नी पर काफ़ी पैसा खर्च किया था, इसलिए दूतावास में उसका इंटरव्यू फेल होना नामुमकिन था, और नाइकी स्टोर में काम करने की झूठी कहानी की तो ज़रूरत ही नहीं थी। "यार, उसने कर दिखाया! इंटरव्यू पास कर लिया! वो मेरे साथ रहने आ रही है!" रॉबर्ट बहुत उत्साहित होकर कहता है, "आज मेरी ज़िंदगी का सबसे अच्छा दिन है!" खैर, मैं उसकी खुशी को कम नहीं करना चाहता, इसलिए मैं उसे बधाई देता हूँ, लेकिन मुझे लगता है कि समय शायद इसे सच साबित न करे।

अब उसे पता है कि थाईलैंड की अपनी अगली यात्रा में उसकी प्यारी पत्नी आखिरकार उसके साथ घर लौट आएगी। उसे बस इस अगली यात्रा के लिए सबसे सही समय तय करना है क्योंकि दोनों तरफ से कुछ तैयारियां करनी होंगी। सब कुछ तय हो जाने के बाद, रॉबर्ट फरवरी में अपनी पत्नी को घर लाने के लिए तैयार है। इस बार वह सिर्फ दो हफ्तों के लिए फ्लाइट बुक करता है क्योंकि यह कोई छुट्टी नहीं बल्कि पत्नी को घर लाने के लिए एक छोटा सा ब्रेक है। अगले दो महीने रॉबर्ट के लिए बहुत धीरे-धीरे बीतते हैं, इस दौरान वह घर को थाई थीम से सजाने की कोशिश करता है ताकि उसकी पत्नी को घर जैसा महसूस हो, हालांकि उसकी मां को यह बिल्कुल पसंद नहीं आता। उसकी मां अब भी इस बात से बहुत नाराज़ है और कहती है कि एक बार वह यहां आ गई तो पूरा परिवार भी उसके पीछे आ जाएगा, और कई बार उसे बेदखल करने और वसीयत से बाहर करने की धमकी भी दे चुकी है। शादी के बाद से ही उनके बीच यह रोज़ाना का झगड़ा रहा है। उसने

अपनी पत्नी के लिए एक खास सैटेलाइट सिस्टम भी लगवाया है जिससे थाई टेलीविजन देखा जा सके, इसमें कोई शक नहीं कि उसने कोशिश नहीं की। तो, आखिरकार वो समय आ ही गया। दुनिया की सबसे खूबसूरत, सबसे प्यारी और सबसे बुद्धिमान लड़की को अमेरिका वापस लाने का समय आ गया है—ये उसके शब्द हैं, मेरे नहीं—ताकि हम पति-पत्नी के रूप में हमेशा सुखी जीवन बिता सकें। खैर, यही मेरा इरादा है।

प्यारी पत्नी को लाने का समय आ गया है

वापस घर

इस समय तक रॉबर्ट थाईलैंड की यात्रा करने में माहिर हो चुका था और अब उसके पास फ्लाइट रिजर्वेशन और अपग्रेड आदि के लिए तुरंत सहायता प्राप्त करने का सीधा नंबर भी था। अब वह फर्स्ट क्लास में सफर करता है, इसलिए इस खर्चीले यात्री को अब आम लोगों के साथ इकोनॉमी क्लास में पीछे नहीं बैठना पड़ता। अगर आप इसे वहन कर सकते हैं तो यह अच्छा है, मुझे लगता है। हममें से ज्यादातर लोगों के पास इस तरह सफर करने के लिए पैसे नहीं होते और हमें इकोनॉमी क्लास में ठसाठस बैठना पड़ता है, बस यही उम्मीद करते हुए कि कोई हमारे ठीक सामने न बैठ जाए जिससे हमारी टांगों की जगह और कम हो जाए, या फिर कोई बगल में न बैठ जाए जिससे चौड़ाई और कम हो जाए।

हर पड़ाव पर वह मुझे फोन करता है, अपनी पत्नी को वापस लाने की खुशी को छिपा नहीं पाता। उसे लगता है मानो पैसा ही सब कुछ है और पुक को नए देश में बसने में कोई परेशानी नहीं होगी। दूसरी ओर, मुझे इस बात पर पूरा यकीन नहीं है। बेशक, उसके पास पैसा है, लेकिन यहाँ दो बिल्कुल अलग-अलग देशों और संस्कृतियों का मामला है। बैंकॉक पहुँचते ही पुक उससे मिलने के लिए वहाँ मौजूद होती है और वे सीधे अपने देश वापस चले जाते हैं, जहाँ घर अब बनकर तैयार है और बहुत सुंदर दिखता है। इस पर जो पैसा खर्च हुआ है, उसे देखते हुए मैं भी यही उम्मीद करती हूँ।

वह बहुत उत्साहित होकर हवाई अड्डे पर पहुँचता है और हमेशा की तरह पुक उसका स्वागत करती है। लेकिन उसकी खुशी ज़्यादा देर तक नहीं टिकती क्योंकि वह लड़की खुश नहीं है! पर उसे पता नहीं क्यों। थाईलैंड पहुँचने की सूचना देने के लिए मुझे फ़ोन करने के बाद, वह गलती से अपना फ़ोन तीस मिनट तक चालू छोड़ देता है, फिर उसे इसका एहसास होता है। इस दौरान मैं उसकी प्यारी पत्नी के गुस्से और गालियों को बड़ी उत्सुकता से सुनता रहता हूँ। यह सिलसिला तीस मिनट तक चलता रहता है, और फ़ोन बंद करने के बाद भी कुछ देर तक चलता रहता है। अगले दिन जब वह फ़ोन करता है, तो कहता है, "यार, तुमने कल रात क्या सुना?" मैंने कहा, "हाँ, ये सब क्या था?" वह कहता है कि उसे पीरियड्स हो रहे थे! जब भी वह बिना किसी कारण के गुस्सा होती है, तो यही उसका बहाना बन जाता है। अगर सच में ऐसा है, तो उसे तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए क्योंकि उसके शरीर में कुछ गड़बड़ ज़रूर है, क्योंकि उसे तो पूरे साल पीरियड्स होते रहते हैं! मैंने उससे पूछा, “क्या तुम्हें यकीन है कि यही वो लड़की है जिसके साथ तुम अपनी पूरी जिंदगी

बिताना चाहते हो? आगे कुछ गंभीर समस्याएँ आ सकती हैं।" उसने दावा किया कि वह उसकी आदर्श स्त्री है, तो हाँ! उसके मन में कोई संदेह नहीं था।

अगले दिन उसने फोन करके बताया कि पुक अब जब भी गुस्सा होती है, अमेरिका न आने की बात कहने लगी है, और ऐसा अक्सर होने लगा है। स्वाभाविक रूप से वह थोड़ा चिंतित है, क्योंकि दूतावास द्वारा स्वीकृति मिलने तक पहुँचने में उसने इतना समय, मेहनत और पैसा लगाया था, और अब थाईलैंड छोड़ने में सिर्फ दो हफ्ते बचे हैं, और वह उसके साथ वापस न आने की बात कर रही है। मैं भी थोड़ा नाराज़ होता!

ये दो सप्ताह मुख्यतः जंगल में अपने छोटे से घर में आनंद लेते हुए बीतते हैं, जहाँ उसका न जाने की धमकी देना रॉबर्ट के लिए रोज़ाना की समस्या और चिंता का विषय बन जाता है। लेकिन वे किसी तरह इन दो सप्ताहों को गुज़ार लेते हैं और अब आखिरकार वो बड़ा पल आ गया है।

एक अजनबी देश में एक अजनबी

उन्हें मुझे यह बताने की ज़रूरत महसूस हुई कि उनकी पत्नी बैंकॉक हवाई अड्डे पर उनके साथ हैं। मुझे लगता है कि अब मुझे इस बात पर यकीन हो गया है और मैंने तुरंत सबको बता दिया कि वह सचमुच थाईलैंड से जाने वाले विमान में हैं। अब तक तो इस शर्त पर काफी पैसा डूब चुका होगा कि वह यहाँ नहीं आएंगी। फिर उन्होंने टोक्यो से मुझे फोन किया और बताया कि उनकी पत्नी अभी भी उनके साथ हैं। समझ नहीं आता कि इस समय वह उनके साथ क्यों नहीं होंगी, टोक्यो पहुँचने के बाद तो यह मुमकिन ही नहीं कि वह थाईलैंड वापस जाएँगी। और ह्यूस्टन में भी यही हाल है, वह अभी भी उनके साथ हैं, यह और भी कम आश्चर्यजनक है क्योंकि वह टोक्यो में ही विमान में चढ़ गई थीं। अगर उन्होंने पायलट को प्रशांत महासागर के बीच में ही विमान वापस मोड़ने के लिए मना लिया हो, तो शायद वह ह्यूस्टन में ही होंगी! फिर ऑस्टिन, टेक्सास में आखिरी पड़ाव, और आपने सही अनुमान लगाया, उनकी प्यारी पत्नी अभी भी उनके साथ हैं!

घर पहुँचकर उसने मुझे फोन किया, "यार, क्या तुम हमारे साथ कॉफी पीने आ रहे हो?" मैं उसकी उत्सुकता समझ सकता था, लेकिन रात के 11:30 बज रहे थे और मुझे सुबह 4:00 बजे उठना था। मैंने कहा, "कल सुबह नाश्ते पर मिलते हैं?" आखिर हममें से कुछ लोगों को मेहनत करके पैसे कमाने होते हैं और थोड़ी नींद की भी जरूरत होती है, इसलिए हम इस विकल्प पर सहमत हो गए, जो मेरे लिए कहीं बेहतर था और मेरा उनसे अभी मिलने का कोई इरादा नहीं था।

अगले दिन तय समय पर मैं उनसे स्थानीय डेनीज़ में मिला, जहाँ पुक को लंबरजैक स्लैम के रूप में तला हुआ खाना बहुत पसंद आ गया था! अगर उसे भी इस तरह का खाना पसंद आ गया तो मुझे जिम में एक संभावित ग्राहक दिख रही है!

पुक के लिए घर में शुरुआत असहज साबित हुई, क्योंकि रॉबर्ट की माँ को कई बार बताए जाने के बावजूद भी यह समझ नहीं आ रहा था कि आखिर यह अजनबी कौन है। चार दिन बाद उसकी माँ ने उससे पूछा, "बेटा, वह अजीब सी दिखने वाली लड़की कौन है जो हमारे घर के आसपास घूमती रहती है?" उसे पूरा यकीन था कि पुक नई सफाईकर्मी है और वह उसे इसी नाम से पुकारती थी, "सफाईकर्मी, मुझे यह लाओ, सफाईकर्मी,

मुझे वह लाओ!" शायद पुक ने अमेरिका आकर धान के खेतों में काम करने का सपना देखते समय ऐसी शुरुआत की कल्पना नहीं की थी, और निश्चित रूप से उस बूढ़ी औरत के बाद तो बिलकुल भी नहीं जिसने घर में चोर देखकर उस पर लाठी से हमला कर दिया था! इस घटना के बाद पुक ने तकिए के नीचे एक बड़ा और बहुत तेज धार वाला चाकू रखकर सोना शुरू कर दिया, क्योंकि उसे लगता था कि उस पागल बूढ़ी औरत से उसे हर दिन खतरा है। अगले कुछ दिन स्वाभाविक रूप से पुक जेट लैग से उबरने में और शायद यह सोचने में बिताती है कि आखिर वह किस मुसीबत में फंस गई है, मुझे लगता है कि उसके मन में कल्चर शॉक शब्द भी आ रहा होगा।

अगले सप्ताहांत, खुशहाल दंपति ने मुझे शनिवार रात के खाने पर आमंत्रित किया। जब मैं वहाँ पहुँचा, तो घर में थोड़ा अप्रिय माहौल साफ तौर पर महसूस हो रहा था। रॉबर्ट और उसकी माँ फिर से बहस कर रहे थे, जबकि पुक चुपचाप बाकी व्यंजन पका रहा था, जिनकी खुशबू वाकई बहुत अच्छी थी। हालाँकि, मुझे नहीं लगता कि उसकी माँ को यह सब ठीक लग रहा था, क्योंकि वह अपनी रिक्लाइनर कुर्सी पर बैठी शिकायत कर रही थी, "यह क्या बकवास है?" वह पुक के खाने से आ रही तीखी गंध से खांसते और घुटते हुए चिल्लाई। पुक को इस समस्या का हल सूझा और उसने झटपट उस चिड़चिड़ी बुढ़िया को एक बियर दी। पुक ने कहा, "लो माँ, इसे पियो।" कुछ पल के लिए माँ लगभग खुश हुई, "धन्यवाद बेटा," उसने ताज़ी बियर का एक बड़ा घूंट लेते हुए कहा। फिर अचानक पुक पर भड़क उठी और बोली, "सुनो सफाईकर्मी, मेरे बेटे की पत्नी है, इसलिए कुछ और मत सोचो, ठीक है? तुम वही करो जिसके लिए हम तुम्हें पैसे देते हैं!" कुछ घूंट बीयर पीने के बाद वह अपनी चल रही फिल्म देखने लगती है और जल्दी ही सो जाती है। रॉबर्ट रिमोट उठाता है और उसके सोते समय चैनल बदलने लगता है और पता नहीं क्यों, चैनल को मपेट शो पर ही छोड़ देता है! बुढ़िया थोड़ी देर बाद जाग जाती है और बहुत उलझन में दिखती है—शायद अपनी फिल्म समझने की कोशिश कर रही थी—अचानक चिल्लाती है, “ये कौन सा एक्टर है? ये तो छोटा सा है!” रॉबर्ट कहता है, “ये तो कर्मीट मेंढक है, ये कठपुतली है, एक्टर नहीं!” तब तक मैं अपनी हंसी नहीं रोक पाता और पागलों की तरह हंसने लगता हूं। बुढ़िया मेरी तरफ देखती है और कहती है, “क्या बात इतनी मजेदार है, और तुम हो कौन? जो भी बेच रहे हो, हमें नहीं चाहिए, इसलिए अगर तुम्हें अपनी भलाई चाहिए तो अभी मेरे घर से निकल जाओ!” खाना खाने के बाद सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा था कि बुढ़िया फिर से बेहोश हो गई, लेकिन बेहोश होने से पहले उसने थाई खाने पर अपनी बेमतलब की राय दे दी, "ये क्या बकवास है? इसमें से बदबू आ रही है!" उसने गुस्से से कहा और अपनी झुर्रीदार नाक सिकोड़ते हुए प्लेट को बिना एक निवाला चखे ही दूर धकेल दिया। पेट भर खाने-पीने के बाद मैंने उन्हें मुझे यहाँ बुलाने के लिए धन्यवाद दिया और मन ही मन उम्मीद की कि अब कुछ समय बाद ही मुझे फिर से यहाँ बुलाया जाएगा और मैं इस पागलखाने से बचकर अपने सामान्य जीवन में लौट आऊँगा।

अगली सुबह रॉबर्ट ने मुझे फोन किया और कहा, “यार, तुम्हारे जाने के बाद तो बहुत बुरा हाल हो गया था। मम्मी जाग गईं और वो और पुक आपस में बुरी तरह झगड़ने लगीं!” मुझे लगा कि मैं सही समय पर ही

निकला था। मुझे ठीक से पता नहीं कि अमेरिका में उसकी क्या उम्मीदें और सपने थे, लेकिन लगता तो वो बिल्कुल भी अच्छे नहीं थे। पुक को भी ज़िंदगी में कुछ खास मज़ा नहीं आ रहा था। उस छोटे से घर में ज़िंदगी उसके लिए बिल्कुल अलग थी, जहाँ साफ-सुथरा बगीचा और लकड़ी की बाड़ पड़ोसियों से उसका नाता तोड़ देती थी। हर बार जब वो घर के अंदर जाती, तो उसे लगता जैसे वो किसी जेल में है। वो रसोई की खिड़की से बाहर और बाड़ के उस पार देखती रहती, मानो किसी को देख पा रही हो। वो सोचती रहती है कि क्या यहाँ के लोग अपने पड़ोसियों को जानते भी हैं? थाईलैंड से तो ये बिल्कुल अलग है, जहाँ हर कोई एक-दूसरे के मामलों और संपत्ति में दखल देता है और किसी को भी प्राइवेसी नहीं होती।

रॉबर्ट अपनी पत्नी के अकेलेपन को लेकर चिंतित होने लगा है, क्योंकि वह एकांतप्रिय होती जा रही है और अपने कमरे में पूरी तरह एकांत में रहना उसे भा रहा है। "यार, मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या करूं, मेरी पत्नी अपने कमरे से बाहर नहीं निकलती, वह कुछ भी करना या कहीं जाना नहीं चाहती!" वह चिंता से कहता है। उसका कमरा अब किसी वेगास के होटल के कमरे जैसा लगता है! जो भी सोचो, सब कुछ इस कमरे में है, हर चीज बेहतरीन है और इसे सजाने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है। इसी समय वह मुझे बताता है कि वे साथ सोते भी नहीं हैं, या जब से वह यहां आई है तब से कभी साथ नहीं सोए हैं! अब मुझे लग रहा है कि इस मामले में कुछ तो गड़बड़ है।

एक महीना और बीत गया, कुछ भी नहीं बदला, बस पुक की झुंझलाहट अब गुस्से में बदल गई है। उसे अपने पति पर गुस्सा आ रहा है, जिसने उसे थाईलैंड से दूर ले जाकर इस दुखी और अकेलेपन भरे माहौल में ला खड़ा किया है। शायद वह भूल गई कि यही तो वह चाहती थी... या शायद नहीं? अब मुझे पक्का यकीन नहीं है कि उसने रॉबर्ट से शादी की थी या अच्छे इरादों से यहाँ आई थी। उसकी आँखों में तो पहले दिन से ही पैसा चमक रहा था। यह तो बस मेरी राय है, मैं गलत भी हो सकती हूँ, लेकिन मुझे इस पर बहुत शक है।

हालात जल्द ही बद से बदतर हो जाते हैं क्योंकि पुक अब घर पर अपना दबदबा कायम करती दिखती है और अपने पति को उसके किसी भी दोस्त से संपर्क करने से मना कर देती है, यह दावा करते हुए कि वे सब सिर्फ उसके पैसे के पीछे पड़े हैं! यह तो वाकई कमाल है, इससे मेरे शक सही साबित होते हैं, यह औरत धोखेबाज है! दुर्भाग्य से, रॉबर्ट अपनी पत्नी के बारे में एक भी बुरी बात सुनने को तैयार नहीं है, इसलिए शायद उसे देर-सवेर सच्चाई का पता चल ही जाएगा कि जिस औरत से उसने शादी की है, वह वैसी नहीं है जैसा उसने सोचा था।

पुक ने रॉबर्ट को यह समझाने में कामयाबी हासिल कर ली है कि उसकी माँ को घर के बजाय नर्सिंग होम में रहना चाहिए। यह बात शायद सच भी हो, लेकिन पुक ने ही उस बुज़ुर्ग महिला को घर से बाहर निकलवाने में अहम भूमिका निभाई। यह घर में हर चीज़ और हर किसी पर उसके नियंत्रण का एक और उदाहरण है। वे बुज़ुर्ग महिला को यह कहकर नर्सिंग होम ले गए कि वह कुछ दिनों के लिए होटल में रुकेगी, और तब से वह वहीं है! दुख की बात है कि पुक ने उसके बाद कभी भी नर्सिंग होम में अपनी माँ से मिलने जाने से इनकार कर

दिया। जब भी रॉबर्ट उससे पूछता कि क्या वह उसके साथ उसकी माँ से मिलने जाना चाहती है, पुक बेरुखी से कहती, "वह तुम्हारी माँ है, मेरी नहीं, मुझे कोई फ़र्क नहीं पड़ता!"

लगभग एक साल बाद मामला बिगड़ जाता है। पुक ने मांग की है कि वह वापस थाईलैंड जाकर रहे, और उसका पति हर तीन महीने में एक बार दो सप्ताह के लिए उससे मिलने आ सकता है, लेकिन ज़ाहिर है, उसे हर सप्ताह पैसे भेजने होंगे! कितनी सुविधाजनक बात है! रॉबर्ट अब उसी जानी-पहचानी जाल में फंसने वाला है, जिसमें अलग-अलग देशों में रहते हुए भी पैसे भेजे जाते हैं। अब तो यह रिश्ता नाम मात्र का रह गया है।

पुक हमेशा के लिए थाईलैंड लौट जाती है, अपने पीछे एक व्याकुल और भ्रमित पति को छोड़ जाती है जो अपने किए पर पछतावा करता रहता है, क्योंकि ज़ाहिर है सब कुछ उसी की गलती थी और पुक निर्दोष थी। रॉबर्ट को अपनी पत्नी के आने की अनुमति देने से पहले छह महीने और इंतज़ार करना पड़ता है। वह मुझे कई बार फोन करके कहता था, "यार, अगर मैंने थोड़ी और कोशिश की होती तो मेरी पत्नी वापस नहीं जाती!" मैं उसे दिलासा देता हूँ, "तुम इससे ज़्यादा कुछ नहीं कर सकते थे जितना तुमने किया।" लेकिन रॉबर्ट को लगता है कि मैं उसका दोस्त होने के नाते बस उसकी तारीफ़ कर रहा हूँ, और वह अपनी पत्नी के जाने के फैसले की पूरी ज़िम्मेदारी खुद पर लेता है।

वास्तविकता को स्वीकार करना आसान नहीं है

आखिरकार वो समय आ ही गया जब रॉबर्ट को एक बार फिर थाईलैंड जाने वाले विमान में बैठना है। रॉबर्ट के लिए ये सफर आसान नहीं होने वाला, वो इसे अपनी किस्मत का निर्णायक सफर बता रहा है। पता नहीं क्यों उसने इस सफर की तैयारी में बहुत पैसा खर्च कर दिया है। ये सफर दो महीने का होगा, या शायद नहीं? मुझे तो इस पर शक है। उसकी नीयत तो अच्छी है, शायद वो इतनी लंबी छुट्टी पर इसलिए जा रहा है क्योंकि उसने अपनी प्यारी पत्नी को बहुत दिनों से नहीं देखा है और इसलिए उसे दो महीने तक उससे मिलकर अच्छा लगेगा। लेकिन मुझे इस बात पर पूरा यकीन नहीं है। मेरी सोच थोड़ी अलग है, अगर वो उसे इतना याद करती, तो उसे छोड़कर जाने की कोशिश ही क्यों नहीं करती? और अब वो उसे थाईलैंड वापस आने के लिए इतना इंतज़ार क्यों करवा रही है? ये सब बातें समझ में नहीं आतीं, लेकिन पहले दिन से ही तो कभी आई ही नहीं! लगता है ये सब बस रोज़ की बात है।

इस यात्रा से पहले के सप्ताह चिंता और घबराहट से भरे हुए हैं, और उन्हें सचमुच डर है कि उनकी प्यारी पत्नी उन्हें लेने हवाई अड्डे पर नहीं होंगी। "यार, अगर वो मुझे लेने नहीं आईं तो?" फोन पर उनकी चिंता भरी आवाज हर दिन यही होती है। मैं उन्हें तुरंत आश्वस्त करता हूँ, "ज़रूर वो वहाँ होंगी।" बिलकुल, वो वहाँ होंगी! इतने पैसे दांव पर लगे हैं, ऐसे में उनका न होना नामुमकिन है। यात्रा से एक सप्ताह पहले वो सचमुच घबरा जाते हैं क्योंकि उनका अपनी पत्नी से कोई संपर्क नहीं हो पाता। लगातार पाँच दिन फोन करने पर भी कोई जवाब नहीं मिलता! "यार, मुझे पता है उसने मुझे छोड़ दिया है!" फिर चमत्कारिक रूप से यात्रा से दो दिन पहले वो फोन उठाती हैं। "डार्लिंग, चिंता मत करो, मुझे बहुत अफ़सोस है, लेकिन फोन खराब हो गया था, आज ठीक करवा लिया है।" पुक अपने अब तक के सबसे बेहतरीन हॉलीवुड अंदाज में कहती हैं, जो रॉबर्ट

को एक बार फिर बेवकूफ बनाने में पूरी तरह कामयाब हो जाता है। "यार, मैं बेवजह चिंता कर रहा था! उसका फोन एक हफ्ते से खराब था, और उसे ठीक करवाने के लिए उसे बैंकॉक जाना पड़ा।" मैं मन ही मन सोच रहा हूँ, कितना सुविधाजनक है! अगर मैंने कभी कोई मनगढ़ंत कहानी सुनी है, तो यह वही है।

हमेशा की तरह थका देने वाली उड़ान के बाद रॉबर्ट बैंकॉक में उतरता है - एक ऐसी उड़ान जो वह फिर कभी नहीं भरेगा - जैसे ही वह घबराते हुए आव्रजन और सीमा शुल्क से गुजरता है, उसे आखिरकार राहत की एक गहरी सांस आती है क्योंकि पुक पहले से ही उसका इंतज़ार कर रही होती है, उसे दो महीने की अपार खुशियों के लिए अपने साथ ले जाने के लिए, खैर, कुछ ऐसा ही। उसने इस बार वाकई बहुत मेहनत की है और वह पहले से कहीं ज्यादा खूबसूरत लग रही है। रॉबर्ट के लिए दुर्भाग्य की बात यह है कि उसकी पत्नी आज इतनी खूबसूरत क्यों लग रही है, इसका कारण वह नहीं है! टैक्सी की सवारी के बाद, वे घर पहुंचते हैं, रॉबर्ट के सामान खोलते ही पुक उसे इस बात से चौंका देती है। "डार्लिंग, मुझे आज रात सात दिनों के लिए अंतिम संस्कार में जाना है!" रॉबर्ट को अपनी बात पर विश्वास नहीं हो रहा था और वह गुस्से में बोला, "मैं अभी-अभी आया हूँ, यह कैसा स्वागत है?" अभिनेत्री पुक जवाब देती है, "सॉरी डार्लिंग, मेरी दोस्त के पिता का कल निधन हो गया, उसे मेरी ज़रूरत है।" इतना कहकर पुक बिना कुछ और कहे चली जाती है। जब रॉबर्ट खिड़की से अपनी पत्नी को आखिरी बार देखता है, तो उसे लगता है कि किसी ने पुक को उठा लिया है, इस अचानक और तेज़ी से हुए जाने में कुछ तो बहुत ही संदिग्ध है। रॉबर्ट को यह पता नहीं था कि रात के अंधेरे में अपनी पत्नी को गायब होते देखना ही उसकी आखिरी झलक साबित होगी।

थोड़ा चौंककर उसने फ्रिज खोला और चांग बियर के 12 पैक देखकर खुश हो गया। आखिर चल क्या रहा है, यह सोचते हुए उसने फ्रिज में रखी सारी बियर पी ली। अब 12 चांग बियर और जेट लैग के बाद उसे अच्छी नींद आ रही थी! अगले दिन दोपहर के आसपास रॉबर्ट अचानक दरवाजे पर किसी के ज़ोर से दस्तक देने की आवाज़ से जाग गया। जैसे ही वह दरवाजे की ओर बढ़ा, उसे पहली बार एहसास हुआ कि इन दिनों उसका थाई घर कितना जर्जर और गंदा है। दरवाजा खोलते ही उसका स्वागत पुक की एक बहन ने किया, जिसने उसके लिए बहुत ही बेस्वाद दिखने वाला नाश्ता बनाया था और कहा, "पहले खाओ, फिर बात करेंगे!" बिल्कुल भी भूख न होने के कारण रॉबर्ट ने विनम्रता से खाना दूर धकेलते हुए कहा, "मेरी पत्नी कहाँ है?" बहन ने कहा, "ठीक है, जानना चाहते हो तो पहले बैठ जाओ।" वह बैठ गया, यह जानते हुए कि यह बहुत बुरी खबर होने वाली है। "पुक वापस नहीं आ रही है!" उसने बिना किसी भावना के कहा। "तुम्हारा क्या मतलब है कि वह वापस नहीं आ रही है? मैं उसका पति हूँ!" रॉबर्ट सदमे में डूबा हुआ कहता है, “उसका लंबे समय से एक थाई प्रेमी है जो ड्रग्स बेचता है, बैंकॉक और कंचनबुरी में भी उसके कई आदमी हैं, पटाया में भी उसके कई विदेशी हैं, एक दो दिन पहले चला गया और दूसरा अगले हफ्ते आ रहा है, सभी उसे हर महीने पैसे भेजते हैं, वह बहुत अमीर औरत है, उसका सारा पैसा ड्रग्स खरीदने में खर्च हो जाता है। शादीशुदा होने के बावजूद उसके कई आदमी हैं!” बहन कहती है, “मेरी बहन बहुत बुरी थाई औरत है!” वह अलविदा कहती है और पूरी तरह से सदमे में डूबे रॉबर्ट को इस अप्रिय जानकारी को पचाने की कोशिश करने के लिए छोड़ देती है।

अब गुस्से और नफरत से भरे रॉबर्ट ने फोन उठाया और पुक को कॉल किया। हैरानी की बात नहीं कि उसने जवाब नहीं दिया, इसलिए उसने उसे मैसेज किया। पुक ने तुरंत जवाब दिया, "तुम एक वेश्या से ज्यादा कुछ नहीं हो।" शायद यह आखिरी अपमान था जो वह बोल नहीं सकती थी, लेकिन मैसेज में लिख सकती थी, "हा हा हा, इस बूढ़े आदमी को जानने में तुम्हें कितने साल लगे? तुम मुझे नहीं जानते! मुझे सिर्फ तुम्हारा पैसा चाहिए, अब दफा हो जाओ और अकेले मर जाओ, मोटे अमेरिकी सूअर! मैं तुमसे नफरत करती हूँ, मैं हमेशा से तुमसे नफरत करती रही हूँ!" फिर उसने फोन काट दिया। इस यात्रा में यह पहली बार था जब रॉबर्ट ने मुझे मैसेज करके कहा, "यार, मैं जितनी जल्दी हो सके घर आ रहा हूँ, इस कुतिया के हर जगह आदमी हैं, जिनमें एक लंबे समय से थाई ड्रग एडिक्ट बॉयफ्रेंड भी शामिल है!" यह खबर मेरे लिए कोई चौंकाने वाली नहीं थी, लेकिन मैं समझ गया कि वह कितना परेशान होगा, इसलिए मैंने विनम्रता से जवाब दिया, "यह सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ।"

पुक ने इस आदमी को आर्थिक रूप से लगभग बर्बाद कर दिया है, और वो भी सिर्फ ड्रग्स के लिए। जब उसने उसे बताया कि वो दो महीने के लिए आ रहा है, तो उसे एहसास हुआ कि वो अब ये खेल नहीं खेल सकती, इसलिए उसने उसे छोड़ दिया! इतने लंबे समय तक उसे अपने पास रखना मुश्किल था, जब उसके पास न जाने कहाँ-कहाँ से चौबीसों घंटे आदमी आते रहते थे! अब, उसका सारा पैसा लेने और उसका दिल तोड़ने से संतुष्ट न होकर, इस कमीनी के पास एक आखिरी चाल है, अब अंतिम प्रहार का समय आ गया है। ड्रग्स के धंधे की वजह से, उसकी हर चीज़ तक आसान पहुँच है और उसने घर में इतना ड्रग्स छिपा रखा है कि किसी को कई साल जेल हो सकती है, बस पुलिस को एक फोन कॉल ही काफी है। पुक खुद को संभाल नहीं पा रही है, जब वो फोन करती है, एक ऐसा कॉल जिसके बारे में वो जानती है कि ये उसके पति की ज़िंदगी पूरी तरह से तबाह कर देगा। पुलिस कहती है कि वे किसी को भेजेंगे, उन्हें वहाँ पहुँचने में लगभग 30 मिनट लगेंगे।

इसी बीच, घर पर रॉबर्ट, पुक से तंग आकर किसी न किसी तरह का बदला लेने की ठान चुका है। उसने पुक के कपड़े अलमारी से निकालकर ज़मीन पर फेंक दिए हैं और उन पर पेशाब और शौच कर दिया है, लेकिन इतना काफ़ी नहीं है—बिल्कुल भी नहीं! उसकी बड़ी योजना घर को जला देने की है। चूंकि यह पूरी तरह से लकड़ी का ढांचा है, इसलिए उसे लगता है कि यह बहुत जल्दी जल जाएगा। उसने कार को बाहर खड़ा कर दिया है, इंजन चालू है, उसके बैग पैक हैं और कार में रखे हुए हैं। वह अगले कस्बे की ओर जा रहा है जहाँ से उसे बैंकॉक जाने के लिए टैक्सी मिल जाएगी। उसने अपनी कृतघ्न और क्रूर पत्नी के लिए खरीदे गए घर पर आखिरी नज़र डाली, फिर सामने के दरवाजे के बाहर रखे कागजों के ढेर में आग लगा दी; वह जल्दी से कार की ओर भागा और पीछे देखे बिना चला गया। वह जानता था कि उसका काम हो गया है। कुछ ही सेकंड में पूरा घर आग की लपटों में घिर गया।

रॉबर्ट खुद को आखिरी बार आईने में देखने से रोक नहीं पाता, वह गाड़ी रोककर अपने द्वारा मचाई गई तबाही को देखता है। अपने घर को जलकर राख होते देख उसे एक अजीब सा एहसास होता है - बदला और दुख का मिलाजुला एहसास। बदला इसलिए क्योंकि उसे लगता है कि वह अपनी पत्नी को सबक सिखा रहा है

- लेकिन क्या उसे सच में कोई फर्क पड़ेगा? वैसे भी वह वहां रहती तो नहीं थी - और दुख इसलिए क्योंकि उसने अपने पैसों से खरीदा हुआ घर तबाह कर दिया। एक मिनट सोचने के बाद, बदले की भावना उसे स्थिति के बारे में सोचने से रोक देती है और चेहरे पर मुस्कान लिए वह रात के अंधेरे में गाड़ी भगाते हुए चिल्लाता है, "भाड़ में जाओ कमीनी!"

रॉबर्ट की किस्मत अच्छी थी कि नज़दीकी पुलिस चौकी इस सुनसान जंगल के उत्तर में स्थित थी और जैसे ही वह दक्षिण की ओर अगले कस्बे की ओर बढ़ रहा था, जहाँ से उसे हवाई अड्डे के लिए टैक्सी और आज़ादी मिलनी थी, पुलिस वहाँ पहुँची। वहाँ से उसे अपनी ज़िंदगी की सबसे बड़ी गलती - इस दुष्ट औरत के चक्कर में पड़ना - को हमेशा के लिए भुला देना था। जल्द ही वह अगले कस्बे में पहुँच गया, जहाँ उसने बस स्टेशन के पास अपनी कार खड़ी कर दी और टैक्सी तैयार देखकर खुश हुआ। जैसे ही टैक्सी चली, उसने अपनी पत्नी के लिए खरीदी हुई कार पर आखिरी नज़र डाली। इतनी थकान के कारण रॉबर्ट जल्दी ही सो गया। जल्द ही वह खुद को बैंकॉक हवाई अड्डे पर पाया।

पुलिस ने पुक को फोन करके बताया कि उसका घर जलकर राख हो गया है। वह तुरंत रॉबर्ट की योजना समझ जाती है और उन्हें बताती है कि रॉबर्ट ने उसे फोन किया था। “हाँ, मेरा पति एक घटिया आदमी है, उसने ड्रग्स छिपाने के लिए मेरा घर जला दिया!” वह जानती है कि वह कहाँ जा रहा है। “वह एयरपोर्ट गया है, मैं चाहती हूँ कि उसे मेरे साथ किए गए इस बुरे काम की सज़ा मिले, वह बहुत बुरा आदमी है! कृपया उसे आज हवाई जहाज से जाने मत दीजिए!”

रॉबर्ट ने एयरपोर्ट से मुझे मैसेज किया, “यार, मैं इस घटिया जगह को छोड़ने के लिए बेताब हूँ, दो-तीन दिन में मिलते हैं!” कुछ घंटे बचे थे, इसलिए वह एयरपोर्ट पर इधर-उधर घूमकर समय बिताने लगा। चेक-इन का समय आया, तो हमेशा की तरह थके-हारे विदेशियों की लंबी लाइन लगी थी, जो पिछले कुछ हफ्तों में इस जन्नत जैसी जगह पर शराब पीकर और अय्याशी करके जैसे-तैसे बच निकले थे, कुछ तो दिवालिया होने से भी बच गए थे! ज़ाहिर है, सभी जल्द से जल्द यहाँ वापस आना चाहते थे और फिर से वही सब करना चाहते थे... जब उनकी आर्थिक स्थिति ठीक हो जाए। रॉबर्ट को छोड़कर, जिसे पक्का पता था कि वह यहाँ वापस नहीं आएगा। रॉबर्ट एयरपोर्ट बार में गया और खुद ही एक छोटा सा टोस्ट करने का फैसला किया। “पुक, नरक में सड़ जा कमीनी!” उसने धीरे से खुद से कहा और अपनी बीयर गटक ली। अब ज़िंदगी अच्छी लग रही थी, वह जाने ही वाला था और कुछ और ड्रिंक्स ने उसे यह तय करने में मदद की कि उसने इस पागलपन भरे रिश्ते को बचाने के लिए हर मुमकिन कोशिश की, यह होना ही नहीं था, इसलिए अब घर वापस जाकर नई शुरुआत करने का समय आ गया है। कुछ घंटों बाद, आखिरकार थाईलैंड छोड़ने का समय आ गया है... या नहीं?

जैसे ही उसने अपना टिकट और पासपोर्ट दिया, चेक-इन डेस्क पर बैठी महिला ने सामान तो ले लिया, लेकिन न तो बोर्डिंग पास दिया और न ही कुछ लौटाया। रॉबर्ट को अचानक एहसास हुआ कि कुछ बहुत गलत हुआ है और फिर इसकी पुष्टि के लिए उसने अपने आसपास दो लोगों की मौजूदगी महसूस की। "सर, कृपया हमारे साथ आइए।" उसे जल्दी से एक निजी कमरे में ले जाया गया जहाँ थाई पुलिस ने उसका स्वागत किया। "बैठ

जाइए, हम आपके बारे में बात कर रहे हैं कि आप अमेरिका से आए एक बड़े ड्रग तस्कर हैं!" एक सख्त दिखने वाले पुलिस प्रमुख ने कहा। "क्या आपको नहीं पता कि थाईलैंड में ड्रग गतिविधि आपके लिए बहुत गंभीर अपराध है, सर?" रॉबर्ट अब बुरी तरह पसीना बहा रहा था, पूरी तरह सदमे में था और केवल इतना ही बुदबुदा पाया, "ज़रूर कोई गलती हुई होगी!"

पुलिस प्रमुख ने रॉबर्ट के पासपोर्ट की अच्छी तरह से जांच करने के बाद कहा, "तुम कई बार थाईलैंड आ चुके हो, तुम्हें थाईलैंड पसंद है? अच्छी बात है, अब तुम यहाँ लंबे समय तक रह सकते हो। बैंकॉक हिल्टन में तुम्हारे लिए एक अच्छा कमरा है, जानते हो ना? लंबे समय के लिए तुम्हारा नया घर। इसे ले चलो।" थाई पुलिस बंदूक की नोक पर रॉबर्ट को अपने साथ ले जाती है। वे उसे कुख्यात और बदनाम बैंग क्वांग सेंट्रल जेल की कोठरियों में ले जाते हैं, जिसे बैंकॉक हिल्टन के नाम से भी जाना जाता है। यह वाकई बहुत बुरी खबर है!

बैंकॉक से कुछ मील उत्तर में स्थित बैंग क्वांग सेंट्रल जेल दुनिया की वह आखिरी जगह है जहाँ आप जाना चाहेंगे, या कम से कम थाईलैंड में वह आखिरी जगह जहाँ आप पहुँचना चाहेंगे! इस जेल में कई विदेशी कैदी बंद हैं। यह एक बेहद कठोर और सख्त जेल है जहाँ मृत्युदंड और लंबी सजा पाए कैदियों को रखा जाता है। सभी कैदियों को अपनी सजा के पहले तीन महीनों तक पैरों में बेड़ियाँ पहनना अनिवार्य है। मृत्युदंड पाए कैदियों के पैरों में बेड़ियाँ स्थायी रूप से वेल्ड कर दी जाती हैं। कैदियों को प्रतिदिन केवल एक कटोरी चावल और सब्जी का सूप दिया जाता है। अतिरिक्त भोजन चाहने वाले कैदियों को जेल की कैंटीन से खरीदना पड़ता है। प्रत्येक कैदी का कैंटीन में खाता होता है और गरीब कैदी अक्सर अमीर कैदियों और जेल गार्डों के लिए छोटे-मोटे काम करके भोजन के लिए पैसे कमाते हैं। कुछ पश्चिमी नागरिक, विशेष रूप से ब्रिटिश, अमेरिकी और कनाडाई, दान संस्थाओं से प्रति माह अतिरिक्त धन प्राप्त करते हैं। ब्रिटिश दूतावास भी अपने कैदियों के लिए भोजन और विटामिन प्रदान करता है। यह सब उनके रहने को थोड़ा सहनीय बनाने में मदद कर सकता है, लेकिन एक बार जब आप इस नरक में पहुँच जाते हैं, तो आपको यहाँ काफी समय तक रहना पड़ता है। यह ऐसी जगह नहीं है जहाँ आप बातचीत करके अपना बचाव कर सकें।

3 महीने बाद

उस मैसेज के बाद रॉबर्ट से मेरी फिर कभी कोई खबर नहीं मिली जिसमें उसने बताया था कि वह अभी-अभी एयरपोर्ट पहुंचा है। वह जाने के लिए बहुत उत्सुक लग रहा था और इसका कारण भी वाजिब था। ज़ाहिर है, कुछ तो हुआ था, पर आखिर क्या? मैं उसकी वापसी की फ्लाइट को ट्रैक कर रहा था, इसलिए मुझे पता था कि विमान सुरक्षित रूप से लैंड कर गया है। बस एक ही समस्या थी, वह उसमें नहीं था! कई हफ्तों तक जानकारी जुटाने की कोशिश करने के बाद, मैं संयोग से अलग-अलग थाई अखबारों में ऑनलाइन खोज कर रहा था, तभी मुझे बैंकॉक पोस्ट में यह परेशान करने वाला लेख मिला।

बैंकॉक पोस्ट - 1 अप्रैल 2014 - थाईलैंड में मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में एक अमेरिकी पर्यटक दोषी पाया गया

कल बैंकॉक की एक थाई अदालत ने रॉबर्ट फिशर को थाईलैंड में अवैध मादक पदार्थों की गतिविधियों का दोषी पाया। अमेरिका के टेक्सास राज्य के ऑस्टिन निवासी 58 वर्षीय फिशर ने बैंकॉक और उसके आसपास तीन महीने पहले हुई एक घटना से जुड़े मादक पदार्थों की तस्करी के कई मामलों में अपना जुर्म कबूल कर लिया। यह भी माना जा रहा है कि लंबे समय से मादक पदार्थों का सेवन करने वाले फिशर ने अपनी निर्दोष थाई पत्नी को भी मादक पदार्थों का आदी बना दिया और एक शिक्षिका के रूप में उसके होनहार करियर को बर्बाद कर दिया। उस पर मादक पदार्थों के नशे में धुत होकर पत्नी का घर जलाने का भी आरोप है। थाई सीमा शुल्क और पुलिस को तीन साल की अवधि में उसकी बार-बार थाईलैंड यात्रा पर संदेह हुआ। कल फिशर को स्तब्ध कर दिया गया और उसे 30 साल की जेल की सजा सुनाई गई, जिसमें जल्दी रिहाई की कोई संभावना नहीं है।

थाई अधिकारियों का यह दृढ़ संकल्प है कि इस प्रकार की मादक पदार्थों की गतिविधि को थाईलैंड में कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और लोगों को याद दिलाया जाता है कि यह एक अत्यंत गंभीर अपराध है और इससे बहुत सख्ती से निपटा जाएगा। हम चाहते हैं कि लोग सही कारणों से थाईलैंड आएं। यहां मौज-मस्ती करने में मादक पदार्थों का कोई स्थान नहीं है, क्योंकि वे आपका और आपके आसपास के कई लोगों का जीवन बर्बाद कर देंगे।

लेखक की ओर से एक टिप्पणी

रॉबर्ट की स्थिति के बारे में अदालत के आधिकारिक बयान को पढ़ने के बाद, मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि उसे उसकी बेईमान थाई पत्नी और थाई पुलिस ने फंसाया था। यह पढ़कर हंसी आती है कि उसे उसकी पत्नी को नशे की लत लगाने और एक शिक्षिका के रूप में उसका करियर बर्बाद करने के लिए दोषी ठहराया जा रहा है, इनमें से कुछ भी सच नहीं है! यह बिल्कुल स्पष्ट है कि नशे के मामले में दोषी कौन था, और वह निश्चित रूप से रॉबर्ट नहीं था!

मैं रॉबर्ट फिशर को करीब 10 साल से जानता हूँ और मुझे पूरा यकीन है कि वह किसी भी तरह का नशा नहीं करता। मुझे कभी समझ नहीं आएगा कि उसकी पत्नी को उसके साथ ऐसा करके किस तरह का घिनौना और विकृत आनंद या संतुष्टि मिलती होगी।

एक तरह से मुझे रॉबर्ट को थाईलैंड ले जाने का थोड़ा पछतावा हो रहा है क्योंकि अगर वह वहां नहीं जाता तो इनमें से कुछ भी नहीं होता, लेकिन फिर भी, हमारी मूल यात्रा उसके लिए केवल 3 दिन ही चली क्योंकि उसे वहां का माहौल पसंद नहीं आया और उसने इतनी जल्दी घर लौटने का फैसला कर लिया। मुझे आश्चर्य हुआ कि वह कभी थाईलैंड वापस गया और यह देखकर और भी हैरानी हुई कि इतनी बुरी पहली यात्रा के बाद भी वह इतनी बार वापस गया, और उससे भी ज्यादा आश्चर्य हुआ कि उसने किसी ऐसे व्यक्ति से शादी कर ली जिसे वह जानता भी नहीं था। ये दोनों बातें मेरे नियंत्रण से बाहर थीं और पूरी तरह से उसकी अपनी पसंद और निर्णय थीं।

वैसे तो अब मुझे थाईलैंड के लिए फ्लाइट बुक करके अपने दोस्त से मिलने जाना चाहिए।

समाप्त

लेखक से मिलें

निगेल टेलर, जो मूल रूप से इंग्लैंड के डर्बीशायर में चेस्टरफील्ड के रहने वाले हैं, 2001 में ठंड और बारिश से बचने के लिए दक्षिण टेक्सास की गर्मी और धूप में चले गए, जहां वह अभी भी अपनी खूबसूरत पत्नी स्टॉर्मी और कई कुत्तों के साथ राउंड रॉक में रहते हैं।

लेखक की ओर से

इस पुस्तक को खरीदने और पढ़ने के लिए आपका धन्यवाद। मुझे आशा है कि आपको यह रुचिकर लगी होगी। यदि आपको यह पुस्तक पसंद आई हो, तो कृपया अमेज़न या जहाँ से भी आपने इसे खरीदा हो, वहाँ एक सकारात्मक समीक्षा अवश्य दें।

धन्यवाद।

निगेल टेलर